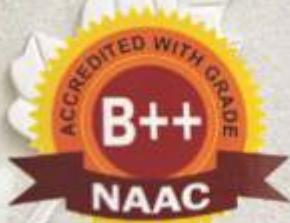


2020-2021



छानाजिल

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर (उ .प्र .)



NAAC IIInd Cycle : Grade B++
Certified : ISO 9001 - 2015



चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से सम्बद्ध

महाविद्यालय परिवार



प्रथम पंक्ति - दायें से बायें - डॉ. रतन सिंह, डॉ.आजाद आलम सिद्धकी, डॉ. (मो.) वकार रजा, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. रमाकान्ति, डॉ. जूही बिरला, डॉ.शिवानी वर्मा, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. निथि रायजादा, डॉ. रश्मि कुमारी, डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्य), डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दीपिति वाजपेयी, श्रीमती शिल्पी, डॉ. मीनाक्षी लोहनी, डॉ. जीत सिंह, डॉ. हरेन्द्र कुमार, डॉ. अरविन्द कुमार यादव, डॉ. सुशीला

द्वितीय पंक्ति - दायें से बायें - डॉ. हेमन्त चंचल, डॉ. सतीश चन्द्र, डॉ. शालिनी तिवारी, डॉ. सोनम शर्मा, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. मणि अरोरा, श्रीमती नेहा त्रिपाठी, डॉ. सीमा देवी, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. भावना यादव, श्रीमती निशा यादव, डॉ. बबली अरुण डॉ. कनकलता यादव, डॉ. माधुरी पाल, डॉ. श्वेता सिंह, श्रीमती पवन, डॉ. विनोता सिंह, डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. मिन्तु, डॉ. बलराम, डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार, डॉ. अपेक्षा तिवारी

शिक्षणेत्तर कर्मचारी वर्ग



दायें से बायें - श्री अभिषेक कुमार, श्री महेश भाटी (कार्यालयाध्यक्ष), डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्य), श्री मुकेश कुमार, श्री माधव श्याम केसरवानी, श्री चन्द्रप्रकाश

डॉ० दिनेश शर्मा



उप मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

99-100 विधान भवन,
लखनऊ
दिनांक 28-05-2021

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर गौतमबुद्धनगर द्वारा अपनी महाविद्यालय पत्रिका “ज्ञानाभ्युजलि” का प्रकाशन किया जा रहा है।

शिक्षण संस्थानों का दायित्व है कि वे निर्धारित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के उदात्त मूल्यों द्वारा संस्कारित करे, जिससे वह देश प्रेम, अनुशासन, सद्भाव, सेवा, त्याग आदि गुणों से परिपूर्ण नागरिक बन सकें।

उक्त के अतिरिक्त मैं संस्था की प्राचार्या को उनके कुशल निर्देशन में दिनांक 13 मार्च, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार “शिक्षा का वैश्विक परिदृश्य तथा समग्र विकास : नई शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में” के सफल तथा सार्थक आयोजन के लिए बधाई देता हूँ, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के 752 शिक्षकों, छात्रों एवं शोधार्थियों द्वारा अपनी सहभागिता प्रस्तुत की गई। साथ ही साथ उत्तर प्रदेश शासन के ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी पोर्टल पर सर्वाधिक ई-कंटेट अपलोड कराने वाले प्रथम सात राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त तथा स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों की श्रेणी में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर भी हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूँ।

मुझे विश्वास है कि पत्रिका में छात्रों के शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास से सम्बद्धित पठनीय सामग्री एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों की रचनात्मक उपलब्धियों का समावेश होगा।

महाविद्यालय पत्रिका “ज्ञानाभ्युजलि” के सफल प्रकाशन के लिए कृपया मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें।

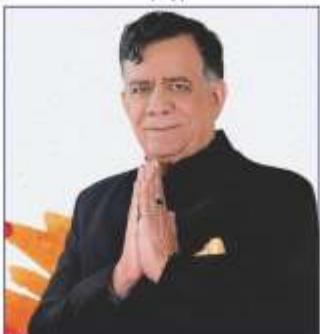
भवदीय

(डॉ० दिनेश शर्मा)

प्राचार्य,
कु० मायावती राजकीय महिला
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बादलपुर (गौतमबुद्धनगर)

सतीश महाना

मंत्री



औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय

कक्ष सं-74-74 ए. मुख्य भवन
दूरभाष: 05222 & 2238388 / 2213276 (का.)

लखनऊ

दिनांक : 30-07-2021

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा वार्षिक पत्रिका 'ज्ञानाङ्गलि' का प्रकाशन किया जा रहा है। महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित की जा रही पत्रिका के माध्यम से देश-प्रदेश के युवक एवं युवतियों व महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को ज्ञान के पथ पर चलने का मार्ग प्रशस्त होगा तथा विभिन्न प्रकार की सामाजिक जानकारियों का लाभ प्राप्त होगा। कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर (गौतमबुद्धनगर) द्वारा प्रकाशित इस जन उपयोगी वार्षिक पत्रिका 'ज्ञानाङ्गलि' के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(सतीश महाना)

प्राचार्य,
कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, बादलपुर
(गौतमबुद्ध नगर)

मोनिका एस गर्ग

आई.एस.एस.



अर्द्धशाही संसं 5595/ पौष्टि एवं ईडी 0/2021

अपर मुख्य सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश शासन

दूरभाष : 0522-2237065 (का०)

0522-2213435

फैक्स : 0522-2235516

E-mail : pshed2020@gmail.com

लाखनऊ : दिनांक: 14-06-2021

संदेश

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ज्ञानाञ्जलि के प्रकाशन के अवसर पर मुझे यह जानकर हर्ष की अनुभूति हो रही है कि कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। नैक के द्वितीय चरण में B++ ग्रेड की प्राप्ति हेतु महाविद्यालय के प्रयास प्रशংসनीय है तथा उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी में सर्वाधिक ई-कंटेंट अपलोड करके महाविद्यालय ने हर क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है। मुझे आशा है कि भविष्य में भी महाविद्यालय नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा। पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी शुभकामनाएँ।

१५/६/२१

एस० गर्ग

प्राचार्य,
कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, बादलपुर
(गौतमबुद्ध नगर)

डॉ०. अमित भारद्वाज
निदेशक उच्च शिक्षा (उ०प्र०)



उच्च शिक्षा निदेशालय उ०प्र०
सरोजनी नायडू मार्ग,
प्रयागराज-211001
0532-2623874 (का०)
0532-2423919 (फैक्स)
ई. मेल info@dheup.com

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका “ज्ञानाभ्यंजलि” का प्रकाशन किया जा रहा है।

वार्षिक पत्रिका में महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों व महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, वैज्ञानिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक विषयों पर लेख प्रकाशित किये जायेंगे।

आशा है कि लेखों के संग्रह के द्वारा पत्रिका छात्राओं के लिये सृजनशीलता, सुखचिपूर्ण रचनात्मक प्रतिभा व उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास, अनुशासन की भावना को विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी तथा उनके लिये पथ-प्रदर्शक का कार्य करेगी।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

डॉ० (अमित भारद्वाज)

प्राचार्य, कु० मायावती राजकीय महिला
स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर (उ०प्र०150)

प्रो० नरेन्द्र कुमार तनेजा
पी० एच० डी० (अर्थशास्त्र)
कुलपति



पत्रांक : एस० बी० सी०/२१/१२१
दिनांक : २८-०५-२०२०१

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय
मेरठ-२५० ००४ (उ०प्र०)

“संदेश”

जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर (गौतमबुद्धनगर) द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका “ज्ञानाङ्गलि” का प्रकाशन किया जा रहा है।

किसी महाविद्यालय की पत्रिका महाविद्यालय द्वारा वर्ष भर में छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास के लिये आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विहंगम वर्णन के माध्यम से विद्यार्थियों में नयी उमंग एवं उत्साह का संचार करती है तथा उनकी सकारात्मक सक्रियता के संबद्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विश्वास है कि यह पत्रिका छात्र/छात्राओं की सुजनात्मक प्रतिभा के निखार का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ ज्ञानोपयोगी लेखों को प्रकाशित करेगी। महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है।

महाविद्यालय परिवार को पत्रिका प्रकाशन हेतु शुभकामनायें।

— नरेन्द्र कुमार तनेजा

(नरेन्द्र कुमार तनेजा)

प्राचार्य,
कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
बादलपुर (गौतमबुद्धनगर)

सृजनशील, कर्तव्यनिष्ठ, सफल प्रशासक
एवं यशस्वी प्राचार्या



प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ

प्राचार्या की कलम से

“यह अरण्य झुरमुट, जो काटे अपनी राह बना ले,
कीतदास यह नहीं किसी का, जो चाहे अपना लें,
जीवन उनका नहीं युधिष्ठिर ! जो उससे डरते हैं,
वह उनका, जो चरण रोप निर्भय होकर लड़ते हैं”

-श्री रामधारी सिंह दिनकर

सपने देखना और उनको साकार करने हेतु प्रयासरत रहना, यह लक्ष्योंनुखी एवं साहसी प्राणियों की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है। ऐसे व्यक्ति किसी से सपने उधार नहीं लेते, बल्कि अपने विचारों में रमे हुए अपनी राह स्वयं बनाते हैं क्योंकि अगर रेत पर पड़ी सीपियों से ही संतोष मिल जाए तो समंदर की गहराइयों में पड़े मोतियों के खजाने को कौन बाहर लाएगा ? लगभग विगत पंद्रह माह से असामान्य स्थिति से गुजर रहे विश्व में छोटे-बड़े देशों की तथा वर्तमान विद्यार्थियों की परिस्थितियों में कई समानताएं देखी जा सकती हैं। बहुत से विकैसित देशों को जहाँ एक सूक्ष्म जीवाणु के आगे घृणने टेकने पड़े, वही कई छोटे देशों, जिन्होंने अपनी राह स्वयं बनाई, वे इस महामारी पर काबू पाने में तुलनात्मक रूप से सफल रहे। उसी प्रकार विद्यार्थियों के लिये यह समय अत्यधिक चुनौती पूर्ण रहा। कई मेधावी छात्र समय का सदुपयोग न कर पीछे रह गए, वहीं सामान्य छात्र जो पहले पाठ्यक्रम को परीक्षा की दृष्टि से सामान्य रूप से ही समझ पाते थे, वे समय का सदुपयोग कर, न केवल नए विषयों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर पाए, बल्कि तकनीकी एवं विभिन्न कलाओं में निपुणता प्राप्त कर अपनी रुचियों तथा रचनात्मकता को निखारने में भी सफल सिद्ध हुए।

लक्ष्य का निर्माण, सफलता की प्रथम सीढ़ी है। लक्ष्यों का निर्धारण व उन्हें पूर्ण करने हेतु सदा प्रयत्नशील रहना, कठिन परिस्थितियों में भी महाविद्यालय की अकादमिक एवं प्रशासनिक गुणवत्ता को बनाए रखने का मूल मंत्र है। वर्तमान सत्र का अधिकांश समय लॉकडाउन में व्यतीत होने के बावजूद, महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएँ निरंतर ऑनलाइन माध्यम से कार्यशील रहे। समय की माँग को देखते हुए महाविद्यालय में माइक्रोसॉफ्ट टीम्स का licensed version एवं Zoom का असीमित समय का subscription प्राप्त किया गया ताकि ऑनलाइन कक्षाएं /बैठकें एवं अन्य कार्यक्रम सुचारू रूप से निर्धारित समय-सारणी व एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार सम्पन्न किये जा सकें। समस्त विभागों के E-timetable महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किये गये। ऑनलाइन कक्षाओं एवं उपस्थिति का अभिलेखीकरण सुनिश्चित किया गया तथा समस्त स्नातकोत्तर कक्षाओं की आंतरिक परीक्षाएं भी ऑनलाइन सम्पन्न करायी गई, जिसमें छात्राओं की उपस्थिति शत प्रतिशत रही। छात्राओं ने पोस्टर, स्लोगन, वीडियो निर्माण इत्यादि के माध्यम से व्यापक कोरोना जागरूकता अभियान चलाया। U.P-State Digital Library में प्रदेश के समस्त शिक्षण संस्थानों द्वारा जहाँ 72246 ई-केंटेन्ट अपलोड हुए, उनमें 987 ई-केंटेन्ट अपलोड कर हमारा महाविद्यालय प्रदेश के समस्त महाविद्यालयों में प्रथम स्थान पर रहा। यही नहीं, विषयों की पृथक-पृथक कैटेगरी में महाविद्यालय के पाँच प्राध्यापकों ने सर्वाधिक ई-केंटेन्ट अपलोड करने का पुरस्कार प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रथम बार रिसर्च को प्रोत्साहित करने के लिये अनुदान की घोषणा की गई, जिनमें महाविद्यालय के पाँच प्राध्यापकों को लघु एवं वृहद शोध परियोजना स्वीकृत की गई। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत प्रदेश स्तर पर mascot डिजाइन प्रतियोगिता में महाविद्यालय के बी० एड० द्वितीय वर्ष की छात्रा, रोजी आजमी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर हम सभी को गौरवान्वित किया।

नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों के क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय में इनोवेशन काउंसिल की विधिवत स्थापना हुई। वर्तमान सत्र में 04 नए MOU पर हस्ताक्षर हुए जिनमें Galgotia University, Greater Noida, Technoserve, Mumbai व नई दिल्ली की दो संस्थाएँ edXbee तथा Aerial Aerodrome Aviation Academy LLP, शामिल हैं। प्रदेश स्तर पर अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु पाठ्यक्रम निर्धारण इत्यादि के लिए उच्च स्तरीय समितियों का गठन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के डॉ. दिनेश शर्मा को स्टीरिंग कमेटी में, स्वयं मुझे आर्ट एंड ह्यूमैनिटीज के एंकर के पद पर तथा डॉ किशोर कुमार, डॉ. दीपि वाजपेयी एवं डॉ. अरविन्द यादव को सुपरवाइजर के रूप में चयनित होने का सौभाग्य मिला तथा अनेक विषयों के प्राध्यापक विषय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित हुए तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य के अनुरूप नवीन पाठ्यक्रम बनाने में सफल रहे।

महाविद्यालय की दक्षिण दिशा की बाउंड्री वॉल जो कई वर्षों से क्षतिग्रस्त थी, उसका, Greater Noida Authority के सौजन्य से CSR के अन्तर्गत पुनः निर्माण कराया जाना, आई० क्यू० ए० सी० की नियमित बैठकें, मिशन शक्ति कार्यक्रम का सफल आयोजन, रोजगार प्राप्ति की दिशा में एवं विश्वविद्यालय मेरिट लिस्ट में छात्राओं के बढ़ते कदम, लॉकडाउन की विषम परिस्थितियों में भी न्यूज लेटर “प्रतिबिम्ब” एवं वार्षिक पत्रिका “ज्ञानाञ्जलि” का समय से प्रकाशन, इस सत्र की अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियाँ रही।

नया सत्र, नये विचार, नई उम्मीदों और नवीन प्रारम्भ के लिये मेरी ओर से अनेकों शुभकामनाएँ।

-डॉ. दिव्या नाथ

संपादकीय



विश्व की समस्त संस्कृतियों की शिरोमणि, सर्वांगीण समुत्रत, सर्वप्राचीन भारतीय संस्कृति प्रारम्भ से ही संपूर्ण विश्व को ज्ञान के दिव्यालोक से आलोकित करती रही है। अपनी सुदृढ़ता, शाश्वतता तथा विलक्षण समाहार शक्ति के कारण अनेक बाह्य संस्कृतियों के विधंसकारी आक्रमण से भी सरस्वती के कोश की भाँति निरंतर समृद्ध होने वाली, देश-काल की सीमाओं से अनतिकांत भारतीय संस्कृति वेदांतीय शिक्षा की सुधावत चिंतन धारा से अभिसिंचित होकर पुष्टि एवं पल्लवित हुई है। इस चिंतन की पृष्ठभूमि में भारतीय सांस्कृतिक विचारधारा ‘सा विद्या या विमुक्तये’ के सिद्धान्त का पोषण करती है, किन्तु वर्तमान शिक्षा वैचारिक स्वतंत्रता के स्थान पर मानव में अनुकूलन की प्रवृत्ति उत्पन्न करने का कार्य करती है। परम्परा के निर्वाह हेतु बाध्य करना शिक्षा नहीं है। मानव को विवेकपूर्ण क्रांति की ओर प्रेरित करना, सत्य - असत्य, करणीय - अकरणीय का विवेक उत्पन्न करना वास्तविक शिक्षा है। जो शिक्षा पूर्वाग्रह विहीन होकर आत्म-अवधान की क्षमता जागृत कर विद्यार्थी को उसके जीवन मूल्यों के अन्वेषण में सहायता करती है, वही उत्तम शिक्षा है।

जीवन और शिक्षा में संतुलन का होना अति आवश्यक है। संतुलन ही सुंदरता है। संतुलन ही श्रेष्ठकर है। संतुलन का अभाव जीवन की सहजता को समाप्त कर उसे एकांगी बना देता है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था संतुलनवादी होने के स्थान पर एकपक्षीय है। भौतिकतावादी दृष्टिकोण के अतिवादी हो जाने के कारण आधुनिक शिक्षा में भारतीय चिंतन उपेक्षित हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का आना नवीन सूर्योदय के समान है। शिक्षा में सर्वांगीणता को समाहित करने वाली नई शिक्षा नीति के उद्देश्य संतुलनवादी हैं। इसमें वैश्विक पटल पर कुशल नागरिक के रूप में युवा शक्ति के विकास के लक्ष्य के साथ भारतीयता के बोध को भी सम महत्व दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं प्राच्य ज्ञान के पुनरुत्थान का संकल्प निहित है। इस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए शिक्षण संस्थानों की भूमिका पूर्णाहुति के समान है। कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर की चिंतनशील, कर्मठ और दूरदर्शी प्राचार्य के साथ समस्त प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारीवर्ग अपने-अपने स्तर से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु संकल्पित हैं एवं उन्हें व्यावहारिक रूप देने के लिए यथासंभव प्रयासरत हैं। इन प्रयासों की झलक ज्ञानाङ्गलि के वर्तमान अंक के रूप में प्रज्ञवर्ग के सम्मुख है। ज्ञानाङ्गलि का प्रधान उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मकता और कल्पना को सतरंगी उड़ान देना है अतः वार्षिक पत्रिका में छात्राओं की सुजनात्मकता एवं भावानुभूतियों को सम्यक मंच प्रदान किया गया है।

ज्ञानाङ्गलि के संपादन का उत्तरदायित्व सौंपकर मेरी क्षमताओं के प्रति विश्वास व्यक्त करने तथा मेरी साहित्यिक अभिरुचियों को निखारने का सुअवसर प्रदान करने के लिए मैं सम्माननीय प्राचार्य जी की कृतज्ञ हूं, जिनकी छत्रछाया में महाविद्यालय हर क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। अपने अमूल्य शुभकामना संदेशों के द्वारा महाविद्यालय का मान वर्धन करने वाले माननीयों के प्रति हार्दिक आभारी हूं। अपने साथी संपादक मंडल एवं महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करती हूं, जिनकी समवेत प्रयासों का प्रतिफल पत्रिका के वर्तमान कलेवर के रूप में अपनी इंद्रधनुषी आभा बिखेर रहा है। पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं के माध्यम से अपनी सुजनात्मकता को मूर्त रूप देने वाली छात्राएं प्रशंसा की पात्र हैं। सृजन का जो बीज उन्होंने बोया है, वह उनके जीवन में अबाधित रूप से फलित होता रहे।

समस्त छात्राओं के सर्वतोन्मुखी विकास की अनंत शुभकामनाएं।

‘सं वो मनांसि सं व्रता, समाकूर्तिर्नमामसि’
[हमारे मन, कर्म और विचार एक रूप हो]

-डॉ. दीपि वाजपेयी
प्रधान संपादक

छानाऊजिल

कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)
नैक द्वारा “बी++” ग्रेड प्रमाणित

अंक - चतुर्दश



वर्ष - 2020-21

प्रधान सम्पादक
डॉ. दीपि वाजपेयी

डॉ. नेहा त्रिपाठी
डॉ. मिन्तु बंसल

प्राचार्य
डॉ. दिव्या नाथ

सह-सम्पादक
डॉ. किशोर कुमार

सम्पादक मण्डल

डॉ. मीनाक्षी लोहनी
डॉ. विजेता गौतम
डॉ. रमाकान्ति

डॉ. अरविन्द यादव
डॉ. नीलम शर्मा

छात्रा सम्पादक मण्डल

कला संकाय
कु. अंजलि नागर (एम.ए. संस्कृत)
कु. सोनिका (एम.ए. इतिहास)

विज्ञान संकाय
कु. काजल (बी.एस.सी. तृतीय वर्ष)
कु. तनु (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष)

वाणिज्य संकाय

कु. नेहा गुप्ता (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)
कु. काजल वर्मा (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष)

शिक्षा संकाय

कु. साधना यादव (बी.एड. द्वितीय वर्ष)
कु. नीलम यादव (बी.एड. प्रथम वर्ष)

चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से सम्बद्ध

कृष्ण गीत

शस्य श्यामला बादलपुर हरी भरी उर्वर धरती पर
जन-गण मंगल करने के हित, विद्या दीप जलाया है।

गंगा यमुना की धारायें, इसके तट पावन करती
मुक्त प्रदूषण शीतल छाया, तन मन को पुलकित करती
शान्ति, समन्वय, नैतिकता हित ज्ञान का दीप जलाया है।

शस्य श्यामला....

खेत-खेत क्यारी-क्यारी में, नित्य नया जीवन भरती
श्रम सीकर सिंचित यह माटी, चन्दन सा जग महकाती
बाल पुण्य का सौरभ माटी, चन्दन अगस्त जलाया है।

शस्य श्यामला....

इसका है इतिहास निराला, गाथा गायन अलबेला
मिहिर भोज की कीर्ति कथा से, इसका मस्तक गर्वीला
आगत भी है परम्परागत, विद्या दुर्ग सजाया है।

शस्य श्यामला....

आजादी के प्रथम युद्ध की, साक्षी है पावन धरती
बुद्ध तथागत की करुणा भी, ममता का संचय करती
समरस की सुन्दर संध्या में, रंजन द्वीप जलाया है।

शस्य श्यामला....

भव्य भारती के पदतल में करें अर्चना करें नमन
रमा विजय श्री मिले सभी को, जितेन्द्रिय सब बने युवा जन
ज्ञान सूर्य से मिटे तिमिर सब, ज्योतिर्पुज जलाया है।

शस्य श्यामला....

ऊर्जा, बौद्धिकता, मानवता, शुचिता, पावनता और सृजन
विद्या मन्दिर बादलपुर का, आओ कर लें अभिनन्दन
विद्या हर घर-घर तक पहुँचे, ज्ञान का शंख बजाया है।

शस्य श्यामला....

अनुक्रमणिका

गद्याञ्जलि

1. संस्कृत का सार्वकालिक महत्व
2. भीगता छाता
3. पापा की तालीम
4. तीन दोस्त
5. दुःखद परिस्थिति (एक हथकड़ी)
6. वो नन्हीं परी
7. धन की खोज़
8. कठिन परिस्थितियों से जीतना सीखो
9. संस्कृतरक्षा तत्पर्यारश्च
10. मुखं व्याकरणं स्मृतम्
11. भारतीयदर्शानानां महत्वं वैशिष्ट्यं च
12. कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन
13. महर्षि पाणिनिः
14. संस्कृतसाहित्यस्य वैशिष्ट्यम्
15. पर्यावरण-संरक्षणम्
16. वर्तमान-युगे संगणकस्य (कम्प्यूटरस्य) उपयोगित्वम्
17. संस्कृत संगणकः (Computer) च
18. Lockdown:A Detox For Mother Earth
19. Effects or Lockdown on the Environment
20. Covid-19 Impact on the Global Economy
21. Online Teaching and Learning During Lockdown
22. From Disastrous to manageable Lockdown - 2020
23. My Adventures with cooking
25. Facts About seas and Oceans
26. Civilization Unmasked

काव्याञ्जलि

27. भ्रष्टाचार : वैश्विक समस्या
28. जिन्दगी
29. बाल विवाह
30. “मॉडर्न स्टूडेन्ट मुन्ना भाई”
31. कौन हूँ मैं
32. जल - संरक्षण
33. बेटियाँ
34. वक्त
35. स्वार्थी मानव
36. भाग्य का दोष

डॉ० दीप्ति वाजपेय, एसो.प्रो.(संस्कृत)	8
शिवानी, बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	9
नीलम यादव, बी.ए. प्रथम वर्ष	11
काजल नागर, बी.ए. प्रथम वर्ष	12
श्रुति गर्ग, बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	12
प्रिया, बी.एड. प्रथम वर्ष	13
प्रिया देवी, बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	14
वर्षा, बी.एस.सी. तृतीय	15
अंजलि नागर, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	16
आकांक्षा, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	18
एकता डहलिया, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	20
कोमल, बी.ए. तृतीय वर्ष	23
रितू नागर, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	25
पायल, बी.ए. तृतीय वर्ष	27
श्वेता, एम.ए.तृतीय सेमेस्टर	30
शैली, एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर	31
शिल्पा नागर, एम.ए.प्रथम सेमेस्टर	32
Bhoomika, B.A.II	34
Aarti, B.A.II	35
Anamika Kardam, B.A.II	35
Rashmi, B.A.II	36
Bushra, B.A.II	36
Kanchan, M.A.I	37
Alka, M.A.II	37
Rubina, M.A.I	37
Anjali Singh, M.A.I	38

सुजाता, बी.ए. प्रथम वर्ष	40
दीपिका नागर, एम.ए. द्वितीय वर्ष	40
प्रीति भाटी, बी.कॉम. तृतीय वर्ष	40
रश्मि गर्ग, बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	41
निधी मिश्रा, एम.ए. द्वितीय वर्ष	41
कंचन रौसा, बी.एस. सी. प्रथम वर्ष	42
निशा, बी.ए. तृतीय वर्ष	42
काजल नागर, बी.ए. प्रथम वर्ष	42
पूजा, एम.ए. प्रथम वर्ष	42
चंचल डहलिया, बी.ए. प्रथम वर्ष	43

37.	पहचान	भारती नागर, बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	43
38.	पिता	नेहा नागर, एम.ए. प्रथम वर्ष	44
39.	जिन्दगी का दस्तूर	रीना, एम.ए. द्वितीय वर्ष	44
40.	अहं प्रभाते उत्तिष्ठामि	पायल पवार, बी.ए. प्रथम वर्ष	44
41.	भारतधरणीय मामकजननीयम्	प्रीति, बी.ए. तृतीय वर्ष	45
42.	सुन्दर सुरभाषा	मीनाक्षी, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	45
43.	छात्र जीवनम्	बुलबुल, बी.ए. प्रथम वर्ष	45
44.	जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी	ईशा भाटी, बी.ए. द्वितीय वर्ष	45
45.	संस्कृतस्य सेवनम्	आकांक्षा, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	46
46.	लक्ष्यमस्ति निश्चितम्	काजल शर्मा, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	46
47.	वदति माधवः	काजल नागर, बी.ए. तृतीय वर्ष	46
48.	अहिसां परमो धर्मः	आरती, बी.ए. प्रथम वर्ष	47
49.	परोपकार : पुण्याय पापाय परपीडनम्	निधी, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	47
50.	सत्सङ्गति कथय किन्न करोति पुसांम्	दिव्या, एम.ए.तृतीय सेमेस्टर	47
51.	This Crisis	Urvashi, M.A.I	48
52.	Covid-19	Goldi Raghav , M.A.II	48
53.	Pandemic	Preeti Saini, M.A.I	49
54.	Silence	Sonakshi Singh, M.A.I	49
55.	Rain	Kajal, B.A.II	49
56.	Save Girl Child	Gunjan Goyal, M.A.I	50
57.	Facts About Fruits	Urvshi , M.A.I	50
58.	Satisfaction	Muskan, M.A.II	51
59.	She	Aditi Singh Rajput, M.A.II	51
60.	Learn From Nature	Noreen, M.A.I	52
61.	The Dirty Little Secret of Perfect Health	Shaibi Khan, M.A.I	53
62.	Rights	Rekha , M.A.I	53
63.	Amazing Facts	Sunny Nagar, B.A.II	53
64.	Riddles	Ritika Rawat, B.A.II	54

विविधाञ्जलि

65.	वार्षिक आख्या	डॉ. श्वेता सिंह	56
66.	हिन्दी परिषद्	डॉ. मिन्तु	58
67.	संस्कृत परिषद्	डॉ. दीप्ति वाजपेयी	59
68.	English Association	Dr. Sweta Singh	61
69.	राजनीति विज्ञान परिषद्	डॉ. ममता उपाध्याय	62
70.	इतिहास परिषद्	डॉ. निधि रायजादा	62
71.	शिक्षा शास्त्र परिषद्	डॉ. सोनम शर्मा	63
72.	समाजशास्त्र परिषद्	डॉ. सुशीला	64
73.	गृह विज्ञान परिषद्	डॉ. शिवानी वर्मा	65
74.	संगीत परिषद्	डॉ. बबली अरूण	66
75.	चित्रकला परिषद्	श्रीमती शालिनी तिवारी	67
76.	अर्थ शास्त्र परिषद्	श्रीमती भावना यादव	68
77.	शारीरिक शिक्षा विभाग	डॉ. धीरज कुमार	69
78.	शिक्षक शिक्षा परिषद्	डॉ. रतन सिंह	71

79.	Geography association	Lt. (Dr.) Meenakshi Lohani	72
80.	वाणिज्य परिषद्	डॉ. अरविन्द कुमार यादव	73
81.	विज्ञान परिषद्	डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा	74
82.	राष्ट्रीय सेवा योजना (प्रथम इकाई)	डॉ. विनीता सिंह	75
83.	राष्ट्रीय सेवा योजना (द्वितीय इकाई)	डॉ. नीलम शर्मा	78
84.	एन.सी.सी. इकाई	लेफिटनेन्ट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी	83
85.	पुरातन छात्रा सम्मेलन	डॉ. मिन्तु	85
86.	प्राथमिक चिकित्सा समिति	डॉ. शिवानी वर्मा	85
87.	इनोवेशन एवं इन्व्यूवेशन समिति	डॉ. कनकलता	86
88.	महाविद्यालय कॉलेबौरेशन (MoU) समिति	डॉ. शिवानी वर्मा	86
89.	आजादी अमृत महोत्सव	डॉ. ममता उपाध्याय	87
90.	विभागीय परिषद्	डॉ. शिवानी वर्मा	87
91.	रेंजर्स	डॉ. सुशीला	88
92.	सड़क सुरक्षा समिति	डॉ. आशा रानी	90
93.	छात्रवृत्ति आख्या	डॉ. बलराम सिंह	90
94.	कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ	श्रीमती शिल्पी	90
95.	एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति	लेफिटनेन्ट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी	91
96.	साहित्यिक-सांस्कृतिक परिषद्	डॉ. दीपि वाजपेयी	94
97.	महिला प्रकोष्ठ	डॉ. अर्चना सिंह	96
98.	मिशन शक्ति	डॉ. अर्चना सिंह	97
99.	जल शक्ति समिति	लेफिटनेन्ट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी	101
100.	प्रसार व्याख्यान	डॉ. निधि रायजादा	102
101.	स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केंद्र	डॉ. किशोर कुमार	103
102.	राष्ट्रीय सेमिनार	डॉ. रमाकान्ति	104
103.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 क्रियान्वयन समिति	डॉ. दीपि वाजपेयी	105
104.	शैक्षिक भ्रमण-बी.ए.ड.विभाग	रोजी आजमी, बी.ए.प्रथम वर्ष	106
105.	Internal Quality Assurance Cell	Dr. Kishor Kumar	108
106.	Department of Vocational Studies		115
107.	Eco Restoration & Green Audit Committee	Dr. Partibha tomar	117
108.	महाविद्यालय प्राध्यापकों एवं छात्राओं की विशिष्ट उपलब्धियाँ		118
109.	महाविद्यालय परिवार		119

Vision

To provide low cost quality higher education to the girls students of socioeconomically weaker sections of the area, in order to bridge the rural-urban divide and thus bring about holistic national development.

परिकल्पना

इस क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की छात्राओं को कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विभेदों को दूर करते हुए समग्र राष्ट्र का विकास करना।

Mission

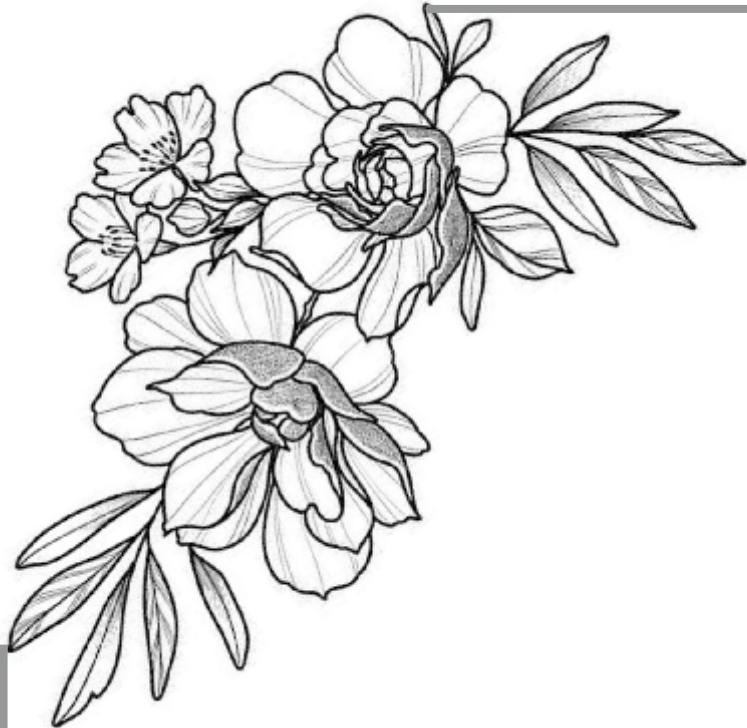
As a unit of Uttar Pradesh Government Higher Education, “Kumari Mayawati Govt. Girls Post Graduate Collage, Badalpur” is engaged in pursuit of academic excellence, in order to achieve the empowerment of women in the adjoining rural area by :

- *The development of leadership skills, inner strength and self-reliance,*
- *Inculcate moral values and tolerance and*
- *Making new technological innovations available to the target group, in order to prepare them to face national and global challenges.*

संकल्प

उ० प्र० राज्य उच्च शिक्षा की इकाई के रूप में “कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर” ग्रामीण अंचल की छात्राओं को गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा प्रदान कर निम्न बिन्दुओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को यथार्थ स्वरूप प्रदान करने हेतु संकल्प है-

- छात्राओं में मनोबल, आत्मनिर्भरता एंव नेतृत्व क्षमता का विकास करना।
- उनमें नैतिक मूल्यों का विकास कर सहिष्णुता की भावना विकसित करना।
- नवीन तकनीकी एवं नवाचारों के माध्यम से छात्राओं में राष्ट्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करना।



ગાધાજલી



संस्कृत का सार्वकालिक महत्व

डॉ० दीपि वाजपेयी
एसोसिएट प्रोफेसर(संस्कृत)

संस्कृत भाषा देववाणी कहलाती है। यह न केवल भारत की महत्वपूर्ण भाषा है, अपितु इसे विद्वानों द्वारा विश्व की प्राचीनतम व श्रेष्ठतम भाषा माना गया है। सभी विद्वान एक मत से संस्कृत के प्रथम ग्रंथ ऋग्वेद को सबसे प्राचीन मानते हैं।

संस्कृत में मानव जीवन के लिए उपयोगी चारों पुरुषार्थों (धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष) का विवेचन बड़े ही विस्तार से किया गया है। अतः संस्कृत केवल धर्म प्रधान ही है, ऐसा नहीं है। भौतिकतावाद दर्शन से सम्बन्धित विषयों पर भी प्राचीन ग्रंथकारों का ध्यान गया था। उदाहरण स्वरूप कौटिल्य का अर्थशास्त्र एक विख्यात ग्रंथ है जिसमें राजनीतिशास्त्र विषयक सारी जानकारी अच्छे ढंग से मिलती है।

प्राचीन भारतीय जीवन में धर्म को ही अधिक महत्व देने के कारण संस्कृत साहित्य धार्मिक दृष्टि से भी विशेष गौरव रखता है। साथ ही भारतीय धर्म दर्शन का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए वेद का अध्ययन तथा ज्ञान बहुत जरूरी है। वेद वह मूल स्रोत है जहां से विभिन्न प्रकार की धार्मिक धाराएँ निकल कर मानव हृदय को सदा संतुष्ट करती आई हैं, केवल भारतवासियों के लिए ही नहीं बल्कि अन्य देशों तथा विश्व के लिए भी मार्गदर्शक के रूप में है। वेदों के प्रभाव का ही फल है कि पश्चिमी विद्वानों ने तुलनात्मक पुराणशास्त्र जैसे नवीन शास्त्र को ढूँढ निकाला। इस शास्त्र से पता चलता है कि प्राचीन काल में देवताओं के संबंध में लोगों के क्या-क्या विचार थे और किन-किन उपासनाओं के प्रकारों से वे उनकी कृपा प्राप्त करने में सफल होते थे।

इसी प्रकार सांस्कृतिक दृष्टि से भी संस्कृत साहित्य विश्व में गौरवपूर्ण स्थान रखता है। विद्वानों का कहना है कि मध्य एशिया के चीन आदि देशों पर भारतीय संस्कृति और बुद्ध धर्म की जो छाप है, सर्वविद्वित है। कोरिया की लिपि भी भारतीय लिपि पर आश्रित है। तिब्बत भारतीय धर्म और साधना का चिरकाल से क्षेत्र रहा है।

विशुद्ध कलात्मक दृष्टि से भी संस्कृत साहित्य का अपना विशेष महत्व है। इस साहित्य में कालिदास जैसे कमनीय कविता लिखने वाले कवि हुए। भवभूति जैसे महान नाटककार हुए। बाणभट्ट जैसे गद्य लेखक हुए जिसने अपने सरस काव्य से त्रिलोकसुंदरीकादम्बरी की कमनीय कथा सुना-सुनाकर श्रोताओं को अपना भक्त बनाया, जयदेव जैसे गीतिकाव्य के लेखक विद्यमान थे जिन्होंने अपनी कोमलकांतपदावली के द्वारा सहदयों के चित्त में अमृत वर्षा की, श्री हर्ष जैसे पंडित हुए जिन्होंने काव्य और दर्शन का अपूर्व संमिश्रण किया। इस प्रकार इस समृद्ध साहित्य का महत्व सहज ही स्पष्ट हो जाता है। प्राचीनता, अविच्छिन्नता, व्यापकता, धार्मिक व सांस्कृतिक मूल्य तथा कलात्मक दृष्टि से ही नहीं, अपितु धर्म व दर्शन के विचारात्मक अध्ययन की दृष्टि से भी संस्कृत भाषा का अपना विशिष्ट महत्व है।

विश्व का सबसे प्राचीनतम उपलब्ध ग्रंथ ऋग्वेद है। यह तथ्य सर्वमान्य है। मैक्समूलर ने यहाँ तक कहा है, “जब तक मानव अपने इतिहास में रुचि लेता रहेगा और जब तक हम अपने पुस्तकालयों तथा संग्रहालयों में प्राचीन युग की स्मृतियों के चिन्ह संजोए रहेंगे, तब तक मानव जाति के अभिलेखों से भरी-पूरी पुस्तकों के बीच पहली पुस्तक ऋग्वेद ही रहेगी।”

अतः संसार की प्रथम भाषा संस्कृत भाषा है। भाषा से भावों तथा ज्ञान की अभिव्यक्ति होती है तथा भाषा स्वैच्छिक वाचिक ध्वनि संकेतों की वह पद्धति है, जिसके द्वारा मानव समाज परस्पर विचारों का आदान-प्रदान करता है।

संस्कृत भाषा अन्य भाषाओं की तरह केवल अभिव्यक्ति का साधन मात्र ही नहीं है, अपितु वह मनुष्य के सर्वाधिक संपूर्ण विकास

की कुंजी भी है। इस रहस्य को जानने वाले मनुष्यों ने प्राचीन काल से ही संस्कृत को देव भाषा और अमृतवाणी के नाम से परिभाषित किया है। संस्कृत केवल स्वविकसित भाषा नहीं बल्कि संस्कारित भाषा है। इसीलिए इसका नाम संस्कृत है। ऋग्वेद की भाषा विश्व के भाषाई अध्ययन में प्राचीनतम एवं महत्वपूर्ण स्थान रखती है। स्वयं ऋग्वेद में अनेक स्थलों पर भाषा तत्व के गंभीर सिद्धान्त, दार्शनिक चिंतन, भाषा की परिशुद्धता, वैज्ञानिकता तथा सूक्ष्मता को जानना आवश्यक बताया गया है। अतः मानव जाति के आदि स्रोत ग्रंथ को जानने के लिए संस्कृत का महत्व अनन्त है। जो व्यक्ति ज्ञान के आदि स्रोत को नहीं जानना चाहता, उसके लिए उसकी भाषा का भी कोई महत्व नहीं है।

प्राचीनता, अविच्छिन्नता, वैज्ञानिकता, व्यापकता, धार्मिक व सांस्कृतिक मूल्य तथा कलात्मक दृष्टि से ही नहीं, अपितु धर्म व दर्शन के विचारात्मक अध्ययन की दृष्टि से भी संस्कृत भाषा का अपना निजी महत्व है।

भीगता छाता

शिवानी

बी० कॉम द्वितीय

“सांवरी जल्दी से छाता दे। मेरा भाई मनीष कनाड़ा से आ रहा है” सीढ़ी उतरते हुए मोनिका अपनी नौकरानी से बोली, “मेरा प्यारा छाता देना, जिसमें मैं बिल्कुल न भी गूँ।” “क्या दीदी छाता लेकर जाएंगी। डिरेवर...” “डिरेवर नहीं ड्राइवर! मुझे क्या पता था; छुट्टी दे दी। खुद ही जाऊँगी।” सांवरी ने छाता लाकर मोनिका को दिया। मोनिका दिल्ली में बड़ी कोठी में अपने परिवार, माता-पिता और छोटी बहन के साथ रहती थी। भाई मनीष कनाड़ा से ट्रेनिंग लेकर लौट रहा था। सब हरिद्वार बुआजी के पास गए थे। मोनिका की परीक्षा थी इसलिए वह नहीं गयी। पिताजी का गारमेंट्स का अच्छा व्यापार जम गया था। घर पर नौकरों की कमी नहीं थी, जिस कारण मोनिका ने बाहरी दुनिया बहुत करीब से नहीं देखी थी। उसे गरीबी पसंद नहीं थी।

“अचानक आने की सोची, अब मैं क्या करूँ प्लेन से भी तो नहीं आ रहे।”

“मैंनू मुंबई तक प्लेन से आऊँगा, फिर दिल्ली तक भारतीय रेल में, बहुत याद आ रही है भारत की मिट्टी,” मनीष ने सुबह फोन पर कहा था।

“भारत की मिट्टी यह भी कोई याद करने की चीज है?” अपने-आप से बात करते हुई मोनिका ने गाड़ी स्टार्ट की। रेलवे स्टेशन पर गाड़ी पार्क की ओर छाता लेकर बाहर आ गयी। यूँ तो मनीष अपने-आप ही आ जाता, पर मोनिका का मन नहीं माना। पाँच बजे वह स्टेशन पहुँच गयी, गाड़ी आने में अभी समय था। “ओह! एक घंटा...” मोनिका स्टेशन के अन्दर जाते हुई बोली। “माई कुछ देती जा, भूखे को खिला” एक भिखारिन बोली। “हटो जाओ यहाँ से।” मोनिका झेंपते हुई बोली। हमें क्या सजा दी भैय्या ने भी। इस बार बेकार सी जगह उफक, एयरपोर्ट कितना साफ होता है।” वह सोचने लगी।

“तो मुझे आज इंडिया गेट जाना है, पिनी से मिलने। लंदन से आयी है, याद है न पिनी।” “हाँ, पर मुझे स्टेशन जाना है, मामाजी आ रहे हैं।”

अकेले ही पिनी से मिल आयी। वहीं भैय्या का फोन आया। सोचा सुहेला के साथ होगा। पर उसने तो... “अरे वो क्या है न, मामाजी मैं घर पर ही काम करूँगी। सॉरी यार।” तभी सामने ट्रेन की रुकने की आवाज से मोनिका की तन्द्रा टूटी। एक बूढ़ा व्यक्ति उस ट्रेन के डिब्बे से बार-बार झाँक रहा था। सिर पर साफा, भूरा कोट, धोती चमक रही थी। उस बरसाती कीचड़ में भी वह स्वच्छ लग रहा था। बूँदे और तेजी से गिरने लगी। मोनिका ने छाता खोला और उस तरफ चल पड़ी।” बाबा बारिश हो रही है, आप किसे ढूँढ़ रहे हो? उस बूढ़े ने मोनिका को देखा।

झुर्रियाँ भरा संतोषभावी चेहरा । श्वेत बालों पर करीने से बंधा साफा, चशमा । एकदम सौम्य और दिव्य प्रतीत हो रहे थे । वो मुस्कूराये, “बेटी, मैं अपने पोते से मिलने आया हूँ । उसका तार आया था, गाड़ी का समय बताया था और डिब्बा नंबर; पर गाड़ी का नाम... नहीं पता । तुम कौन हो ?”

“मैं मोनिका हूँ । आइए बेंच पर बैठते हैं । आपका पोता शायद अगली गाड़ी से आये । डिब्बा नंबर...।” “बी-4 है, यही है न ?” वह मोनिका के साथ बेंच तक आ गए । “तुम अकेली क्या कर रही हो ?” “मैं अपने भाई को लेने आयी हूँ,” वह छाताबंद करते हुए बोली । बाबा आप कुछ लेंगे, चाय...”

“नहीं बेटी मैं ठीक हूँ । तुम्हारे भाई की ट्रेन कब की है ? अपना साफा साफ करते हुए उन्होंने पूछा ।

“थी तो 6 बजे, पर आएगी 8 बजे । अगर फ्लाईट होती तो समय पर आती ।” मोनिका जोर देकर बोली

“लगता है तुम किसी बड़े परिवार से हो ।” वह उसका छाता देखते हुए बोले ।

“जी बिल्कुल, मेरे पिताजी ‘सोमनाथ गारमेंट्स’ के मालिक हैं ।” वह बोली । उस व्यक्ति ने मोनिका को देखा । “सोमनाथ”

“हाँ, मेरे दादाजी की इंडस्ट्री है ।” मैने नाम सुना है... तुम्हारे दादाजी कहाँ हैं ?”

“वो अब यहाँ नहीं हैं, परदेश में रहते हैं । हमें भूल गए हैं, चलिए चाय-पकौड़े खाते हैं ।” मोनिका बोली । दोनों बेंच पर बैठ गए । पकौड़े खाते हुए मोनिका ने देखा उसकी सलवार में भी कीचड़ लग गयी है । दो अनजाने बुजुगों से मिलकर उसे लगने लगा की यदि वह भी उनकी उम्र में पहुंचकर इसी तरह... तभी गाड़ी आने की अनांउसमेंट हुई । बेटी - अम्मा बोली, “मेरी ट्रेन तो अभी 10 मिनट लेट है ।

“कहकर सभी हंसने लगे । “ओह! मेरा भारत ।” अम्मा के मुँह से निकला । “अम्मा तुम्हें कहाँ जाना है ?”

“वृद्धा आश्रम जाना है ।” “पर आपका परिवार...” “बहुत बड़ा और समृद्ध है । पर मेरी जरुरत अब शायद किसी को नहीं । चलो जाने की तैयारी करते हैं ।” मोनिका बूथ पर भैय्या से बात करने लगी ।

“हेलो भैय्या ।”

“मेनू, मोबाइल कहाँ है ।”

“गाड़ी में रह गया भैय्या । मैं स्टेशन पर हूँ । मेरे साथ अम्मा और बाबा भी हैं । आपको सब बाद में बताती हूँ ।” मोनिका भागते हुए बेंच पर पहुंची । तभी गाड़ी भी आ गयी । सभी बी-4 के सामने खड़े हो गए । मनीष ने उत्तरते ही बाबा के पैर छुए । मोनिका अवाक -सी देखती रही । फिर वो लोग अम्मा को उनकी सीट तक ले गए । जाते-जाते मोनिका के सर पर हाथ रख के उसको आशीर्वाद देते हुए बोली, “खुश रहना बेटा ।”

“भैय्या आप बाबा को कैसे जानते हैं ? और बाबा आपका पोता... अभी तक आया नहीं ?

“मनीष ही मेरा पोता और तू मेरी पोती है, बेटी ।”

बाबा की आँखों से आँसू गिर गये । मोनिका स्तब्ध-सी खड़ी रह गयी ।

“मेनु जब मैं 10 साल का था यह तब की बात है । दादाजी गरीबों के लिए आश्रम खोलना चाहते थे । पर पिताजी मॉल और गारमेंट्स का काम चालू करना चाहते थे । दादाजी ने समझाया पर वह नहीं माने । अंततः दादाजी चले गए । अपनी जमा पूँजी व शेयर आदि बेचकर वृन्दावन में आश्रम खोला, जहाँ वह अम्मा जा रही हैं ।”

“ अच्छा । पर आप तो परदेश में थे, तो भैय्या को कैसे मिले ?”

बेटी मैं स्वदेश में ही था, तुम्हारे ही शहर में । पर तुमसे न मिला । मनीष से मिलता रहा । तभी तो आज यहाँ हूँ ।” कहकर दादाजी ने उन्हें गले लगा लिया ।

“ तो आपने मुझे क्यों नहीं बताया ?” मोनिका बोली ।

“ मेरा यकीन तुम नहीं कर पाती । इसलिए सोचा की मनीष स्वयं ही बताएगा । चलो मैं अब जाता हूँ । तुम लोगों को देख लिया दिल खुश हो गया ।”

“ नहीं दादाजी आप अपने घर चलेंगे, हमारे साथ,” वह बोली । पास खेल रहे बच्चे पानी में कूद रहे थे । कुछ छींटे मोनिका के कुर्ते पर भी पड़ गए । पर वह खीझी नहीं ।

“आज तुम दोनों के लिए घर चलता हूँ ।” दादाजी का गला रुंध गया । रेलवे स्टेशन के बाहर एक भिखारिन कोने में दुबकी पड़ी थी ।” अम्मा यह लो और मुझे माफ कर दो ।” मोनिका कुछ पैसे देते हुए बोली । वह केवल मुस्करा दी । तीनों पानी में छप-छप करते हुए चल रहे थे । उसे टीन पर गिर रहे पानी की टपर-टपर, पकौड़े की खुशबू सब अच्छी लग रही थी । वह गलत थी, आज का दिन तो बहुत ही अच्छा था ।

हाँ छाता... उसी बेंच पर पड़ा रह गया था । मोनिका शायद उसे भूल आयी थी या फिर छोड़ आयी थी ।

पापा की तालीम

नीलम यादव

बी० एड० प्रथम वर्ष

अजीत के परिवार में मम्मी-पापा और वह रहते थे । अजीत के पापा गैस एजेंसी पर काम करते थे, जिससे वे अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को ही पूरा कर पाते थे, और अजीत को हमेशा पढ़ा कर बड़ा बनने की प्रेरणा देते थे । परन्तु अजीत बड़ा बनने की चाहत में छोटी-मोटी चोरियाँ करने लगा था ।

एक रात अजीत को पापा की डॉट पड़ी थी कि तू बहुत निकम्मा है और जिंदगी में मेरी नाक कटवायेगा । फिर क्या था... रात से सुबह हुई, सुबह से फिर रात होने को हो गई । अजीत सोचता रहा कि आखिर मैं ऐसा क्या करूँ कि पापा की नज़र में अपना निकम्मापन दूर कर सकूँ । फिर क्या था वह उस रात घर से भाग गया और मन में ठान लिया कि अब कुछ बड़ा बनके ही घर लौटूँगा ।

अजीत का मन अभी पूरी तरह व्यथित था । वह अपने मन में चल रहे विचारों के बबंडर से निकल नहीं पा रहा था । फिर वह पापा के जूते और पर्स उठा लाया था कि आखिर वो जूते कितने महँगे हैं और पर्स में कितने पैसे हैं जो मैं कमा नहीं सकता । जूते और पर्स चुराने के बाद वह बस स्टैण्ड की तरफ बढ़ने लगा और मन ही मन सोच रहा था खुद तो मेरे लिए मोटरबाईक ले नहीं सकते पर मुझसे उम्मीद लगाये बैठे हैं कि मैं इन्जिनियर बनूँ, जिससे उनकी नाक समाज में ऊँची रहे ।

उसने बस स्टैण्ड पर पहुँचकर पर्स खोला और जूतों को ध्यान से देखा और देखने के बाद उसके आँसू थम नहीं रहे थे । जूते फटे हुए और पर्स में पैसों की जगह पर्चियाँ और पर्चियों में जो था-लैपटॉप के लिए उधार चलीस हजार, स्कूटर बेचकर मिले पैसे मोटरबाईक के लिए बीस हजार कम पड़ रहे थे । ये देखकर अजीत रो पड़ा कि जिस पिता कि हैसियत देखने की मैं कोशिश कर रहा था, वास्तव में वह पिता उसकी खुशी के लिए अपनी हैसियत तक दाँव पर लगा रहा था ।

अजीत समझ गया पिता पुत्र की हैसियत नहीं देखता है, वह उसे बेपनाह प्यार करते हैं, इसलिए हमें डांटते हैं। उन पर्चियों और फटे जूतों के साथ अजीत घर लौट आया और घर आया तो ना पापा घर पर थे और ना ही उनकी स्कूटर, वह भागता-भागता एजेंसी पहुँचा। वहाँ पापा की स्कूटर बिक चुकी थी और पापा वहाँ असहाय से खड़े थे। सिर्फ मेरी खुशी के लिए पापा की प्यारी स्कूटर बिक चुकी थी और तोड़ी जा रही थी, ये सब अजीत देख रहा था। वह रोते हुए पापा के गले लग गया और रोते-रोते बोला पापा मैं अब बड़ा आदमी बनूँगा पर अपने नहीं आपके तरीके से।

तीन दोस्त

काजल नागर
बी० ए० प्रथम वर्ष

बहुत समय पहले की बात है। एक कछुआ था, जो किसी गाँव के एक तालाब में रहता था। उसकी मित्रता दो बगुलों से थी, तीनों दोस्त एक साथ खूब मजा किया करते थे।

एक बार उनके गांव में बारिश नहीं हुई, जिस कारण वहाँ भयंकर सूखा पड़ा। नदी व तालाब सूखने लगे, खेत मुरझा गये। आदमी व पशु-पक्षी सब घ्यास से मरने लगे। जनसामान्य अपनी जान बचाने के लिए गांव छोड़कर दूसरे स्थानों पर जाने लगे।

बगुलों ने भी अन्य पक्षियों के साथ दूसरी जगह जाने का फैसला लिया। जाने से पूर्व वह अपने मित्र कछुए से मिलने गये। उनके जाने की बात सुनकर कछुए ने उनसे भी अपने साथ ले चलने के लिए कहा। इस पर बगुलों ने कहा कि वह भी उसे छोड़कर नहीं जाना चाहते, परन्तु मुश्किल यह है कि कछुआ उड़ नहीं सकता और वह उड़कर कहीं भी जा सकते हैं।

उनकी बात सुनकर कछुआ बोला, कि यह सच है वह उड़ नहीं सकता परन्तु उसके पास इस समस्या का हल है। कछुए की बात सुनकर बगुलों ने उससे तरीका पूछा।

कछुआ बोला एक मजबूत डंडी ले आओ उस डंडी के दोनों कोनों को “तुम अपनी चोंच में पकड़ लेना और मैं उस डंडी को बीच में से पकड़कर लटक जाऊँगा। इस प्रकार मैं भी तुम्हारे साथ जा सकूँगा और हम अपनी जान बचा सकेंगे।”

दुःखद परिस्थिति - (एक हथकड़ी)

श्रुति गर्ग
बी० एस सी० द्वितीय वर्ष

एक शहर में हथकड़ी बनाने वाला था। हथकड़ी बनाने में वह इतना माहिर था कि उसकी बनाई हथकड़ी आज तक कोई नहीं तोड़ पाया था। हथकड़ी बनाने के बाद वो उस पर अपना हस्ताक्षर कर देता था। देखते ही देखते वह अपने काम में ‘माहिर’ (मशहूर) हो गया और सबसे धनी लोगों में से एक बन गया, लेकिन बदकिस्मती से एक दिन शहर में लुटेरे आये और उस दिन उन्होंने शहर के 100 सबसे अमीर लोगों को अगवा कर लिया जिसमें से एक वो हथकड़ी बनाने वाला भी था। लुटेरे सभी 100 लोगों को हथकड़ी से बांधकर जंगल की तरफ लेकर गए ताकि उन्हे जानवरों के बीच छोड़ सके और जानवर उन्हे खा सके।

रास्ते में सभी लोग डरे हुए थे वे रोने लगे लेकिन हथकड़ी बनाने वाला शांत था उसने सबसे कहा अभी शांत रहो। मुझे पता है हर हथकड़ी खोली जा सकती है बस ये लुटेरे हमें जंगल में छोड़ कर चले जाएँ फिर मैं सबकी हथकड़ी खोल दूँगा। सबकी उम्मीद जगी की

ये हमें बचा लेगा। जब लुटेरे उन्हे जंगल में छोड़ कर चले गए तो, हथकड़ी बनाने वाला रोने लगा। लोगों ने पूछा क्या हुआ तो उसने बताया की ये तो मेरी बनाई हुई हथकड़ी है, इसे तो मैं भी नहीं तोड़ सकता। कुछ ही दिनों में जंगल में रहे लगभग सभी लोग भूखे प्यासे मरने लगे लेकिन कुछ लोग अभी भी जिन्दा थे। एक लड़का बहुत समय से प्रयास कर रहा था और उसने हथकड़ी तोड़ दी। हथकड़ी बनाने वाला भी चौंक गया कि मेरी बनाई हथकड़ी आखिर कैसे टूट गई।

सीख

हर किसी को लगता है मेरी बनाई या मेरे जीवन की हथकड़ी (समस्या) सबसे मजबूत है।
लोग यह सोचते हैं कि सिर्फ मेरी ही परिस्थिति खराब है।
और यही हथकड़ी आपको आगे बढ़ने नहीं देती।
जीवन में हमेशा खुश रहना सीख लीजिए
और इस काल्पनिक हथकड़ी से खुद को आजाद कीजिए।

वो नन्ही परी

प्रिया

बी० एड० प्रथम वर्ष

एक सर्द कड़कती रात में किसी गाँव में उसका जन्म हुआ। वह बच्ची जिसने अभी तक ठीक से रोना भी नहीं सीखा था उसको कचरे के ढेर में जगह दे दी गई।

लेकिन जिस खुदा ने उसको जर्मी पर उतारा था उसका कोई फरिश्ता उस बच्ची को वहाँ से उठाकर अपनी झोपड़ी में ले आया। वहाँ उसकी पत्नी जिसको कोई संतान नहीं थी उसने उस बच्ची को एक माँ की भाँति अपने सीने से लगा लिया। उस घर में उस बच्ची की अच्छे से देख-रेख होने लगी। वह धीरे-धीरे जैसे बड़ी हो रही थी दूसरे बच्चों को स्कूल जाते देखा करती थी। वह उस झोपड़ी को ही अपना स्कूल बना लेती। आसपास के बच्चों के साथ रहकर कुछ पढ़ना लिखना जानने लगी।

उस लड़की का एक-एक गुण उसको जैसे धनवान व्यक्ति से धनी बना रहा था। उसके सीखने की असाधारण कला, जिसकी वजह से वह बिना पाठशाला जाये इतना कुछ सीख गई। उसकी इस कुशलता को देखकर गाँव के हेडमास्टर जी ने उसका अपने स्कूल में दाखिला करा दिया। वह अपने यहाँ प्रथम स्थान हासिल कर कुछ पैसे पुरस्कार के रूप में जुटा पाई। उसके माँ-बाप भी जहाँ किसी के घर काम करने जाया करते थे वहाँ साथ जाती थी। जैसे-तैसे पैसा जुटाकर उसने अपनी कॉलेज की पढ़ाई पूरा की। वह आगे चलकर एक अध्यापक के साथ-साथ एक समाज सुधारक बनी। शिक्षा के साथ उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के अज्ञान को मिटाने की भरपूर कोशिश की। देखते ही देखते वह समाज में उदाहरण बन गई।

उन्होंने अपनी सारी कमाई लड़कियों की शिक्षा व भरण-पोषण के काम में लगा दी। साथ ही अपने जीवन को भी दूसरों की खुशी देखकर संतुष्ट कर लिया और इस तरह वो नन्ही परी अनेक परियों का संसार बन गई।

धन की खोज

प्रिया देवी

बी० कॉम द्वितीय वर्ष

प्राचीन काल की बात है । एक गुरुकुल था - विशाल और प्रसिद्ध । उसके आचार्य भी बहुत ही विद्यवान और यशस्वी थे ।

एक दिन सभी विद्यार्थियों को गुरुकुल के प्रांगण में बुलाया और उनसे कहा, “प्रिय छात्रों । मैंने तुम्हें एक विशेष प्रयोजन से बुलाया है । मेरे सामने एक समस्या है । मेरी कन्या विवाह योग्य हो गई है, किन्तु उसका विवाह करने के लिए मेरे पास पर्याप्त धन नहीं है । समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ?”

कुछ विद्यार्थी जिनके पिता धनवान थे, आगे बढ़े और बोले “गुरुदेव हम अपने माता-पिता से धन माँग लायेंगे । आप उसे गुरु-दक्षिणा के रूप में स्वीकार कर लीजियेगा ।” आचार्य बोले मुझे इसमें संकोच होता है ।” आगे बढ़े हुए शिष्य संकोच वश पीछे हट गये । आचार्य सोच में पड़ गये । कुछ समय बाद आचार्य बोले, “एक उपाय है । तुम धन ले आओ, किन्तु माँग कर नहीं । तुम उसे इस तरह लाओ कि किसी को पता न चले । इस प्रकार काम भी हो जाएगा और मेरी लाज भी रह जायेगी ।”

शिष्यों ने यह बात मान ली । जो विद्यार्थी निर्धन परिवारों से थे, गुरु-सेवा से वंचित न रह जायें, यह सोचकर आचार्य उनसे बोले, “तुम लोग भी अपने-अपने घरों से कुछ न कुछ लें आना । किन्तु ध्यान रहे कि किसी की दृष्टि उस पर न पड़े ।

यदि किसी ने देख लिया तो वह वस्तु विवाह के लिए अशुभ हो जाएगी ।” शिष्यों ने विश्वास दिलाकर कहा, “हम जो कुछ भी लायेंगे, इसी प्रकार छिपाकर लायेंगे ।”

दूसरे दिन से आज्ञाकारी शिष्य तरह-तरह की वस्तुएं लाने लगे । आचार्य भी प्रसन्नता से ग्रहण करते रहे । कुछ दिनों बाद आचार्य ने देखा कि विवाह के लिए पर्याप्त सामग्री एकत्रित हो गई है परन्तु एक विद्यार्थी ऐसा भी था जो अभी तक कुछ भी न लाया था । आचार्य ने उससे पूछा, “क्यों, तुम्हारे परिवार वाले क्या बिल्कुल ही धनहीन हैं ?”

विद्यार्थी बोला, “आचार्यवर ! मेरे घर में किसी प्रकार का अभाव नहीं है, किन्तु मैं कुछ ला नहीं पाया हूँ ।”

“ क्यों, क्या तुम गुरु सेवा नहीं करना चाहते ?”

“ नहीं गुरुदेव, यह बात नहीं है आपने कहा था कि ऐसी वस्तु लाना जिसे उठाते समय कोई देख न रहा हो । मैंने बड़ी चेष्टा की, पर घर में कोई ऐसा स्थान न मिला जहाँ मुझे कोई भी देख न रहा हो ।”

“ तुम झूठ बोल रहे हो । कभी न कभी कोई स्थान अवश्य ऐसा रहता होगा, जहाँ कोई न हो । तभी चुपके से कुछ उठा लाओ ।

“ गुरुदेव, यह तो ठीक है किन्तु ऐसे स्थान पर कोई रहे या ना रहे मैं तो वहाँ उपस्थित रहता ही हूँ । अन्य कोई देखे या ना देखे, मैं तो अपने कुर्कम को देखूँगा ही ।”

आचार्य ने तुरन्त उस शिष्य को गले लगा लिया और कहने लगे, “बस, तू ही मेरा सच्चा शिष्य है । मेरे कहने पर भी तूने पाप का मार्ग नहीं अपनाया, यह तेरे चरित्र की दृढ़ता का प्रमाण है । यही मेरी शिक्षा की सफलता है । अपनी कन्या के विवाह के लिए मुझे धन की आवश्यकता नहीं थी ।

मैं तो ऐसे युवक को खोज रहा था, जिसके पास शील, सदाचार और चरित्र का धन हो । आज मैंने उसे पा लिया । तू ही मेरी कन्या के लिए योग्य वर है ।”

कठिन परिस्थितियों से जीतना सीखो

वर्षा

बी० एस सी० तृतीय

परिस्थितियाँ कभी जीवन में एक जैसी नहीं रहती, जीवन के भंवर में उतार चढ़ाव तो आते ही रहते हैं। आपकी सोच बताती है कि आप कठिन परिस्थितियों का कैसे सामना करते हैं। क्या आपके अन्दर वो काबिलियत है जो इस परिस्थिति से आपको बाहर निकाल दे ?

अपने समय में एक व्यापारी ने किसी साहूकार से पैसा उधार ब्याज पर लिया था लेकिन व्यापार में नुकसान हो जाने की वजह से वह साहूकार का पैसा लौटा नहीं पा रहा था।

व्यापारी की एक बहुत सुन्दर बेटी थी। साहूकार एक कुटिल व्यक्ति था, उसने सोचा कि व्यापारी पैसा तो वापस नहीं कर पा रहा है तो क्यों ना इसकी परिस्थिति का फायदा उठाया जाए। उसने व्यापारी को एक सुझाव दिया कि अगर वह अपनी बेटी की शादी उस साहूकार से कर दे तो वह व्यापारी का सारा कर्ज माफ कर देगा।

व्यापारी बेचारा मरता क्या ना करता, उसने अपनी बेटी को सारी बात बताई। समस्या बड़ी थी, साहूकार अधेड़ उम्र का कुरुप व्यक्ति था। अब उस बेटी के आगे दो ही रास्ते थे, पहला या तो साहूकार से विवाह करने से इंकार कर दे और अपने पिता को कर्ज में दबा रहने दे। दूसरा, साहूकार से खुशी से विवाह कर ले ताकि उसका पिता स्वतन्त्रता से रह सके। मित्रों अवसर हमारे जीवन में भी ऐसे मोड़ आ जाते हैं जब हमें यकीन होने लगता है कि अब कोई रास्ता नहीं बचा है और अब हम बुरी तरह फंस चुके हैं। अखबारों में सुनने में आता है कि लोग आत्महत्या तक कर लेते हैं, लेकिन दिमाग को पानी की तरह रखिये, एकदम निर्मल, शांत और चलायमान। पानी को देखा है ? पानी हर जगह से अपना रास्ता ही लेता है। ठीक वैसे ही बन जाओ। आगे देखिये लड़की ने क्या फैसला लिया ? लड़की ने साहूकार के आगे एक शर्त रख दी कि साहूकार एक थैला लाये और उसमें दो गोलियाँ डाले, एक सफेद रंग की और दूसरी काले रंग की। इसके बाद लड़की उस थैले से आँख बंद करके कोई एक गोली निकालेगी। गोली अगर काली निकली तो लड़की साहूकार से विवाह कर लेगी और उसके पिता का सारा कर्ज माफ कर दिया जायेगा। साथ ही, अगर गोली सफेद निकली तो पिता का सारा कर्ज माफ कर दिया जायेगा, लेकिन लड़की साहूकार से विवाह नहीं करेगी। साहूकार तुरन्त बात मान गया और जल्द ही एक थैला लेकर आ गया। अब व्यापारी जब थैले में गोलियाँ डाल रहा था तो लड़की ने देखा कि साहूकार ने चालाकी से दोनों गोली जो कि काली ही थैली में डाल दी हैं।

अब लड़की परेशान हो गयी कि अब वह करे तो क्या करे, साहूकार का भंडा फोड़ भी दे, तो भी वह दूसरी किसी चाल में उनको जरूर फंसाएगा।

लड़की कुछ सोचकर आगे बढ़ी और उसने थैले में सें एक गोली निकाली और गोली निकालते ही, उसे हाथ से छिटक दिया, जिससे गोली नाली में जा गिरी। लड़की बोली माफ करना गोली मेरे हाथ से छिटक गयी लेकिन चिंता की कोई बात नहीं, थैले में अभी दूसरी गोली भी तो होगी उसे देख लेते हैं। अगर गोली काली निकली तो मैने सफेद गोली उठायी होगी और अगर थैले में सफेद है तो मैने काली गोली उठायी होगी।

व्यापारी ने थैले में हाथ डाला तो देखा गोली काली निकली।

व्यापारी बोला - आहा बेटी ! थैली में काली गोली बची है, इसका मतलब तुमने सफेद गोली उठाई थी।



साहूकार बेचारा बोलता भी क्या ? अगर बोलता तो चोरी पकड़ी जाती । इस प्रकार पिता का कर्ज भी माफ हो गया और बेटी ने अपनी रक्षा भी कर ली ।

मित्रों अगर हमारे देश के स्वतन्त्रता सेनानी भी अगर सोच लेते कि हम शक्तिशाली अंग्रेजों से कभी नहीं जीत पायेंगे तो शायद हमारा देश कभी आजाद ही नहीं हो पाता । जब तक आप समस्याओं के समाधान के बारे में नहीं सोचेंगे तब तक आप समस्याओं के जाल में ही उलझे रहेंगे ।

अपने विचारों को खुलने दें, थोड़ा हटकर सोचें यह सोचें कि हर समस्या का हल है तो हर समस्या का कोई न कोई हल जरूर होगा । जब आप ऐसा सोचने लगेंगे कि तो यकीन मानिये आपको समस्याओं के हल भी मिलने शुरू हो जायेंगे ।

संस्कृतरक्षा तत्प्रचारश्च

अंजली नागर

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभागभवेत् ॥

संस्कृतमहिमा

संस्कृतं खलु स्त्रोतः संस्कृते, मूलं सभ्यताया, बीजं दर्शनानाम् उद्गमः अध्यात्मज्ञानस्य, प्रभवः पुरुषार्थ- चतुष्टयस्य, सागरः सदुपदेशरत्नानाम्, आगरः उदात्त भावनानाम्, बाधकः दुष्प्रवृत्तीनाम्, साधकश्च सर्वभूतहितानाम् । वस्तुतः तपःपूतमनीषिभिः संस्कृत साहित्यसाधकैः रचनाकरैरेव सर्वप्रथमं-सत्यस्य, अहिंसायाः, करुणायाः सहास्तित्वभावनायाः, विश्वबन्धुत्वधारणायाः, लोकमंगलकामनायाश्च कमनीयानि सदुपदैशरत्नानि मानवमात्रस्य कृते उपायनीकृतानि ।

दिव्यगुणालंकृता दिव्यसाहित्य सुभूषिता च सती संस्कृतभाषा स्वस्थ “देवभाषे” ति नामः - सार्थकतां धते । संस्कृतसाहित्यं खलु विशालताया मधुरताया विलक्षणतायाश्च मूर्तरूपमेवस्ति । वेदाः वेदाङ्गानि, उपनिषदः, धर्मशास्त्रम्, अर्थशास्त्रम्, कामशास्त्रम्, नीतिशास्त्रम्, देवशास्त्रम्, मानवशास्त्रं चेत्यादिस्वरूपः विविधविधः शास्त्रसन्दोहः संस्कृतभाषया महिमानमुद्घोषयति । किमधिकम् - “गीता” गीर्वाण्या गौरवं गायति, “रामायणम्” अस्याः रमणीयतां प्रकाशयति, “महाभारतम्” अनारतमस्या भव्यतामुद्भावयति, “पुराणानि” अस्याः पौराणिकतां प्रमाणयन्ति । एवमेव कालिदासादिकवीनां च काव्यान्यस्याः कमनीयता प्रख्यापयन्ति । एवमेव संस्कृतग्रन्थग्रथिताः - कृषि-वाणिज्य-गणित-ज्यौतिष-नौ-विमान-आयुर्गन्धर्वाद्याः सर्वभूतोपयोगिन्यो विद्याः संस्कृतस्य सर्वांगीणता प्रतिपादयन्ति । एवादृश्याः सर्वहितकारिण्या भाषायास्तत्साहित्यस्य च रक्षा तस्याश्च प्रचुरः प्रचारः सुतरामपेक्षते ।

संस्कृतरक्षा- संस्कृतेः, सभ्यतायाः, धर्मस्य, दर्शनस्य, ज्ञानस्य-विज्ञानस्य मानवोपयोगिसर्वशास्त्रस्य च रक्षा चेदभीष्टा तर्हि संस्कृतं सततं रक्षणीयम् । यथा चोक्तं महाकविना रुद्रदेवत्रिपाठिना-

द्रुतं देववाणी जनाः! शिक्षणीया ।
पवित्रा निजा संस्कृती रक्षणीया ॥

लोकमंगलदायिनी, विश्वकल्याणकारिणी, विश्वशान्तिविधायिनी च संस्कृतभाषा कथं रक्षणीया,-इति चिन्तनीयम् । तत्र संस्कृतरक्षायाः प्रमुखस्तावदुपायः- “संस्कृतं प्रति अगाधनिष्ठा, तद्रक्षणाय च आत्मनः सर्वस्वत्यागस्य दृढसंकल्पः । वस्तुतो यदि संस्कृतं सुरक्षितं तर्हि भारतं सुरक्षितम्, भारतीया संस्कृतिश्च सुरक्षिता । अतः स्वत्वरक्षायै प्रत्येकस्य भारतीयबालस्य कृते प्राथमिककक्षात् एव संस्कृताध्ययनस्य अनिवार्यत्वं विधेयम् । संस्कृतरक्षार्थं संस्कृतविद्याकेन्द्रभूतानां संस्कृतमहाविद्यालयानां संस्कृतविश्वविद्यालयानां संस्कृतगुरुकुलानां च जीर्णोद्धारः परमावश्यकः । संस्कृतरक्षणाय अन्येऽपि ये उपाया अपेक्षितास्ते - सततं करणीयाः, तद्यथा त्रिभाषासूत्रे संस्कृतस्य समुचितं स्थानम् प्रशासनिकपरीक्षासु संस्कृतस्य समावेशः, संस्कृतकाठिन्यदरीकरणम्, वैज्ञानिकशैल्या संस्कृतशिक्षणम्, आधुनिकयुगे संस्कृतोपयोगित्वप्रतिपादनम् इत्यादयः । यदि वयं सर्वे संस्कृतरक्षार्थं बडपरिकराः स्याम तर्हि नूनभियमुक्तिश्चरितार्थतां प्राप्नुयात्-

यावद् भारतवर्षं स्याद् यावदिन्द्याहिमाचलौ ।
यावद् गंगा च गोदा च तावदेव हि संस्कृतम् ॥

अद्य संस्कृतज्ञा अपि स्वबालान् संस्कृतं न पाठयन्तीति महतीयं विडम्बा । इयमात्मधातिनी प्रवृत्तिस्तत्कालमेव त्यज्या

संस्कृतप्रचारः - संस्कृतस्य राष्ट्रियम्- अन्ताराष्ट्रियं च महत्त्वमंगीकुर्वद्धिः सर्वैरिपि संस्कृतप्रचारे प्रवृत्तैः भाव्यम् । देशनेतारस्तथा प्रचोदनीया यथा ते “शिक्षामन्त्री- शिक्षासचिव- शिक्षानिदेशकादीषूच्यपदेषु संस्कृतेनैव सम्भवा । अत एव एष नियमो दृढतया पालनीयः यत्र संस्कृत-ज्ञानं विनाकस्मिन्नपि विभागे कस्मिन्नपि कार्यालये कस्यापि जनस्य नियुक्तिर्न विधातव्या । इत्थं संस्कृतस्य अनिवार्यता संस्कृतसमुन्नतो सहायिका भवितुमर्हति । अद्य भारते संस्कृतविश्वविद्यालया विरला एव सन्ति । संस्कृतसमुत्थानाय भारतस्य प्रत्येकस्मिन् प्रदेशे आदर्शसंस्कृतविश्वविद्यालयानां स्थापना कर्तव्या । सर्वाः संस्कृतपरीक्षाः अन्यविश्वविद्यालयपरीक्षाभिः सह समकक्षतां प्राप्नुयुः । ताः शासकीयसेवासु पूर्णतया मान्याः स्युः ।

संस्कृतप्रचाराय संस्कृताध्यापनशैली सरला, सरसा सुबोधा च भवितव्या । संस्कृतस्य प्राचीनशैली अतिगृदा दुर्बोधा च । अतो न सा बालबुद्धिगम्या । संस्कृतस्य काठिन्येन भीत्वा संस्कृतानुरागिणोऽपि छात्राः संस्कृतं त्यक्त्वा पलायन्ते अन्यविषयाँश्चाश्रयन्ते । अतः संस्कृतप्रचारादृष्ट्या संस्कृतपाठनशैली इथम्भूता । भवितव्या यथा सरलतया सुकुमारमतयोऽपि बालाः अनायासेन- अल्पसमयेनैव संस्कृतज्ञानं प्राप्तुं समर्थाः स्युः ।

उपर्युक्तौरुपायैः सहैव संस्कृतप्रचाराय यथावसरं अन्येऽपि आवश्यकोपया आश्रयणीयाः । तद्यथा-संस्कृताध्यापकेभ्यः- प्रभूतवेतनम् संस्कृत-छात्रेभ्यश्चछात्रवृत्तिः, संस्कृतपत्रपत्रिकाणां अधिकाधिक प्रकाशनम्, संस्कृतग्रन्थलेखनम् अन्यभाषासु संस्कृतग्रन्थानुवाद, संस्कृतपाण्डुलिपीनां प्रकाशनम्, यथायोग्यमन्यभाषाशब्दानाम् आत्मसात्करणम्, यथाशक्ति संस्कृतभाषाव्यवहारः, संस्कृतलेखकेभ्यः पुरस्कारः अभिनवसाहित्यप्रकाशनव्यवस्था, अभिनव-शैल्यां संस्कृतनाटकाभिनयः- इत्यादयः ।

भारतीयशिक्षापद्धतौ परिष्कारं चिकीर्षुस्तत्रभवान् प्रधानमन्त्रीमहाभागः प्रार्थयितव्यो यदभिनवशिक्षा व्यवस्थायां संस्कृतस्य समुचितं स्थानं स्यात् ।



मुखं व्याकरणं स्मृतम्

आकांक्षा
एम. ए. प्रथम सेमेस्टर

(तेषां हि सामग्यजुषां पवित्रं महर्षयो व्याकरणं निराहुः)

व्याकरणशब्दार्थः- व्याक्रियन्ते विविच्यन्ते प्रकृतिप्रत्ययादयो यत्र तद् व्याकरणम्, इति व्युत्पत्तिम् आश्रित्य व्याकरणं शब्दशास्त्रं नाम । व्याकरणे हि प्रकृतिप्रत्ययादीनां सूक्ष्मातिसूक्ष्मं विवेचनं प्रस्तूयते । विवेचनमेव व्याकरणस्य मुख्यार्थः । प्रकृतिप्रत्यययोः, ध्वनिस्फोटयोः, शब्दापशब्दयोः, आकृतिद्रव्ययोः, शब्दनित्यतानित्यतयोः, पदवाक्ययोः, पदपदार्थयोः, वाक्यवाक्यार्थयोः, विवेचनं विश्लेषणं च व्याकरणस्य प्रयोजकत्वेनास्थीयते ।

व्याकरणप्रयोजनम्- भगवता पतञ्जलिना व्याकरणस्य पञ्च प्रयोजनानि उपस्थाप्यन्ते । तद्यथा-

रक्षोहागमलघ्वसन्देहाः प्रयोजनम् । (महाभाष्य, आ. 1)

वेदानां रक्षार्थम्, ऊहार्थम् अर्थात् यथास्थानम् उचितशब्दप्रयोगार्थम्, शास्त्राज्ञा पालनार्थम्, लघ्वर्थम्, असन्देहार्थं च व्याकरणाध्ययनम् अनिवार्यम् । शास्त्राज्ञामनुवदता पतञ्जलिना प्रोचयते-

ब्राह्मणेन निष्कारणो धर्मः षडंगो वेदोऽथेयो ज्ञेयश्च ।
प्रधानं च षडङ्गेषु व्याकरणम् । (महाभाष्य, आ. 1)

एवं पतञ्जलिना व्याकरणाध्ययनस्योपयोगित्वं षडङ्गेषु व्याकरणस्य मुख्यत्वं च प्रतिपाद्यते ।

व्याकरणस्य महत्त्वम्- वर्णोच्चारणज्ञानम् अन्तेरण न वैदुष्यं न च शास्त्रज्ञत्वं प्राप्तुं शक्यते । वर्णोच्चारणज्ञानम्, शब्दापशब्दज्ञानम्, प्रकृति-प्रत्ययज्ञानम्, विविधशब्दनिर्माण- प्रक्रियज्ञानं च व्याकरणैव अवाप्तुं शक्यते, अतः आबालवृद्धं व्याकरणस्य महत्त्वम् । व्याकरणाद् ऋते शुद्धशब्दज्ञानं परिष्ठृतशब्दप्रयोगश्च न संभाव्यते । अतएव एकस्यापि शुद्धस्य शब्दस्य ज्ञानं सुप्रयोगश्च स्वर्गे लोके कामधुक्त्वेन प्रशस्यते पतञ्जलिना-

एकः शब्दः सम्यग् ज्ञातः सुप्रयुक्तः स्वर्गे लोके च कामधुग् भवति ।

भगवता भर्तृहरिणा ‘साधुत्वज्ञानविषया सैषा व्याकरणस्मृतिः’ (वाक्यपदीय 1.143) इति निर्दिशता साधुत्वज्ञानार्थं व्याकरणस्यानिवार्यत्वम् उपदिश्यते ।

यजुर्वेदे ‘दृष्ट्वा रूपे व्याकरोत् सत्यानृते प्रजापतिः’(यजु० 19.77) इति मन्त्रेण सत्यासत्य-विवेचनमपि व्याकरणशब्देन समर्थ्यते । काव्यादर्शे महाकवेर्दणिनः सत्यमिदं वचनं यद् यदि शब्दनामकं ज्योतिर्भुवने न दीप्येत तर्हि जगदिदम् अन्धन्तमः स्यात्-

इदमन्धन्तमः कृत्स्नं जायेतभुवनत्रयम्
यदि शब्दाह्यं ज्योतिरासंसारं न दीप्यते ॥ (काव्यादर्श 1-34)

शुद्धशब्दज्ञानार्थं शुद्धशब्दप्रयोगार्थं च व्याकरणज्ञानस्यानिवार्यता सवैरेव संस्तूयते । अतः साधुच्यते-

यद्यपि बहु नाधीषे, तथापि पठ पुत्र व्याकरणमा।
स्वजनः श्वजनो मा भूत्, सकलं शकलं सकृद् शकृत् ॥

साधुशब्दज्ञानं विना, वर्णोच्चारणज्ञानमन्तरेण च सकारशकारयोर्भेदो न ज्ञायेत । एवं सति ‘सकृद् भुद्भक्ते’ एकवारं भुद्भक्ते, इत्यर्थकं वाक्यं ‘शकृद् भुद्भक्ते’ मलं भुद्भक्ते, इत्यर्थकं स्यात् । एवमेव स्वजनः (स्वकीयो जनः) श्वनजः (कुकुरवर्गः) भविष्यति, सकलं (समग्रम्) च शकलम् (अर्धांशः) ।’

व्याकरणस्य वेदाङ्गत्वम्- वेदानां साधु ज्ञानार्थं षण्णां वेदाङ्गानां ज्ञानम् अनिवार्यम् । षड् वेदाङ्गानि निर्दिश्यन्ते-

शिक्षा कल्पो व्याकरणं, निरुक्तं छन्दसां चयः ।
ज्योतिषामयनं वैव, वेदाङ्गानि षडेव तु ॥

प्रत्येकस्य वेदाङ्गस्योपयोगिताम् आश्रित्य वेदस्य शरीरावयवस्वपेण तस्य उच्चावचं महत्त्वं प्रदर्शयता प्रोच्यते-

छन्दः पादौ तु वेदस्य, हस्तौ कल्पोऽथ पठ्यते ।
ज्योतिषामयनं चक्षुर्निरुक्तं श्रोत्रमुच्यते ॥
शिक्षा ग्राणं तु वेदस्य, मुखं व्याकरणं स्मृतम् ।
तस्मात् साङ्गमधीत्यैव, ब्रह्मलोके महीयते ॥

अत्र ‘मुख व्याकरणं स्मृतम्’ इति उद्घोषयता शिक्षाकरेण षडङ्गेषु व्याकरणस्य मुख्यत्वं प्रतिपाद्यते । महर्षिणा पतञ्जलिनाऽपि एतदेव व्यादिश्यते-‘प्रधानं च षडङ्गेषु व्याकरणम्’ (आ.1) ।

व्याकरणस्य मुखत्वं मुख्यत्वं च- व्याकरणं वेदाङ्गेषु मुखत्वेन उररीकियते । शब्दाधीनं जगत्, शब्दश्च मुखेनोच्चारणीयः, अतः तत्साधनत्वेन व्याकरणमपि शब्दब्रह्मणो मुखरूपम् अस्ति । यथा मुखं सौन्दर्याधायकम् तथैव व्याकरणमपि भाषायाः साधुत्वप्रतिपादनेन सौन्दर्याधायकम्, मुखं भाषणसाधनं तथैव व्याकरणमपि परिष्कृतशब्दप्रयोगसाधनम् । व्याकरणमेव शब्दप्रकाशनेन स्वमनोगतभावाविर्भावकम् अन्तर्निहितविचारप्रसारकं ज्ञानज्योतिश्चास्ति । यथा शरीरावयवेषु मुखस्योत्कृष्टत्वं न केनाप्याक्षिप्यते, तथैव भाषातत्त्वविवेचनेन शब्दज्ञानमूलकत्वेन शब्दशास्त्रावगाहनेन वाक्यतत्त्वविवेचनेन शब्दब्रह्मस्वरूप-प्रकाशनेन व्याकरणस्य शास्त्रेषु-सर्वोत्कृष्टत्वं न केनापि व्याक्षेप्तुं पार्यते ।

समग्रस्यापि ज्ञानस्य शब्दविवेचनमूलत्वात् तत्साधनत्वाच्च व्याकरणस्य मुख्यत्वं निर्विवादम्-‘अवैयाकरणस्त्वन्ध एव’ इति वचनमपि न संशयलेशम् आवहति । व्याकरणमन्तेरण शब्दतत्त्वज्ञानाभावेन मानवस्यान्धत्वम् आपद्यते । अतो व्याकरणस्य सर्वशास्त्रेषु मुख्यत्वं ज्ञायते ।

व्याकरणस्यानिवार्यत्वम्- स्वर वर्णोच्चारणज्ञानमन्तरेण शब्दस्य अर्थबोधनस्थाने अनर्थबोधकत्वं स्यात् । वेदेषु विशेषतः स्वरज्ञानस्य शुद्धप्रयोगस्य च नितारं महत्त्वं प्रतिपाद्यते । स्वरस्य अन्यथा उच्चारणेन ‘इन्द्रशत्रुर्वर्धस्व’ इति वृत्रासुरविजयार्थं पठितोऽपि मन्त्रः तत्पुरुषेऽन्तोदाते प्रयोक्तव्ये इन्द्रः शत्रुः नाशयिता अस्य इति बहुव्रीहो आद्युदाते प्रयुक्ते इन्द्र एव वृत्रस्य संहर्ता समभवत् । एवम् इन्द्रविजयस्य स्थाने वृत्रवधं एव संवृत्तं । अशुद्धोच्चारणस्य असाधुशब्दप्रयोगस्य च एष एव दुःखदो दुष्परिणामो जायते । उक्तं च

मन्त्रो हीनः स्वरतो वर्णतो वा, मिथ्याप्रयुक्तो न तमर्थमाह ।
स वाग्ब्रो यजमानं हिनस्ति, यथेन्द्रशत्रुः स्वरतोऽपराधात् ॥ (महा. 1)

एतेन साधुशब्दज्ञानार्थं शुद्धशब्दप्रयोगार्थं च व्याकरणज्ञानम् अनिवार्यम् ।

व्याकरणशास्त्रस्य विशालत्वम्- पुरा व्याकरणस्य तादृशं महत्त्वम् आसीद् यद् व्याकरणम् अष्टप्रभेदं प्रथितम् आसीत् । तद्यथा-

ब्राह्मैशानमैन्द्रं च, प्राजापत्यं बृहस्पतिम् ।
त्वाष्टमापिशलं चेति, पाणिनीयमथाष्टमम् ॥

पाणिनि - पूर्ववर्तिनां 85 वैयाकरणानाम् उल्लेखः प्राप्यते । पाणिनिना स्वीये व्याकरणे गार्य-शाकटायन-स्फोटायनादीनां दशाचार्याणाम् उल्लेखो विहितः । पाणिनि-परवर्तिषु वैयाकरणेषु कात्यायन-पञ्जलि-वामन-भर्तृहरि-कैयट-भट्टोजिदीक्षित-नागेश-वरदराजादीनां वैयाकरणानां व्याकरणविषये विशिष्टं योगदानं वर्तते ।’

व्याकरणस्य परमापावनत्वम्- ‘यन्मनसा ध्यायति तद् वाचा वदति, यद् वाचा वदति तत् कर्मणा करोति, यत् कर्मणा करोति तदभिसंपद्यते’ इति सिद्धान्तमाश्रित्य मानवजीवनशुद्धर्थं भावशुद्धिः शब्दशुद्धिश्च नितराम् आवश्यकी । शब्दशुद्धिश्च व्याकरणेनैव संभाव्यते । अतएव व्याकरणस्य परमापावनत्वम् अङ्गीक्रियते । एतद् भावात्मकमैवैतद् उच्यते-

तेषां हि सामर्ग्यजुषां पवित्रं, महर्षयो व्याकरणं निराहुः ।

व्याकरणं न केवलं भावशुद्धिसाधनमेव, अपि तु शब्दब्रह्मशोधकं शब्दब्रह्मा वाप्तिसाधनं च वर्तते । अतएव ऋग्वेदे वर्ण्यते यद्यो वाकृत्त्वं सर्वथा पश्यति; वाकृत्त्वमपि तस्मै स्वीयं रूपं प्रकटयति-

उत त्वः पश्यन् न ददर्श वाचम्, उत त्वः श्रूण्वन्न श्रृणोत्येनाम् ।
उतो त्वस्मै तन्वं विसरत्रे, जायेव पत्य उशतो सुवासाः ॥ (ऋग्. 10. 71.4)

अतएव भगवता भर्तुहरिणा शब्दसंस्कारः शब्दब्रह्मप्रप्तिसाधनत्वेन निरुप्यते-

तस्माद् यः शब्दसंस्कारः, सा सिद्धिः परमात्मनः ।
तस्य प्रवृत्तितत्वज्ञस्तद् ब्रह्मामृतमश्नुते ॥ (वाक्य. 1.1.33)

वाक्यपदीये शब्दतत्त्वस्य महत्त्वं प्रतिपादयता तेनोच्यते यत् शब्द एव विश्वस्यास्य निबन्धनं संयोजकश्चास्ति । शब्द एव नेत्ररूपः सन् जगदिदं द्योतयति-

शब्देष्वेवाश्रिता शक्तिविश्वस्यास्य निबन्धनी ।
यद्यत्रः प्रतिभात्माऽर्थं, भेदरूपः प्रतीयते ॥ (वाक्य. 1.124)

शब्दस्य ज्ञानाश्रयत्वेन शब्दज्ञानयोः परस्परान्वयित्वं निर्णीयते । उत्तं च-

न सोऽस्ति प्रत्ययो लोके, यः शब्दानुगमाद् ऋते ।
अनुविद्धमिव ज्ञानं, सर्वं शब्देन भासते ॥ (वाक्य. 1.124)

व्याकरणस्य परमवैदुष्याध्यकत्वम्- न केवलं तत्त्वज्ञैरेव व्याकरणं प्रशस्यते, अपि तु विविधशास्त्रपारदृष्टभिर्विद्वत्तल्लजैरपि इदम् अभिनन्द्यते । काव्यशास्त्रतत्त्वज्ञमूर्धन्यः काव्यप्रकाशकारो मम्मटो वैयाकरणानां तत्त्वज्ञानां प्रतिपादयन् अभिधत्ते-

बुधैर्वैयाकरणैः प्रधानभूतस्फोट-व्यड्ग्यव्यञ्जकस्य शब्दस्य ध्वनिरिति व्यवहारः कृतः । (काव्यप्रकाश, उल्लास 1)

वैयाकरणैः शब्दब्रह्मस्प-व्यड्ग्य-स्फोट-व्यञ्जकस्य ध्वनिरिति नाम व्यवहित्यते । ध्वनिरेव काव्यज्ञानां सर्वस्वम् । अत एव आनन्दवर्धनाचार्यादिभिः ध्वनिकाव्यस्योत्कृष्टत्वं समर्थ्यते प्रतिपादयते च । विविधा दार्शनिकाः, भाषाशास्त्रज्ञाः, अन्ये च सूर्यो व्याकरणशास्त्रस्य महत्त्वम् उद्घोषयन्ति, तज्ज्ञानं चानिवार्यत्वेन प्रतिपादयन्ति । अत एतद् वचनं न विप्रतिपत्तिलेशमप्यावहति यद्-

अवैयाकरणस्त्वन्धं एव ।

भारतीयदर्शनानां महत्त्वं वैशिष्ट्यं च

एकता डहलिया
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

दर्शन-शब्दार्थः- प्रेक्षणार्थकाद् दृश् धातोः (दृशिर् प्रेक्षणे) ल्युट-प्रत्यये कृते दर्शन-शब्दो निष्पद्यते । किं नाम दर्शनम् ? दृश्यते अनेन इति दर्शनम् । येन साधनेन इदं विश्वम्, इदं वस्तुजातम्, ब्रह्म, जीवात्मा, प्रकृतिश्च, याथातथेन दृश्यते निरीक्ष्यते परीक्ष्यते समीक्ष्यते विविच्यते च तद् दर्शनम् । अतः समग्रमपि आध्यात्मिकम् आधिभौतिकं च विवेचनं दर्शन-शब्दान्तर्गतं भवति । किं ब्रह्म ? तस्य किं स्वरूपम् ? क ईश्वरः ? के तस्य प्राप्तेरूपायाः ? अस्मिन् जगति किं शाश्वतं तत्त्वम् ? इयं सृष्टिः कुत आबभूव ? जीवात्मनः कि स्वरूपम् ? कः पुनर्जायते ? किं लिङ्गशरीरम् ? जीवस्य कुत उद्भूतिः ? किं तस्य लक्ष्यम् ? कथं मोक्षावाप्तिः ? आत्मा चेतनोऽचेतनो या ? कः सृष्टे कर्ता ? कि जीवनस्य कर्तव्यम् ? कश्च जीवनस्य साधिष्ठः पन्थाः ? इत्यादयोऽनुयोगा यत्र सुसूक्ष्मेण रूपेण विविच्यन्ते तद् दर्शनम् । सूक्ष्मेक्षिकया तत्वार्थदर्शनमेव दर्शनम् इत्यवगन्तव्यम् । यथोच्यते:-

केनेषितं पतति प्रेषितं मनः, केन प्राण प्रथमः प्रैति युक्तः ।
केनेषितां वाचमिमां वदन्ति, चक्षुः श्रोत्रं क उ देवो युनक्ति ॥ (केन उप० 1.1)

भारतीयदर्शनानां वर्गकरणम्- भारतीयदर्शनानि स्थूलरूपेण द्विधा विभज्यन्ते-आस्तिकदर्शनानि, नास्तिकदर्शनानि च । यानि दर्शनानि वेदानां प्रामाण्यम् उरीकुरुन्ति, तानि आस्तिकदर्शनानीति व्यवहित्यन्ते । यानि च वेदानां प्रामाण्यं नोररीकुरुते तानि नास्तिकदर्शनानि । तत्र न्याय-वैशेषिक-सांख्य-योग-मीमांसा-वेदान्ताख्यानि षड्दर्शनानि आस्तिकदर्शनानि अभिधीयन्ते । चार्वाक-जैन-बौद्धदर्शनानि च नास्तिकदर्शनानि निर्दिश्यन्ते । विभाजनं चैतद् वेदानां प्रामाण्याप्रामाण्यमूलकमेवेति सम्यग् अवधारणीयम् ।

भारतीयदर्शनानां महत्त्वम्- मोदावहम् एतद् यद् निखिलेऽपि भुवने पाश्चात्याः पौरस्त्याश्च विपश्चितो भारतीयदर्शनानां मुक्तकण्ठेन एकस्वरेण च महत्त्वं स्वीकुरुते । सत्यपि मतभेदे, सत्यपि राष्ट्रीयपक्षपाते, सत्यपि स्वोत्कर्षविचारे च भारतीयदर्शनानां महत्त्व-विषये न कस्यापि विदुषो विप्रतिपत्तिः । विश्ववाङ्मये भारतीयदर्शनानि ज्ञान-प्रभा-भास्वरेण चिन्तनेन, स्व-पर-पक्षालोचन-निपुणेन वैदुष्येण, तत्त्वार्थग्रहणैकप्रवणेन विवेकेन, अधृष्येण धीप्रकर्षेण, संकीर्णतादोषानवलिप्तेन विवेचनेन, पूर्वग्रहरहितेन विश्लेषणेन, मनोज्ञाया विवेचनशैल्या, हृदया भावाभिव्यक्त्या, रुचिरया पदावल्या च तरणिषत् तेजः-समुच्चयेन चकासति ।

भारतीयदर्शनानां वैशिष्ट्यम्- भारतीयदर्शनानां चिन्तनपद्धतिरेव पाश्चात्य दर्शनेभ्यो भिन्ना । पाश्चात्यदर्शनेषु दर्शनानाम् उद्भवविषये विविधा वादाः प्रस्तूयन्ते तद्यथा आश्चर्यजन्यत्वम् सन्देहमूलकत्वम्, मानव-व्यवहाराध्ययनमूलकत्वम्, ज्ञानानुरागमूलकत्वं वा । परं भारतीयदर्शनानां मूलम् आश्चर्यादिकं नास्ति । तस्य मूलं त्रिविधुःखात्यन्तनिवृत्तिरस्ति । त्रिविध-दुःखात्यन्तनिवृत्तिश्च अध्यात्मज्ञानेन आध्यात्मिक-प्रवृत्त्या वा भवतीति भारतीयविज्ञानां सम्पत्तम् ।

दुःखत्रयाभिधातात् जिज्ञासा तदपघातके हेतौ ।
दृष्टे साऽपार्था चेत् नैकान्तात्यन्ततोऽभावात् ॥ (सांख्यकारिका.1)

सांख्यानुसारं च ‘व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानाद्’ दुःखात्यन्तनिवृत्तिः संजायते ।

(1) अध्यात्मभावना-प्राधान्यम्- भारतीयदर्शनेषु अध्यात्म-भावना अनुस्यूता ओता प्रोता च । आध्यात्मिकों भावनां परिहाय दर्शनानां स्थितिरेव न सम्भाव्यते । किम् आत्मतत्त्वम्? कथं च तदवाप्तिः? इति सर्वेषामेव दर्शनानां प्रमुखः चिन्तनाविषयः । आत्मज्ञानम्, आत्मसाक्षात्कारः, ब्रह्मणा तादात्मानुभूतिः, तन्मूलकं च सर्वज्ञत्वम्, इत्यादयो विषया दर्शनानां विवेच्यत्वेनोपतिष्ठन्ते ।

आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिष्यासितव्यः । आत्मनो वा अरे दर्शनेन श्रवणेन मत्या विज्ञानेनेदं सर्वं विदितम् । (बृहदा.2.4.5)

(2) धर्मानुबन्धित्वम्- पाश्चात्यदर्शनेषु धर्मदर्शनयोर्वैयधिकरण्यम्, न तु सामानाधिकरण्यम्, स्वीक्रियते । तत्र धर्मदर्शनयोः पन्थानौ विभिन्नौ, अनपेक्षित्वं चेतरेतरयोः । भारतीयदर्शनेषु तयोः सामानाधिकरण्यं परस्परापेक्षित्वं चाङ्गीक्रियते । यदेव दर्शनेन विविच्यते, तदेव धर्मेण व्यवहियते । एकत्र धर्मतत्वसमीक्षा, अपरत्र धर्मतत्त्वव्यवहृतिः । दर्शनेन चिन्तनं मुख्यम्, धर्मे च कर्मनिर्धारणम् । एवं परस्परानुबडे धर्मदर्शने भोगपर्वयोः सोपानरूपे स्तः । एतदेव कणादेन पतञ्जलिना चोद्घोष्यते:-

यतोऽभ्युदयनिःश्रेयससिद्धिः स धर्मः । (वैशेषिक०)
भोगापवर्गार्थं दृश्यम् । (योगदर्शन 2.18)

(3) वेदानां प्रामाण्यम्- भारतीयदर्शनेषु षड् आस्तिकदर्शनानि वेदानां प्रामाण्यं स्वीकुरुते । जैन-बौद्धदर्शनयोरपि वेदानां प्रामाण्यं रूपान्तरेण व्यवहारबुद्ध्या वा स्वीक्रियते एव । केवलं चार्वाकदर्शनं वेदानाम् अप्रामाण्यं प्रस्तौतिराम् ।

(4) दुःखत्रयविनाशनम्- भारतीयदर्शनेषु आध्यात्मिक-आधिदैविक-आधिभौतिकेति त्रिविधुःखानाम् आत्मनिकवारणाय दर्शनानां जनिरभूत । एतदेव च दर्शनानां लक्ष्यम् । एतच्च पतञ्जलिना प्रकार-चतुष्टयेन स्फुटीक्रियते:- (क) हेयम्-दुःखं हेयं त्याज्यं वा । (ख) हेयहेतुः-किमिति दुःखानि हेयानि ? (ग) हानम्-दुःखानांशश्वतिकोऽभावः । (घ) हानोपायः- दुःखप्रणाशस्य के उपायाः ? एवं विविच्य दुःखप्रणाशोपाया दर्शनैः प्रस्तूयन्ते ।

(5) कर्मफलस्यानिवार्यत्वम् - कृते क्रियमाणं करिष्यमाणं च कर्म फलभाग् भवति । कृतकर्मणां विपाकरुपेण विविधयोनिषु च जन्म भवति । ‘अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म शुभाशुभम्’ इति भारतीयदर्शनानां मतम् । अतः कर्मविशुद्धौ आचारशुद्धौ बलम् आधीयते तज्जैः ।

(6) पुनर्जन्मः स्वीकरणम्- चार्वाकव्यतिरिक्तानि भारतीयदर्शनानि कर्मफलानुसारं मानवस्य पुनर्जन्म स्वीकुर्वन्ति ।

जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्धुवं जन्म मृतस्य च । (गीता 2.27)

(7) मानवजीवनान्वयित्वम्- भारतीयदर्शनानि आचारमीमांसायां मानवस्य कर्तव्याकर्तव्यानां विशदं विवेचनं प्रस्तुवन्ति । किं कर्तव्यम् ? किम् अकर्तव्यम् ? कथम् अभ्युदयः ? कथम् अवनतिः ? मानवजीवनस्य समस्यानां कथं निरोधः प्रतिकारो वा विधेयः इत्यादयो जीवनसंबद्धा अनुयोगा दर्शनैः समाधीयन्ते ।

(8) चारित्रिकोन्तर्महत्त्वम्- भारतीयदर्शनेषु चारित्रिकोन्तर्महत्त्वम् बलम् आधीयते । आस्तिकानि नास्तिकानि चोभयान्यपि दर्शनानि चारित्रिकीं विशुद्धिम् उत्रतिं च जीवनस्यावश्यकर्तव्यत्वेन उपन्यस्यन्ति । ‘सम्भावितस्य चाकीर्तिर्मरणादतिरिच्यते’ (गीता 2.34)

(9) अज्ञानस्य बन्धनकारणत्वम्- जीवोऽज्ञानवशगो भूत्वा बन्धनम् आपद्यते । स भूयो-भूयो जायते म्रियते च । अज्ञाननाशम् अन्तरेण जन्म-मृत्यु-बन्धनाद् न हि मुच्यते जीवः ।

(10) मोक्षस्य जीवनलक्ष्यत्वम्- मोक्षो मुक्तिर्निर्वाणं वा जीवनस्य परमं लक्ष्यम् । मोक्षमधिगत्यैव जीवः स्वजीवनस्य चरमम् उद्देश्यं विन्दति । ज्ञानाग्निना सर्वकर्मणां विनाशे आत्मसाक्षात्कारे च मोक्षावाप्तिः संजायते ।

ज्ञानाग्निः सर्वकर्मणि भस्मसाक्तुरुते तथा ॥ (गीता 4-37)

भिद्यते हृदयग्रन्थिशिखद्यन्ते सर्वसंशयाः ।

क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन् दृष्टे परावरे ॥ (वेदान्तसार)

(11) स्वतन्त्रास्तित्वम्- पाश्चात्यदर्शनानि राजनीति-धर्मशास्त्र-समाजशास्त्र आचारशास्त्रादीनाम् अङ्गरूपेण समुद्रभूतानि वर्तन्ते, परं भारतीयदर्शनानां समुदयो वैदिककालाद् आरभ्य स्वतन्त्रचिन्तनरूपेणाभवत् । अतोऽस्य स्वतन्त्रम् अस्तित्वं विद्यते । मुण्डकोपनिषदि ब्रह्मविद्या सर्वविद्याऽऽधारत्वेन परिगण्यते ।

स ब्रह्मविद्यां सर्वविद्याप्रतिष्ठाम् अर्थर्वाय ज्येष्ठपुत्राय प्राह । (मु० 1.1)

(12) कालाविच्छिन्नत्वम्- भारतीयदर्शनानि वैदिककालाद् आरभ्य अद्यावधि अविच्छिन्नरूपेण प्रवहिन्त । सेयं दर्शनधारा पुण्यसलिलाया भागीरथ्या धारेवाविच्छिन्ना भारते विराजते । पाश्चात्यदर्शनानाम् ईसवीयसंवत्सरात् सप्तमशताब्दीपूर्वं प्रसृताऽपि धारा काले काले विच्छेदमाप, पुनरुद्भूता च ।

(13) विचार-स्वातन्त्रयम्- भारतीयदर्शनेषु विचारस्वातन्त्रयं प्रतिपदम् उपलभ्यते । खण्डनं मण्डनं वा स्यात्, हेयम् उपादेयं वा स्यात्, विरुद्धम् अविरुद्धं वा स्यात्, यदि युक्तिर्युक्तं विचारपूर्णं वा किंचिद् उपस्थायते तद् विदुषां विचारपथम् आरोहति । न पूर्वाग्रहमात्रेण किंचित् तिरस्क्रियते ।

(14) व्यापकम् ईक्षणम्- सत्यान्वेषणं दर्शनानां लक्ष्यम् । अतो न भारतीयदर्शनेषु संकुचिता दृष्टिरूपलभ्यते । अस्वीकार्यमपि परपक्षं सयुक्तिकं समुपस्थाय युक्तिं प्रमाणपुरः सरं तत्रिराकरणं क्रियते ।

(15) अनुभूतिमूलकत्वम्- भारतीयदर्शनानि स्वानुभूतिजन्यानि विद्यन्ते । सर्वत्रैवानुभूतेः प्राधान्यं वरीवर्ति । ‘आत्मानं विद्धि’ इत्याश्रित्य स्वानुभूतीनां प्रकाशनं दर्शनेषूपलभ्यते ।

(16) विवेचन-प्राधान्यम्- भारतीयदर्शनेषु विवेचनात्मकतायाः प्राधान्यं लक्ष्यते । यदेव किंचित् प्रतिपाद्यं स्यात् तत् सयुक्तिकं सप्रमाणं परीक्षयैव हेयम् उपोदयं वा जायते, न प्रतिज्ञामात्रेण । अत एव भारतीयदर्शनानि दर्शन-जगति रत्नवद् बहुमूल्यानि आकल्यन्ते ।

(17) समाजोत्थापन-भावना- भारतीयदर्शनेषु समाजस्य संस्कृतेश्च समुत्थापनस्य महती कामना दृश्यते । दर्शनेषु तथाविधानां तत्त्वानां समवायः स्याद् येन सामाजिकी सांस्कृतिकी च समुन्नतिः संभाव्येत । अतएवानेके दर्शनकाराः समाजसुधारकरूपेण प्रथिताः सन्ति ।

(18) समन्वयभावना संश्लेषणात्मकत्वं च- भारतीयदर्शनेषु समन्वयभावना प्रमुखा वर्तते । विविधानि दर्शनानि एकस्यैव पादपस्य विविधशाखास्त्रपेण परिगण्यन्ते, तत्र समन्वयश्चावलोक्यते । दर्शनेषु विविधविज्ञानानाम् एकत्रावस्थापनस्य समीकरणस्य च प्रयासो निरीक्ष्यते ।

एवं भारतीयदर्शनानि विवेचनगाम्भीर्येण, आलोचनाचातुर्येण, गूढार्थनिरीक्षणेन, संवेदनशीलानुभूतिप्रकर्षेण, सत्यान्वेषणानुरागित्वेन, तत्त्वार्थग्रहणप्रवणेक्षणेन, समन्वयभावनया, मनःस्थित्यनुशीलनेन, अतीतानुरागित्वेन, अध्यात्माभिमुख्येन, पुरुषार्थचतुष्टय साधकत्वेन, जीवनोन्नायकत्वेन, दुःखत्रयविनाशपूर्वक-ब्रह्मसाक्षात्कारकरणत्वेन समेषामपि सुधियां समादृतिं समधिगच्छन्ति ।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन

कोमल
बी.ए तृतीय वर्ष

(कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः)

गीताया महत्त्वम्- विदितमेवेदं तथ्यं समेषामपि विपश्चितां यद् भगवद्गीतेयं प्रस्तवीति कर्मयोगस्य राखान्तम् । जीवने कर्मयोगस्य कावश्यकता इत्यत्र सन्ति बहवो वादाः । केवन कर्मणो महत्त्वं स्वीकुर्वन्ति, केवन च ज्ञानस्य महत्त्वम् उद्घोषयन्तः कर्म हीनमिति प्रतिपादयन्ति । यदि याथातथ्यतो विविच्यते तर्हि सुकरम् एतद् वक्तुं यद् जीवने कर्म विहाय ज्ञानमपि दुरासदम् । मानवजीवने कर्मेव तारकम्, साधकम् प्रत्यूहवारकम्, दुःखनिरोधकम्, अर्थाधिगमसाधनम्, पापनिवारकम्, आधिव्याधिविनाशकं चेति । यत्र यत्र कर्म तत्र तत्र सुखम्, कर्मणः-सुखादिगमहेतुत्वात्, यथा रामादिजीवने यत्र यत्र कर्माभावः तत्र तत्र दुःखमूलत्वात् श्वपाकादिजीवने दारिद्र्यादिदर्शनात् ।

जीवनस्योदेश्यम्- किं जीवनमिति विविच्यते चेत् तर्हि सुकरम् एतद् वक्तुं यद् जीवनं पुरुषार्थसाधनम् । धर्मार्थकाममोक्षा इति पुरुषार्थचतुष्टम् । धर्मार्थं कामार्थम् अर्थोपार्जनार्थं मोक्षावाप्तये च सर्वत्रैव कर्मण आवश्यकता प्रतिपदम् अनुभूयते । कर्मणैव हि भूभूतो यतयो महर्षयश्च स्वार्थसाधने समर्थाः । अगृहीतकर्मयोगवैजयन्तीकाः, अनाश्रितपुरुषार्थयुधाः, अनवाप्तधैर्यशौर्यगुणगौरवाः, दैवाश्रयैकप्रवणाः, स्वापैकहेतयः, नहि जीवने अल्पीयसीमपि सिद्धिं समासादयितुं प्रभवन्ति । ये हि बद्धपरिकराः, पुरुषार्थैकहेतयः, लक्ष्यैकचित्ताः, ‘कार्यं वा साधयेयं शरीरं वा पातयेयम्’ इति मन्त्रोच्चार दीक्षिताः, त एव विजयलक्ष्यमीपतयः सततवृत्तसिद्धिवैजयन्तीकाः भुवने चकासति । अतएव भगवता श्रीकृष्णेन भगवद्गीतायां सुस्पष्टं स्वीयम् अभिमतं प्रतिपाद्यते यत्-

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

मा कर्मफलहेतुभूमा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥ (गीता 2.47)

यदि याथातथ्यतो विविच्यते तर्हि श्लोकोऽयं यजुर्वेदमूलकमेव । यजुर्वेदे प्रोच्यते यत्-

कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः ।

एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे ॥ (यजु० 40.2)

निष्काम-कर्मयोगः- कीदृशं कर्म श्रेयोवहम्? इति जिज्ञासायाम् उत्तरं प्रस्तूयते यद् अनासक्तिभावनयैव कियमाणं कर्म लोक-परलोकोभयसुखदमिति । अनासक्ति भावनया कृतं कर्म न च बन्धनहेतुः, न च दुःखसाधनम् । कर्तव्यबुद्ध्या यद् यद् विधीयते तत् सदा सुखावमेव । कर्माधीनं जीवनम् । अनासक्तिभावनाया उदयश्च साधीयर्सीं गति साधयति । अतएवानासक्तिभावोदये गीतायास्तादृशो दृढानुरोधः । अनासक्तिभावोदये उभयथापि सुखावाप्तिः । उच्यते च-

हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम् ।
तस्मादुत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः ॥ (गीता 2.37)

सुखदुःखे लाभालाभे समबुद्धित्वमेव योगभावना व्यवहिते । तथोच्यते-

योगस्थः कुरु कर्मणि सङ्गं त्वक्त्वा धनञ्जय ।
सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते ॥ (गीता 2.42)

कर्तव्यभावनया ऽनासक्तेन च यत् कर्म क्रियते तत् कर्मकौशलमिति अभ्युपपद्यते । एतदेव परमो योग इत्युच्चे-
तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम् । (गीता 2.50)

प्राकृतिका गुणाः प्रतिक्षणं मानवं कर्मकरणार्थं प्रेरयन्ति । एतदेवोच्यते-

न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत् ।
कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैगुणैः ॥ (गीता 3.5)

कर्मयोगम् अनास्थाय जीवननिर्वाहोऽपि दुष्करः, अतः कर्मणोऽनिवार्यत्वं प्रसिध्यति ।

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः ।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धेदकर्मणः ॥ (गीता 3.8)

यः कोपि अनासक्तः कर्मारभते प्रयतते च, स मोक्षभाग् भवति ।

तस्मादसक्तः सततं कार्यं कर्म समाचर ।
असक्तो ह्याचरन्कर्म परमान्जोति पूरुषः ॥ (गीता 3.19)

कर्मणैव यतयो मुनयोऽनासक्तधियश्च जीवने साफल्यं लेभिरे । जनहित साधनायापि कर्मणोऽनिवार्यत्वं सिध्यति । उक्तं च-

कर्मणैव हि संसिद्धिमास्थिता जनकादयः ।
लोकसङ्ग्रहमेवापि सम्पद्यन्कर्तुमर्हसि ॥ (गीता 3.20)

महायोगी दिव्यमानवोऽपि श्रीकृष्णः कर्मणो महत्त्वं प्रतिपादयन्नाह यद् यद्यहं न कर्म कुर्यां तर्हि लोके मानवा न कर्म विधास्यन्ति एवं वर्ण-संकरस्य कारणं भविष्यामि ।

उत्सीदेयुरिमे लोका न कुर्यां कर्म चेदहम् ।
सङ्करस्य च कर्ता स्यामुपहन्यामिमाः प्रजाः ॥ (गीता 3.24)

अतः सर्वस्यापि जनस्य कर्तव्यं यत् स कर्मणि प्रवर्तेत । मुमुक्षुभिरपि कृतमेतत् ।

कुरु कर्मेव तस्मात्त्वं पूर्वैः पूर्वतरं कृतम् ॥ (गीताद 4.15)

अनासक्तः कर्म कुर्वन् अकर्तेव सदा दुःखविमुक्तो मोक्षभाक् च भवति ।

त्यक्त्वा कर्मफलासङ्गं नित्यतृप्तो निराश्रयः ।
कर्मण्यभिप्रवृत्तोऽपि नैव किञ्चित्करोति सः । (गीता 4.20)

प्रवृत्ति-निवृत्तिमार्गयोः कतरः पन्थाः साधीयानिति जिज्ञासायां श्रीकृष्णः स्वमतम् उपस्थापयति यद् निवृत्तिमार्गात्
प्रवृत्तिमार्गःश्रीयान् ।

संन्यासः कर्मयोगश्च निःश्रेयसकरावुभौ ।
तयोस्तु कर्मसंन्यासात्कर्मयोगो विशिष्यते । (गीता 5.2)

एवं सिध्यतितरां यत् कर्मयोग एव साधीयान् सुकरः सुखावाप्तिसाधकश्चेति ।

महर्षि पाणिनिः

रितु नागर
एम०ए० प्रथम सेमेस्टर

“Parini's work is indeed a kind of natural history of the Sanskrit language”.

(Gold stucker)

अत्यन्तश्रृंखलाबद्धसंशिलष्ट विधिना व्याकरणस्य विकीर्णा सामग्रीं सफलतया संयोज्य सुसंयतसुदृढव्याकरणलेखनाय पाणिनिः संसारे प्रसिद्धोऽभूत् । तस्य ग्रन्थे वैज्ञानिकविवेचनायाः एवं शैल्याः अनुपमतायाः एतादृशः अपूर्वसमन्वयोऽस्ति यत् अस्य प्रतिस्पर्धायाम् अस्मिन् विषये संसारस्य अन्यकस्यामपि भाषायां किमपि पुस्तकं न दरीदृश्यते । अस्मिन् विषये डां वासुदेव शरणाग्रवालस्य उक्तिरियम्-

“His Grammer is the centre of a vast and important branch of the ancient literature. No work has struck deeper roots than his in the soil of the scientific development of India.

अन्यत्र तेन लिखितम्-

His Grammer is a contribution not merely to Sanskrit but to linguistics in general throwing light on the structure of the cognate Indo-European languages.”

लैलिनग्राडस्य प्रो०वात्सक्या मतानुसारं पाणिनीयव्याकरणं मानवमस्तिष्ठस्य सर्वोत्तमासु रचनासु विद्यते । पाणिनीयव्याकरणं प्राचीनार्षवाङ् मयस्य अनुपमः निधिः अस्तिः । अनेन प्राचीनार्वाचीनञ्च समग्रवाङ् मयं सूर्यस्यालोकमिव प्रकाशते ।

किन्तु अस्य महर्षे जीवनविषयेऽधिकं न ज्ञातम् । पाणिना स्वजीवनविषये किमपि न लिखितम् । महाभाष्यकारेण पतञ्जलिना महर्षेः पाणिनेः विषये ‘शालातुरीय’ ‘दाक्षीपुत्र’ शब्दयोः प्रयोगं कृतम्-सर्वे सर्वोपदेशाः दाक्षीपुत्रस्य महर्षिः पाणिनेः’ । अनेन सिद्धयति यत् अस्य मातुर्नाम दाक्षी आसीत् । कथासरित्सागरस्य चतुर्थतरंगस्य कथानुसारं सः उपर्वर्षस्य शिष्यः एवं कात्यायनस्य च समकालीन आसीत् । पञ्चतन्त्रस्य श्लोकेन एवं प्रतीयते यत् तस्य मृत्युः वने सिंहेन अभूत् । “सिंहो व्याकरणस्य कर्तुरहरत् प्राणान् प्रियान् पाणिनेः” ।

महर्षिपाणिनेः पञ्चव्याकरणग्रन्थाः सन्ति येषु अष्टाध्यायी प्रमुखो विद्यते ।

एवं श्रूयते यत् बाल्यकाले पाणिनिः प्रखरबुद्धिः नासीत् । स्वसहपाठिनां प्रगतिमवलोक्य मानसिकव्यथया व्यथितो सन् सः तपस्तप्तवान् । भगवतः आशुतोषस्य प्रसादेन बुद्धिं लब्ध्वा परिश्रमेण च अल्पसमये एव समस्तविद्याज्ञानं प्राप्तवान् । शिवसूत्राणि अधिकृत्यैव समस्तग्रन्थस्य रचना कृता इति श्रूयते । चतुश्शतसूत्रेश्यः निर्मितः अस्य ग्रन्थः अष्टाध्यायी अष्टाध्यायेषु विभाजितः । प्रत्येकम् अध्याये चत्वारो पादो वर्तते । प्रथमाध्यायो व्याकरणशास्त्रसम्बन्धिः संज्ञापरिभाषाणां संग्रहोऽस्ति । द्वितीयाध्याये समासानां विस्तृतं विवेचनं एवं कारकाणां व्याख्या वर्तते । तृतीतेऽध्याये अष्टमध्याये च ‘कृदन्तप्रकरणम्’ विद्यते । पष्ठसप्तमाध्याये तिङ्गुपप्रत्ययानां सम्बन्धिप्रक्रियायाः विवेचनं दरीदृश्यते । अष्टमाध्यायः सम्बिधिप्रकरणमस्ति ।

शब्दानुशासनं वृत्ति सूत्रं चास्य ग्रन्थस्य अन्येऽभिधैयो स्तः । केवलम् अष्टाध्यायेषु समस्तदेशव्यापिनः शब्दाः दरीदृश्यन्ते । अस्मिन् ग्रन्थे वर्णोऽपि अर्नथको न विद्यते सूत्रस्य तु कथनमेव वर्थम् । पाणिनेः विषये महाभाष्यकारेण पतञ्जलिना उक्तम् -

“प्रमाणभूतआचार्योँ दर्भपवित्रपाणीः शुचाववकाशे प्राङ्मुख उपविश्य महता प्रयत्नेन सूत्राणि प्रणयतिस्म । तत्राशक्यं वर्णेनार्थान्यनर्थकेन भवितुं किं पुनरियता सूत्रेण ।”

अष्टाध्यायां प्राचीनसूत्राणामुख्यारमपि कृतम् । स्वशास्त्रे पाणिना अनेकानि सूत्राणि अक्षरशः पूर्वव्याकरणेभ्यः स्वीकृतानि आहोस्वित् तेषु किञ्चित् परिवर्तनं कृतम् । एतस्मात् कारणात् पाणिनिव्याकरणम् अकलिष्टम् एवं छान्नेभ्यः लाभकरमभवत् । पाणिनेः व्याकरणविषये डां वासुदेवशरणाग्रवालस्योक्तिरियम्-

His Grammer regulates equally the language of the both poetry and prose in Sanskrit. Panini's work holds good for all ages so far as Sanskrit is concerned. It is a permanent influence and institution in the world of Sanskrit even to this day"

(India as known to Panini)

कलाविषयकपरिभाषाभिः रहितव्याकरणमपि सर्वप्रथमं पाणिनिः एव रचितवान् । प्रत्याहारसूत्राणि अपि पाणिनीयः वर्तन्ते । अस्मिन् विषये अनेकाः प्रमाणाः अपि लभन्ते । हयवरटसूत्रे महाभाष्यकारेण लिखितम् -

“एषा ह्याचार्यस्य शैली लक्ष्यते- यतुल्यजातीयांस्तुल्यजातीयेषूपदिशति अचोऽक्षु हलो हत्थु” ।

महाभाष्ये आचार्यपदस्य व्यवहारः केवलं पाणिनिकात्यायनाभ्यां वभूव । अत्र आचार्यपदस्य निर्देशः कात्यायनाय न वर्तते । अत एव अनेन सिद्ध्यति यत् प्रत्याहारसूत्राणां रचयिता पाणिनिः आसीत् । अष्टाध्यायाः प्राचीनहस्त लेखेषु ‘हल’ सूत्रस्यानन्तरम् ‘इति प्रत्याहारसूत्राणि’ इति मिलति । अतः प्रत्याहारसूत्राणि पाणिनीयः विद्यन्ते ।

पाणिनेः अन्यव्याकरणग्रन्थाः अपि वर्तन्ते । येषां प्रवचनं तेन स्वशब्दानुशासनस्यपूर्वये कृतम् । ‘धातुपाठ’ गणपाठ, उणादिसूत्रम्, लिङ्गानुशासनम् च तस्य चत्वारोऽन्यग्रन्थाः वर्तन्ते ।

पाणिनिः स्वप्रोक्तधातुपाठस्यानुकूलमेव सूत्रपाठस्य प्रवचनमकरोत् । संस्कृतव्याकरणसाहित्ये अनेके एतादृशाः धातुपाठेन सम्बद्धाः ग्रन्थाः मिलन्ति येषां सम्बन्धो पाणिनेः धातुपाठेनप्रतीयते । निघण्टुआख्यानचन्द्रिका कविरहस्यक्रियाकोशादयः एतादृशाः एव ग्रन्थाः ।

आचार्यपाणिनेः गणपाठोऽपि उपलभ्यते । न्यासकारं विहाय सर्वे वैयाकरणाः गणपाठं पाणिनेः प्रवचनं मन्यन्ते । पाणिना स्वशब्दानुशासने सर्वत्र गणशैल्याः प्रयोगः कृतः । गणशैलीम् आश्रित्य कोऽपि वैयाकरणः गणपाठनिर्धारणं विना स्वशब्दानुशासनस्य प्रवचनं कर्तुं न शक्नोति । अनेन सिद्ध्यति यत् पाणिना स्वशब्दानुशासनस्य गणसम्बद्धसूत्राणां प्रवचनात् पूर्वं तत्तद् गणानां स्वरूपस्य निर्धारणमवश्यमेव कृतम् । पाणिनिः सूत्रपाठधातुपाठयोः वृत्तिनां समं गणपाठस्य वृत्तेरेपि प्रवचनमवश्यं कृतवान् ।

आचार्येण स्वपञ्चाङ्गव्याकरणस्य पूर्तये एव ‘उणादयो बहुलम्’ इति सूत्रसङ्केतितोणादि प्रत्ययानां निर्देशनाय कस्यापि उणादिपाठस्य प्रवचनमपि कृतम् इति निश्चितोऽस्ति ।

स्त्रीत्वपुंस्त्वादयः लिङ्गाः प्रत्येकं नामशब्दस्याविभाज्याङ्गां विद्यन्ते । अत एव लिङ्गानुशासनं शब्दानुरासनस्य एकम् अवयवः अस्ति । तस्यानुशासनं विना शब्दानुशासनमपूर्ण विद्यते । प्रायेण प्रत्येकं शब्दानुशासनस्य प्रवक्ता स्वतन्त्र सम्बद्धलिङ्गानुशासनस्य प्रवचनमपि अकरोत् । पाणिनकृतलिङ्गानुशासनं सम्पत्ति उपलब्धमस्ति । इदं सूत्रात्मकं विद्यते । पाणिना स्वशब्दानुशासनस्य प्रवचनं बहुधा स्वयमेव कृतम् । प्रवचनकाले सूत्रार्थपरिज्ञानाय वृत्तिनिर्देशोऽपि क्रियतेस्म । पाणिना अष्टाध्यायाः काऽपि स्वोषज्ञवृत्तिं रचिता अस्य प्रमाणानि अपि मिलन्ति भर्तृहरिणा ‘इग्यणः सम्प्रसारणम् अस्य सूत्रस्य विषये महाभाष्यदीपिकायां लिखितम्-

उभयथाह्याचार्येण शिष्याः प्रतिपादिताः । केचिद् वाक्यस्य, केचिद् वर्णस्य ।” अष्टाध्यायाः द्वे प्रकारेण व्याख्या कृत्वा ज्यादित्येन कथितम् -

“सूत्रार्थद्वयमपि चैतदाचार्येण शिष्याः प्रतिपादिताः । तदुभयमपि प्रमाणम् ।” युनः महाभाष्ये उक्तम् -

“उक्तमेतत्-पदग्रहणं परिमाणार्थम अतः-अनुदात्तं पदमेकवर्जम् इति सूत्रे पदग्रहणं परिमाणार्थमस्ति ।”

अष्टाध्यायाः अस्य सूत्रस्थपदग्रहणस्य उक्तप्रयोजनं न तु वृत्तिकाकरेण लिखितं न च भाष्यकारेण । अत एव पतञ्जले: एष सङ्केतः पाणिनीयवृत्तिं प्रति एव प्रतीयते । अतः अनेकैः प्रमाणैः सिद्ध्यति यत् पाणिना स्वशब्दानुशासनस्य प्रवचनमवश्यं कृतम् ।

किं बहुना संस्कृतव्याकरणे पाणिनेः योगदानमपूर्वमस्ति । तत् शब्दानां परिसीमायां कथितुं न शक्यते । डाऽ वासुदेवशरणग्रवालमहोदयेनोचितमेव कथितम् -

On the whole we may say that Panini's Grammer is related to Sanskrit like the top root of a tree.”

संस्कृतसाहित्यस्य वैशिष्ट्यम्

पायल

बी०८० तृतीय वर्ष

समाजस्य दर्पण साहित्यं खलु । समाजस्योत्थानपतनसमृद्धिव्यर्द्धिनां ज्ञानस्य प्रमुखसाधनं तत्कालीनसाहित्यमेव भवति । साहित्यं संस्कृत्याः अपि प्रधानवाहनं विद्यते । संस्कृत्याः मूलं यदि भौतिकवादम् आश्रयति तदा तस्य देशस्य साहित्यं कदापि आध्यात्मिकं भवितुं न शक्नोति । यदि संस्कृतौ आध्यात्मीकिनां भावनानां प्रधानता विद्यते तदा अस्य देशस्य आहोस्त्वं जात्याः साहित्यमपि आध्यात्मिकताविहीनं न दरीदृश्यते ।

सामाजिकभावनानां सामाजिकविचारानां च अभिव्यक्तेः हेतोः यदि साहित्यं समाजस्य दर्पणमस्ति तदा सांस्कृतिकाचाराणां विपुलप्रचारेण साहित्यं संस्कृत्याः वाहनं खलु ।

संस्कृतभाषा भारतस्य अपूर्वा निधिः । संस्कृतसाहित्यः भारतीयसमाजस्य भव्यविचाराणां रुचिरदर्पणं विद्यते । साहित्यं शब्दार्थयोः मञ्जुलसामञ्जस्य सूचकं विद्यते । ‘संहितयोः भावः साहित्यम्’ अर्थात् शब्दार्थयोः भावः एवसाहित्यं विद्यते । भर्तृहरिणा साहित्यसंगीतविहीनः पशुः कथितः-‘साहित्यज्ञीतकलाविहीनः साक्षात् पशुः पुच्छविषाणहीनः’ । अत्र कवेः सङ्केतः तानि मञ्जुलकाव्यानि प्रति विद्यते येषु शब्दार्थयोः अनुरूपं सन्निवेशं वर्तते । विल्हणस्योक्तिरियम्-

साहित्यपर्योनिधिः मन्थनोत्थं काव्यामृतरक्षत हे कवीन्द्रः ।
यदस्य दैत्या इव लुण्ठनाय काव्यर्थर्थार्थाः प्रगुणीभवन्ति ॥

साहित्यशब्दस्य प्रयोगः संकृचिताथ काव्यनाटकादिकृते भवति परं व्यापकार्थे कस्यामपि विशिष्टभाषायां निवद्धाः ग्रन्थाः साहित्यमिति कथ्यन्ते ।

संस्कृतवाङ्मयं एव संस्कृतसाहित्यं खलु । सर्वप्रथम पुरातनतादृष्ट्या संस्कृतसाहित्यस्य महत्त्वम् अग्रतिमं विद्यते । अस्माकं संस्कृते: आकारग्रन्थाः वेदाः अपि संस्कृतभाषायामेव वर्तन्ते । भारतीयसाहित्यस्य विशालप्रासादस्य आधारशिलाः वेदाः एव । अतः मानवेतिहासस्य सम्यक् अनुशीलनाय संस्कृत साहित्यस्य महती आवश्यकता वर्तते । विण्टरनिजमहोदयानुसारमपि-

“If we wish to learn, to understand the beginning of our own culture, if we wish to understand the oldest Indo-European culture, we must go to India where the oldest literature of an Indo-European people is preserved.”

न केवलं पुरातनतादृष्ट्या अपितु अविच्छिन्नतादृष्ट्यापि अद्वितीयं संस्कृतवाङ्मयम् । संस्कृतसाहित्यस्य सर्वप्रथमग्रन्थस्य निर्माणो अष्टादशसंहस्राणि वर्षाणि पूर्वमभवत् । ततः प्रभूति एव संस्कृतसाहित्यस्य धारा विच्छिन्नगत्या प्रवहति । अन्यसाहित्यानामिताहासानाम् अवलोकनेन एवं प्रतीयते यत् तेषां साहित्यमअनुकूलपरिस्थितौ विकसति परं विषमावस्थासु तस्य प्रवाहः मन्दीभवति । परं संस्कृतसाहित्ये अयं दोषः न परिलक्ष्यते । वेदानामनन्तरं ब्राह्मणग्रन्थाः ब्राह्मणग्रन्थानामनन्तरमारण्यकाः आरण्यकानामनन्तरमुपनिषदग्रन्थाः उपनिषदमुपरान्तं रामायणमहाभारतपुराणानि पुराणानामान्तरं काव्यनाटकगद्यपद्यकथाख्यायिकास्मृतिग्रन्थानां निर्माणोऽभवत् । इत्थं संस्कृतसाहित्यस्य परम्परा अविच्छिन्नरूपेण प्रवहन्ती दरीदृश्यते । अविच्छिन्नतादृष्ट्या अपि इदं साहित्यं नितान्तमहत्त्वपूर्णम् ।

संस्कृतसाहित्यं सर्वाङ्गीणं खलु । धर्मार्थकाममोक्षमानवजीवनस्य चतुर्णां पुरुषार्थानां वर्णनम् अस्मिन् साहित्ये विस्तारेण उपलभ्यते । संस्कृतसाहित्ये केवलं धर्मग्रन्थानामेव बाहुल्यं न वर्तते अपितु विज्ञानज्योतिषवैद्यकस्थापत्यपशुपक्षीसम्बन्धि- लक्षणग्रन्थानामपि प्राचुर्यम् अवलोकयते । वस्तुतः प्रेयशास्त्रश्रेयशास्त्रयोः उभयोरपि रचना संस्कृतवाङ्मये उपलभ्यते । मिश्रदेशस्य साहित्ये तु केवलं प्रेयशास्त्रस्यैव वर्णनं प्राप्यते । आध्यात्मिकविवेचनस्य तु चर्चापि न कृता ।

धार्मिकदृष्ट्यापि संस्कृतसाहित्यस्य गौरवम् अक्षुण्ण वर्तते । वेदेषु आर्यधर्मस्य विशुद्धं रूपम् उपलभ्यते । भारतीयधर्मविकासाय प्रारम्भिकावस्थायाः अवलोकनार्थं ऋग्वेदमपहाय अन्यो कोऽपि महत्त्वपूर्णस्नोतो न विद्यते । श्रुत्याः दृढाधारशिलायां भारतीयधर्मस्य

सभ्यतायाः च भव्यविशालप्रासादः प्रतिष्ठितः । वेदाः अस्मद् धर्मस्य मूलग्रन्थाः सन्ति । उक्तञ्च-‘वेदोऽखिलो धर्ममूलम् । वेदार्णवात् ज्ञानस्य धर्मस्य च विमलधारा: विभिन्नपथैः न केवलं भारतवर्षस्य अपितु सम्पूर्णजगतः भूस्थलानि उर्वराणि कुर्वन्ति । इत्थं न केवलं भारतवर्षाय अपितु अन्यदेशेभ्यो उपि धार्मिकदृष्ट्या संस्कृतवाङ्मयस्य अनुशासनम् आवश्यकं वर्तते ।

अद्यपि संस्कृतभाषा भारतीयजीवने जनुस्यूता इव प्रतीयते । अस्माकं धार्मिकजीवनम् अस्य ज्वलन्तप्रमाणं विद्यते । गीतारामायणमहाभारतादिनां अद्यापि देशब्यापी प्रचारां दरीदृश्यते । अस्माकम् उपनयनविवाहादयः संस्काराः अन्यधार्मिककृत्याणि च संस्कृतभाषायामेव सम्पन्नानि भवन्ति । संस्कृत अस्माकं सांस्कृतिकी भाषा विद्यते । जैनग्रन्थाः अपि अस्या भाषायामेव प्राप्यन्ते ।

सांस्कृतिकदृष्ट्यासंस्कृतवाङ्मयस्य गौरवं विशिष्टं वर्तते । भारतस्य प्राचीनइतिहासस्य सम्प्रकृपर्यालोचनं संस्कृतवाङ्मयस्याध्ययन बिना असम्भवमेव । प्राचीनाः शिलालेखाः अपि संस्कृतभाषायामेव वर्तन्ते । भारतीयपुरातत्त्वानायापि संस्कृतस्य ज्ञानमत्यन्तावश्यकम् । संस्कृतसाहित्यस्य इतिहासः न केवलं भाषायाः इतिहासः अपितु भारतस्याध्यत्मिकसामाजिकव्यवहारिकराज-नैतिकजीवनस्यापि ज्वलन्तचित्रणमस्ति श्रीबलदेवोपाध्यायानुसारम्-यदि कस्यापि देशस्य साहित्यं तस्य संस्कृत्याः द्योतकं तदा संस्कृतसाहित्यं भारतीयसंस्कृते: निर्मलदर्पणं विद्यते ।

अन्यदेशेष्वपि भारतीयसंस्कृते: प्रचारः आसीत् । जावायाः भाषायां रामायणमहाभारतयोः व्याख्यानाः दरीदृश्यन्ते । भारतवासिनामिव तस्य देशस्य निवासिनोऽपि रामलीलां अर्जुनलीलां च दृष्ट्वा चित्तविनोदं कुर्वन्ति । मंगोल्याः मरुभूमौ अपि संस्कृतसाहित्यस्य प्रचारः आसीत् । तस्य देशस्य भाषायां महाभारतस्य सम्बद्धानि अनेकानि नाटकानि उपलभ्यन्ते । येषु हिडिम्बावध नाटक' प्रमुख विद्यते ।

विशुद्धकल्पनादृष्ट्यापि संस्कृतवाङ्मयस्य महिमा अद्वितीयः खलु । यस्मिन् साहित्ये महाकविकालिदासेन समं कवयः कालिदासभवभूतिना तुर्यः नाटककाराः बाणभट्टेन तुल्यो गद्यलेखकाः श्री हर्षण समं पण्डितकवयः च वभूवुः । यस्मिन् साहित्ये शैल्याः उत्कृष्टता, विलक्षणस्वरमाधुर्यम्, अपूर्वकौशलरचना, अलङ्काराणाम् अनुपमः प्रयोगः, प्रकृतिचित्रणस्य सजीवता, मनोमुग्धकारी दृश्यानां छटा, वैभवविलासस्य चित्रणस्य यथाथेता, शब्दानां सम्यक् सगुम्फनं भाषा एवं भावनामुक्तृष्टता, सजीवचरित्रचित्रणस्य बाहुल्यं मनोभावानां मनोवृत्तिनां च मार्मिकनिरीक्षणं अप्रतिमं कल्पनावैभवं, जीवनस्य सूक्ष्मतत्वानां विवेचनं, शाश्वतसौन्दर्यस्य चित्रणं च प्राप्यते । तस्य साहित्यस्य गौरवस्य वर्णनं समुचितशब्देषु कर्तुं कथं शक्यते कि बहुना प्राचीनताविच्छिन्नताव्यापकता धार्मिकतासभ्यतादृष्ट्या कलादृष्ट्या च संस्कृतवाङ्मयं नितान्तगौरवपूर्णं प्रतीयते ।

पर्यावरण-संरक्षणम् (प्रदूषण-समस्या-निराकरणम्)

श्वेता
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

किं पर्यावरणम्- पर्यावृतिः पर्यावरणम्, यत् परितः आवृणोति आच्छादयति तत् पर्यावरणम् । ये मानवं परितः आच्छादयन्ति, मानव-जीवनं च प्रभावयन्ति, ते पर्यावरण शब्देन गृह्यन्ते । तेषु वायुमण्डलं स्थलमण्डलं जलमण्डलं, तथा रासायनिक-तत्त्वानां च संग्रहो वर्तते । एवं पर्यावरणं भौतिक-जैविक-तत्त्वानां संकलनेन भवति । भौतिक तत्त्वेषु मृत्तिका, जलं वायुः प्रकाशश्च सन्ति । जैविक-तत्त्वेषु समस्तं जीव-जगद् वृक्ष-वनस्पतयश्च सन्ति ।

पर्यावरण-प्रदूषणम्- मानवः स्वक्रिया-कलापेन, अवशिष्ट-पदार्थनाम् ऊर्जायाश्च विमोचनेन यत् प्राकृतिकं सन्तुलनं दूषयति, तत् प्रदूषणम् इति निगद्यते ।

मुख्य-प्रदूषणानि सन्ति-1. वायु-प्रदूषणम्, 2. जल-प्रदूषणम् 3. भूमि-प्रदूषणम् 4. ध्वनि-प्रदूषणम् 5. रेडियो-धर्मी-प्रदूषणं च ।

1. वायु-प्रदूषणम्- वायु-मण्डले विविध-गैसा विशेषानुपातपूर्वकं सन्ति । ते प्राणिनो जीवनशक्तिं प्रददति । यदि औद्योगिकी-करणेन अन्यैर्वा साधनैः तत् प्राकृतिकम् अनुपातं प्रदूषयन्ति, तर्हि वायु-प्रदूषणं संजायते ।

वायु-प्रदूषणं मानवस्य स्वास्थ्यं प्रभावयति । कार्बन-मोनो-आक्साइड-गैसो मानवस्य चिन्तनशक्तिं न्यूनं करोति । अन्यैश्च गैसैः ध्रासरोगाः, नेत्ररोगाः, कैसर-प्रभृतयो रोगा भवन्ति । वायु-प्रदूषणं ओजोन-स्तरं (Ozone Layer)दूषयति । तत्रभावेण वृक्ष-वनस्पतीनां क्षयो भवति । वनस्पतीनां क्षयो मानवजीवनस्य कृते संकटम् उपस्थापयति ।

वायु-प्रदूषण-निराकरणम्- वायु-प्रदूषण-निराकरणार्थम् एते उपाया लाभकरा भविष्यन्ति । अधिक-धूम्र-त्याग-पराणां वाहनानां प्रयोगे न्यूनत्व-साधनम् । वृक्षाणां छेदनस्य वैधर्यपेण निरोधः स्याद, वृक्षारोपण-कार्यं च बाहुल्यं स्यात् । सर्वे उपि यन्नालयाः

नगराद् दूरं स्थापिता भवेयुः । परमाणु-विस्फोटे प्रतिबन्धः स्यात् । वायु-प्रदूषण-प्रभावं प्रति जनता जागरूका भवेत् ।

2. जल-प्रदूषणम्- जलं मानव-जीवनस्य प्रमुखं साधनं वर्तते । पृथिव्याः 70 प्रतिशतं भागो जलावृतो वर्तते । समुद्रस्य जलं क्षारं भवति, अतः तत् पानार्थम् अनुपयोगि केवलं त्रि-प्रतिशतं जलं मधुरं पेयं च वर्तते । तेनैव मानवानाम् अवस्थितिः वर्तते । औद्योगिक-यन्त्रालयानां रासायनिक-यन्त्रालयानां च यद् अपशिष्टं प्रवाहयते, तद् नद्यादिषु प्रक्षिप्यते । तेन जलं दूषयति । कृषि-कार्येषु प्रयुक्ताः कीटनाशक-पदार्थः रासायनिकं खाद्यं च यत् प्रवाहयते, तद् नद्यादिकं प्राप्नोति । तेन जलं दूष्यते । एवमैव गृहापशिष्टा अपि प्राणाल्यादिभिः नद्यादिकं प्राप्नुवन्ति, तेनापि जल-प्रदूषणं भवति ।

प्रदूषित-जल-पानेन अनेके रोगः प्रादुर्भवन्ति । तद् यथा-पाण्डुरोगः, रक्ताल्पता, अतिसारः, ज्वरादिकं च । प्रदूषित-जल-पानेन-गो-वृषभ-महिषादि-पश्वोऽपि मृत्युं प्राप्नुवन्ति । वृक्षेषु प्रकाश-संश्लेषण-क्रियायाम् अवरोधोऽपि जायते ।

जल-प्रदूषण-निरोधार्थम् एते उपाया आश्रयणीयाः- नगरादीनाम् अपशिष्टः-जल-प्रवाहार्थं प्रणाली-व्यवस्था स्यात् । तद् नगराद् दूरम् अपशिष्टं प्रवाहयेत् । कीट-नाशक-पदार्थानां प्रयोगः स्वल्पः स्यात् । परमाणु-विस्फोटेषु प्रतिबन्धः स्यात् । मृत-जन्तवो भूमौ निखाता भवेयुः ।

3. भूमि-प्रदूषणम्- भूमिरेव जनानां जीवन-साधनम् । भूमिरेव अन्नादिभिः मानवं पोषयति । यदि भूम्या उर्वरशक्तिः क्षीयते तर्हि खाद्याननं दुर्लभं भविष्यति । एतदर्थं भूप्रदूषण-निरोधार्थम् उपायाः करणीयाः।

भू-प्रदूषणस्य कारणानि सन्ति-औद्योगिक-यन्त्रालयानाम् अपशिष्टं जलं भूमिं प्राप्नोति, तद् भूमेः उर्वराशक्ति नाशयति । क्षेत्रेषु अपशिष्ट-पदार्थानां प्रक्षेपणेन मृत्तिका प्रदूष्यते । वनानां वृक्षाणां च छेदेन मृदा-क्षरणं भवति ।

भू-प्रदूषण-निरोधोपायाः- कीटनाशक- रसायनानां प्रयोगो नियन्त्रितः स्यात् । वृक्षादीनां छेदेने प्रतिबन्धः स्यात् । शोधित-जलेनैव कृषौ सैचन-व्यवस्था स्यात् । गृहस्यापशिष्टं मलादिकं गोमयादिकं च कम्पोस्ट-खाद्यरुपेण परिवर्तितं स्यात् ।

4. ध्वनि-प्रदूषण- ध्वनिः विचाराणाम् आदान-प्रदानस्य महत्त्वपूर्ण साधनम् । सामान्य-ध्वनिः स्वास्थ्य-हेतोः उपयुक्तोऽस्ति । परं तदेव उग्रं कठोरं वा सत् कर्णपीडां कर्णरोगादिकं च जनयति । ध्वनि-प्रदूषणेन रक्तचापे वृद्धिः, मांसपेशीषु कठोरता, अनिद्रा, ध्वासरोगाः, शिरोवेदना-प्रभृतयो रोगा जायन्ते । जगति 50 प्रतिशतं जनाः तीव्रध्वनिनैव मृत्युं यान्ति ।

ध्वनि-प्रदूषण-नियन्त्रणम्-ध्वनि-प्रदूषण-नियन्त्रणार्थम् एते उपाया आश्रयणीयाः तीव्रध्वनिकारक-यन्त्राणां स्थाने सामान्यध्वनि-कारकानि यन्त्राणि योजनीनानि । वाहनषु-तीव्रध्वनि-करणे प्रतिबन्धः स्यात् । यन्त्रालयेषु कार्यपराः कर्णरोग-निरोधाय कर्णेषु किमपि ध्वनि-रोधकं प्रयुजीरन् । तीव्र-ध्वनिकारकेषु यन्त्रादिषु प्रतिबन्धो विधीयते ।

पर्यावरण-विषयकं भारतीयं चिन्तनम्

संस्कृत-साहित्ये पर्यावरण-संरक्षण-विषयकं पर्याप्तं चिन्तनम् उपलब्ध्यते । वेदेषु, स्मृतिषु, पुराणग्रन्थेषु च पर्यावरण-संरक्षणाय बहुधा निर्देशः प्राप्यते । तदत्र समासत उपस्थाप्यते ।

पर्यावरण-संघटक-तत्त्वानि- अर्थर्वेदे निर्दिश्यते यत् पर्यावरण-संघटक-तत्त्वेषु तत्त्वत्रयं प्रमुखं वर्तते । तानि सन्ति-आपः (जलम्), वाताः (वायुः), ओषधयः (वनस्पतयः) च । एतानि पर्यावरणं निर्मापयन्ति ।

त्रीणि छन्दांसि कवयो वि येतिरे,
पुरुरूपं दर्शतं विष्वचक्षणम् ।
आपो वाता ओषधयः,
तान्येकस्मिन् भुवन आर्पितानि ॥ अथर्व 18.1.17

वायु-संरक्षणम्-वायुः जीवनस्याधारभूतः । अतस्तस्य संरक्षणम् आवश्यकम् । वायौ अमृतरूपं प्राणतत्वम् प्राणतत्वम् (Oxygen) वर्तते । वायुः सूर्यश्च जगतः रक्षकौ स्तः । वायुः, वर्षा, अग्निश्च प्रदूषणानि नाशयन्ति ।

(क) यददो वात ते गृहे, अमृतस्य निधिर्हितः । ऋग्ग० 10.186.3

(ख) युवं वायो सविता च भुवनानि रक्षथः । अर्थर्व० 4.25.3

(ग) वातः पर्जन्य आदिनिस्ते क्रव्यादमशीशमन् । अथर्व 3.21.10

ओजोन-स्तर (Ozone-Layer) - संरक्षणम्- वेदेषु 'महद्-उत्त्व'-नाम्ना ओजोन-स्तरो निर्दिश्यते । स्पष्टं निर्दिश्यते यद् ओजोन-स्तरः पृथिवीं गर्भस्थ-बालकम् इव संरक्षति । तद्-दूषणं विनाशायैव ।

महत् तदुल्बं स्थविरं तदासीद्,
येनाविष्टिः प्रविवेशिथापः ॥ ऋग् 10.51.2

द्यु-भू-संरक्षणम्- वेदादिषु द्यावा-पृथिव्योः संरक्षणस्य महती आवश्यकता निर्दिश्यते । द्यावा-भूमी मातृ-पितृ-वद् वर्तन्ते । तयोः संरक्षणं सर्वेषां कर्तव्यम् । भूमिः सस्य-संपदां प्रददाति, अग्निः लोहतत्त्वं ददाति, वनस्पतयश्च प्राणशक्तिं ददति । पृथिवीं दिवं च न दूषय ।

- (क) पृथिवी माता धौषिता । यजु० 2.10-11
- (ख) अवतां त्वा द्यावापृथिवी, अव त्वं द्यावापृथिवी । यजु० 2.1
- (ग) भूमिष्ट्वा पातु हरितेन विष्वभृत्,
अग्निः पिपर्तु-अयसा सजोषाः ।
वीरुद्भिष्टे अर्जुनं सविदानं
दक्षं दधातु सुमनस्यमानाम् ॥ अर्थव० 5.28-5
- (घ) पृथिवीं दृंह, पृथिवीं मा हिंसीः । यजु० 13.18
- (ड.) दिवं दृंह, दिवं मा हिंसीः । यजु 15.64

जल-संरक्षणम्- जलं जीवनम् अमृत-तुल्यं भेषजं रोगनाशकं चास्ति, अतस्तस्य संरक्षणम् परमावश्यकं वर्तते । जलं सर्वरोग-प्रशमनं हृदरोगनाशकं चास्ति । जलं शक्तिवर्धकं रसायनं चास्ति ।

- (क) अप्सु.....अन्तर्विष्वानि भेषजा । ऋग्० 1.23.20
- (ख) अप्स्वन्तररमृतम् अप्सु भेषजम् । ऋग् 1.23.19
- (ग) आपो....हृद्योत- भेषजम् । अ० 6.24.1
- (घ) आपो विष्वस्य भेषजीः । अ० 3.7.5

पुराणादिषु प्रदूषण-निरावरणादेशः- पद्मपुराणे क्रियायोगखंडे निर्दिश्यते यद् गगांदीनां नदीनां प्रदूषणं महत् पातकम् आवहति । अतो गंगादि-जलेषु मूत्रं पुरीषं निष्ठीवनं कफादिकम् उच्छिष्टं वा न त्यजेत् ।

मूत्रं वा ऽथ पुरीषं वा गंगातीरे करोति यः ।
न दृष्टा निष्कृतिस्तस्य कल्पकोटिशतैरपि ॥ पद्मपुराण क्रियायोग० 8.8.10

वृक्ष-वनस्पति-संरक्षणम्- वृक्षा मानवं जीवनशक्तिं प्रददति, प्रदूषणं च नाशयन्ति ।

- (क) प्राणो वै वनस्पतिः । ऐत० ब्रा० 2.4
- (ख) वीरुद्धो वैश्वदेवीः उग्राः पुरुषजीवनीः । अर्थव० 8.7.4

वृक्षारोपणं जीवनरक्षणार्थं कार्यम्- ऋग्वेदे कथ्यते यद् वृक्षारोपणम् अवश्यं कार्यम् । एते प्रदूषणं निवारयन्ति, प्राणवायुं च ददति, जल-स्त्रोतांसि च रक्षन्ति ।

वनस्पतिं वन आस्थापयध्यं
नि षू दधिष्वम् अखनन्त उत्सम् । ऋग् 6.48.17

वृक्षाः शिव-स्वखपाः- शतपथ-ब्राह्मणे शिव ओषधिरुपेण प्रस्तूयते । वृक्षाः कार्बन डाइ-आक्साइड (CO_2) रूपं विषं पिबन्ति, अमृतरूपं प्राणवायुं ($\text{Oxygen}, \text{O}_2$) वितरन्ति । यजुर्वेदे वृक्षादिरुपेण रूद्रः स्तूयते ।

- (अ) ओषधयो वै पशुपतिः । शत०ब्रा० 6.1.3.12
- (ख) नमो वृक्षेभ्यो हरिकेशेभ्यः । वनानां पतये नमः ।
ओषधीनां पतये नमः । यजु० 16.17.19

एवं संस्कृत-साहित्ये पर्यावरण-रक्षणार्थं बहुविधं वर्णनं प्राप्यते ।

वर्तमान-युगे संगणकस्य (कम्प्यूटरस्य) उपयोगित्वम्

शैली

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

कम्प्यूटर (Computer) शब्दः आंग्लभाषायाः गणनार्थकात् कम्प्यूट (Compute) शब्दाद् निष्पद्यते । अतः कम्प्यूटरस्य कृते संगणक-शब्दः प्रयुज्यते । आधुनिकेषु आविष्कारेषु कम्प्यूटरस्य विशिष्टं महत्त्वं वर्तते । वर्तमान-युगः संगणक-युगः (Computer-age) इति निगद्यते । संगणकेन मानव-जीवने नवीना क्रान्तिः विहिता । संगणकस्य यादृशी तीव्रा प्रगतिः संलक्ष्यते, न तादृशी प्रगतिः अन्यस्याः कस्या अपि क्रान्ते संलक्ष्यते । प्रारम्भ-काले अस्य उपयोगः केवलं गणनाकार्ये समभवत्, परन्तु साम्राज्यम् अस्योपयोगः प्रायः सर्वेषु कार्येषु आनिवार्यतां धत्ते । साम्राज्यं कम्प्यूटरस्य उपयोगो यन्त्राणाम् आकार-प्रकार-निर्धारणे, भवनानां निर्माण-प्रक्रियायाम्, ऋतुनिर्देशने, भवनानां निर्माण-प्रक्रियायाम्, विमानादीनां दिशा-निर्देशने, रेल-विमानादिषु आरक्षणकार्ये, रोगाणां सूक्ष्म-परीक्षणे विश्लेषणे च, वैज्ञानिके शोधकार्ये, वाणिज्य-व्यवसाये, वेतन-गणनायाम्, कार्यालय-प्रबन्धने, भण्डागार-व्यवस्थापने, कार्मिकानां वेतनादि-निर्धारणे विधीयते । एवमेव बीमा-शेयर-प्रभृतिषु उद्योगेषु, शिक्षाक्षेत्रे, मनोरञ्ज-विधौ, ललित-कला कार्य-कलापे महत्त्वपूर्ण भूमिका वर्तते कम्प्यूटरस्य ।

सर्वप्रथमं सांख्यिकी-कम्प्यूटरस्य निर्माणं पेनसिलवानिया-विश्रविद्यालये 1946 ईसवीये अभवन् । तदा एतस्य भारः त्रिंशत्-टन-परिमितम् आसीत् । साम्राज्यं कम्प्यूटरः अतिद्रुतगत्या विकासं कुर्वन् लोकस्य उपयोगितां साध्यति । आकार-प्रकार-दृष्ट्या कार्यक्षमतां चांश्चित्य कम्प्यूटरः चतुर्वर्गेषु विभाज्यते ।

- | | |
|--------------------------|--------------------|
| 1. मेन फ्रेम-कम्प्यूटरः; | 2. मिनि-कम्प्यूटरः |
| 3. माइक्रो-कम्प्यूटरः; | 4. सुपर-कम्प्यूटरः |

1. मेन फ्रेम-कम्प्यूटरः- एष संगणको महतीं क्षमतां धत्ते । अत्र अनेके जनाः कार्यं कर्तुं शक्तुवन्ति । एते संगणकाः उपकेन्द्रैः सह संयोजनेन-माइक्रोवेव-माध्यमेन भू-उपग्रह-संचार-व्यवस्थायाम्, वायुयान-आरक्षणे, रेलयान-आरक्षणे च प्रयुज्यन्ते । एते बहुमुल्याः भवन्ति ।
2. मिनि-कम्प्यूटरः- एष मध्यमश्रेण्याः भवति । एते संगणकाः बीमा-बैंक होटलादि-उद्योगेषु उपयुज्यन्ते ।
3. माइक्रो कम्प्यूटरः- एष साम्राज्यं सर्वाधिकं प्रयुज्यते । अत्रैको जनः कार्यं कर्तुं प्रभवति । एते संगणकाः लघवोऽल्पमूल्यकाश्र भवन्ति । व्यक्तिगत-कार्येषु उपयोगाद् एते संगणकाः (Personal Computer, P.C) नामा निर्दिश्यन्ते । एते लघ्वाकारा अपि सलभ्यन्ते । आकार-दृष्ट्या लघवोऽप्येते कार्यदृष्ट्या महतीं क्षमतां दधति ।
4. सुपर-कम्प्यूटरः- एते आकारदृष्ट्या विशाला भवन्ति । कार्य-दृष्ट्या एते अन्यसंगणकापेक्षया तीव्रतमा भवन्ति । एतेषु गणना-कार्यम् एकत्रैव सर्वं संपादयते । एतादृशानां संगणकानाम् ऋतुविज्ञानकार्ये, अन्तरिक्ष-प्रौद्योगिकी-कार्ये, उपग्रह-प्रक्षेपणे, प्रक्षेपास्त्र-निर्माणे, परमाणु-बम-निर्माणे, तस्य विस्फोटादि-कार्ये च विधीयते ।

शिक्षा-क्षेत्रे संगणकानां बहुविधा उपयोगिता । संगणकानां साहाय्येन जटिल-समस्यानां निराकरणं सरलतया संभवतिं । प्रशिक्षण-कार्येऽपि संगणकानाम् उपयोगो भवति । शोधकार्येऽपि संगणकानाम् उपयोगिता महत्त्वपूर्णा वर्तते । विविधविषयाणां स्वयं शिक्षणेऽपि संगणकानाम् उपयोगो विधीयते । सर्वमपि पाठ्यं विभज्य संगणके स्थाप्यते, तच्च सर्वं पाठ्यं क्रमशः उपतिष्ठति । एवम् अनेकाः विद्याः संगणक-माध्यमेन शिक्षितुं शक्यन्ते । एता विद्याः CAL (Computer Assisted Learning), CAI (Computer Aided Instruction) इति च नामा निर्दिश्यन्ते ।

परीक्षाकार्येषु अपि संगणकाः बहुधा प्रयुज्यन्ते । परीक्षा-तिथि-निर्धारणे, परीक्षाया आयोजने, परीक्षा-परिणाम-संगणने, परीक्षा-परिणाम-प्रकाशने च संगणकानां महती भूमिका । पुस्तकालय-विषयिका सर्वाऽपि सूचना संगणक-माध्यमेन सरलतया प्राप्तुं

शक्यते । पुस्तक-प्रकाशने पुस्ताकानां व्यवसाये च संगणकानाम् उपयोगो महत् सौविध्यं विदधाति । इलेक्ट्रिक-पुस्तक-प्रकाशने-पुस्तकानाम् उपलब्धौ सौविध्यं भविष्यति । वेव-साइट-माध्यमेन इलेक्ट्रानिक रूपेण पुस्तकं प्राप्तुं शक्यते ।

वैज्ञानिक-शोध-कार्येषु संगणकानां महत्त्वपूर्ण योगदानं वर्तते । वैज्ञानिकं शोधकार्यं निरन्तरं प्रसरति । तत्र गणनायां जटिलतायाः संगणक-माध्यमेन समाधानं भवति । भौतिक-विज्ञाने, रसायन-विज्ञाने, खगोल-विज्ञाने, भूगर्भ-विज्ञाने, गणितशास्त्रे कृषि-विज्ञानदिषु च संगणकस्य प्रयोगेण महती प्रगतिः संलक्ष्यते । भैषज्य-विज्ञानं, सामाजिक-विज्ञाने, मानवशास्त्रादीनां शोधकार्येषु संगणकस्य उपयोगः प्रतिदिनं वर्धते । कम्प्यूटर-माध्यमेन विशाल-भवनानां, सेतूनां, वायुयानानाम् आदर्श-चित्रं सारल्येन प्रस्तूयन्ते ।

ललितकला-क्षेत्रेऽपि संगणको नूतनां संभावनां जागरयति । संगणकः संगीत प्रक्रियायां, मूर्ति-निर्माणेऽपि विविधं सहाय्यम् आचरति । कीडाक्षेत्रे संगणको नूतनां संभावनां प्रस्तौति । कम्प्यूटर-माध्यमेन विविधाः कीड़ाः- हाकी-फुटबाल-क्रिकेट-प्रभृतयः दूरदर्शनं चित्रपटे द्रष्टुं शक्यन्ते । विविधःकीडानां सजीवं प्रसारणं संगणक-माध्यमेन संभाव्यते ।

चिकित्साक्षेत्रे संगणकानाम् उपयोगो महत्त्वपूर्णा भूमिकां निर्वहति । आतुराणां परीक्षणम् उपचारक्रियैव सह शल्यक्रियाऽपि संगणकानां । प्रयोगण अनुष्ठीयते । मस्तिष्कस्य चित्रनिर्माणे कैट स्कॉन (Computerised Axial Tomography) पद्धतिः प्रयुज्यते ।

व्यापार-क्षेत्रेऽपि संगणकानाम् उपयोगः प्रतिपलं वर्धते । कार्मिक-वेतन-गणना, कार्मिक-प्रबन्धनम्, भाण्डागार-नियन्त्रणं संगणक-माध्यमेन संपाद्यते । व्यापारिक-संस्थानाम् आय-व्ययादि-संकलनम्, दैनिक-वेतन-गणनादिकम्, वार्षिक-वेतन-निर्धारणादिकं च संगणक-माध्यमेन सारल्यं भजते । संगणकस्य प्रयोगेन प्रबन्धन-व्यवस्था अतीव सरला संजाता । साम्प्रतं संगणकस्य प्रयोगे वित्तीय-संस्थानां कृते, बीमा-शेयर-प्रभृति-कार्येषु अनिवार्यत्वं भजते । बैंक प्रभृतिषु उपभोक्तृणां संख्या प्रतिदिनं वर्धते, अतः वित्त-प्रबन्धने काठिन्यम् अनुभूयते । तस्य निराकरणार्थं संगणकस्य उपयोगः आवश्यको भवति । औद्योगिक प्रतिष्ठानेषु संगणकानां प्रयोगेण उत्पादन-वृत्तम्, यन्व संचालनम्, वस्तुनां गुणवत्ता-निर्धारणं सरलं भवति । संगणकानाम् उपयोगेन एकस्मिन् एव स्थाने स्थित्वा सर्वस्य यन्त्रजातस्य संचालनं नियन्त्रणं च संभवति ।

अन्तरिक्ष-प्रौद्योगिकी-क्षेत्रे यादृशी प्रगतिः संलक्ष्यते सा संगणक-प्रयोगेण असंभवाऽपि संभवा संजाता । अन्तरिक्ष-यानानां प्रक्षेपणं नियन्त्रणं, सूचना-संकलनम्, तद्विश्लेषणं च संगणकस्य प्रयोगेनैव संभवोऽभूत् । भूगर्भ-विज्ञाने, खनिज-विज्ञाने, ऋतुविज्ञाने च प्राप्तसामग्री-विश्लेषणे बहुविधा नूतनाः सूचनाः प्राप्यन्ते ।

यातायात-क्षेत्रेऽपि संगणकानाम् उपयोगो बहुमूल्यं सिध्यति । रेल-यानेषु आरक्षण व्यवस्था, यानानां संचालनादिकं च भवति । एकस्थानत एव सर्वोऽपि यात्रा-कार्यक्रमः आरक्षण-पद्धत्या संभाव्यते ।

दूरसंचारक्षेत्रे संगणकानां प्रयोगेण महत् परिवर्तनं संलक्ष्यते । साम्प्रतं सर्वाऽपि टेलीफोन-एक्सचेंज-व्यवस्था संगणकस्य माध्यमेनैव विधीयते । इन्टरनेट, ई-मेल, ई-कार्मस-प्रभृतयः संगणकस्य प्रयोगेण नूतनां कान्ति विदधति ।

कम्प्यूटर-संबद्धा इन्टरनेट-प्रणाली महासागरवद् वर्तते । सर्वस्मिन् जगति यत् किंचिद् ज्ञानं विज्ञानं, शोध-संबद्धं कार्यजातं च वर्तते, तत् सर्वम् एकत्रैव प्राप्तुं शक्यते ।

एवं सुकरम् एतद् वक्तुं यत् सांप्रतं संगणकस्य उपयोगिता बहुविधा वर्तते । उन्नत्यै, प्रगत्यै, विकासाय च संगणकानाम् उपयोग आवश्यकः ।

संस्कृतं संगणकः (Computer) च

शिल्पा नागर

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

विचारणीयो विषयः- अद्यते सर्वस्मिन् जगति संगणकः कम्प्यूटरो वा सर्वकार्य सिद्धये उपयुज्यते प्रयुज्यते च । संस्कृत-भाषा कम्प्यूटरस्य उपयोगेन कथं प्रचारं प्रसारं च लभेत । संस्कृतभाषा कथं कम्प्यूटरस्य कृते उपयुक्ता प्रयुक्ता च भवेत् । कथं संस्कृतभाषाया

लेखने पठने पाठने शिक्षण-कार्ये च प्रयोगः संगणक-माध्यमेन सिध्येत् । संस्कृते संगणके च संबन्धः स्थापितः स्यात्, यथा शोधकार्यादिकं संगणक-माध्यमेन प्रवर्तितं स्यात् । इत्येतदेवात्र समासतो विविच्यते विवियते च ।

संगणकार्थम् आवश्यका गुणः

1. इति तु विदितमेवास्ति यत् संगणको यन्त्रभाषा, यन्त्राधीना कूटभाषा (Machine level language or Machine Code) वाऽस्ति । स सर्वमपि कार्यं यन्त्रेणैव करोति । तत्र च परिमिता एव शब्दाः कूटशब्दा वा सन्ति । न ततोऽधिकं कार्यं कर्तुक्षमः ।

2. संगणको नियम-सुबद्धमेव कार्यं स्वीकरोति, नान्यत् ।

3. संगणकस्य कूटशब्दाः (Code-words) एकर्थकाः सन्ति । अनेकार्थानां शब्दानां कृते विभिन्न-कूट-शब्दा अपेक्ष्यन्ते । कम्प्यूटर-विज्ञानविदां कर्तव्यमेतद् यत्ते उपयुक्तान् कूटशब्दान् रचयेयुः, यथा जनभाषायां प्रयुक्ताः शब्दा अपि तत्र संगृहीता भवेयुः । नियमाः कूटशब्दाश्रिता भवेयुः; तदर्थं च Soft-ware यन्त्राणि निर्मितानि स्युः ।

4. संगणकस्य कृते विचारणीया भाषा साहित्यादिभिः समृद्धा स्यात् ।

5. संगणकस्य कृते सर्वाऽपि सामग्री सर्वथा सुनियोजिता स्याद्, यथा तत्र कार्यं साधु संपद्येत ।

संगणकस्य कार्यविधौ चत्वारि कार्याणि मुख्यतो भवन्ति ।

1. सामग्री-निक्षेपः (Data Entry) तत्र सर्वाऽपि संबद्धसामग्री सुसंबद्ध-रूपेण संगणके निक्षिप्यते । एतत् कार्यं संपाद्यं वर्तते ।

2. कार्यक्रम-निर्देशः (Programming) एतत् सर्वं कार्यम् अनेन विधिना निष्पादनीयम्, इति निर्देशः ।

3. कार्य-विधि-निष्पादनम् (Processing)- एतत् सर्वं कार्यं कम्प्यूटर-यन्त्राणि कुर्वन्ति । निर्गमः, निष्कर्षः (Out-put) निक्षिप्तस्य कार्यस्य परिणाम-प्राप्तिः ।

संगणक-दृष्ट्या संस्कृतभाषायां विशिष्टा गुणः

संगणक-दृष्ट्या संस्कृत भाषायाम् एते विशिष्टा गुणाः सन्ति । ये संस्कृतस्य कम्प्यूटरोपयोगित्वं साधयन्ति । न कस्यामपि भाषायां संगणकदृष्ट्याऽपेक्षिता एते गुणा उपलभ्यन्ते ।

1. संस्कृत-भाषा कम्प्यूटरस्य कृते सर्वोत्तमा वर्तते ।

2. संस्कृतस्य वर्णमाला, स्वर-व्यंजन-वर्गीकरणम्, संधि-नियमाः, शब्द-रूप-निर्माण-विधिः, धातुरूप-निर्माण-विधिः; समास-तद्धित-कृत-प्रत्ययादयः, सर्वाऽपि क्रियाकलापः पूर्णतया नियम-सुसंबद्धो वैज्ञानिकं च वर्तते ।

3. संस्कृते पाणिनीयं व्याकरणं गौरवभूतम् । नहीदृशं व्याकरणं संसारे कस्या अपि भाषाया वर्तते । एतत् सर्वथा वैज्ञानिकं कम्प्यूटरोपयोगि च । अत्र सर्वमपि विषयजातं नियमबद्धं वर्तते ।

4. तत्र कूटशब्दानां पारिभाषिक-शब्दानां वा (Code-Words) बाहुल्यं वर्तते । कूटशब्द-निर्माणेऽपि संस्कृतस्य अव्याहता गतिः ।

5. संस्कृते समृद्धं साहित्यं वर्तते ।

6. तत्र सर्वेऽपि विज्ञान-संबद्धा ग्रन्था-उपलभ्यन्ते । यथा-व्याकरणम्, काव्यम्, आयुर्वेदः, ज्योतिषम्, भाषाविज्ञान-संबद्धा विषयाः-ध्वनिविज्ञानम् (Phonetics), ध्वनिग्रामविज्ञानम् (Phonemics), पदविज्ञानम् (Morphology), संधिनियमाः (Morpho-Phonemics) वाक्यविज्ञानम् (Syntax) अर्थविज्ञानम् (Semantics) प्रभृतयः ।
7. नव-शब्द-निर्माण-विधौ संस्कृतम् अतीव उपयोगि । आवश्यकतानुसारम् एकस्य धातोः शतशः शब्दानां निर्माणे क्षमता वर्तते ।
8. संस्कृतभाषा, सर्वासां भारतीयानां भाषाणाम् आधारभूता वर्तते । दाक्षिणात्य भाषास्वपि संस्कृत-शब्दानां बाहुल्यं वर्तते । यदि संस्कृतभाषाकम्प्यूटरस्य कृतेउपयुक्ता कृता स्यात्, तर्हि सर्वासामापि भारतीयानां भाषाणाम् उद्धारो भविष्यति । त एव कूटशब्दास्त्रापि कार्यकरणे समर्था भविष्यन्ति ।
9. संस्कृतं कम्प्यूटरोपयोगि कर्तुम् एतानि कार्याणि कर्तव्यानि सन्ति ।
 - (क) संस्कृत-पदकोशनिर्माणम् (Concordance od Sanskrit Words),
 - (ख) पाणिनीय-नियमानां विविध-वर्ग-विभक्तं कम्प्यूटरीकरणम् । यथा-कारक-नियमाः, सन्धि-नियमाः, शब्द-रूप-निर्माण-विधिः, धातुरूप-निर्माण-विधिः, समास-नियमाः, कृत्-तद्वित-प्रत्यय-नियमाः इत्यादयः ।

देशे विदेशे च क्रियमाणम् एतद्विषयक कार्यम्

1. कानपुर-नगरस्थ आई०आई०टी० संस्थायाः कम्प्यूटर-विभागे 1973 वर्षात् संस्कृत-व्याकरणम् आश्रित्य कारक-नियमानां कम्प्यूटरीकरणमं क्रियते । तत्र च प्रयत्यते यत् संस्कृत-भाषाया हिन्दी-तेलुगु-तमिल-कन्नड-प्रभृतिषु भाषासु अनुवादो विधीयैत, तासां भाषाणां च परस्परम् अनुवादो भवेत् । तासां भाषाणां नियमाः कम्प्यूटरीकृताः स्युः । तत्र कारकनियमादि-विषये पर्याप्त सन्तोषजनकं कार्यं कृतमस्ति ।
 2. पुणे-नगर्या C-DAS संस्थाया देसिक-विभागे 1989 वर्षाद् आरभ्य प्रयत्यते यत् संधि-कारक-प्रभृति-विषयका नियमाः कम्प्यूटरीकृताः स्युः । तत्र च पर्याप्तं साफल्यम् अपि लब्धम् ।
- एवं संस्कृतं कम्प्यूटरोपयोगि कर्तुं शक्यते ।

LOCKDOWN: A DETOX FOR MOTHER EARTH

-Bhoomika, B.A.II

Pandemic has created a mayhem not just for human beings but for the world also. Well, there is a positive side to it too; it has proved to be a boon for mother Earth. As human activities halted, nature and its denizens are rushing back to life Smog has given way to clear blue skies. We see stars and the moon shining more brightly than ever. We can clearly hear the sweet melody of the birds due to a dramatic drop in the noise levels. The Lockdown due to Covid-19 has been a DETOX for nature. Clean and clear, pristine rivers, and improved air quality have been breaking all records. We can see free movement of wildlife on empty landscapes. Dolphins can be seen in Mumbai bay and in the canals of Venice. From the otters in Singapore to the goats in Wales, and the deer in Japan to the orcas in North America; while we may have lockdown restrictions, wildlife has been using this absence of humans around to venture out of their own territories to explore their new found freedom. It's showing us just how much the natural world can thrive if we just give it a little space.

COVID-19 is teaching the whole humanity to ponder over their thoughts and activities. It's making us understand how to take care of this planet our MOTHER EARTH. This wakeup call will help us to recognize each and every activity we now undertake.

EFFECTS OF LOCKDOWN ON THE ENVIRONMENT

-Aarti, B.A.II

Human use, population and technology have reached that certain stage where Mother Earth no longer accepts our presence with silence.' These are the wise words of the Dalai Lama. Urbanization and industrialization have increased so intensively that even Mother Earth who once used to be clean, green and filled with happiness is now on the verge of tears. We all are aware of the deadly coronavirus, the outbreak of which has led to a pandemic. On the one hand, this virus has affected millions of people and has killed thousands while on the other hand, the same virus has turned out to be a savior for Mother Earth. Since the coronavirus pandemic began, it has been asserted that the earth is 'regenerating' itself. As a large percentage of the world's population is in lockdown due to the outbreak of the virus, a large amount of the pollution, which is caused by us, human beings, has reduced to healthy levels. Greenhouse gas emissions have plunged due to the rapid decline in travel and economic activity. However, they are likely to go back up once the pandemic subsides. Some preexisting trends, like the rise of remote work, have accelerated with the pandemic and will have lasting effects on cutting carbon emissions and slowing global warming. The largest hole in the Ozone layer, spreading over one million square kilometers above the Arctic, has closed due to unusual atmospheric conditions. While humans self isolate, wild animals are seen roaming free in the towns and cities enjoying their reclaimed freedom. Mother Earth is recovering. Pollution levels are dropping to their least. The rivers are becoming cleaner. Natural wildlife is returning home. Coronavirus is Earth's vaccine.

COVID-19 IMPACT ON THE GLOBAL ECONOMY

-Anamika Kardam, B. A. II

With an obvious risk to human health, COVID- 19 has also affected the global economy to the most unimaginable measure. The IMF had predicted a three percent rise in global output for the year 2020, but nearly three months in and they rewound it back to a negative three percent. Such a readjustment is very rare and this fall has been compared to The Great Depression of the 1930s. Even during the two World Wars, supply chains were disrupted, but mobility never ceased. Today, production and distribution of goods other than those deemed essential, have been halted. Traders are pulling their money out from the markets. People who are not in a condition to work from home, or are not under a formal contract are practically unemployed. To avert from the catastrophe, governments are coming up with policies to distribute packages so that economic activity is not brought to a complete halt. China, which was the source of the virus, has successfully contained it and has reverted back towards its economic growth. We are facing a possible worldview shift right now. This is an opportunity to move away from dominant assumptions about individualistic utility maximization towards more caring and cooperative social frameworks. There still might be a light at the end of the tunnel.

ONLINE TEACHING AND LEARNING DURING LOCKDOWN

-Rashmi, B.A.II

“Reema, please keep your mike on mute.” “Anshika has left. Please ask her to join back.” “Is the picture clear now?” “Am I audible?”..... “Sorry for that, network issue!” Well, if you are wondering what is going on, then my dear friend, welcome to the world of online teaching and learning. It might sound a little paradox but trust me it isn't one especially with this corona pandemic on the rise. Teaching and learning have always been associated with a tangible appeal like classrooms full of students, a teacher, desks, chairs and blackboard, etc. But time, being the most powerful means, has opened up the world of online teaching and learning before us at a level never experienced before. Today, teachers and students all around the globe are communicating with one another with the help of various online platforms; all thanks to the lockdown! Learning is no longer confined to the four walls of the classroom or the instructor, armed with a text book, he is no longer the sole source for educational experience. Now, we can just as easily grasp the concepts as earlier within the comfort of our homes, without having to worry about wearing a proper uniform or carrying the load of heavy books on our shoulders. It has its own cons but keeping it just to the merits this time, it has enabled quick sharing of information, increased flexibility in terms of time and location and is indeed providing a diverse and enriching experience. Again, the credit goes to the lockdown! However, there's an honest confession I would like to make; still, I miss attending college, and wish this lockdown ends soon.

FROM DISASTROUS TO MANAGEABLE

-Bushra, B.A.II

The Lockdown period has its own set of ups & downs, the pluses and minuses, and highs and lows. For me, the period brought some very different experiences. My father, who is mostly pushing all of us to maintain good hygiene with good hair cut, trimmed nails and maintained a wardrobe, could not bear the uneven hair of my brother. Thank God, my hair being tied up, skipped his ire. One day, he asked my brother to get ready for a haircut. My brother got surprised as all salons are closed due to Coronavirus related scare. He then realised that my father decided to be the barber. With some reservations, my mother gave him the go ahead. Though there was some hesitation, my brother still got ready to face the trial. My father took a pair of small scissors, a comb and a trimmer. Guess what? The result was a disaster. My brother looked as if someone had created an LOC in between and divided the upper and lower part of the hair on his head. But my brother is a person with a big heart and he continued to sit without much murmur. My mother told my father that it is our good fortune that we got such a nice son. After about twenty five days, my father asked him to be ready for a second haircut. Now, my brother showed his technology skills and sent a WhatsApp message with a YouTube link to my father. This time, my father was better prepared and spent about a good forty five minutes to give him a better hair cut. When it was done, quite proudly, he asked what do you think about my new barber skills? Was it better last time or now? My brother was quick to respond. From Disastrous to Manageable!

LOCKDOWN 2020

-Kanchan, M.A.I

*The love in our family flows strong and deep,
Leaving us memories to treasure and keep*

During the Lockdown my family is spending a lovely time together. Some of the activities family enjoys include board games, card games, cooking, and baking, etc. We divide all the household chores among ourselves, such as dusting, sweeping, washing the dishes, cooking, etc. Everyone pitches in, to keep the house in order. We have many family game nights, and fun nights. During one of these, we printed our old family pictures and hung them up on the walls in the house. Another fun filled night was when we went star gazing. We saw the planets Saturn, Jupiter, Mars and Venus through our backyard telescope. We also saw the craters on the moon and were lucky to see a shooting star too. We also played some great outdoor games on our rooftop patio. Basketball, badminton and daily family yoga are routines we never miss. We host video calls over Zoom, on special days such as Mother's Day, family anniversaries and birthdays with family members not staying with us. We also enjoy fun cooking competitions between our extended families where each posts a picture of a dish they had cooked. Our evenings usually end with a family dinner while watching the telecast of the epics, The Mahabharata and The Ramayana. I feel the Lockdown brought my family closer, and truly the following line sums up my feelings.

The most beautiful thing in the world is family and love.

MY ADVENTURES WITH COOKING

-Alka, M.A.II

During the countrywide lockdown, apart from playing indoor games, I learnt to cook many new dishes. I have learnt to cook noodles, make roti, prepare my favourite 'macaroni' and even bake a cake. Initially, this process of cooking looked very easy to me because of the ease with which my mother does it; it actually took a good deal of practice for me to perfect it. Well, to be honest, my first attempts did turn out as expected; the noodles were mushy, rotis looked like maps of countries and continents, macaroni ached our stomachs, and my first cake was too sweet and a bit burnt too. After being pushed out of the kitchen a couple of times, a few reattempted entries, and with timely guidance from my mother, I was able to improve myself at cooking. Now, I am able to make all of the above and many other dishes with perfection. Now, cooking no longer scares me as it used to before. The lock down is extending and so are my cooking experiments.

FACTS ABOUT SEAS AND OCEANS

-Rubina, M.A.I

1. The area that is now the Mediterranean Sea was once dry, but about 5 million years ago, the Atlantic Ocean poured through the Strait of Gibraltar at a rate 1000 times that of the Amazon, filling the Mediterranean Sea in about 2 years.

2. Heracleion-an ancient Egyptian city that was swallowed by the Mediterranean Sea about 1,200 years ago, was discovered in 2000 and has been the site of an underwater excavation since then.
 3. 10,000 shipping containers are lost at sea each year and 10% of those hold toxic chemicals which may leak into the ocean.
 4. "Sailing the Seven Seas" originally referred to the seven bodies of water Arabian traders crossed to reach China.
 5. In the 16th and 17th centuries, two thirds of Denmark's income used to come from charging people to enter or leave the Baltic sea and those that refused to pay were sunk.
 6. Every year Finland gets about 7 km bigger because it is rebounding from the weight of ice age glaciers and rising out of the sea.
 7. Sea ice is drinkable because it has a tenth as much salt as sea water does. This is because ice will not incorporate sea salt into its crystal structure.
 8. Aral Sea, once the fourth largest lake in the world, is now just 10% of its original size after Soviet engineers diverted water from its feeder rivers to cotton crops in the desert and is considered one of the worst environmental disasters in history.
 9. Hot hydrothermal vents at the Ocean Sea bed heat the water upto 400°C and the pressure of the water above stops it from boiling.
 10. Baltic sea doesn't mix with the North Sea due to the difference of the density.
-

CIVILIZATION UNMASKED

-Anjali Singh, M.A.I

Humans can be attributed as the most dominating species at present. The word 'dominating' finds its way on the basis of both power as well as intellect. This is the only species that has got everything in a balanced proportion. Human evolution studies clearly show that how humans got civilized or more organised. The increased intellect of humans had made them capable of finding solutions to nearly all impossible problems. The above line is supported by the kind of lobs - doctors, researches, engineers. These contributors have taken the progress of the world to another level and have changed the morphology of the world.

But according to an old proverb, both pain and gain go hand by hand. Above mentioned are the gains but who is the sufferer of all the pain involved? The answer is 'Our Mother Earth'. Let us now ponder over the dark side of civilization. The major loss is that this civilization has cost us in the form of deforestation. Humans are cutting trees, clearing forest to obtain wood used for various purposes. Then comes the automobiles which were invented to cut short large distances. Other rewarding technologies include smart phones, air conditioners. These gadgets are considered as present day human luxuries But their overuse has turned them into a menace.

Deforestation has resulted in a loss of natural habitats for so many birds and animals. The loss of trees marks in increased carbon dioxide concentration and thus increase in temperature. Radiations emitted from smartphones during calling have resulted in extinction of various species of birds. These points form the dark side of our civilized brains and all the development that we have achieved. Thus, the planet is undoubtedly suffering and all the credit goes to the human race. We have turned our ears deaf towards crying earth's weeping shores. If the same behaviour continues, the resultant condition would be even worse as well as irreversible. So a change in human's present day behaviour is must to save life as : "A Change is Everything "

प्रमाण-पत्र



ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी उत्तर प्रदेश

प्राप्ति-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी उत्तर प्रदेश पोर्टल पर कुमारपालती राजनीहिला
पी.जी.कॉलेज बादल सुरगंगतमवुद्धनगर “सर्वाधिक ई-कंटेंट अपलोड कराने वाले प्रथम सात
महाविद्यालय (राजकीय महाविद्यालय/अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय तथा स्ववित्तपोषित
महाविद्यालयों में) की श्रेणी” मेंप्रथम.....स्थान प्राप्त हआ है।

हम उक्त महाविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

(सोलिला राज गर्भ)

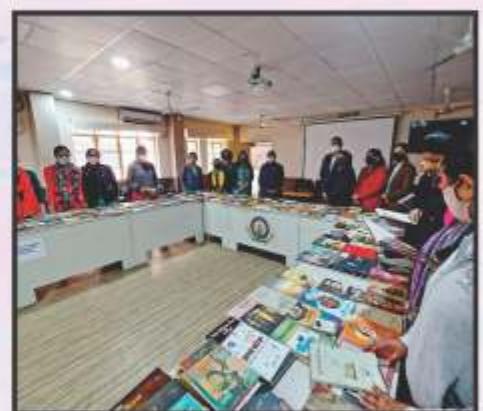
अपर भूख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन

दिनांक: ०१ मार्च २०२१

उप ग्रन्थमंग्री, उत्तर प्रदेश शासन



विविध गतिविधियाँ



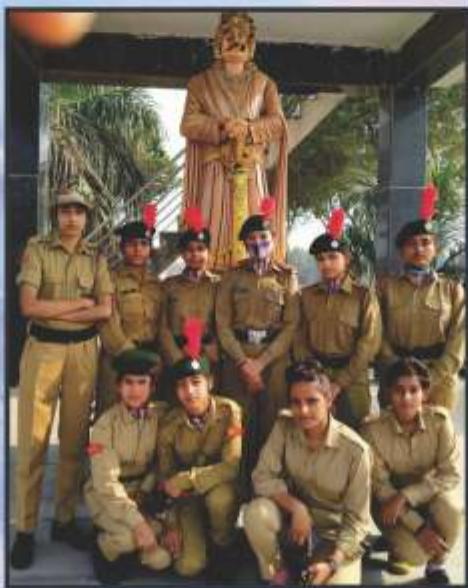
विविध गतिविधियाँ



साहित्यिक संस्कृतिक परिषद्



राष्ट्रीय कौड़ेट कोर



राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रथम इकाई



राष्ट्रीय सेवा योजना

द्वितीय इकाई



रेंजर्स एवं स्काउट गाइड





ચીરયાગળ



भ्रष्टाचार : वैशिक समस्या

सुजाता
बी० ए० प्रथम वर्ष

प्रस्तुत कविता सम्पूर्ण विश्व में फैले भ्रष्टाचार
का वर्णन करती है। भ्रष्टाचार जो प्राचीन काल से
आज एक विश्वव्यापी समस्या बन चुका है
भ्रष्टाचार ने हमारे देश ही नहीं वरन् पूरे विश्व को ही
खोखला बना दिया है।

प्रशासन ने लगा दी नैय्या, मानव के ख्यालों की ।
क्या खूब कमाई होती है, इन नेता और दलालों की ॥

चारों तरफ अपराध हो रहे, कैसा डंका बाज रहा ।
अपराधी अब इस दुनिया पर, आनन्द से कर राज रहा ॥

मुजरिम देखो यहाँ धूमते, वर्दी की मक्कारी से ।
सीधे इंशा सटे हुए हैं, जेलों की दीवारों से ॥

अत्याचारी तो घर-घर में, अत्याचार को बाँट रहे ।
जिनको अता-पता न कुछ भी, जेलों में सजा वो काट रहे ॥

महँगाई छू रही आसमां, महँगा है बाजार कहीं ।
सबसे ज्यादा पाप तो कर, लोगों पर सरकार रही ॥

अब तो दुनिया लगी थूकने, सच्चे और शरीफों पर ।
अन्याय कैसा कर रहा जमाना, मजबूरों और गरीबों पर ॥

अब न काम रहा सच्चाई का, न बात रही सवालों की ।
क्या खूब कमाई होती है, इन नेता और दलालों की ॥

जिन्दगी

दीपिका नागर
एम० ए० द्वितीय वर्ष, हिन्दी

काश जिन्दगी सचमुच किताब होती।

पढ़ सकती मैं कि आगे क्या होगा।
क्या पाऊँगी मैं, और क्या दिल खोयेगा
कब थोड़ी खुशी मिलेगी, कब दिल रोयेगा।

काश जिन्दगी सचमुच किताब होती

फाड़ सकती मैं उन लम्हों को
जिन्होंने मुझे रुलाया है
जोड़ती कुछ पन्ने जिनकी
यादों ने मुझे रुलाया है
हिसाब तो लगा पाती
कितना खोया और कितना पाया है।

काश जिन्दगी सचमुच किताब होती

वक्त से आँखें चुराकर पीछे चली जाती
दूटे सपनों को फिर से अरमानों से सजाती
कुछ पल के लिए मैं भी मुस्कुराती

काश जिन्दगी सचमुच किताब होती।

बाल विवाह

प्रीति भाटी बी.कॉम. तृतीय

उम्र थी मेरी बिल्कुल कच्ची
मैं थी छोटी सी बच्ची
बचपन मेरा बीत न पाया
हँसना-खेलना चला गया

रिश्तों को मैं समझ न पायी
तब तक मेरी हो गई सगाई
सब लोग माँ को देने लगे बधाई
लेकिन मेरी छूट गयी पढ़ाई

साथी मेरे छूट गये
मंजिल मेरी थी अनजान
और मैं बिल्कुल थी नादान
यही सोच मैं हुई सयानी
अब नहीं दोहराने दूँगी यही कहानी ।

झानाज्जालि

“मॉडर्न स्टूडेन्ट मुन्ना भाई”

राशि गण

बी.एस सी. द्वितीय वर्ष

गए विद्यालय मुन्ना भाई
विद आउट ड्रेस, बैल्ट न टाई
प्रेरण में एक शिक्षा पाई
सदा समय पर आना भाई
कक्षा में जो करी ऐन्ट्री
पहला घण्टा ट्रिग्नोमेट्री
गए पढ़ाए साईन और कोस
मुन्ना भाई के उड़ गए होश
अगली बार थे कोट और टेन
मुन्ना घर भूले अपना पैन
साईन स्क्वायर प्लस कोस स्क्वायर
मानों मुन्ना हो गए एक्सपायर
साईन ऐ इक्वल, माना थीटा
बी को ऐत्फा, सी को बीटा
सुनकर मुन्ना रह गए दंग
पढ़ने से तो अच्छी जंग
दूसरा घण्टा पढ़ा फिजिक्स
साईन, कोस सब हो गए मिक्स
कैपलर के नियम थे बताए
न्यूटन के थे नियम गए समझाए

सोचा फिजिक्स, भाड़ में जाए
पर मुन्ना जी समझ न पाए
सुना जो आर्किमिडीज सिद्धान्त
मुन्ना बिल्कुल हो गए शांत
द्रव्यमान, आयतन और भार
पढ़कर मुन्ना हुए लाचार
तीसरा घण्टा पढ़ा कैमिस्ट्री
मुन्ना समझे पढ़े हिस्ट्री
गई पढ़ाई आणविकता
मुन्ना समझे नागरिकता
दो तत्वों का करके संयोग
एक कराया था प्रयोग
एक कॉपर और एक चाँदी
मुन्ना समझे इंदिरा गाँधी
उनकी थी एक मर्डर मिस्ट्री
एक बार फिर आया मैथ
आँख पर चश्मा हाथ में बेत
समझाया ऐलजेब्रा का पौधा
समाप्त हुआ फिर घण्टा चौथा
बीस मिनट का हुआ जो लन्च

बन गए मुन्ना कक्षा सरपंच
पाँचवा घण्टा पढ़ा जो हिन्दी
मुन्ना माइंड हुआ चिन्दी-चिन्दी
ज्योहि पढ़ाए गए श्लोक
मुन्ना धूम गए त्रिलोक
द्वन्द्व बन्द और पढ़े जो रस
मुन्ना जी को आ गया गस
छठे घण्टे में मैडम आयी
बुक इंग्लिश की साथ में लाई
खुला जो पहला ही लेसन
मुन्ना भाई का उत्तरा फैशन
लैंग्वेज से मैडम सॉफ्ट थी
मुन्ना को लगी हुई क्रफ्ट थी
करना चाहते थे मुन्ना बी टैक
पर देख पढ़ाई हुआ हार्ट अटैक
सातवां घण्टा प्रेक्टिकल
मिक्स कराए कैमिकल
पढ़कर हिन्दी, इंग्लिश, मैथ
सच में मुन्ना की हो गई डैथ।

‘कौन हूँ मैं’

निधि मिश्रा

एम० ए० द्वितीय वर्ष

मेरी हिम्मत, मेरा हौसला, मेरी उड़ान देखकरा
पूछते हैं लोग अक्सर मैं कौन हूँ,
मैं क्या हूँ, मैं क्यूँ इतनी बेहया हूँ,
मैं क्यूँ नहीं रह सकती सिमटकर।
क्यूँ मैं मचलती हुई सी हवा हूँ,
मेरे चेहरे पर ये हँसी क्यूँ है,
क्यूँ नहीं मैं मौन हूँ,
मेरा अस्तित्व क्यूँ है खिला-खिला।
क्यूँ नहीं मैं मौन हूँ,
मैं कौन हूँ ! मैं क्या हूँ, सवाल अच्छा है।

मगर जवाब अच्छाई का मोहताज
नहीं है
क्योंकि मैं वो हूँ, जो युगों तक कुचली,
युगों तक रोंदी गयी,
आँख की सरम बताकर,
चूल्हे में औन्धी गयी।
मैंने कुछ भी ना सहा,
मैं बरसों पुरानी लगी आग हूँ,
मैं नई बोतल में वही पुरानी शराब हूँ,
मैं देश का अभिमान हूँ,

मैं कल्पना की उड़ान हूँ,
मैं कश्मीर की सुन्दर बादी ही नहीं,
मैं देश का रेगिस्तान हूँ,
मैं मीरा की भक्ति हूँ,
मैं टेरेसा का सम्मान हूँ,
मैं नहीं राम की सीता,
मैं द्रोपदी नहीं महाभारत की
मैं उस अपमान का परिणाम हूँ।

जल संरक्षण

कंचन रौसा
बी० एस सी० प्रथम वर्ष

आज बिखेर लो भर-भर लोटे,
कल बूँद-बूँद को तरसोगे ।
जलते हुए इस आसमान से
कल धूल का सावन बरसेगा
नदी, तालाब, झील-झारने ताल
सबके सब होंगे खाली
बांगों में उग आएगी नागफनी
बेरोजगार होंगे माली
दिन प्रतिदिन गिरता जल स्तर
नदियों में प्रदूषण की परेशानी से
बस मिलेगा नहीं ढूँढे से भी पानी
बिन पानी कैसा यह जीवन
क्या देंगे अपनी नस्लों को
पीने को भी नहीं होगा
तो कैसे सीचेंगे फसलों को
तो जल संरक्षण के प्रति हम
नहीं होंगे अब भी गंभीर
तो कई विपत्तियाँ खड़ी होंगी
भयानक होगी भविष्य की तस्वीर
न गिराओ न बिखेरो व्यर्थ
हो सके तो वर्षा के जल को भी
संरक्षित करो ।

स्वार्थी मानव

पूजा
एम० ए० प्रथम वर्ष

बस स्वार्थ लिप्तता है मन में,
क्या तुच्छ वस्तु को ग्रहण किया ।
ऐ मानव है धिक्कार तुझे,
क्यो मानवता को छोड़ दिया ।

बेटियाँ

निशा
बी० ए० तृतीय वर्ष

चाहते हैं बेटों को
जन्म हो जाती हैं बेटियाँ
बोते हैं बेटों की फसल
उग आती हैं बेटियाँ
नाम देते हैं बेटों को
नाम करती हैं बेटियाँ
आराम देते हैं बेटों को
काम करती हैं बेटियाँ
धक्का देती हैं जिन्दगी
तो थाम देती हैं बेटियाँ
भंवर में छोड़ देते हैं बेटे
तब किनारा देती हैं बेटियाँ
दूर हो या पास
माँ बाप का नाम लेती हैं बेटियाँ ।

यह बन्धन एक सामाजिक है,
जो सदियों से आ रहा चला ।
मानव-मानव हित जीता था,
क्यों अब वह पुरातन हो है चला ।

है स्वार्थी संकीर्ण मार्ग,
जो पशुओं में नित होता है ।
क्या तू इसको अपनाकर,
पशु रूप नहीं धरता है ।

परस्वार्थ अलौकिक दिव्य शक्ति,
जिसको तूने न पहचाना ।
पहचान बस भोग विलासों को,
कहता है जाना पहचाना ।

वक्त

काजल नागर
बी० ए० प्रथम वर्ष

खुशियाँ कम और अरमान बहुत है
जिसे भी देखिए यहाँ हैरान बहुत है ।

करीब से देखा तो है रेत का घर
दूर से मगर उनकी शान बहुत है

कहते हैं सच का कोई सानी नहीं
आज तो झूठ की आन बहुत है

मुश्किल से मिलता है शहर में आज
यूं तो कहने को इन्सान बहुत हैं

वक्त पे न पहचाने ये अलग बात
वैसे तो शहर में अपनी पहचान बहुत है ।

बस स्वार्थ हेतु टकराता है,
यह मानव की है भूल रही ।
अज्ञानवश सब खो है दिया,
कितनी यह बड़ी है भूल रही ।

चिरकालों से जिज्ञासा मन में,
बन्धुत्व प्रेम का पुष्प खिले ।
निज राग द्वेष को सहलाकर,
आपस में गले का हार बने ।

पर आह इतनी भूल करके,
तूने न पश्चाताप किया ।
कौतूहल है मानव होकर,
दानवता बीजा रोप दिया ।

भाग्य का दोष

चंचल डहालिया
बी० ए० प्रथम वर्ष

‘बेटा मिला अति हर्षाया ।
दुःख न दे कर पाला बड़ा किया ॥
खुद खाने से पहले जिसे खिलाया ।
उंगली पकड़कर जिसे चलना सिखाया ॥’

‘पढ़ा-लिखा योग्य बनाकर ।
शादी कर बहू घर ले आये ॥
चाहा उसने शीश उठाना ।
नित प्रभु के आगे माथा नवाना ॥

‘दादा-दादी शीघ्र बना दो हमको ।
प्रभु ने यह अपना वचन निभाया ॥
बेटा मिला मन अति हर्षाया ।
दुःख न देकर पाला बड़ा किया ॥’

‘जिस बेटे के सुख को हमने ।
जीवन भर सुख अपना जाना ॥
वह बीमार पड़ा हम रातों जागे ।
बिठा के कंधे जिसे घुमाते ॥’

‘वह एक बार न हमसे मिलने आया ।
उसने यह सिला खूब निभाया ॥
बेटा मिला मन अति हर्षाया ।
कोई दुःख न देकर पाला बड़ा किया ॥’

‘जो हमसे माँगा उसे दिलाया ।
बिठा के कंधे हमने जिसे घुमाया ॥’

एक मुस्कान पे उसकी हम हर्षाते ।
ये बूढ़े उसको क्यों याद न आते ॥’

‘कल अपना तो लुटा चुके थे ।
अपना आज भी न बचा पाये ॥
बेटा मिला तो मन अति हर्षाया ।
दुःख न देकर पाला बड़ा किया ॥’

‘जिस घर पर था कभी नाज हमें ।
बहु-बेटे ने उसे कब्जाया ॥
बूढ़े जब बीमार पडे अन्तिम साँसे गिनते ।
बहु ने पत्नी धर्म निभाया ॥’

‘मार-पीट और मरा समझकर ।
पटरी पर जा फिकवाया ॥
बेटा मिला तो मन अति हर्षाया ।
दुःख न देकर पाला बड़ा किया ॥’

‘हमें होश आया बेघर समझकर ।
किसी ने हमको शमशान पहुँचाया ॥
जीते जी हम भूत हुए थे ।
ये सोच के हम फिर हर्षाये ॥’

‘जो बीत गया लो उसे भुलाया ।
समय ने हमको यह समझाया ॥
हमारा हमारे सम्मुख आया ।
बेटा मिला मन अति हर्षाया ॥’

पहचान

भारती नागर
बी० एस सी० द्वितीय वर्ष

“गिरना भी अच्छा है...
औकात का पता चलता है
बढ़ते हैं जब हाथ उठाने को...
अपनों का पता चलता है ।
जिन्हे गुस्सा आता है
वे लोग सच्चे होते हैं...”

मैने झूठों को अक्सर...
मुस्कराते हुए देखा है ।
सीख रही हूँ मैं भी...
इन्सानों को पढ़ने का हुनर...
सुना है चेहरे पे...
किताबों से ज्यादा लिखा होता है ।”

पिता

नैहा नागर

एम० ए० प्रथम वर्ष

एक पिता हमेशा
नीम के पेड़ जैसा होता है...

जिसके पत्ते भले ही
कड़वे हो पर वो
हमेशा छाया ठंडी देता है...

न जाने कितने दुःख कमाता है
एक पिता...

औलाद की खुशी खरीदने के लिए
फिर भी उसी औलाद के महल में
एक कोना नहीं मिलता माँ-बाप
को ठहरने के लिए...

ठंडी रोटी अक्सर
उनके ही नसीब में होती हैं’
जो अपनों के
लिये कमाई करके देर से
घर लौटते हैं...

“बोझ ईंटों का
और बढ़ा दो साहब”
मेरे, बच्चे ने आज
एक खिलौने की
फरमाईश की है...

कोई कहे नियती बीज है तल का,
कोई कहे करम है दाता ।
फिर क्यूँ जिन्दगी का सारा बोझ,
परवरिश पर है आता ॥

अलग-अलग रंगो में सजकर,
सभी यहाँ हैं आते ।
फिर जो सबसे हो अलग,
वो क्यों अज़ीब कहलाते ॥

जिन्दगी का ये है दस्तूर,
हर रिस्ता पड़े निभाना ।
जो वक्त साथ गुजारा है,
उस पर ही हक जताना ॥

इंसाफ की आस होती सभी को,
पर न्याय नहीं कर पाते ।
एक पक्ष का इंसाफ भी तो,
उसके लिए अन्याय बन जाते ॥

अपनी सोच के सब हैं बन्दी,
नज़रिया अपना ही सुहाय ।
कभी नज़रिया बदल के देखो,
शायद इंसान ही बदल जाए ॥

कोई कहे इसे विधि का विधान,
तो कोई इसे कर्म का खेल है कहता ।
पर सब तो यही है जीवन का,
जो होना है सो होकर रहता ॥

अहं प्रभाते उत्तिष्ठामि

(संकलनकर्ता)

पायल पवार, बी.ए. प्रथम वर्ष

अहं प्रभाते उत्तिष्ठामि
मातापितरौ प्रणमामि ।
देवान् भक्तवरेण्यान् नत्वा
पठने मतिं विधास्यामि ॥

विना विलम्बं शालां गच्छन्
पाठ्यांशान् अवगच्छामि ।
सर्वान् विषयान् सम्यगधीत्य
बुद्धिविशदतां प्राज्ञोमि ॥

शिष्टाचारान् साधुविचारान्
वृद्धिकरान् आकलयामि ।
विद्वाभ्यासाचारविचारैः
सर्वश्रेष्ठतां विन्दामि ॥

भारतधरणीयं मामकजननीयम्

(संकलनकर्त्री)	प्रीति	बी.ए. तृतीय वर्ष
भुवमवतीर्णा नाकस्पर्धिनी भारतधरणीयं, मामकजननीयम् ॥		
शिरसि हिमालय-मुकुट-विराजिता पादे जलधिजलेन परिप्लुता मध्ये गङ्गापरिसरपूता भारतधरणीयं, मामकजननीयम् ॥	भुवमवतीर्णा ॥	
काश्मीरेषु च वर्षति तुहिनम् राजस्थाने प्रदहति पुलिनम् मलयस्थाने वाति सुपवनः भारतधरणीयं, मामकजननीयम् ॥	भुवमवतीर्णा ॥	
नानाभाषि-जनाश्रय-दात्री विविध-मतानां पोषणकर्त्री नानातीर्थ-क्षेत्रसवित्री भारतधरणीयं, मामकजननीयम् ॥	भुवमवतीर्णा ॥	
पुण्यवतामियमेव हि नाकः पुण्यजनानां रुद्रपिनाकः पुण्यपराणामाश्रयलोकः भारतधरणीयं, मामकजननीयम् ॥	भुवमवतीर्णा ॥	

छात्रजीवनम्

संकलनकर्त्री	बुलबुल,	बी.ए. प्रथम वर्ष
काकचेष्टा बकोध्यानं श्वान्ननिद्रा तथैव च । अल्पहारी गृहत्यागी विद्यार्थीपंचलक्ष्णम् ॥		
सुखार्थी चेत् त्यजेद्विद्यां विद्यार्थी चेत् त्यजेतसुखम् । सुखार्थिनः कुतो विद्या विद्यार्थिनः कुतः सुखम् ॥		
अध्ययनकाले व्यासङ्गं पारिप्लवमन्यमनस्कतां च न व्रजेत् । गुरुणां पुरतो न यथेष्टमासितव्यम् ॥		
नानभिवाद्योपाध्यायाद् विद्यामाददीत । सहाध्यायिषु बुद्ध्यतिशयेन नाभिभूयेत ॥		
प्रज्ञयातिशयानी न गुरुमवज्ञायेत । समविद्यैः सहाधीतं सर्वदाभ्यस्येत् ॥		

शानांजलि

सुन्दरसुरभाषा

(संकलनकर्त्री)	मीनाक्षी	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
मुनिवरविकसित-कविवरविलसित- मञ्जुलमञ्जूषा, सुन्दरसुरभाषा । अयि मातस्तव पोषणक्षमता मम वचनातीता, सुन्दरसुरभाषा ॥		मुनिवर...॥
वेदव्यास-वाल्मीकि-मुनीनां कालिदास-वाणादिकवीनाम् । पौराणिक-सामान्य-जनानां जीवनस्य आशा, सुन्दरसुरभाषा ॥		मुनिवर...॥
श्रुतिसुखनिदे सकलप्रमोदे स्मृतिहितवरदे सरसविनोदे । गति-मति-प्रेरक-काव्यविशारदे तव संस्कृतिरेषा, सुन्दरसुरभाषा ॥		मुनिवर...॥
नवरस-रुचिरालङ्घृति-धारा वेदविषय-वेदान्त-विचारा ॥ वैद्य-व्योम-शास्त्रादि-विहारा विजयते धरायां, सुन्दरसुरभाषा ॥		मुनिवर...॥

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

संकलनकर्त्री
ईशा भाटी, बी.ए. द्वितीय वर्ष
अपि स्वर्णमयी लङ्घा न मे लक्ष्मण रोचते । जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ॥
यं मातापितौ क्लेशं सहेते संभवे नृणाम् । न तस्य निष्कृतिः शक्या कर्तुं वर्षशतैरपि ॥
उपाध्यायान्दशाचार्य आचार्याणां शतं पिता । सहस्रन्तु पितृन् माता गौरवेणातिरिच्यते ॥
गायन्ति देवाः किल गीतकानि, धन्यास्तु ते भारतभूमिभागे । स्वर्गापवर्गास्पदमाग्भूते, भवन्ति भूयः पुरुषः सुरत्वात् ॥
माता भूमिः पुत्रोऽहंपृथिव्याः । अस्ति यद्यपि सर्वत्र नीरं नीरजमण्डितम् । रमते न मरालस्य मानसं मानसं बिना ॥

संस्कृतस्य सेवनम्

(संकलनकर्त्री)

आकांक्षा

एम.ए प्रथम सेमेस्टर

संस्कृतस्य सेवनं, संस्कृताय जीवनम् ।
लोकहितसमृद्धये भवतु तनुसमर्पणम् ॥

कार्यगौरवं स्मरन्
विघ्नवारिधिं तरन्
लक्ष्यसिद्धिमक्षिसात् करोमि सोद्यमः स्वयम् ।
यावदेति संस्कृतं, प्रतिजनं गृहं गृहम्
तावदविरता गतिस्तावदनुपदं पदम् ॥ १ ॥

कामये न सम्पदं
भागेसाधनं सुखम्
किञ्चिदन्यदाद्रिये विना न संस्कृतोत्त्रितम् ।
गौरवास्पदं पदं, नेतुमध्य संस्कृतम्
बद्धकटिरयं जनो निधाय जीवनं पणम् ॥ २ ॥

भाषिता च वागियं
भाषिता भवेद् ध्रुवम्
भाष्यमाणां समेत्य राजतां पुनश्चिरम् ।
भरतभूमिभूषणं सर्ववाग्विभूषणम्
संस्कृतिप्रवाहकं संस्कृतं विराजताम् ॥ ३ ॥

लक्ष्यमस्ति निश्चितम्

(संकलनकर्त्री)

काजल शर्मा

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

लक्ष्यमस्ति निश्चितं तथा विचारितम् ।
आचरेम मित्र ! संस्कृतेन पाठनम् ॥

आड्ग्लभाषया हि आड्ग्लमद्य पाठयते
हिन्दी हिन्दीभाषया तथैय शिक्षयते
संस्कृतेन संस्कृतं कथं न पाठयते
आचरेम मित्र ! संस्कृतेन पाठनम् ॥ १ ॥

॥ लक्ष्यमस्ति निश्चितं...॥

बोधकारकं तथा सुदीप्तिकारकं
रहस्यभेदनं विधाय तुष्टिदायकम्
रसानुभुतिरेव येन जायते ध्रुवम्
आचरेम मित्र ! संस्कृतेन पाठनम् ॥ २ ॥

॥ लक्ष्यमस्ति निश्चितं...॥

साध्यमस्ति संस्कृतेन शिक्षणं वरं
श्रद्धया स्वनिष्ठया विवर्धितं त्वरम्
नास्ति क्लिष्टतायुतं विरस्ते कथम्
आचरेम मित्र ! संस्कृतेन पाठनम् ॥ ३ ॥

॥ लक्ष्यमस्ति निश्चितं...॥

वदति माधवः

(संकलनकर्त्री)
काजल नागर, बी.ए. तृतीय वर्ष

वदति माधवो मधुरया गिरा
लिखति पट्टके सरलरेखया ।
पठति पुस्तकं सावधानतो
हरति मानसं नन्दगोपते: ॥

व्रजति गोव्रजं गोपबालकैः
सह वनान्तरे खेलति प्रभु ।
धरति मस्तके वर्हमद्धुतं
वहति कटितटे पुरटपट्टकम् ॥

लुठति गोकुले धूलिधूसरो
रटति गीतिकां गुरुजनोदिताम् ।
नटति बहुविधिं नाटयकोविदो
विशति परगृहं बाललीलया ॥

लसति तरुतले भुवनमोहनो
हरति सन्मनो वेणुनादतः ।
तुदति दुर्जनान् अवति सज्जनान्
जयति यदुकुले विश्वनायकः ॥

अहिंसा परमो धर्मः

संकलनकर्त्री
आरती
बी.ए. प्रथम वर्ष

हिंसा लोकेन विद्विष्टा, हिंसा धर्मक्षयावहा ।
अहिंसा परमा शक्तिः, अहिंसा परमं तपः ॥

अहिंसा सत्यमस्तेयं शौचमिन्द्रयनिग्रहः ।
एतं सामासिकं धर्मं चातुर्वर्ण्येऽव्रवीन्मनुः ॥

अहिंसा सत्यमकोधस्त्यागः शान्तिरपैशुनम् ।
दयाभूतेष्वलोलुप्त्वं मार्दवं हीरचापलम् ॥

अहिंसैव भूतानां कार्यं श्रेयोऽनुशासनम् ।
वाक् चैव मधुरा श्लक्षणा प्रयोज्या धर्ममिच्छता ॥

योऽहिंसकानि भूतानि हिनस्त्यात्मसुखेच्छ्या ।
स जीवंश्च मृतश्चैव न क्वचित् सुखमेधते ॥

श्रूयतां धर्मं सर्वस्वं श्रुत्वा चैवावधार्यताम् ।
आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत् ॥

परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्

संकलनकर्त्री
निधि, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

संक्षेपात्कथ्यते धर्मः जनाः ! कि विस्तरेण वः ।
परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम् ॥

परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः; परोपकाराय वहन्ति नद्यः ।
परोपकाराय दुहन्ति गावः; परोपकाराय सतां विभूतयः ॥

धनानि जीवितं चैव परार्थं प्राज्ञ उत्सृजेत् ।
सन्निमित्ते वरं त्यागो विनाशे नियते सति ॥

श्रोत्रं श्रुतेनैव न कृष्णत्वेन,
दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन ।

विभाति कायः खलु सज्जनानां,
परोपकारेण न चन्दनेन ॥

भवन्ति नम्रास्तरवः फलोदगमैः,
नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः ।

अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम् ॥

पझाकरं दिनकरो विकचीकरोति
चन्द्रो विकासयति कैरवचक्रवालम् ।

नाऽभ्यर्थितो जलधरोऽपि जलं ददाति
सन्तः स्वयं पराहितेषु कृताभियोगाः ॥

सत्सङ्गति कथय किन्न करोति पुंसाम्

संकलनकर्त्री
दिव्या

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

जाडयं धियो हरति सिंचति वाचि सत्यं,
मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति ।

चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्ति,
सत्सङ्गतिः कथय किन्न करोति पुंसाम् ॥

दुर्जनः परिहर्तव्यः विद्ययालंकृतोऽपि सन् ।
माणेना भूषितः सर्पः किमसौ न भयंकरः ॥

कल्पद्रुमः कल्पितमेव सूते सा कामधुक्कामितमेवदुर्घे
चिन्तामणिश्चिन्तिमेव दत्ते, सतां तु संगः सकलं प्रसूते ॥

सङ्गः सर्वात्मना त्याज्यः, स चेत् त्यक्तुं न शक्यते
स सखिः सह कर्तव्यः सतां सङ्गौ हि भेषजम् ॥

सत्सङ्गाद् भवति हि साधुता खलानां
साधूनां नहि खलसंगमात्खलत्वम् ।

आमोदं कुसुमभवं मृदेव धत्ते
मृदगन्धं नहि कुसुमानि धारयन्ति ।

सन्तप्तायसि संस्थितस्य पयसो नामापि न ज्ञायते ।
मुक्ताकारतया तदेव नलिनीपत्रस्थितं राजते ।

स्वात्यां सागरशुक्रितसम्पुटगतं तज्जायते मौकितकं
प्रायेणाऽधममध्यमोत्तमगुणाः संसर्गतो जायते ॥

महाजनस्य संसर्गः कस्य नोन्नतिकारकः ।
पद्मपत्रस्थितं वारि धत्ते मुक्ताफलश्रियम् ॥

THIS CRISIS

-Urvashi, M.A.I

This is a crisis that'll soon elapse.

What a year, this month, this week has been

Where every individual has been so keen,

To step out of their dwellings

And see the Infinites' upbringings!

A distress to the world,

Where the culminated creatures expected a kind word,

Awaited an antidote that could stand by

And become the support of the folks who cry!

But following the Lockdown

Will act as the best therapy in every village and town

It will hold the rumours by their neck,

And suffocate them to death!

And this time will soon pass.

Like the dripping sand of an hourglass!

So, help us God, in this dismal space,

So, wherever life plants us

We bloom with grace!

COVID-19

-Goldi Raghav, M.A.II

Run! Run! Run!

It came all the way from Wuhan,

Ruining the world and killing man.

Cough, breathlessness, runny nose and fever,

Are symptoms of corona, trust me it's severe.

Thousands died in China, USA, Italy
and Germany,

So aren't you afraid of this great tragedy?

Corona, for sure, is lethal,
In washing hands you need
to be a bit professional.

Not going out won't harm for some days,
A bottle of sanitizer, now, always pays.

Always sneeze in your elbow sleeve,

Don't spread corona, a beautiful world, again,
we can weave.

Always maintain a gap of one meter from all,
So you can remain safe and live your life tall.
Join hands instead of shaking, say 'Namaste',
And greet your loved ones the traditional way.

This is the corona pandemic,
Keep it away, don't fall sick.
So, it's yourself you've to save,

Your health is the way you need to pave.

PANDEMIC

-Preeti Saini, M.A.I

Coronavirus, the worst disease,
Hide in your homes, if you please.

 A disease killing lives,
And spreading negative vibes,

 Symptoms like fever making us weak,
Doctor's help, we need to seek.

 Started in China, now, the world is sick,
Let us unite and find a cure, quick.

 You will have high fever as I told,
You will get a headache and a bad cold.

 Following up, then comes cough,
Getting rid of it becomes quite tough.

 You will get problems of respiration,
Now, all that we need is prevention.

 Muscle pain can come too.

 Let's build our immunity, me and you.

 Wash your hands twenty seconds with soap,
We'll fight the virus, there is still hope.

 Sneeze and cough into a tissue,
Let's take some steps to tackle this issue.

 Don't go to crowded places,
Don't be one of those thousand cases,
Visit a doctor if you need care,
Now, just make others, all aware.

SILENCE

-Sonakshi Singh, M.A.I

You speak and I feel the silence emanating
Like tendrils of fire, breaking yet breathing
The landscape turns gray, and heavier than chains,
I heave myself up, hands stretched out with faith
That someday the colours will filter our words
And paint it with vibrance, long-lost still loved,
Someday I'll look up, and hear you, and trust,

 Someday I want to say what I feel,
and feel what I'm saying
But you won't listen to me, and my words, dying,
Shrivel up in some corner of the room,
Forgotten, never acknowledged in sooth,
Still I open my mouth and rant,
I would again till at last,
I speak and you feel the rush of the oceans
Stronger than fire.

RAIN

-Kajal, B.A.II

Oh Rain,
The tears of the sky.
Fall down on me.
Cleanse my body,
Of all impurities.
Drench me to bone,
And take away all my fears.

 Drown me,
And leave me resurrected,
As someone new,
As someone pure,
As someone different,
As someone brave.

SAVE GIRL CHILD

-Gunjan Goyal, M.A.I

Mumma calls me a fairy
And Daddy calls me a princess
Grandma calls me a nightingale
And Grandpa calls me a daisy
Mumma says I'm her life
Daddy says I'm his soul
And my brother says I'm his doll
YES' I AM A GIRL"
Maybe I grow up as Fatima or Sita
Maybe I become the scholar of
The BIBLE or learn The GITA

People kill me in my mother's womb
They are not humans, they are demons
Save the girl child and you will be BLESSED
Save the girl child and you will not be STRESSED

Send her to school, she wants to learn
Then she can make the whole community HAPPY and EDUCATED
Today a reader. tomorrow a leader
YES' I AM A GIRL

I can smile like a princess
I can roar like a lioness
I can do anything
Because GOD made me GIRL

FACTS ABOUT FRUITS

-Urvashi, M.A.I

- Eating an apple is a more reliable method of staying awake than consuming a cup of coffee.
- Study of fruits is called POMOLOGY.
- Purple and blue fruits help enhance memory.
- Apples stay afloat in water as they are 25% air.
- A kiwi has 2 times the vitamin C present in orange
- Half a cup of figs have the same amount of calcium as a half cup of milk.
- A cucumber is not a vegetable but a fruit.
- Apples, peaches and raspberries are all members of the rose family.
- There is a tree called Salad Tree that sprouts 3-7 different fruits in the same tree.
- A banana is not a fruit, it is a herb. Being easy to digest and highly nutritious, these are first fruits offered to babies

SATISFACTION

-Muskan, M.A.II

Every tear pays a massive price
And every grief hides a beautiful smile
The cost in silver and gold we measure
Forgetting my love, that you are a treasure.

If we saw past all the fake smiles
We may get to perceive all the lies
That your tongue was too afraid to speak
The words that made your heart bleed....

Yes we are told to be the best
Even if it's by outshining the rest
When will the world come to know?

It's all about the satisfaction and not about the show!

Maybe we were bred to believe
There's a limit to us being happy
A limit to us being free
And censorship to what we can see.

These voices that are constantly weighing us down
Are the only reason we refuse the glory and abdicate the crown
Maybe if all of us knew we were needed
Permission for following our hearts wouldn't have to be pleaded.
Not just for me you should know your words hurt
Before we bleed to death you should check the remarks you blurt
It's tragic how so many dreams get buried with a life
That still has not been cut short by
Death's sharp cruel knife.

SHE

-Aditi Singh Rajput, M.A.II

Heavy breaths, a fluttering heart
Fire in her soul, a journey that needs to start
A feisty spirit, longing to soar
A fiery mind, waiting to roar
The world will judge her, at every step
Ordering her to be like them
But she is special, she is unique
Among the stones, she is the gem
Beauty, goodwill and intellect she commands
She will never bow down to their demands
A hero, a warrior, that is what she is,

Surmounting all heights with surreal bliss
At every juncture, striving with zest
Surpassing herself, not others, is her quest.
To be afraid is her greatest fear
Invaluable, is her every tear
She will always fight for what is right
Courage and virtue being her might
She will break but never bend
She will die, but never surrender
Will always be there for those who need her
Vanquishing the prejudiced shackles of gender.

LEARN FROM NATURE

-Noreen, M.A.I

Learn from nature,
Learn from its every creature.
How to live the life,
Whether you are somebody's husband or wife.
Or any parent, grandparent or child,
And remember, the race also continues in the wild
Learn from nature.
Learn from its every creature

First learn from tree,
To do anything with it, It lets us tree.
Whatever we do with it, it doesn't react
It only learns and applies the giving fact:
And also reminds your mind the lesson of flower.
Which is bright, has good fragrance and has attractive power.
Learn to become selfless and attractive,
By adapting these good things, becoming positive and creative.
Learn from nature.
Learn from its every creature.

People usually think that carnivores are rather bad,
As for killing their prey, their mind becomes mad;
People say that when a prey is killed by a predator they feel sad
But predators usually feel glad
For them this hunted prey is a feast,
While hunting for this feast, they look for it in north, south, west and east;
But I think that Carnivores are better than people,
As they control animal population and save plants like paddy and peepa
Many carnivores are loving towards their family,
To feed their cubs, some mothers even hunt continuously
But if you are a hunter, you say the turn is thy,
And you kill the innocent animals. Why?
Their stomach is the main reason for their prey's kill,
They are not like us who kill animals for their body parts or thrill.
Learn From them to not to hurt or kill any being without any reason
Even if the species is so rare that it is seen only once in a season
Learn from nature,
Learn from its every creature.

THE DIRTY LITTLE SECRET OF PERFECT HEALTH

-Shaibi Khan, M.A.I

How to stay on good terms with your germs?

- Skip antibacterial soaps. The active ingredient triclosan, has been linked to hormone disruption in animals and bacterial resistance to antibiotics. A University of Michigan study found that using plain soap prevented infections, illness just as effectively as using triclosan products did.
- Nix antibiotic ointment for nicks Overuse of creams containing neomycin, a common antibiotic, may be leading to resistant strains of MRSA, say researchers in Japan. Clean small wounds with soap and use a bandage to prevent contamination by potential pathogens
- Go with Yoghurt: Yoghurt with live Bifidobacterium promotes regularity and eases irritable bowel syndrome, studies suggest; other possible benefits are not proven.
- Ask not for antibiotics: Most common infections from bronchitis to stomach flu are caused by viruses, not bacteria. "Besides being a waste of money", says Alexander Khoruts, M.D., a micro biome expert at the University of Minnesota, "You are killing off normal bacteria that protects you"

RIGHTS

-Rekha, M.A.I

- We have the right to walk anywhere, but don't have the right to make that place dirty.
- We have the right to wear different clothes, but don't have the right to do wildlife trade for it.
- We have the right to eat anything, but don't have the right to waste food.
- We have the right to write in our copy, but don't have the right to waste the pages.
- We have the right to make friends with everyone, but don't have the right to break old relationships.
- We have the right to love everyone, but don't have the right to hurt anyone. We have all the right to live our life, but don't have the right to kill anyone.

AMAZING FACTS

-Sunny Nagar, B.A.II

1. Women blink nearly twice as much as men.
2. Right handed people live an average 9 yrs. longer than the left handed people.
3. It is impossible to sneeze with your eyes open.
4. A snail can sleep for 3 years.
5. The strongest muscle in the body is the TONGUE.
6. Polar bears are left handed.

7. A cockroach will live for 9 days without its head, before it starves to death.
 8. An ostrich's eye is bigger than its brain.
 9. Ants never sleep.
 10. Human brain is 80% water.
 11. The African Lungfish can live out of water for 4 years.
 12. At birth, a panda is smaller than a mouse and weighs about four ounces.
 13. A leech has 32 brains.
 14. A shark skeleton is made up of cartilage.
 15. Male lions can sleep twenty hours a day
-

RIDDLES

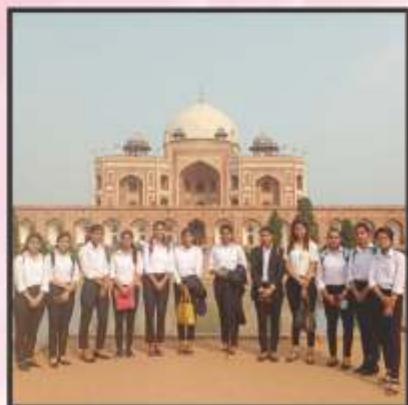
-Ritika Rawat, B.A.II

1. The gate in which no one can enter. - *Colgate*
2. The city in which no one can enter. - *Scarcity*
3. The city which is unmarried. - *Kanyakumari*
4. The rope in which many people live. - *Europe*
5. The city which gives information used for advertisement. - *Publicity*
6. The musical instrument which we always carry. - *Ear drum*
7. The Jam which we don't like - *Traffic jam*
8. The most talkative sister. - *Transistor*
9. The city used for measuring - *Capacity*
10. The most wise city is *Sagacity*
11. Most dangerous city. - *Electricity*
12. A pink lady with white soldiers. - *Tongue*
13. The angle which has three arms. - *Triangle*
14. The angle which is a circle - *Bangle*
15. Butter which can fly. - *Butterfly*

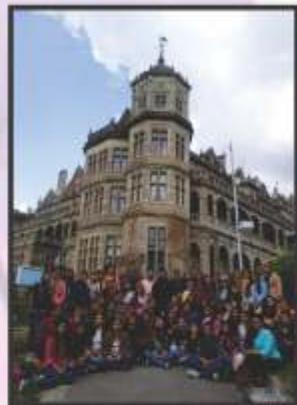
— मिशन शवित एवं महिला प्रकोष्ठ —



करियर काउंसिलिंग एवं बी. वॉक गतिविधियाँ



शैक्षिक अमणि



राष्ट्रीय सेमिनार



राष्ट्रीय सेमिनार



वार्षिक क्रीड़ा समारोह

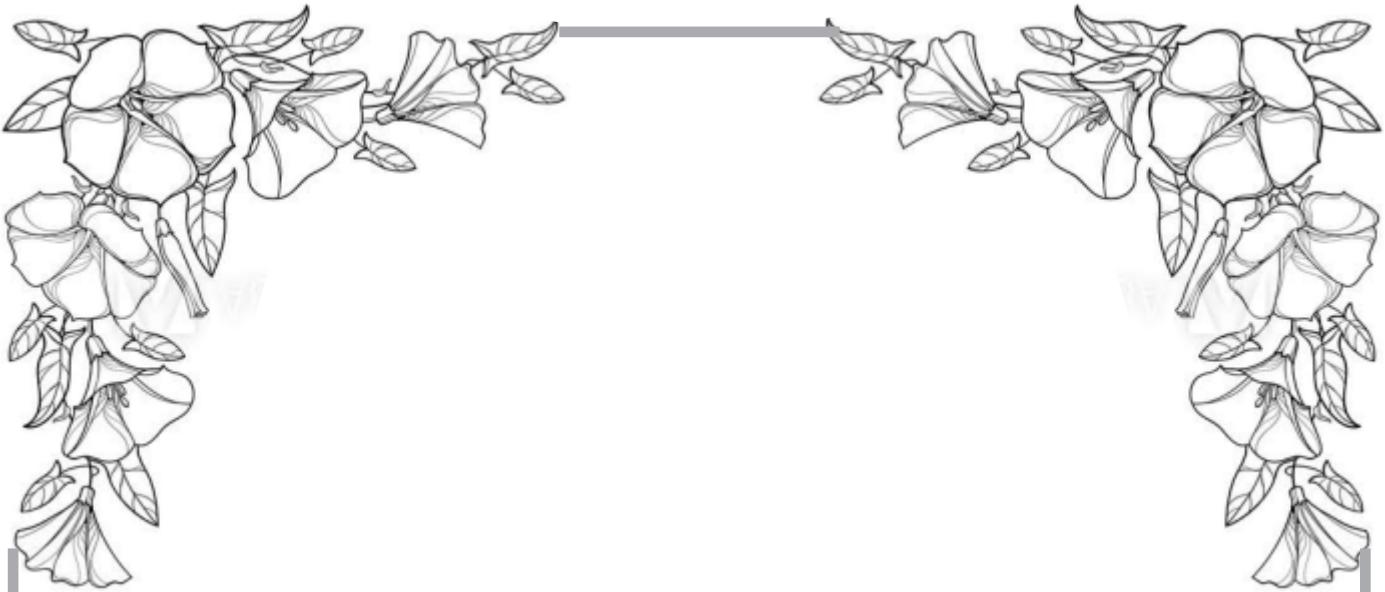


वार्षिकोत्सव



ऑनलाइन विविध गतिविधियों की झलक





વિવિધાજનિ

वार्षिक आख्या

डॉ. श्वेता सिंह
सदस्य समारोह

“हमें ऐसी शिक्षा चाहिए, जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शांति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके।”

-स्वामी विवेकानन्द

इस परिकल्पना को चरितार्थ करते हुए कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर सन् 1997 से निरंतर उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करने में प्रयासरत है। 1997 की यह सूक्ष्म लेकिन सार्थक पहल जिसकी शुरूआत मात्र चार प्राध्यापक एवं 28 विद्यार्थियों के साथ हुई थी, आज 2000 विद्यार्थी, 50 पूर्णकालिक शिक्षक, 5 कार्यालय कर्मचारी एवं अनेकों शोधार्थियों के साथ एक भरे पूरे परिवार में परिवर्तित हो चुकी है। महाविद्यालय में 4 संकाय-कला संकाय, विज्ञान संकाय, कौमर्स एवं बीएड संकाय के अधीन 20 विभागों द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। महाविद्यालय में नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त मेडिकल लैब एवं टूरिज्म संबंधी 2 व्यावसायिक पाठ्यक्रम यूजीसी के अनुदान के अंतर्गत संचालित हैं। वर्तमान समय की माँग के अनुरूप शिक्षा के तकनीकीकरण की प्रक्रिया में सहभागिता प्रदान करते हुए महाविद्यालय में कुल 5 स्मार्ट क्लास एवं कंप्यूटर लैब की व्यवस्था की गई। कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर नैक मूल्यांकन के दूसरे चरण में B++ Grade एवं 2.91 CGPA प्राप्त करने के साथ संपूर्ण उत्तर प्रदेश में यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला एकमात्र राजकीय महाविद्यालय बन गया है।

वर्तमान 2020-21 का शैक्षणिक सत्र कोविड-19 प्रभावी सत्र है। 2020 में कोविड-19 जन्य परिस्थितियों में लॉकडाउन के कारण महाविद्यालय बंद किये जाने के उपरान्त भी समस्त शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन माध्यम से सुचारू रूप से चलती रही। महाविद्यालय में कोरोना काल में स्नातकोत्तर स्तर पर पहली बार समस्त विभागों में आंतरिक परीक्षाओं का संचालन ऑनलाइन माध्यम से सफलतापूर्वक किया गया।

कोविड-19 की विषम परिस्थितियों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु विकेंद्रीकृत प्रणाली अपनाते हुए महाविद्यालय को शुचिता, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता पूर्ण कार्यों को करने की ख्याति के कारण विश्वविद्यालय परीक्षा का मूल्यांकन केंद्र बनाया गया। महाविद्यालय में प्राचार्य महोदय के निर्देशन में रणनीति बनाकर समय सीमा के अन्दर सफलतापूर्वक इस कार्य को पूर्ण किया और कोरोना वॉरियर्स की पंक्ति में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

संपूर्ण उत्तर प्रदेश में महाविद्यालय, बादलपुर ऐसा प्रथम राजकीय संस्थान है, जहां माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से पठन-पाठन का कार्य सुचारू रूप से संपन्न किया गया। माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से महाविद्यालय ने लाइसेंस में वर्ड एक्सल, पावरप्लाइंट, एवं 5000 छात्राओं एवं शिक्षकों हेतु अधिक डेटाबेस प्राप्त किया। अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासन द्वारा विद्यार्थियों हेतु डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण कर शिक्षकों से ई-कंटेंट विनिर्मित कर उसमें अपलोड करने का आग्रह किया गया तथा अक्टूबर को विद्या दान माह घोषित किया गया था, जिसके अनुपालन में महाविद्यालय से विभिन्न विषयों में 987 ई कंटेंट अपलोड किए, जिस हेतु शासन द्वारा महाविद्यालय को समस्त राजकीय महाविद्यालयों, स्ववितपोषित एवं अनुदानित महाविद्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है, साथ ही महाविद्यालय के 5 प्राध्यापकों-डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, ममता उपाध्याय, डॉ. सत्यंत कुमार, डॉ. नीलम शर्मा को अपने विषय में सर्वाधिक ई कंटेंट विनिर्मित कर छात्र हित में डिजिटल लाइब्रेरी में अपलोड करने हेतु पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं, जो कि महाविद्यालय के लिए अत्यन्त गौरव की बात है। वर्तमान सत्र की उपलब्धियों में यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु गठित राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न समितियों में स्टेयरिंग कमेटी के अंतर्गत इस महाविद्यालय के डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा तथा NEP के अनुसार सम्पूर्ण प्रदेश में न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू किए जाने हेतु विनिर्मित पाठ्यक्रम पुनः निर्माण समिति की सुपरवाइजरी कमेटी में हमारे महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ सहित डॉ. किशोर कुमार, डॉ. दीप्ति वाजपेयी तथा डॉ. अरविन्द यादव भी सम्मिलित हैं तथा विषय विशेषज्ञ समिति में महाविद्यालय के 10 प्राध्यापकों की सहभागिता से समान पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण का गुरुतर कार्य संपन्न किया गया है। समान पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण जैसे शासन की प्राथमिकता प्राप्त कार्य में महाविद्यालय के कुल 14 प्राध्यापकों का संलग्न होता निसंदेह गर्व का विषय है।

कोरोना काल के कारण सत्र का शुभारंभ दिनांक 4 अगस्त 2020 को स्नातक एवं स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष के अतिरिक्त अन्य सभी कक्षाओं के ऑनलाइन शिक्षण के साथ हुआ। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन में इस सत्र में संकाय एवं विभागों द्वारा निरंतर विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यशाला का आयोजन ऑफलाइन/ऑनलाइन माध्यम से किया गया। कोरोना

काल में स्वच्छता की और लोगों को जागृत करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया जिसमें महाविद्यालय परिवार के सभी प्राध्यापकों एवं छात्राओं द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से स्वच्छता से संबंधित संदेश प्रसारित किये गए और महामारी के इस काल में प्रत्येक व्यक्ति ने अपने स्तर से अभूतपूर्व योगदान प्रदान किया। समारोह समिति के सौजन्य से राष्ट्रीय पर्व के आयोजन के साथ एन.सी.सी., रेंजर एवं एन.एस.एस की इकाइयों द्वारा समय-समय पर वृहद वृक्षारोपण तथा स्वच्छता अभियान चलाया गया। एन.एस.एस की दोनों इकाइयों द्वारा 4 एक दिवसीय शिविर एवं 7 दिवसीय शिविर का आयोजन 22 जनवरी 2021 से 28 जनवरी 2021 तक ग्राम डेयरी मच्छा एवं बादलपुर में किया गया। इस शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह एवं डॉ. नीलम शर्मा के निर्देशन में छात्राओं ने अधिग्रहित गांव का सर्वेक्षण कर गांव की समस्याओं की जानकारी एकत्रित की एवं स्वच्छता, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, सड़क सुरक्षा अभियान, मतदाता जागरूकता अभियान एवं कोविड-19 महामारी इत्यादि विषयों पर जागरूकता प्रदान की।

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय में दिनांक 18 जनवरी 2021 से 17 फरवरी 2021 तक परिवहन जागरूकता सुरक्षा समिति के निर्देशन में सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया गया। समिति प्रभारी डॉ. आशा रानी द्वारा निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता, किंविता लेखन, लघु कहानी प्रतियोगिता तथा रंगोली प्रतियोगिता के साथ जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय परिवार के प्राध्यापकों के सहयोग के साथ किया गया।

महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन हेतु दिनांक 17 अक्टूबर 2020 से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 26 फरवरी 2021 से 8 मार्च 2021 तक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मिशन शक्ति का विशेष अभियान चलाया गया। महाविद्यालय में नए सत्र के साथ ही ऑनलाइन माध्यम से समस्त संकायों द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के मानक के अनुरूप माह अगस्त, माह जनवरी एवं माह मई में आई.क्यू.ए.सी की तीन बैठकों का विधिवत आयोजन किया गया एवं महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता के संवर्धन में समस्त आवश्यक कार्यों को संपन्न किया गया। इस क्रम में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में इन्वेस्टमेंट अवेयरनेस एवं साइबर क्राइम जैसे विषयों पर ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला का आयोजन किया गया। आई.क्यू.ए.सी के तत्वाधान में ही एक अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन दिनांक 3 सितंबर 2020 को “भारतीय शिक्षा प्रणाली का अंतर्राष्ट्रीयकरण-नवीन शिक्षा पद्धति 2020 के परिप्रेक्ष्य में संभावनाएं” विषय पर किया गया।

करियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के अंतर्गत मेधा के सौजन्य से सत्र के आरंभ में लगभग 20 वेबीनार आयोजित किए गए। महाविद्यालय की करियर काउंसलिंग एवं मेधा लर्निंग फाउंडेशन बैनर के तले रोजगार मेला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन समिति के तत्वाधान में दिनांक 20 अक्टूबर 2020 को प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ के संरक्षण एवं अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय रहा “स्टार्टअप इकोसिस्टम एंड इंस्टीट्यूशनल लेवल”。 इसी क्रम में 17 दिसंबर 2020 को Entrepreneurship and innovation as career opportunity पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिनांक 19 दिसंबर 2020 को आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लौकल, मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड विषय पर एक ऑनलाइन समूह चर्चा का आयोजन किया गया। नवाचार समिति के सौजन्य से अन्य कई कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। शासन द्वारा निर्दिष्ट “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” बैनर के अंतर्गत दिनों 25 जुलाई 2020 को राष्ट्रीय वेबीनार का ऑनलाइन आयोजन किया गया। सत्र 2020-21 में कोविड-19 के कारण महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के समस्त विभागों द्वारा व्यक्तिगत रूप से ऑनलाइन शिक्षक अभिभावक समागम का आयोजन किया गया। दिनांक 4 फरवरी 2021 को साहित्यिक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन महाविद्यालय के हिन्दी, संस्कृत व अंग्रेजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जनवरी 2021 में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों में विभागीय परिषद का गठन किया गया जिसके तत्वाधान में अनेकों प्रतियोगिताएं जैसे वाद विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, ऑनलाइन किंवित इत्यादि का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। छात्राओं ने इन सभी प्रतियोगिताओं में पूर्ण प्रतिभागिता प्रदान की एवं विजयी छात्राओं को पारितोषिक भी प्रदान किया गया। साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के तत्वाधान में भी भाषण, रंगोली, मैहंदी इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में दो दिवसीय क्रीड़ा महोत्सव का आयोजन दिनांक 23 एवं 24 फरवरी 2021 को किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध योगाचार्य, राष्ट्रीय आयुर्वेद रत्न से सम्मानित डॉ. डी.एन. शर्मा ने मशाल प्रज्जवलित करके खेल कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि खेल सर्वांगीण विकास का आयाम है। महाविद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं गोला फेंक, लंबी कूद, चक्का फेंक इत्यादि में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

दिनांक 13 मार्च 2021 को महाविद्यालय बादलपुर में “शिक्षा का वैश्विक परिदृश्य तथा समग्र विकास: नई नीति 2020 के संदर्भ में” विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में विभिन्न राज्यों से आए लगभग 700 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। दिनांक 15 फरवरी 2021 को कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर का

21 वां वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संस्था की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्घोषण में शिक्षा के क्षेत्र में संस्था की उपलब्धियों को बताया एवं छात्राओं को अभिप्रेरित किया। महाविद्यालय में 18 मार्च को तीन दिवसीय रेंजर शिविर का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन एवं रेंजर्स प्रभारी डॉ. सुशीला के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर रेंजर्स की छात्राओं ने विभिन्न राज्यों की कला एवं संस्कृति को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया।

शासन द्वारा शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत महाविद्यालय के डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. मीनाक्षी लोहानी को वृहद शोध परियोजना एवं डॉ. दीपि वाजपेयी तथा डॉ. विनीता सिंह को लघु शोध परियोजना हेतु अनुदान राशि स्वीकृत की गई।

महाविद्यालय की जंतु विज्ञान विभाग की एम.एस.सी. की छात्रा कुमारी ज्योति गौतम एवं संस्कृत विभाग की एम.ए. की छात्रा कुमारी अपूर्वी ने संपूर्ण विश्वविद्यालय में क्रमशः स्वर्ण एवं रजत पदक प्राप्त कर तथा भूगोल विभाग की छात्रा कु. ज्योति नागर ने विश्वविद्यालय में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया। इस सत्र में महाविद्यालय की अनेकों छात्राओं एवं शोधाधिकारियों ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। राजनीति विज्ञान विभाग की शोधाधीनी कुमारी दीपिका गुप्ता ने पी.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। बी.एड. विभाग की लगभग 60% छात्राओं ने TET/CTET परीक्षा उत्तीर्ण की। संस्कृत विभाग की डॉ. नीलम शर्मा एवं डॉ. कनक लता को शोध निर्देशिका के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित किया गया।

उक्त संपूर्ण विवरण महाविद्यालय की अनेकों अनेक उपलब्धियों का सार मात्र है। “व्यक्ति के जीवन में कठिनाइयां भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए यह जरूरी है” वर्तमान सत्र में वैशिक महामारी के कारण उत्पन्न हुई कठिनाइयों का कृशलतापूर्वक सामना करके, सफलता के शिखर पर पहुंचकर महाविद्यालय ने इस कथन की सार्थकता को सिद्ध किया है और भविष्य में भी सफलता के नए आयाम के लिए सदैव प्रयासरत है।

हिन्दी परिषद्

डॉ० मिन्तु
असि० प्रो०, हिन्दी

सफलता के उच्चतम शिखर पर अग्रसर होने के लिए विषय सम्बन्धी अध्ययन के अतिरिक्त शिक्षणेत्तर कार्यकलापों में सहभागिता आवश्यक है। महाविद्यालय में छात्राओं के विकास व उनके व्यक्तित्व निर्माण में न केवल शिक्षा का विशेष महत्व है वरन् इसके साथ-साथ अनेक शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ भी इसमें सम्मिलित हैं।

छात्राओं की बौद्धिक विश्लेषणात्मक और सुजनात्मक दोनों कियाओं के विकास के लिए महाविद्यालय में गठित विभागीय परिषदें महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती हैं। हिन्दी साहित्य परिषद के तत्वाधान में समय-समय पर अनेक आयोजन किये जाते हैं, जिनका उद्देश्य हिन्दी भाषा और साहित्यिक परम्परा से छात्राओं को उनके प्रति उनमें निष्ठा व अनुराग उत्पन्न करना है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु सत्र २०२०-२१ में हिन्दी विभागीय परिषद् का गठन किया गया जिसके अन्तर्गत ‘हिन्दी भाषा का महत्व’ विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के परिणाम निम्न प्रकार रहे-

प्रथम स्थान	-	कु० समन वर्मा
द्वितीय स्थान	-	कु० दीपिका पायला
तृतीय स्थान	-	कु० निशा राधव

इसी क्रम में ‘स्वरचित कविता पाठ’ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् रहे-

प्रथम स्थान	-	कु० राधा कुमारी
द्वितीय स्थान	-	कु० काजल कुमारी
तृतीय स्थान	-	कु० शालू

हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी सप्ताह के अन्तर्गत ऑनलाइन माध्यम से भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रतियोगियों में स्थान प्राप्त छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किये गये।

संस्कृत परिषद्

डॉ. दीप्ति वाजपेयी
परिषद् प्रभारी

मनसा सततं स्मरणीयम्, वचसा सततं वदनीयम् ।
लोकहिंतं करणीयम्, नित-नित संस्कृत पठनीयम् ।

संस्कृत भारतीय संस्कृति की भाषा है। समस्त भारतीय प्राच्य ज्ञान संस्कृत भाषा में निबद्ध है। कोविड-19 की विषम परिस्थितियों ने एक बार पुनः योग, आयुर्वेद, नैतिक मूल्य, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता इत्यादि भारतीय सांस्कृतिक आदर्शों और प्राच्य ज्ञान की पुनर्स्थापना की आवश्यकता को बलवती बना दिया है। इस क्रम में संस्कृत की उपादेयता पुनः सिद्ध हो जाती है क्योंकि महामारी के भयावह संकट को देखते हुए वर्तमान एवं भावी नागरिकों को कुशल नागरिक बनाने की नितान्त आवश्यकता है, जो कि प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों में निबद्ध प्राच्य ज्ञान के पुनरावलोकन, निदिध्यासन एवं आत्मसातीकरण से ही सम्भव है।

महाविद्यालय की संस्कृत परिषद् प्रारम्भ से ही संस्कृत में निहित दार्शनिक-आध्यात्मिक उच्चादर्शों, नैतिक मूल्यों, सामाजिक समरसता, प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता इत्यादि भारतीय सांस्कृतिक ज्ञान प्रवाह से छात्राओं को आप्लावित करती रही है, साथ ही साथ उनके सर्वांगीण विकास हेतु निरन्तर प्रयासरत रही है। कोविड-19 की विषम परिस्थितियों में भी छात्राओं के चहुँमुखी विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की दृष्टि से महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत परिषद् का निम्नवत् गठन किया गया-

अध्यक्ष	-	प्राचार्य
परिषद् प्रभारी	-	डॉ. दीप्ति वाजपेयी
सह प्रभारी	-	डॉ. नीलम शर्मा
		कु. कनकलता
उपाध्यक्ष	-	कु. अंजलि नागर
सचिव	-	कु. रितु नागर
सह सचिव	-	कु. काजल नागर

महाविद्यालय के वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 4 अगस्त से ॑ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से शिक्षण कार्य प्रारम्भ हुआ। इस क्रम में छात्राओं के सम्मुख ॑ऑनलाइन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में आ रही समस्याओं का विभाग प्राध्यापिकाओं द्वारा निराकरण किया गया, साथ ही उन्हें ई-कन्टेन्ट, डिजिटल लाइब्रेरी के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई।

15 अगस्त को विभाग की छात्राओं ने “स्वतन्त्रता दिवस समारोह” के लाइव वेबकास्ट के माध्यम से समारोह में प्रतिभाग किया एवं “मेरा देश-मेरा गौरव” के भावों से परिपूर्ण हृदयाकर्षक पोस्टर विनिर्मित किए। कोरोना जागरूकता अभियान में प्रतिभाग करते हुए विभाग की छात्राओं ने अपने आस-पास के क्षेत्र वासियों को मास्क के उपयोग एवं हाथों की स्वच्छता तथा शारीरिक दूरी के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें सुरक्षित रहने हेतु जागरूक किया।

दिनांक 29 सितम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विषय में छात्राओं को जागरूक करने एवं उनकी जिज्ञासाओं के शमन हेतु संस्कृत विभाग में एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय था “नई शिक्षा नीति 2020 एक विमर्श”। प्राचार्य की अध्यक्षता में हुए इस वेबिनार में विभाग प्रभारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा संचालन करते हुए विषय प्रवर्तन किया गया। तत्पश्चात् डॉ. नीलम शर्मा एवं डॉ. कनकलता द्वारा विषयगत सारांभित जानकारी छात्राओं को उपलब्ध कराई गई। स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं ने उपर्युक्त वेबिनार में अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर वेबिनार को सार्थकता प्रदान की।

दिनांक 13 नवम्बर को पर्यावरण संरक्षण के पावन उद्देश्य से पटाखों रहित दीपावली को प्रोत्साहन देने हेतु विभाग में “शुभ दीपावली-पर्यावरण संरक्षित दीपावली” नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने की शपथ ली। छात्राओं ने “पटाखों को न कहिए-प्रकृति की मुस्कान सुरक्षित रखिए” का संदेश देने वाले प्रेरणादायी पोस्टर बनाए तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में छोटा किन्तु सराहनीय प्रयास किया।

कोरोना महामारी के कारण वर्तमान सत्र में बी० ए० ए० प्रथम वर्ष की छात्राओं के प्रवेश विलम्ब से होने के कारण दिनाँक 7 दिसम्बर एवं 7 जनवरी को क्रमशः स्नातक एवं स्नातकोत्तर की छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवप्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय के एकेडेमिक कैलेण्डर, ऑनलाइन शिक्षा की तकनीकियों एंव पाठ्यक्रम से सम्बन्धित व्यापक जानकारी प्रदान की गई।

दिनाँक 20 दिसम्बर को संस्कृत विभाग में ऑनलाइन माध्यम से शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें प्राध्यापकों द्वारा अभिभावकों को छात्राओं की प्रगति आख्या से परिचित कराया गया तथा उनकी जिज्ञासाओं का समुचित समाधान किया गया। वर्तमान परिस्थितियों में तनाव न लेते हुए किस प्रकार उन्हे इस महामारी से सुरक्षित रहना है तथा अध्ययन को बाधित नहीं होने देना है, इस विषय पर परिचर्चा करते हुए उन्हें तनाव मुक्त रहने के उपाय सुझाये गये।

दिनाँक 3 जनवरी को “संस्कृत की सार्वकालिक प्रासंगिकता” विषय पर प्रसार व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में बनारस विश्वविद्यालय के एसो. प्रो० डॉ. शरदिन्दु कुमार त्रिपाठी ने अपना प्रभावशाली उद्बोधन दिया एवं छात्राओं को संस्कृत विषय की छात्रा होने की गौरवानुभूति कराई।

दिनाँक 13 फरवरी को पुरातन छात्रा सम्मेलन का ऑनलाइन आयोजन किया गया, जिसमें पुरातन छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपने अनुभव साझा किए तथा अपने कैरियर की उन्नति का श्रेय विभाग प्राध्यापिकाओं को दिया। प्राध्यापिकाओं द्वारा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना व्यक्त की गई।

स्नातकोत्तर की छात्राओं में शोधप्रकर दृष्टि के विकास हेतु दिनाँक 20 फरवरी को एम. ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं के लिए “ऋग्वेद के प्रमुख संवाद सूक्त” तथा एम. ए. प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए दिनाँक 01 मार्च को “ईशावास्योपनिषद्” में निहित दार्शनिक तत्त्व” विषय पर विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्राओं ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। दिनाँक 13 मार्च को महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार (शिक्षा का वैशिक परिदृश्य तथा समग्र विकासः नई शिक्षा नीति के संदर्भ में) भी संस्कृत विभाग की छात्राओं ने डॉ. कनकलता द्वारा भी छात्राओं को तनाव मुक्त रहने तथा अध्ययन स्तर उन्नत बनाए रखने के गुरु प्रदान किए गये।

उपर्युक्त गतिविधियों के अतिरिक्त संस्कृत परिषद् के अन्तर्गत छात्राओं के लिए दो विभागीय प्रतियोगितायें भी आयोजित की गई। जिनके परिणाम निम्नवत रहे-

पोस्टर प्रतियोगिता-

कु. अंजलि नागर	-	एम. ए. II	-	प्रथम
कु. मीनाक्षी	-	एम. ए. I	-	द्वितीय
कु. रितु नागर	-	एम. ए. I	-	तृतीय

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता-

कु. अंजलि नागर	-	एम. ए. II	-	प्रथम
कु. नेहा भाटी	-	एम. ए. I	-	द्वितीय
कु. मीनाक्षी	-	एम. ए. I	-	तृतीय

संस्कृत विभाग के लिए यह अत्यन्त गर्व का विषय है कि विगत 3 वर्षों की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत विभाग की छात्रा कु. अपूर्वा ने 85.55 % अंक के साथ विश्वविद्यालय स्तर पर रजत पदक हासिल किया तथा महाविद्यालय स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा का पुरस्कार प्राप्त किया। छात्रा उपलब्धियों के क्रम में डॉ. दीप्ति वाजपेयी के निर्देशन में शोधरत छात्रा कु. मोनिका सिंघानिया ने U. G. C. नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की तथा उसे U. G. C. द्वारा स्कालरशिप भी प्रदान की गई। विभाग की एक और पुरातन छात्रा कु. मंजू नागर द्वारा भी संस्कृत विषय में नेट परीक्षा उत्तीर्ण की गई।

विभाग प्राध्यापकों की दृष्टि से भी यह सत्र निसंदेह उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा। डॉ. नीलम शर्मा एवं डॉ. कनकलता यादव को इस वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा शोध निर्देशिका के रूप में अनुमोदन प्रदान किया गया जिसके फलस्वरूप विभाग में और अधिक छात्राओं को शोध कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि अभी तक डॉ. दीप्ति वाजपेयी के निर्देशन में चार छात्राएं शोधकार्यरत हैं।

शासन द्वारा डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण कराकर उसमें ई-कंटेट अपलोड करने हेतु माह अक्टूबर को विद्यादान माह घोषित किया गया था तथा प्रत्येक विषय में सर्वाधिक ई-कंटेट अपलोड करने वाले प्रथम दो शिक्षकों को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई थी। इस क्रम में उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों में संस्कृत विषय में सर्वाधिक ई-कंटेट अपलोड करने हेतु संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नीलम शर्मा एवं डॉ. दीप्ति वाजपेयी को क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उपलब्धियों के क्रम में उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु गठित पाठ्यक्रम पुनः निर्माण समिति में डॉ. दीप्ति वाजपेयी संस्कृत सुपरवाइजर एवं डॉ. नीलम शर्मा विषय विशेषज्ञ के रूप में चयनित हुई हैं तथा पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उपलब्धियों की अगली कड़ी के रूप में शासन द्वारा संचालित रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट योजना के अन्तर्गत संस्कृत विभाग को डॉ. दीप्ति वाजपेयी के निर्देशन में “आरोग्यता एवं सतत् स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका” विषय पर एक लघु शोध परियोजना स्वीकृत हुई है, जिसके अन्तर्गत 25000/- का अनुदान प्राप्त हुआ है, जो विभाग के लिए गौरवपूर्ण विषय है।

किसी भी परिस्थिति में छात्राओं के चहुमुखी विकास एवं विभाग के उन्नयन की सम्भावनाओं से समझौता न करते हुए संस्कृत विभाग महाविद्यालय हित में अपना सर्वोत्तम प्रदान करने हेतु कठिबद्ध है तथा आगामी सत्रों में भी द्विगुणित उत्साह के साथ समस्त अपेक्षित कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है।

English Association

Dr. Sweta Singh
Head of Association

During the current session 2020-21, Dept. of English organized two competition at U. G. & P. G. level respectively Online quiz competition at U. G. level and essay competition bearing the topic “Role of the Technology in Education during COVID – 19 Pandemic” were conducted by the department. Following students were declared as Winners-

Online quiz competition – U. G. level

Ist Position – Ritika Rawat D/o Mr. Ramchandra Rawat – B. A. IInd

IInd Position – was held by 3 students-

Sunny Nagar D/o Mr. Rajendra Singh – B.A. IInd

Shivani Singh D/o Mr. Jawahar Singh – B.A. Ist

Komal Nagar D/o Mr. Vijay Pal – B.A. Ist

IIIrd Position – Bhumika D/o Mr. Mahesh Kumar – B.A. IInd

Essay Competition – P. G. level

Ist Position – Muskan Rajput D/o Mr. P. K. Rajput – M.A. IIIrd Sem

IInd Position – Aditi Singh Rajput D/o Mr. Abhay Singh – M.A. IIIrd Sem

IIIrd Position – Noreen D/o Mr. Aslam Singh – M.A. Ist Sem

राजनीति विज्ञान परिषद्

डॉ. ममता उपाध्याय
एसो. प्रो. रा. वि.

कोविड-19 महामारी को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार, राज्य सरकार, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए विभाग में ऑनलाइन एंव ॲफलाइन माध्यमों से शिक्षण एंव शिक्षणेत्र गतिविधियों का आयोजन शैक्षिक कैलेण्डर के अनुसार किया गया। विभाग के सभी प्राध्यापकों द्वारा 'जूम एप' के माध्यम से छात्राओं को 'Covid-19' के प्रति जागरूक करने हेतु जागरूकता कक्षाओं का संचालन कर 'आरोग्य सेतु' एंव 'आयुष कवच' ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया गया। छात्राओं ने बड़ी संख्या में आयुष मंत्रालय एंव अन्य विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों द्वारा आयोजित कोविड संबंधी 'किवज' प्रतियोगिता में भाग लिया। इसी क्रम में विभाग की छात्रा कु० अंजली 'MY NEP' ऑनलाइन किवज प्रतियोगिता एंव पैटिंग प्रतियोगिता में 26 व 29 सितंबर, 2020 को भागीदारी की। जैन विद्या शैक्षणिक संस्थान, उत्तर प्रदेश द्वारा 31 अक्टूबर, 2020 को आयोजित ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता में भी कु० अंजलि भाटी ने भागीदारी की। प्रतियोगिता का विषय 'राष्ट्रवाद एंव मानवतावाद' तथा आंतकवाद एंव 'नक्सलवाद राष्ट्रीय एकता में बाधक' था।

दिनांक 22 नवंबर, 2020 को विभाग की राजदूत छात्रा के नेतृत्व में एम. ए. की छात्राओं के एक समूह ने गाँव में कोरोना से बचाव हेतु किए जा रहे उपायों के विषय में एक सर्वेक्षण किया जिसमें तथ्यों का संग्रह अवलोकन एंव ऑनलाइन साक्षात्कार के माध्यम से किया गया। रिपोर्ट का प्रस्तुतिकरण डॉ. ममता उपाध्याय जिनके निर्देशन में उक्त कार्य किया गया, के समक्ष पी. पी. टी. के माध्यम से दिनांक 4 दिसंबर 2020 को किया गया। नवंबर माह में ही 26 नवंबर 2020 को डॉ. सीमा देवी के सौजन्य से 'संविधान दिवस' का आयोजन किया गया जिसमें संविधन के पालन की शपथ छात्राओं व प्राध्यापकों द्वारा ली गई। 10 दिसंबर, 2020 को डॉ. ममता उपाध्याय के सौजन्य से 'विश्व मानवाधिकार दिवस' का आयोजन किया गया, जिसमें 'Recover Better Stand up for Human Rights' की इस वर्ष की मानवाधिकार दिवस की थीम को ग्रहण करते हुए मानवाधिकार रक्षा की शपथ छात्राओं व प्राध्यापकों द्वारा ली गई। दिसंबर माह में ही डॉ. ममता उपाध्याय के सौजन्य से ऑनलाइन शिक्षक अभिभावक 21/01/2021 को प्रत्येक वर्ष की भाँति बैठक सम्पन्न हुई।

विभागीय परिषद का औपचारिक गठन किया गया, जिसमें विभाग के प्राध्यापकों के साथ विभाग की विभिन्न कक्षाओं की छात्राएं - कु. अंजलि भाटी, मोनिका, मनीषा, काजल (एम. ए.), अंजलि, कोमल, महक, आरती, सनी, काजल (बी. ए. II) अंजलि, आरती (बी. ए. III) सम्मिलित हैं। डॉ. सीमा देवी के सौजन्य से दिनांक 29/01/2021 को छात्राओं की निबंध एंव किवज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता का विषय 'कृषि कानून-2020, आलोचनात्मक मूल्यांकन' था। प्रतियोगिता में कु. अंजलि बी. ए. III, मोनिका बी. ए. II, पुत्री श्री धर्मपाल एंव कु. मोनिका II, पुत्री श्री गजेन्द्र ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एंव तृतीय स्थान प्राप्त किए। किवज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. मनीषा, एम. ए. I, ने प्राप्त किया। कोमल बी. ए. I, नेहा भाटी, एम. ए. I, दूसरे व तीसरे स्थान पर रही। 10/02/2021 को डॉ. सीमा देवी के सौजन्य से 'पुरातन छात्रा सम्मेलन' किया गया।

इस वर्ष विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि शोध छात्रा कु. दीपिका का उत्तर प्रदेश प्रशासनिक सेवा हेतु चयन हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार की ऑनलाइन डिजिटल लॉइब्रेरी में योगदान करते हुए डॉ. ममता उपाध्याय ने लगभग 200 ई-कंटेन निर्मित किए जिन्हें अपलोड करने की प्रक्रिया जारी है। डॉ. सीमा देवी द्वारा भी योगदान दिया गया।

दिनांक 25 जनवरी 2021 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विभाग की प्राध्यापक डॉ. सीमा देवी के सौजन्य से एक शपथ-ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'सभी मतदाता बनें-सशक्त, सतर्क, सुरक्षित, जागरूक' मतदाता दिवस की थीम के अनुरूप सभी प्राध्यापकों एंव छात्राओं ने शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर एक नुकङ्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया। 'जागरूक मतदाता' विषय पर एक निबंध, स्लोगन एंव पोस्टर प्रतियोगिता भी संपन्न करायी गई, जिसमें कु. मनीषा नागर, एम. ए. I, चाँदनी, एम. ए. I, ललिता, बी. ए. I, (स्लोगन) क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किए। निबंध प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं में कु. शालू, बी. ए. I, कोमल, एम. ए. I एंव निशा, बी. ए. I, सम्मिलित रहीं।

इतिहास परिषद्

डा० निधि रायज़ादा
परिषद् प्रभारी

छात्राओं में अतीत में हुई घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता, उत्सुकता, जागरूकता उत्पन्न करने हेतु महाविद्यालय का इतिहास विभाग निरन्तर प्रयत्नशील है। पठन-पाठन, अध्ययन-अध्यापन के माध्यम से छात्राएँ न केवल डिग्रियाँ प्राप्त करें बल्कि अपने सर्वांगीण

विकास के लक्ष्य को प्राप्त करें, यह ही एक शिक्षक का दायित्व भी है और कर्तव्य भी । छात्राओं में अंतर्निहित इन्हीं गुणों को उजागर करने हेतु महाविद्यालय के सभी विभागों में अनेक प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है ।

कोरोना महामारी के दृष्टिगत इस वर्ष छात्राओं हेतु इतिहास विभाग के प्राध्यापकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं के साथ-साथ शिक्षक-अभिभावक समागम, आपदा-प्रबंध, कोरोना महामारी से बचाव व उसकी रोकथाम के उपाय, गांवों व शहरों में जागरूकता अभियान आदि विषयों पर समय-समय पर परिचर्चाओं का आयोजन किया गया । इसके अतिरिक्त इतिहास विभाग की छात्राओं हेतु स्लोगन एंव निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, इन प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्नवत रहे-

स्लोगन प्रतियोगिता - (स्नातक कक्षाओं हेतु)

1.	कु० रीतिका रावत	पुत्री	श्री रामचन्द्र रावत,	बी० ए० II,	प्रथम
2.	कु० सनी नागर	पुत्री	श्री राजेन्द्र सिंह,	बी० ए० II,	द्वितीय
3.	कु० आरती	पुत्री	श्री राजेन्द्र सिंह,	बी० ए० II,	तृतीय

निबंध प्रतियोगिता - (स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु)

1.	कु० शिक्षा शर्मा	पुत्री	श्री जितेन्द्र कुमार,	एम० ए० I,	प्रथम
2.	कु० सोनिका	पुत्री	श्री वेदपाल,	एम० ए० II,	द्वितीय
3.	कु० फौजिया खान	पुत्री	श्री सफदर खान,	एम० ए० I,	तृतीय

उपर्युक्त सभी छात्राओं को इतिहास विभागीय परिषद् द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किये गये ।

शिक्षाशास्त्र परिषद

डॉ. सोनम शर्मा
परिषद् प्रभारी

शिक्षा मनष्य के नैसर्गिक गुणों को विकसित करने, व्यक्तित्व में समाहित करने की ओर अग्रसर करने की प्रक्रिया है । इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए केवल सैद्धान्तिक ज्ञान ही नहीं अपितु पाठ्यसहगामी क्रियाएँ भी आवश्यक होती हैं । समग्र व्यक्तित्व के विकास एवं व्यावहारिकता के साथ रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए पाठ्य सहगामी क्रियाएँ छात्राओं के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं । समग्र व्यक्तित्व विकास के इसी उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी शिक्षाशास्त्र परिषद् का गठन किया गया जो कि इस प्रकार है-

संरक्षक	-	प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ (प्राचार्या)
परिषद प्रभारी	-	डॉ. सोनम शर्मा
अध्यक्ष	-	कु. मीना शर्मा
सचिव	-	कु. फरहीन
कोषाध्यक्ष	-	कु. पायल
छात्र प्रतिनिधि	-	कु. सारिका, कु. अंजलि, कु. सपना

शिक्षाशास्त्र परिषद् के अंतर्गत 31-01-2021 को निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत हैं-

प्रथम पुरस्कार	-	कु. पायल पवार
द्वितीय पुरस्कार	-	कु. मीना शर्मा
तृतीय पुरस्कार	-	कु. ओँचल

विजयी छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 11 नवम्बर 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का भी ऑनलाइन आयोजन किया गया, जिसमें भारत के प्रथम शिक्षामंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आजाद के जीवन वृत्त एवं विचारों के बारे में प्रकाश डाला गया ।

कोरोना महामारी के समय में शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा विभिन्न ऑनलाइन माध्यम जैसे जूम, विभिन्न प्रकार की पी.पी.टी. और वाहटस् एप ग्रप द्वारा शिक्षण कार्य निरंतर जारी रहा । इसके अलावा तनाव रहित पढाई हेतु छात्राओं को प्रेरित किया गया । 5 मार्च 2021 को कौरेयर कांउसलिंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें शिक्षाशास्त्र विषय से सम्बन्धित विभिन्न परीक्षायें एवं रोजगार पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया ।

समाजशास्त्र परिषद्

डॉ० सुशीला

प्रभारी

समाजशास्त्र समाज का अध्ययन है। समाजशास्त्र अपनी विषय वस्तु एवं पद्धति के मामले में एक विस्तृत विषय है। मनुष्य जो भी कार्य करता है वह सामाजिक संरचना या सामाजिक गतिविधि की श्रेणी के अन्तर्गत सटीक बैठता है। परम्परागत रूप में इसने अपना ध्यान सामाजिक संपर्क, धर्म, संस्कृति एवं विचलन पर केन्द्रित किया है परन्तु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाजशास्त्र ने अपना ध्यान जैसे चिकित्सा, सैन्य व दंड संगठन, जन संपर्क और यहां तक कि वैज्ञानिक ज्ञान के निर्माण में सामाजिक गतिविधियों की भूमिका पर केन्द्रित किया है।

महाविद्यालय में समाजशास्त्र की स्थापना 1999 में स्नातक कक्षाओं के साथ प्रारम्भ हुआ तथा स्नातकोत्तर स्तर पर इस विषय में वर्ष 2007 में अध्यापन कार्यप्रारम्भ हुआ। सत्र 2020-21 में 20 अगस्त, 2020 को समाजशास्त्र परिषद का वार्षिक गठन किया गया। समाजशास्त्र विभाग छात्राओं की केवल सैद्धान्तिक शिक्षा पर ही नहीं अपितु छात्राओं को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करते हुए उन्हें रोजगार परक शिक्षा के प्रति भी जागरूकता बनाने का प्रयास करता है।

सत्र 2020-21 के अंतर्गत COVID-19 की नियमावली का पालन करते हुए स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाएं ऑनलाइन (जूम एप के माध्यम से) संचालित हुईं। साथ ही विभागीय स्तर ऑनलाइन शिक्षक - अभिभावक समागम का भी आयोजन किया गया। तथा

- सत्र 2020-21 के अंतर्गत विभागीय बैठकों का आयोजन भी जूम एप के माध्यम से ऑनलाइन के माध्यम से हुआ।
- विभागीय स्तर पर वेबिनार/सेमिनार (विभागीय सेमिनार) समाजशास्त्र विभाग की छात्राओं हेतु ऑनलाइन किया गया।
- सत्र 2020-21 के अंतर्गत विभागीय स्तर पर समाजशास्त्र परिषद् द्वारा निबन्ध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके परिणाम निम्नवत् रहे :-

निबन्ध प्रतियोगिता परिणाम (विषय : महिला सशक्तिकरण के विविध अंग)

प्रथम स्थान	:	साक्षी भाटी	पुत्री श्री रामचरण सिंह	एम.ए. प्रथम
द्वितीय स्थान	:	रश्मि यादव	पुत्री श्री मित्रपाल सिंह	बी.ए. द्वितीय
प्रथम स्थान	:	शीतल	पुत्री श्री खेमचन्द	बी.ए. तृतीय

पोस्टर प्रतियोगिता परिणाम

प्रथम स्थान	:	शीतल शर्मा	पुत्री श्री श्यामवीर शर्मा	बी.ए. द्वितीय
द्वितीय स्थान	:	अंजली सैनी	पुत्री श्री पुव्वारी सैनी	बी.ए. तृतीय
प्रथम स्थान	:	रश्मि यादव	पुत्री श्री मित्रपाल यादव	बी.ए. द्वितीय

शैक्षणिक सत्र 2020-21 के अंतर्गत एम. ए. समाजशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा दीपा सैनी पुत्री मंगत् सैनी रही, कु. दीपा सैनी ने 2000 अंकों में से कुल 1446 अंक प्राप्त कर (72.3%) समाजशास्त्र में सत्र 2020-21 में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

गृह विज्ञान परिषद्

डॉ० शिवानी वर्मा
प्रभारी

गृह विज्ञान विषय वह विज्ञान है जो कि घर एवं मानव विकास सम्बन्धी सभी क्षेत्रों के अध्ययन से गृह प्रबन्ध एवं स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देता है। महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध तीनों उपाधियों में छात्राएं अध्ययनरत हैं।

सत्र 2020-21 गृह विज्ञान परिषद् का गठन किया गया जो निम्नवत् है-

संरक्षिका	-	प्राचार्या डॉ. दिव्यानाथ
परिषद प्रभारी	-	डॉ शिवानी वर्मा
सह प्रभारी	-	श्रीमती शिल्पी
		श्रीमती माधुरी पाल
अध्यक्ष	-	कु. शिमाइला (एम.ए. द्वितीय वर्ष)
उपाध्यक्ष	-	कु. दुर्गेश (एम.ए. प्रथम वर्ष)
सचिव	-	कु. प्रवेश (बी.ए. तृतीय वर्ष)
कोषाध्यक्ष	-	कु. काजल शर्मा (बी.ए. द्वितीय वर्ष)
सदस्य	-	कु. ममता (बी.ए. प्रथम वर्ष)
		कु. गुड़डी (बी.ए. प्रथम वर्ष)

कोविड-19 महामारी को दृष्टिगत रखते हुए इस सत्र में अध्ययन-अध्यापन कार्य का प्रारम्भ वर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से Online कराया गया। सभी छात्राओं ने ऑनलाइन माध्यम से शिक्षण कार्य में बढ़ चढ़कर भाग लेकर सफल बनाया। हाँलाकि प्रारम्भ में छात्राओं को कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ा परन्तु विभाग की तीनों प्राध्यापिकाओं की तत्परता एवं संलग्नता के कारण छात्राओं तक माइक्रोसाफ्ट टीम ऐप एवं जूम ऐप के द्वारा ऑनलाइन शिक्षा पहुँचायी गई। विभाग के स्नातकोत्तर छात्राओं का प्रोजेक्ट का सर्वेक्षण भी ऑनलाइन गूगल फार्म के माध्यम से कराकर छात्राओं ने प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बनाये अपने हस्तनिर्मित उत्पाद अपने स्थानीय लोगों में विक्रय कर प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनायी जिसमें मुख्य उत्पाद अचार, पापड़, हस्तनिर्मित आभूषण इत्यादि थे।

सत्र का प्रारम्भ नवीन छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से छात्राएँ जुड़कर विभाग में अध्ययन-अध्यापन कार्य के अतिरिक्त अन्य शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों से अवगत हुईं।

दिनांक 01 सितम्बर 2020-07 सितम्बर 2020 तक गृहविज्ञान विभाग द्वारा ‘अन्तर्राष्ट्रीय पोषण सप्ताह’ आयोजित किया गया जिसमें पोस्टर, नारा लेखन एवं कविता लेखन प्रतियोगिताओं में विभाग की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। स्नातकोत्तर की छात्राओं ने अपने-अपने घरों से वीडियो बनाकर एवं एडिट कर एक लघु फिल्म का निर्माण किया जिसका शीर्षक था- “Helthy Food Vs Junk Food.” इस फिल्म के माध्यम से सन्तुलित आहार की भूमिका प्रदर्शित की गई। सप्ताह के अन्तिम दिन पोषण सप्ताह का समापन एक ऑनलाइन व्याख्यान द्वारा किया गया। इस ऑनलाइन व्याख्यान “How to stay Halthy” की मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती प्रियंका अग्रवाल द्वारा घर में प्रयुक्त होने वाले साधारण भोजन से किस प्रकार स्वस्थ रहा जा सकता है उसके बारे में उदाहरण सहित पूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्या महोदया डॉ० दिव्या नाथ द्वारा भी विषय पर प्रकाश डाला गया।

दिनांक 21-09-20 को छात्राओं हेतु प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ० नीलम सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, खरखौदा द्वारा गृहविज्ञान के रोजगार सम्बन्धी विविध आयामों की विस्तृत जानकारी दी गई।

दिनांक 18-12-2020 को विभाग में अभिभावक - शिक्षक समागम ऑनलाइन माध्यम द्वारा आयोजित किया गया। कोविड - 19 महामारी के चलते हुए शिक्षण सम्बन्धी विभिन्न मुद्रों पर अभिभावकों से चर्चा की गयी।

दिनांक 18-02-2021 को लिटरेरी माह के अन्तर्गत गृहविज्ञान विभाग द्वारा बुक फेस्ट एंव प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्राचार्य महोदया डॉ० दिव्या नाथ द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन रिबन काटकर किया गया। इस प्रदर्शनी में विभाग की छात्राओं ने अपने द्वारा बनाये गये पोषण विषय पर चार्ट एंव पोस्टर का प्रदर्शन किया एवं आहार नियोजन से सम्बन्धित पुस्तकों एवं फाइलों का प्रदर्शन किया।

गृहविज्ञान परिषद् के अन्तर्गत सत्र 2020-21 में निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् हैं -

1.	कलश सज्जा (28-01-21)		
प्रथम स्थान	-	कु. शिमाइला	(एम.ए. द्वितीय वर्ष)
द्वितीय स्थान	-	श्रामती दुर्गेश	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
तृतीय स्थान	-	कु. गुडडौ	(बी.ए. प्रथम वर्ष)
2.	हैंडीक्राफ्ट प्रतियोगिता (29-01-21)		
प्रथम स्थान	-	कु. प्रवेश	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
द्वितीय स्थान	-	कु. रेशमा	(एम.ए. द्वितीय वर्ष)
तृतीय स्थान	-	मौनाक्षी गुप्ता	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
तृतीय स्थान	-	श्रीमती दुर्गेश	(एम.ए. प्रथम वर्ष)

संगीत परिषद्

डा० बबली अरुण
प्रभारी

संगीत ब्रह्माण्ड में उपस्थित वह दिव्य शक्ति है, जिसके अधीन सम्पूर्ण सृष्टि जगत् की सम्पूर्ण क्रियाएँ पल्लवित होती हैं। संगीत न केवल मन को आनन्दित करता है वरन् यह भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सुन्दर साधन है। वर्तमान समय में युवा वर्ग बड़ी संख्या में संगीत को जीविकोपार्जन के रूप में अपना रहे हैं। संगीत साधना है। संगीत की सुन्दरता व गम्भीरता को ध्यान में रखते हुए वर्ष २०१३-१४ से यहाँ संगीत विषय के रूप में स्थापित हो चुका है और आज यहाँ स्नातक स्तर पर अनेकों छात्रायें अध्ययनरत् हैं।

छात्राओं के संर्वांगीण विकास हेतु सत्र 2020-2021 में दिनांक 11-01-2021 को संगीत विभाग में संगीत परिषद् का सर्व सम्मति से गठन किया गया जिसका विवरण निम्नवत् है।

संरक्षक	-	डा० दिव्या नाथ (प्राचार्य)
उपसंरक्षक	-	डा० बबली अरुण
अध्यक्ष	-	शीतल बी. ए. तृतीय
सचिव	-	हिमानी शर्मा बी. ए. तृतीय
कोषाध्यक्ष	-	विधि बी. ए. प्रथम

सत्र 2020 - 2021 में संगीत विभाग द्वारा दिनांक 30/01/2021 को एक शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता व एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अनेकों छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई। इन प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्नवत् रहे -

शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता परिणाम

क्रमं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	स्थान	कक्षा
1.	शीतल	श्री खेमचन्द	प्रथम	बी. ए. II
2.	हिमानी शर्मा	श्री सुरेश शर्मा	द्वितीय	बी. ए. II
3.	शिवानी नागर	श्री इन्द्रजीत नागर	तृतीय	बी. ए. III

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता परिणाम

क्रमं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	स्थान	कक्षा
4.	शीतल	श्री खेमचन्द	प्रथम	बी. ए. III
5.	हिमानी शर्मा	श्री सुरेश शर्मा	द्वितीय	बी. ए. II
6.	शिवानी नागर	श्री इन्द्रजीत नागर	तृतीय	बी. ए. III

विजयी छात्राओं को पुरस्कार वितरण समारोह में, पुरस्कार वितरित किए गये। विभागीय परिषद् प्रतियोगिता के अतिरिक्त सां० सांस्कृतिक समिति के माध्यम से महाविद्यालय स्तर पर एकल गायन प्रतियोगिता, समूह गायन प्रतियोगिता, एकल नृत्य प्रतियोगिता, समूह नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और विजयी छात्राओं को वार्षिक समारोह में पुरस्कृत किया गया।

संगीत विभाग द्वारा वर्ष भर महाविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय पर्वों 26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, वार्षिक क्रीड़ा, समारोह, राष्ट्रीय सेमिनार इत्यदि में आयोजित कार्यक्रमों में छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में उत्साहवर्धन स्वरूप समस्त प्रतिभागी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार वितरित किए गये।

चित्रकला परिषद्

डॉ. शालिनी तिवारी
प्रभारी

कला के द्वारा कलाकार सुनहरी और इन्द्रधनुषी आत्मा से स्वप्निल विचारों को साकार रूप देता है। कला में ऐसी शक्ति है कि वह स्वार्थ, धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा आदि संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठाकर ऐसे ऊँचे को स्थान पर पहुँचा देता है जहाँ मनुष्य केवल मनुष्य रह जाता है। कला के इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए तथा छात्राओं की नैसर्गिक क्षमताओं के विकास हेतु गतवर्षों की भाँति चित्रकला परिषद् का गठन किया गया जिसका विवरण इस प्रकार हैं :-

संरक्षक	-	डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्य)
परिषद् प्रभारी	-	श्रीमती शालिनी तिवारी
अध्यक्ष	-	शिवानी
उपाध्यक्ष	-	ओँचल
सचिव	-	आयशा
कोषाध्यक्ष	-	अलका
छात्रा प्रतिनिधि	-	पूजा, राधा, शालू

चित्रकला परिषद् द्वारा दिनांक 20-01-21 को “फ़ीलांस पेटिंग” प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवृत्त है -

प्रथम पुरस्कार - तनु, बी० ए० प्रथम

द्वितीय पुरस्कार - तनु, बी० ए० प्रथम

तृतीय पुरस्कार - श्वेता, बी० ए० प्रथम

सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रमों की श्रृंखला में चित्रकला विभाग द्वारा “सड़क सुरक्षा” शीर्षक पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 15-02-21 को “फाईन आर्ट्स समिट” का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत छात्राओं ने वॉल पेटिंग के द्वारा नारी सशक्तिकरण, साक्षरता, स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों को भित्ति पर कलात्मक अभिव्यक्ति दी। चित्रकला प्रदर्शनी अभिव्यक्ति का दिनांक 03-03-21 को आयोजन किया गया, जिसमें जीवन व प्रकृति के विभिन्न रूपों को विभिन्न कला माध्यमों द्वारा अभिव्यक्ति दी गई।

अर्थशास्त्र परिषद्

श्रीमती भावना यादव
प्रभारी

व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए तथा जीवन में सफलता के उच्च शिखर तक पहुँचने के लिये प्रत्येक विद्यार्थी को अपने अध्ययन के अलावा सम-सामयिक गतिविधियों में सहभागिता करना आवश्यक है। शिक्षणेतर गतिविधियों से जहाँ उनका रुक्षान सामाजिक - विषयों के प्रति बढ़ता है वहीं उन्हे एक ऐसा मंच भी उपलब्ध होता है जिससे वे अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकें। इसी ध्येय की प्राप्ति हेतु प्रतिवर्ष विभाग द्वारा विभागीय परिषद् का गठन किया जाता है एवं परिषद् के तत्वाधान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

सत्र 2020-21 में अर्थशास्त्र परिषद् का गठन किया गया एवं परिषद् के तत्वाधान में छात्राओं को विचारों की अभिव्यक्ति में सक्षम बनाने हेतु एवं वर्तमान COVID-19 के परिप्रेक्ष्य द्वारा उत्पन्न अर्थव्यवस्था पर प्रभाव के दृष्टिगत “COVID-19” का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव” विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम, द्वितीय एंव तृतीय स्थान प्राप्त छात्राएं निम्नवृत्त रहीं :

प्रथम स्थान शिवानी बी० ए० तृतीय

द्वितीय स्थान नेहा बी० ए० प्रथम

तृतीय स्थान चंचल बी० ए० प्रथम

अर्थशास्त्र परिषद् द्वारा “ग्रामीण बेरोज़गारी की समस्या एवं समाधान” विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें स्थान प्राप्त छात्राएं निम्नवृत्त रहीं :

प्रथम स्थान अंजली सैनी बी० ए० द्वितीय

द्वितीय स्थान रीमा नागर एम० ए० प्रथम

तृतीय स्थान ज्योति वर्मा बी० ए० द्वितीय

सभी प्रथम, द्वितीय एंव तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को परिषद् द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया।

शारीरिक शिक्षा विभाग

डॉ० धीरज कुमार
प्रभारी

कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर गौतमबुद्ध नगर के शिक्षा विभाग में शैक्षिक सत्र 2020-21 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के निर्देशनुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। सत्र के प्रारम्भ में माननीय मुख्यमन्त्री उ० प्र० के निर्देशनुसार छात्रों को ऑनलाइन करारे का प्रशिक्षण दिया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग ने अन्तर विभागीय प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया। महाविद्यालय की क़ीड़ा परिषद् के सौजन्य से दो दिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिता दिनांक 23 व 24 फरवरी 2021 को सम्पन्न करायी गयी। इस अवसर पर डॉ० महावीर, चेयरमैन टेम्पल ग्रुप ऑफ इन्सटिट्यूशन को मुख्य अतिथि के रूप में क़ीड़ा समारोह में उपस्थित हुए। क़ीड़ा समारोह के द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि डॉ० डी० एन० शर्मा नेचुरोपैथी के द्वारा विजेता छात्रों को पुरस्कार वितरित कराए गये। दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव में निम्नलिखित प्रतियोगिताएं सम्पन्न करायी गयीं जिनके निम्नवत रहे-

1. 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता -

क्र०	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	ज्योति चौधरी	बी० ए० प्रथम वर्ष	प्रथम
2	शिप्रा तोमर	बी० एस सी० प्रथम वर्ष	द्वितीय
3	पिंकी	बी० ए० प्रथम वर्ष	तृतीय

2. गोला प्रक्षेपण प्रतियोगिता -

क्र०	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	कोमल	एम० ए० प्रथम वर्ष	प्रथम
2	प्रिया	बी० एड० प्रथम वर्ष	द्वितीय
3	मुस्कान नागर	बी० ए० प्रथम वर्ष	तृतीय

3. लम्बी कूद -

क्र०	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	अंजली तोमर	बी० ए० तृतीय वर्ष	प्रथम
2	सपना नागर	बी० कॉम० प्रथम वर्ष	द्वितीय
3	ज्योति चौधरी	बी० ए० द्वितीय वर्ष	तृतीय

4. रस्सी कूद -

क्र०	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	श्रुति	बी० ए० प्रथम वर्ष	प्रथम
2	सोनिया	बी० ए० प्रथम वर्ष	द्वितीय
3	अवना पनवर	एम० ए० प्रथम वर्ष	तृतीय

झानाज्ञालि

5. स्मूजिकल चेयर -

क्र०	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	इन्दू शर्मा	बी० ए० प्रथम वर्ष	प्रथम
2	नीशू विकल	बी० कॉम० प्रथम वर्ष	द्वितीय
3	शालू	एम० ए० प्रथम वर्ष	तृतीय

6. भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता -

क्र०	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	निधि	बी० ए० द्वितीय वर्ष	प्रथम
2	शिवांगी	बी० एड० द्वितीय वर्ष	द्वितीय
3	मुस्कान	बी० ए० द्वितीय वर्ष	तृतीय

7. चक्का प्रक्षेपण प्रतियोगिता -

क्र०	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	कोमल	एम० ए० प्रथम वर्ष	प्रथम
2	प्रियंका	बी० एड० प्रथम वर्ष	द्वितीय
3	मुस्कान	बी० ए० द्वितीय वर्ष	तृतीय

8. ऊँची कूद प्रतियोगिता -

क्र०	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	पूनम	बी० ए० तृतीय वर्ष	प्रथम
2	प्राची	बी० ए० तृतीय वर्ष	द्वितीय
3	निधि	बी० ए० द्वितीय वर्ष	तृतीय

9. ऊँची कूद प्रतियोगिता -

क्र०	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	शीतल	बी० ए० तृतीय वर्ष	प्रथम
2	इन्दू	बी० एस सी० द्वितीय वर्ष	द्वितीय
3	प्रीति सिंह	बी० कॉम० तृतीय वर्ष	तृतीय

महाविद्यालय छात्रा चैम्पियन का पुरस्कार, ज्योति चौधरी, पुत्री श्री शिवराज सिंह बी० ए० प्रथम वर्ष को प्रदान किया गया ।

शिक्षक शिक्षा परिषद्

डॉ. रतन सिंह
प्रभारी

शिक्षा जगत में प्रारंभिक से उच्च स्तर तक शिक्षा का सार्वजनिकीकरण, शैक्षिक प्रौद्योगिकी के बदलते प्रयोग, नवाचार जैसे आयोजन नें शिक्षक की भूमिका को पूर्व की तुलना में जटिल एवं चुनौतीपूर्ण बना दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ‘शिक्षक शिक्षा’ को आधारभूत माना है। महाविद्यालय में स्थापित “शिक्षक शिक्षा विभाग” शिक्षा के उन्नयन द्वारा भावी शिक्षकों के कौशल विकास हेतु निरन्तर प्रयासरत है। वर्तमान समय में सम्पूर्ण विश्व कोरोना से प्रभावित है, इससे शिक्षा जगत भी अछूता नहीं रहा है। कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने हेतु सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों को सरकार द्वारा बन्द कर दिया गया, इस विषम परिस्थिति से निपटने हेतु महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन शिक्षण को विकल्प के रूप में चुना गया। शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा भी आनलाइन कक्षाओं का सुचारू एवं सफल संचालन किया गया।

महाविद्यालय में गत वर्षों की भाँति सत्र 2020-21 में भी प्राचार्य महोदय के संरक्षण में ‘शिक्षक-शिक्षा परिषद्’ का गठन किया गया।

संरक्षक	-	प्रो.(डॉ.) दिव्या नाथ (प्राचार्य)
प्रभारी	-	डॉ. रतन सिंह
अध्यक्ष	-	प्रिया-बी.एड. द्वितीय वर्ष
उपाध्यक्ष	-	ज्योति द्विवेदी-बी-एड-द्वितीय वर्ष
सचिव	-	संयोगिता प्रसून-बी. एड प्रथम वर्ष
कोषाध्यक्ष	-	रोशनी बी.एड. प्रथम वर्ष
छात्रा प्रतिनिधि	-	रोजी आज़मी-बी.एड. प्रथम वर्ष
		ममता वर्मा-बी.एड. प्रथम वर्ष
		साधना यादव-बी.एड. द्वितीय वर्ष

सत्र 2020-21 में विभागीय परिषद् शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं द्वारा उत्साहीक प्रतिभाग किया गया।

दिनांक 29.01.2021 को विभागीय परिषद द्वारा ‘सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका परिणाम निम्नवत रहा-

प्रथम पुरस्कार	-	कु. रेखा पुत्री	श्री करणपाल-बी.एड.	प्रथम वर्ष
द्वितीय पुरस्कार	-	कु. प्रिया दुबे पुत्री	श्री राकेश दुबे-बी.एड.	प्रथम वर्ष
तृतीय पुरस्कार	-	कु. ममता वर्मा पुत्री	श्री नागेन्द्र वर्मा-बी.एड.	प्रथम वर्ष

दिनांक-29.01.2021 को ही “ऑनलाइन शिक्षा की प्रासंगिकता:- शिक्षक शिक्षा के संदर्भ में ” विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका परिणाम निम्नवत रहा-

प्रथम पुरस्कार	-	कु. प्रिया दुबे पुत्री	श्री राकेश दुबे-बी.एड. प्रथम वर्ष
द्वितीय पुरस्कार	-	कु. रोजी आज़मी पुत्री	श्री नियाउद्धीन-बी.एड. प्रथम वर्ष
तृतीय पुरस्कार	-	कु. शिखा पाण्डे पुत्री	श्री जितेन्द्र पाण्डे-बी.एड. प्रथम वर्ष

इसी क्रम में 30.01.2021 को JAM (just a Minute Round) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका परिणाम निम्नवत रहा-

प्रथम पुरस्कार	-	कु. शिखा पाण्डे पुत्री	श्री जितेन्द्र पाण्डे-बी.एड. प्रथम वर्ष
द्वितीय पुरस्कार	-	कु. प्रिया पुत्री	श्री उपकार सिंह-बी.एड प्रथम वर्ष
तृतीय पुरस्कार	-	कु. यशिका शर्मा पुत्री	श्री बी.डी शर्मा-बी.एड. प्रथम वर्ष

उपरोक्त विभागीय परिषद् प्रतियोगिताओं में विजेता छात्राओं को दिनांक 02.03.2021 को विभागीय परिषद् द्वारा पुरस्कृत किया गया।

Geography Association

Lt. (Dr.) Meenakshi Lohani
Incharge

The year 2020 has been exceptional year of turbulence, with a pandemic raging over the world, we managed to keep relatively balanced.

The Geography Department managed to switch to distance/ online teaching faster than we ever thought was possible. All Faculty members developed E-content based on the 4 quadrant approach and uploaded it on the e-library portal of U.P. Government.

The faculty of the Department was actively engaged in teaching and research activities. In this difficult and strange situation we succeeded in doing a great job through Team app/ Zoom App. Classroom teaching is reinforced by project work, field trips and seminars. Under the local excursion, the Department visited Badalpur Village for a Socio Economic Survey with the PG and U G students.

Department has received one major research project grant funded by Higher Education Department, Government of Uttar Pradesh for a Period of 3 years from 2020 to 2023. Four scholars are pursuing their Research under the supervision of Lt. (Dr.) Meenakshi Lohani.

Ground Water Week was observed in the month of July. Throughout the week, various programmes were organised for creating awareness for Ground Water conservation from 16th to 22nd July 2020. A lecture series was organised in which Dr. Meenakshi Lohani delivered a lecture on “Bhoojal Aaj our Kal” on 17th July, Dr. Kanak Kumar gave lecture on “Jal hai to Kal” on 18th July, Dr. Nisha Yadav delivered a lecture on “Declining Ground Water Problem and Solutions” on 19th July 2020. Awareness Rallies and plantation drive were organized 20th and 21st July 2020. A Poster Competition on “ground Water Conservation” was organized on 22nd July 2020. The Department also organized an online lecture entitled “Ozone Layer & Role of man on Sep. 2020 by Mr. Kanak Kumar.

Km. Jyoti Nagar Scored 84.55% and secured 4th place in the CCS M. A. Geography Highest marks Merit List.

Various competitions were organized in the department throughout the year and the result were as follows :

Poster Competition :

First Position	:	Nidhi Sharma	D/O	Ashok Sharma
Second Position	:	Poonam Yadav	D/O	Santram Yadav
Third Position	:	Nikita Nagar	D/O	Sanjay Nagar
		Surbhi Nagar	D/O	Mathan Singh

Quiz Competition :

First Position	:	Kajal Nagar	D/O	Tejpal Nagar (BAIII)
Second Position	:	Sristi Rawal	D/O	Sanjay Rawal (BAII)
Third Position	:	Antima Tonger	D/O	Kuldeep Nagar (BAI)
Third Position	:	Komal	D/O	Satveer (BAI)

Best Out Waste Competition :

First Position	:	Jubi	D/O	Ikramuddin
Second Position	:	Komal	D/O	Susheel
Third Position	:	Puja	D/O	Dhoom Singh
Third Position	:	Soni Nagar	D/O	Jaiveer

Best Presentation Competition :

First Position	:	Poonam Yadav	D/O	Santram Yadav
Second Position	:	Pooja	D/O	Dhoom Singh
Third Position	:	Bhawna Kasana	D/O	Sukhveer
Third Position	:	Nidhi Sharma	D/O	Ashok Sharma

I thank all for making the strange 2020 yet another successful year and hope for a return to a sustainable and healthy normality next year for all of us.

वाणिज्य परिषद्

डॉ० अरविन्द कुमार यादव
प्रभारी

छात्राओं के समुचित विकास एवं ज्ञान संवर्धन हेतु हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी वाणिज्य परिषद् का गठन किया गया । जिसका विवरण निम्नवत् है :-

संरक्षक	-	डॉ० दिव्या नाथ (प्राचार्य)
विभागीय प्रभारी	-	डॉ० अरविन्द कुमार यादव
परिषद् समन्वयक	-	डॉ० मणि अरोड़ा
उपाध्यक्ष	-	भावना कुशवाहा, बी.कॉम.तृतीय वर्ष
सह-उपाध्यक्ष	-	नेहा गुप्ता, बी.कॉम.द्वितीय वर्ष
सचिव	-	निकिता, बी.कॉम.तृतीय वर्ष
कोषाध्यक्ष	-	काजल वर्मा, बी.कॉम.द्वितीय वर्ष
प्रचार मंत्री	-	सपना नागर, बी.कॉम.प्रथम वर्ष

परिषदीय प्रतियोगिताओं के तत्वाधान में एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसका विषय था “नयी शिक्षा नीति से भारतीय छात्राओं की उम्मीदें” । प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत रहे-

प्रथम पुरस्कार	-	कनिका शर्मा, बी.कॉम.प्रथम वर्ष
द्वितीय पुरस्कार	-	जेबा, बी.कॉम.प्रथम वर्ष
तृतीय पुरस्कार	-	नेहा गुप्ता, बी.कॉम.प्रथम वर्ष

छात्राओं की कैरियर सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण हेतु विश्वेशरैया ग्रुप से अजय गुप्ता ने व्याख्यान दिया । उन्होने सभी छात्राओं को विभिन्न आयामों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की । छात्राओं ने भी अपनी समस्याओं के बारे में उनसे प्रश्न पूछे ।

कोरोना के दृष्टिगत संकाय में इस बार वेबिनार (Online) का आयोजन किया गया । वेबिनार का विषय था “बदलते परिवेश में शिक्षा के नए आयाम” इस वेबिनार में सभी छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया एवं स्वतंत्र रूप से अपने विचार व्यक्त किए । वेबिनार के माध्यम से सभी छात्राओं ने विस्तृत जानकारी प्रदान की ।

विज्ञान परिषद्

डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा
प्रभारी

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विज्ञान संकाय के संयुक्त तत्वाधान में परिषद का गठन 23 जनवरी, 2021 को किया गया। विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों की उपस्थिति में अध्यक्ष पद पर कुमारी अलिश्वा पुत्री मो० इरशाय अली (एम.एस.सी. द्वितीय वर्ष जंतु विज्ञान) का चयन हुआ।

उपाध्यक्ष के पद पर बी.एस.सी. तृतीय वर्ष कु० सुषमा शर्मा पुत्री श्री भगवत शर्मा का चयन किया गया। सचिव के पद पर बी.एस.सी. तृतीय वर्ष की कु० वर्षा पुत्री सीताराम का चयन किया गया। कोषाध्यक्ष के पद पर एम.एस.सी. प्रथम जंतु विज्ञान से सोपर पुत्री श्री गुरुचरण सिंह व बी.एस.सी. तृतीय बायो० से कु० ज्योति कोचर पुत्री श्री योगेन्द्र कोचर का चयन किया गया। इसके साथ ही प्रत्येक कक्षा का कक्षा प्रतिनिधि का चयन भी किया गया। तत्पश्चात् विभिन्न विभागों के सौजन्य से विभागीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। वनस्पति विज्ञान विभागीय परिषद के अन्तर्गत एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं का विवरण निम्न है-

प्रथम स्थान	-	कु० रिया पवार	पुत्री	श्री रत्नपाल सिंह	बी.एस.सी प्रथम
द्वितीय स्थान	-	कु० सिमरन नागर	पुत्री	श्री नागेश नागर	बी.एस.सी द्वितीय
तृतीय स्थान	-	कु० ज्योति तोमर	पुत्री	श्री योगेन्द्र तोमर	बी.एस.सी तृतीय

जन्तु विज्ञान विभागीय परिषद के अन्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर दिनांक 08-02-21 को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् रहे।

प्रथम स्थान	-	कु० कल्पना शिशोदिया	पुत्री	श्री प्रमोद शिशोदिया	एम.एस.सी तृतीय Sem
द्वितीय स्थान	-	कु० ज्योति शर्मा	पुत्री	श्री उमेश शर्मा	एम.एस.सी प्रथम Sem
तृतीय स्थान	-	कु० संचिता चौहान	पुत्री	श्री लोकेश चौहान	एम.एस.सी प्रथम Sem

स्नातक स्तर पर आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया 10-02-21 जिसका परिणाम निम्नवत् है-

प्रथम स्थान	-	कु० कनिका शर्मा	पुत्री	श्री सुरेन्द्र शर्मा	बी.एस.सी प्रथम
द्वितीय स्थान	-	कु० खुशी सैनी	पुत्री	श्री हरीश चन्द्र सैनी	बी.एस.सी प्रथम
तृतीय स्थान	-	कु० साक्षी शर्मा	पुत्री	श्री अनिल कुमार शर्मा	बी.एस.सी प्रथम

भौतिक विज्ञान विभागीय परिषद के अन्तर्गत दिनांक 2-2-2021 को आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का परिणाम निम्नवत् रहा-

प्रथम स्थान	-	कु० अंजलि शर्मा	पुत्री	श्री देवदत्त शर्मा	बी.एस.सी.बी.सी (Maths)
द्वितीय स्थान	-	कु० साक्षी शर्मा	पुत्री	श्री अनिल कुमार शर्मा	बी.एस.सी प्रथम (Bio)
तृतीय स्थान	-	कु० नेहा सैनी	पुत्री	श्री सुनील कुमार	बी.एस.सी प्रथम (Math)

रसायन विज्ञान विभागीय परिषद के अन्तर्गत दिनांक 4-02-2021 को आयोजित विज्ञ प्रतियोगिता का परिणाम निम्नवत् रहा-

प्रथम स्थान	-	कु० मोनिका पाल	पुत्री	श्री देवेन्द्र सिंह	बी.एस.सी तृतीय
द्वितीय स्थान	-	कु० दीपांशी शर्मा	पुत्री	श्री आशीष शर्मा	बी.एस.सी प्रथम
तृतीय स्थान	-	कु० ज्योति तोमर	पुत्री	श्री योगेन्द्र तोमर	बी.एस.सी तृतीय

इसके अतिरिक्त विज्ञान परिषद के अन्तर्गत 18 सितम्बर को “ओजोन डे” ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डा० अश्विनी कुमार गोयल ने ओजोन क्षरण के कारण और उसके निवारण पर अपने विचार प्रस्तुत किये-

दिनांक 22 दिसंबर, 2020 को महान गणितज्ञ श्री निवासरामानुजन के जन्मदिवस पर “राष्ट्रीय गणित दिवस” के उपलब्ध में एक ऑनलाइन विज्ञ का आयोजन किया गया जिसका परिणाम निम्नवत् रहा-

प्रथम स्थान	-	कु० आकांशा त्यागी	पुत्री	श्री पवन त्यागी	बी.एस.सी प्रथम
द्वितीय स्थान	-	कु० श्रुति गर्ग	पुत्री	श्री नवीन कुमार	बी.एस.सी द्वितीय
तृतीय स्थान	-	कु० तनु शर्मा	पुत्री	श्री संजय दत्त शर्मा	बी.एस.सी द्वितीय

उपरोक्त सभी छात्राओं को विभागीय परिषद समारोह में पुरस्कार प्रदान किए गए। 28 फरवरी को विज्ञान परिषद के अन्तर्गत विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका परिणाम निम्नवत् रहा-

प्रथम पुरस्कार	-	कु० शिक्षा रानी	पुत्री	श्री सतेन्द्र सिंह	बी.एस.सी द्वितीय
द्वितीय पुरस्कार	-	कु० प्रिया नागर	पुत्री	श्री विनोद नागर	एम.एस.सी प्रथम
तृतीय पुरस्कार	-	कु० शिवानी चावला	पुत्री	श्री मुखराम चावला	एम.एस.सी प्रथम

राष्ट्रीय सेवा योजना (प्रथम इकाई)

डॉ. विनीता सिंह
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक केन्द्रीय योजना है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों में व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति कर्तव्य एवं सामुदायिक सेवा की भावना का विकास करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना महात्मा गांधी जी के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में शुरू की गई थी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है—“Not me but you” अर्थात् “मुझको नहीं तुमको”। इस motto का अर्थ है—स्वयं से पहले समुदाय की सेवा, बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की सहायता करना।

इसी भावना से प्रेरित होकर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के अंतर्गत युवा वर्ग को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना जागृत करना है जिसके लिए नियमित एवं विशेष शिविर की विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती है। छात्राओं में सामाजिक चेतना, व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं एकता की भावना विकसित की जाती है। प्रत्येक स्वयंसेवी छात्रा को सामुदायिक सेवा के लिए 2 वर्षों में 240 घंटे कार्य करना होता है एवं प्रत्येक वर्ष एक बार विशेष शिविर में सहभागिता करनी होती है।

कोविड-19 महामारी के प्रति सचेत रहते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं ने अपने कर्तव्य को निभाते हुए सक्रिय भूमिका निभाई और ना केवल अपने आस पास के क्षेत्रों में अपितु फेसबुक, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के माध्यम से समस्त देशवासियों को जागरूक किया तथा लगभग ढाई हज़ार मास्क का निर्माण करके ग्रामीण क्षेत्रों में वितरण किया। यूनिसेफ और उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा IGOT द्वारा प्रशिक्षण कार्य को पूरा किया एवं प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

21 जून 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया इस दिवस पर छात्राओं को योग का महत्व एवं विभिन्न आसनों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। 5 जुलाई 2020 को वन महोत्सव के क्रम में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। जहां उत्तर प्रदेश शासन निर्देश के अनुपालन में जनपद गौतम बुध नगर में वृक्षारोपण संरक्षण एवं संवर्धन का लक्ष्य दिया गया था। इस हेतु महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन में इस लक्ष्य की भली भाँति पूर्ण किया गया।

2 अक्टूबर 2020 को महात्मा गांधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में प्राचार्य एवं अन्य प्राध्यापकों द्वारा पौधारोपण किया गया।

15 अक्टूबर 2020 को विश्व हाथ धुलाई दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में महाविद्यालय में छात्राओं को हाथ धोने की सप्तपदी विधि से अवगत कराया गया तथा महाविद्यालय प्राचार्य ने वैशिक महामारी के परिप्रेक्ष में सामाजिक दूरी के नियम, मास्क की अनिवार्यता एवं हाथों की स्वच्छता को जीवन मूल्य बनाने हेतु अभिप्रैरित किया। इस अवसर पर संस्था में साबुत दान-पात्र की स्थापना भी की गई एवं पोस्टर प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशनसुरक्षा महिला सुरक्षा सम्मान हेतु 17 अक्टूबर 2020 से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महाविद्यालय मिशन शक्ति टीम के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न कायक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत महिला सुरक्षा, लैंगिक विषमता महिलाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराध, स्वास्थ्य पोषण आदि के संबंध में विभिन्न विशेषज्ञों के बौद्धिक व्याख्यान, आन्तसुरक्षा की तकनीकी से परिचित कराते हुए मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त स्वयंसेवी छात्राओं ने घर-घर जाकर योजना का विस्तृत रूप से प्रचार-प्रसार भी किया।

1 दिसंबर 2020 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता पोस्टर प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विजयी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में पुरस्कृत भी किया गया।

राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव 2021 के अवसर पर प्रथम इकाई की 10 स्वयंसेवी छात्राओं ने ३० नवं लाइन माध्यम से 26 दिसंबर 2020 को भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें चयनित छात्राओं ने 28 दिसंबर को निर्धारित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए एवं उनके प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन पत्र प्रदान किया गया।

21 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक आयोजित सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 31 जनवरी, 4 फरवरी एवं 7 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं ने महाविद्यालय प्रांगण से ग्राम बादलपुर, सादौपुर एवं नेशनल हाईवे 91 तक सड़क

सुरक्षा रैली निकाल कर ग्रामवासियों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया और हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वाहन धीमी गति से चलाने, मोबाइल फोन का प्रयोग वाहन चलाते समय ना करने का अनुरोध किया।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 24 से 26 जनवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें रैली और पैम्पलेट के द्वारा उत्तर प्रदेश में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में ग्रामवासियों को परिचित कराया गया एवं उत्तर प्रदेश की लोक संस्कृति लोकनाट्य एवं लोकनृत्य आदि के द्वारा उत्तर प्रदेश की गौरवशाली परंपरा से परिचय कराया गया।

16 फरवरी 2021 को राजा-महाराजा सुहेलदेव जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं ने गौतमबुध नगर जनपद की तहसील दादरी नोएडा और गांजियाबाद के शहीद स्थल पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। तत्पश्चात महाराज सुहेलदेव के बलिदान एवं शौर्य से परिचय कराते हुए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

18 फरवरी 2021 को समस्त स्वयंसेवी छात्राओं ने ऑनलाइन सड़क सुरक्षा कार्यशाला में प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम के अंत में सड़क सुरक्षा से संबंधित विवरण में भी प्रतिभाग करते हुए सर्टिफिकेट प्राप्त किए।

27 फरवरी 2021 से 8 मार्च तक अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। चौरी-चौरा शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम इकाई द्वारा चौरी-चौरा कांड एवं असहयोग आंदोलन से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रतिमाह किया जा रहा है।

‘मुस्कुराएगा इंडिया’ अभियान के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता हेतु स्वयंसेवी छात्राओं ने मुस्कुराएगा इंडिया स्वयंसेवक सर्वे प्रश्नावली के माध्यम से सर्वेक्षण में भाग लिया एवं इसके अंतर्गत चयनित एवं सभी छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा एवं उनके कार्य के आधार पर उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम इकाई के 4 एक दिवसीय शिविर दिनांक 08.01.21, 18.01.21, 21.01.21 एवं 23.02.21 तथा विशेष शिविर का आयोजन 22.01.21 से 28.01.21 किया गया। एक दिवसीय शिविर में स्वयंसेवी छात्राओं ने विभिन्न सामाजिक कार्यों में श्रमदान दिया। इन शिविरों के माध्यम से अधिकृत क्षेत्र डेरी मच्छा एवं महाविद्यालय क्षेत्र बादलपुर में सक्षरता, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग रोकना, सड़क सुरक्षा अभियान, मतदाता जागरूकता, कोविड-19 महामारी के संबंध में जागरूकता, टीकाकरण, पर्यावरण संरक्षण इत्यादि विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम किए गए। छात्राओं में रचनात्मक एवं सृजनात्मक विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

सत्र 2020-21 में 50 स्वयंसेवी छात्राओं के विशेष शिविर के आयोजन 22 जनवरी 2021 से 28 जनवरी 2021 तक अधिकृत ग्राम डेरी मच्छा में आयोजित किया गया। शिविर को प्रतिदिन तीन सत्रों में विभाजित किया गया। प्रथम सत्र में ग्राम डेरी मच्छा में स्वच्छता मतदान, स्वास्थ्य शिविर, मास्क वितरण, शिक्षा, आपदा प्रबंधन, योगाभ्यास इत्यादि विषय पर कार्य किए गए एवं रैली का आयोजन किया गया। तत्पश्चात भोजन अवकाश के उपरांत बौद्धिक सत्र आयोजित हुआ। तृतीय सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

दिनांक 22 जनवरी 2021 को सेवा योजना की प्रथम इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ ने रिबन काटकर एवं मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभांग बनाया। मुख्य अतिथि के स्वागत के उपरांत इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ विनीता सिंह द्वारा शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ ने अपने उद्घोषन में शिविरार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष महत्व को समझाते हुए समाज सेवा एवं राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना एक पुनीत योजना है इसका नारा मैं नहीं तुम अर्थात् इसमें स्वयं से ज्यादा समाज कल्याण की भावना निहित है। साथ ही उन्होंने कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत सुरक्षात्मक उपाय अपनाते हुए शिविर के संचालन का निर्देश दिया। शिविर के द्वितीय सत्र में डॉ. अर्चना सिंह एवं डॉ. दीपि वाजपेयी द्वारा दोनों इकाइयों को सामूहिक रूप से स्वयंसेवी छात्राओं की राष्ट्रनिर्माण में भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त श्रीमती शिल्पी द्वारा समस्त छात्राओं को शिविर के लक्ष्य एवं उद्देश्य से परिचित कराते हुए विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया। तृतीय सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं ने अपने अधिग्रहित ग्राम का सर्वेक्षण कर गांव की समस्याओं की जानकारी एकत्रित की।

दिनांक 23 जनवरी 2021 को ग्राम डेरी मच्छा में अंबुजा सीमेंट फाउडेशन दादरी के कौशल एवं उद्यमिता विकास प्रशिक्षण केंद्र से आए प्रेम किशोर उपाध्याय श्रीमती प्रिया गुप्ता एवं नेहा बोरा ने स्वयंसेवी छात्राओं को उनके द्वारा आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान

करते हुए चलाए जाने वाले विभिन्न कोर्सों की विस्तृत जानकारी दी। इसमें कंप्यूटर एवं हार्डवेयर ट्रेडिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, रिटेल मैनेजमेंट, नर्सिंग असिस्टेंट, टेली ऑफिस असिस्टेंट, ब्यूटीशियन, फैशन डिजाइनिंग मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, बी पी ओ आदि कोर्स की जानकारी दी गई। इनके द्वारा चलाए जाने वाले कोर्स के उपरांत छात्राओं को प्लेसमेंट भी प्रदान किया जाता है। इसके बाद श्रीमती प्रिया गुप्ता नर्सिंग ट्रेनर के नेतृत्व में स्वयंसेवी छात्राओं के लिए स्वास्थ्य कैप भी लगाया गया। जिसमें उनके द्वारा रक्तचाप वजन एवं लंबाई आदि से संबंधित चेकअप किए गए। तत्पश्चात एस.एच.ओ. संजय कुमार सिंह, बादलपुर थाना ने शिविर में छात्राओं को निर्भरता के साथ अपनी समस्याओं को बताने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात डॉ सीमा द्वारा आत्मनिर्भरता से आर्थिक उन्नति विषय पर व्याख्या दिया गया। दूसरे सत्र में डॉ. सुशीला द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में “महिला शिक्षा एवं सशक्तिकरण : अर्थ आयाम एवं आवश्यकता” विषय पर छात्राओं को संबोधित पर व्याख्यान दिया। तृतीय सत्र में नुककड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 24 जनवरी 2021 को शिविरार्थियों द्वारा अपने अधिग्रहित डेरी मच्छा में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गांव में जाकर ग्रामवासियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं आदि की जानकारी दी। साथ ही प्रथम इकाई में शिविरार्थियों द्वारा ग्राम डेरी मच्छा में स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत विषय पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया एवं प्राथमिक विद्यालय तथा निकट के सार्वजनिक स्थानों पर साफ सफाई का कार्यक्रम किया। विशेष शिविर के दूसरे सत्र में बादलपुर थाने से श्रीमती चंचल एवं श्रीमती प्रीति के द्वारा छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित सभी हेल्पलाइन नंबर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं महिलाओं की आत्मसुरक्षा सम्मान एवं स्वाभिमान पर व्याख्यान दिया। महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के डॉ अरविंद कुमार यादव के द्वारा “आय, बचत एवं निवेश” विषय पर समूह चर्चा की गई। तृतीय सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह के निर्देशन में लोकनृत्य एवं गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 25 जनवरी 2021 में मतदाता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिविरार्थियों द्वारा अपने अधिग्रहित ग्राम डेरी मच्छा में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई एवं ग्राम वासियों को वोटर आई डी बनवाने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही मतदाता से संबंधित सर्वेक्षण किया। इसके अतिरिक्त श्री धीरज कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर शारीरिक शिक्षा एवं महेश भाटी द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया साथ ही शिक्षा विभाग के समस्त शिक्षकों के निर्देशन में “समावेशी एवं गुणात्मक शिक्षा में भागीदारी” शीर्षक पर सामूहिक चर्चा की गई। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ ने प्राथमिक विद्यालय डेरी मच्छा में पौधारोपण किया तत्पश्चात मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य के द्वारा छात्राओं एवं ग्रामवासियों में मास्क का वितरण किया गया। द्वितीय सत्र में चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ. माथुर द्वारा परामर्श एवं उपचार शिविर लगाया गया। साथ ही स्नेह छाँव फाउंडेशन की संस्थापक श्रीमती नेहा सिंह द्वारा व्याख्यान दिया गया एवं समस्त विद्यार्थियों को सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिकधर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। श्रीमती शिल्पी असिस्टेंट प्रोफेसर गृहविज्ञान विभाग, डॉ. प्रतिभा तोमर असिस्टेंट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान विभाग एवं डॉ. मीनाक्षी लोहनी असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल विभाग के द्वारा उत्तर प्रदेश दिवस पर उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा महिलाओं, युवाओं और किसानों से संबंधित चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में छात्राओं द्वारा जानकारी दी गई एवं महाविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की डॉ. श्वेता सिंह एवं डॉ. अपेक्षा के द्वारा छात्राओं को मतदाता जागरूकता से संबंधित जानकारी दी गई। तृतीय सत्र में निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 26 जनवरी 2021 को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं छात्राओं व प्राध्यापकों के द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। तत्पश्चात पौधारोपण श्रमदान एवं जागरूकता रैली निकाली गई। डॉ मीनाक्षी लोहानी-ए एन ओ एवं जे सी ओ 13 यू पी गर्ल्स बटालियन गाजियाबाद द्वारा स्वयंसेवी छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देते हुए आत्मरक्षा के गुर सिखाए। द्वितीय सत्र में डॉ. किशोर कुमार एसोसिएट प्रोफेसर-इतिहास विभाग द्वारा राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर एवं डॉ. शालिनी तिवारी द्वारा भारतीय चित्रकला की परंपरा एवं गौरवशाली इतिहास विषय पर व्याख्यान हुआ। तृतीय सत्र में कार्यक्रम प्रभारी डॉ. विनीता सिंह के निर्देशन में अनुपयोगी वस्तु से उपयोगी वस्तु बनाना प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

दिनांक 27 जनवरी 2021 में कार्यक्रम अधिकारी डॉ विनीता सिंह एवं महाविद्यालय महिला प्रकोष्ठ समिति के सौजन्य से ग्राम डेरी मच्छा में ग्रामीण महिलाओं के लिए नारी सुरक्षा सम्मान एवं स्वाभिमान विषय पर सामूहिक चर्चा आयोजित की गई। तत्पश्चात स्वयंसेवी छात्राओं ने ग्राम डेरी मच्छा में जाकर सड़क सुरक्षा अभियान के बारे में जानकारी देते हुए परिवहन संबंधी नियमों एवं कानून की जानकारी दी। नागर हॉलिस्टिक थेरेपी सेंटर दुजाना से आए अंजलि नागर एवं सोनू नागर ने महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वयंसेवी छात्राओं को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग किया। द्वितीय सत्र में डॉ. मेधा असिस्टेंट प्रोफेसर विधि संकाय एन सी पी ई द्वारा महिलाओं के संरक्षण हेतु संवैधानिक अधिकारों एवं शासकीय व्यवस्था पर महत्वपूर्ण व्याख्यान देते हुए छात्राओं को कोविड-19 के विषय में विविध जानकारी दी गई एवं वैक्सीन के संबंध में मिथक एवं सत्यता के विषय में भी छात्राओं को जागरूक किया। तत्पश्चात डॉ. संजीव कुमार द्वारा स्वास्थ्य एवं खेल विषय पर व्याख्यान दिया गया। साथ ही श्रीमती विद्या डाइट बुलन्डशहर द्वारा

शिविरार्थियों को आहार एवं पोषण पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई एवं महाविद्यालय की डॉ. नेहा एंव डॉ. ऋचा ने छात्राओं को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। तृतीय सत्र में अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुनिर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतिम दिन दिनांक 28 जनवरी 2021 को प्रथम सत्र में डॉ. शिवानी वर्मा एसोसिएट प्रोफेसर गृहविज्ञान विभाग ने आहार एवं पोषण विषय पर चर्चा की एवं छात्राओं को संतुलित आहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। द्वितीय सत्र में समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती नरागीस, लाइन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, लाइंस क्लब एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहीं। स्वागत के उपरांत सात दिवसीय विशेष की व्याख्या-प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण संदेश निहित थे। इसके बाद सात दिवसीय विशेष शिविर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए।

इसके उपरांत छात्राओं ने अपने अनुभव को व्यक्त किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के संचालन में विश्वविद्यालय प्रशासन ग्राम डेरी मच्छा निवासियों एवं प्राथमिक विद्यालय डेरी मच्छा महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों का सहयोग मिला। सत्र 2020-21 के अंतर्गत होने वाले सभी कार्यक्रमों प्रतियोगिताओं एवं रैलियों में राष्ट्रीय सेवा योजना की परामर्श समिति पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, श्रीमती शिल्पी, श्रीमती नेहा त्रिपाठी एवं समिति सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. विजेता गौतम एवं डॉ. मणि अरोड़ा एवं प्रेस समिति का विशेष सहयोग मिला जिसमें समस्त कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सके एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों को पूरा किया जा सका।

राष्ट्रीय सेवा योजना (द्वितीय इकाई)

डॉ. नीलम शर्मा
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना देश की युवाशक्ति के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय केंद्रीय योजना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य “सेवा के माध्यम से शिक्षा है”। इसका लक्ष्य छात्र-छात्राओं में सामाजिक चेतना जागृत करना है। साथ ही व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य बोध की भावना का विकास करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारंभ महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में 24 सितंबर 1969 में देश के 37 विश्वविद्यालयों में 40000 छात्र छात्राओं के माध्यम से किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना देश सेवा एवं समाज सेवा की भावना से ओतप्रोत एक ऐसा कार्यक्रम है जो स्वयं के हित से पूर्व दूसरों का हित एवं स्वयं के कल्याण से पूर्व दूसरों का कल्याण करना सिखाता है। यही भावना राष्ट्रीय सेवा योजना में निहित है- ‘Not me, but you’ क्योंकि स्वयं का कल्याण अंतिम रूप से समाज के कल्याण के बिना संभव नहीं है। इन्हीं उद्देश्यों के साथ महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाइयां संचालित हैं। जिसके अंतर्गत स्वयंसेवी छात्राएं 2 वर्ष की अवधि में 240 घंटे का सामुदायिक कार्य करना सुनिश्चित करती हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई द्वारा सत्र 2020-21 में स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा 120 घंटे के सामुदायिक कार्य के अंतर्गत विभिन्न प्रकार से समाज सेवा करने का प्रयास किया गया यथा कोविड 19 महामारी जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य, आहार एवं पोषण संबंधी जागरूकता, योगाभ्यास, महिला सशक्तिकरण “मिशन शक्ति अभियान,” सड़क सुरक्षा जागरूकता, आत्मरक्षा, परिवार कल्याण, डिजिटल भारत, तकनीकी एवं कौशल विकास, मतदाता जागरूकता, श्रमदान, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण, महाविद्यालय सौंदर्यीकरण, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण संरक्षण आदि। साथ ही छात्राओं में सुजनात्मक एवं रचनात्मक कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई एवं उनमें आत्मविश्वास, विचार प्रस्तुतीकरण और नेतृत्व क्षमता के विकास के उद्देश्य से विभिन्न समसामयिक विषयों पर समूह चर्चा भी आयोजित की गई।

वर्तमान सत्र 2020-21 में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई के अंतर्गत 4 एक दिवसीय शिविर एवं एक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं वर्तमान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के मार्गदर्शन में वर्षपर्यन्त कोरोना महामारी के प्रति सचेत करते हुये स्वयं सेवी छात्राओं ने न केवल अपने आसपास के क्षेत्रों में अपितु फेसबुक, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया आदि के माध्यम से समस्त देशवासियों को जागरूक किया। छात्राओं ने श्रीमती नेहा त्रिपाठी एवं वर्तमान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के मार्गदर्शन में वर्षपर्यन्त कोरोना महामारी के प्रति सचेत करते हुए स्वयं सेवी छात्राओं ने न मास्क बैंक कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयं मास्क निर्माण करके बृहद स्तर पर मास्क का वितरण करते हुए कोरोना महामारी से बचाव हेतु सजग किया। 21 जून 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को सिखाया गया कि

कोरोना महामारी में किस प्रकार योगाभ्यास के माध्यम से शरीर एवं मन को स्वस्थ रखा जा सकता है एवं स्वयं को तनाव मुक्त रखा जा सकता है। छात्राओं को प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार आदि योगाभ्यास कराया गया। साथ ही जीवन में नित्य रूप से योग का समावेश करने के लिए प्रेरित किया गया।

5 जुलाई 2020 को वन महोत्सव के क्रम में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। जहां उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के अनुपालन में जनपद गौतम बुद्ध नगर में 17700 वृक्षों के रोपण, संरक्षण एवं संवर्धन का लक्ष्य दिया गया था। इस हेतु कृपारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ को जनपद का नोडल अधिकारी नामित किया गया। उनके कुशल मार्गदर्शन में इस लक्ष्य को भली-भांति पूर्ण किया गया।

2 अक्टूबर 2020 को महात्मा गांधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निवहन करते हुए महाविद्यालय प्राचार्या एवं अन्य प्राध्यापकों द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 15 अक्टूबर 2020 को विश्व हाथ धुलाई दिवस के उपलक्ष्य में छात्राओं को हाथ धोने की सप्तपदीय विधि से अवगत कराया गया एवं महाविद्यालय प्राचार्या ने वैशिक महामारी के परिदृश्य में सामाजिक दूरी के नियम, मास्क की अनिवार्यता एवं हाथों की स्वच्छता को जीवन मूल्य बनाने हेतु अभिप्रेरित किया। इस अवसर पर संस्था में साबुन दानपात्र की स्थापना भी की गई। इसी क्रम में “सभी के लिए हाथ स्वच्छता” विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार महिलाओं की सुरक्षा सम्मान हेतु दिनांक 17 अक्टूबर 2020 से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महाविद्यालय मिशन शक्ति टीम के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत महिला सुरक्षा, कानूनों, अधिकारों, लैंगिक विषमता, महिलाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराध, बालिका स्वास्थ्य संवर्धन एवं पोषण आदि के संबंध में विभिन्न विषय विशेषज्ञों के बौद्धिक व्याख्यान, आत्म सुरक्षा की तकनीकों से परिचित कराते हुए मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त स्वयंसेवी छात्राओं ने घर-घर जाकर योजना का विस्तृत रूप से प्रचार प्रसार किया। उन्होंने ग्रामवासी महिलाओं को मिशन शक्ति के बारे में जानकारी देते हुए उनमें आत्मनिर्भरता की भावना का विकास किया। ग्रामवासियों एवं अभिभावकों को महिला सुरक्षा से संबंधित शपथ भी दिलाई। यह योजना सतत संचालित है।

1 दिसंबर 2020 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय युवा सांसद उत्सव 2021 के अवसर पर द्वितीय इकाई की 11 स्वयंसेवी छात्राओं ने ऑनलाइन माध्यम से 26 दिसंबर 2020 को भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें चयनित छात्राओं ने 28 दिसंबर को निर्धारित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। जिसमें महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई की नेहा गुप्ता एवं श्वेता कपासिया को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

21 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक आयोजित सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 31 जनवरी 2021, 4 फरवरी 2021 एवं 7 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं ने महाविद्यालय प्रांगण से ग्राम बादलपुर, सादोपुर एवं नेशनल हाईवे 91 तक सड़क सुरक्षा रैली निकालकर ग्रामवासियों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया एवं उन्हें हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वाहन धीमी गति से चलाने, वाहन चलाते वक्त मोबाइल फोन का उपयोग न करने का अनुरोध किया।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 24 जनवरी से 26 जनवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें 24 जनवरी 2021 को स्वयंसेवी छात्राओं ने ग्राम बादलपुर में रैली के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से ग्राम वासियों को अवगत कराया एवं संबंधित पैफलेट्स भी वितरित किए। 25 जनवरी 2021 को ग्राम बादलपुर में जाकर ग्रामवासियों को उत्तर प्रदेश की लोक संस्कृति, लोक नाट्य एवं लोक नृत्य आदि के द्वारा उत्तर प्रदेश की गौरवशाली परंपरा से परिचय कराया। 26 जनवरी 2021 को उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियां, लोक संस्कृति, सांस्कृतिक धरोहर इत्यादि विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही तीन दिवसीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें समस्त स्वयंसेवी छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 6 फरवरी 2021 को “सड़क सुरक्षा के नियम एवं उपाय” विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम स्थान प्रिया दुबे, द्वितीय स्थान रोजी आजमी एवं तृतीय स्थान नीलम यादव ने प्राप्त किया।

16 फरवरी 2021 को महाराजा सुहेलदेव जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रभारी डॉ. मीनाक्षी लोहानी एवं राष्ट्रीय सेवा

योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के निर्देशन में सर्वप्रथम स्वयंसेवी छात्राओं ने गौतम बुद्ध नगर जनपद की तहसील दादरी, नोएडा एवं गाजियाबाद के शहीद स्थल पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। तत्पश्चात महाराजा सुहेलदेव के बलिदान एवं शौर्य से परिचय कराने हेतु एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाराजा सुहेलदेव से संबंधित डाक्यूमेंट्री दिखाई गई एवं बहराइच में आयोजित महाराजा सुहेलदेव स्मारक शिलान्यास कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा वर्चुअल रूप से सभी को आशीर्वचन प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त महाराजा सुहेलदेव के शौर्य एवं बलिदान विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं स्वाधीनता संग्राम विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

18 फरवरी 2021 को समस्त स्वयंसेवी छात्राओं ने ऑनलाइन सड़क सुरक्षा कार्यशाला में प्रतिभागिता की एवं कार्यक्रम के अंत में सड़क सुरक्षा से संबंधित क्विज में प्रतिभाग करते हुए ई सर्टिफिकेट प्राप्त किए। 14 फरवरी से 23 फरवरी तक साइबर क्राइम कार्यशाला में समस्त स्वयंसेवी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

27 फरवरी 2021 से 8 मार्च 2021 तक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें महिला सुरक्षा, सम्मान आदि विषयों से संबंधित विभिन्न वेबीनार एवं निबंध, पोस्टर, लोकगीत एवं लोकनृत्य प्रतियोगिता, सिलाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण, योगाभ्यास आदि का आयोजन किया गया।

चौरी- चौरा शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई द्वारा चौरी-चौरा कांड एवं असहयोग आंदोलन से संबंधित विभिन्न विषयों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिमाह किया जा रहा है। ‘मुस्कुराएगा इंडिया अभियान’ के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता हेतु स्वयंसेवी छात्राओं ने “मुस्कुराएगा इंडिया स्वयंसेवक सर्वे प्रश्नावली” के माध्यम से सर्वेक्षण में भाग लिया। इसके अंतर्गत चयनित स्वयंसेवी छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा एवं उनके कार्य के आधार पर उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई का प्रथम एक दिवसीय शिविर 8 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया। शिविर में सभी 100 स्वयंसेवी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा एवं पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. मिन्तु एवं डॉ. शिल्पी द्वारा इस सत्र में द्वितीय इकाई में नवागत स्वयंसेवी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व, उद्देश्य एवं क्रिया विधि से सुपरिचित कराने के उद्देश्य से अभिविन्यास भाषण दिया गया। जिसमें स्वयंसेवी छात्राओं के कर्तव्यों एवं दायित्वों के विषय में छात्राओं को विस्तार से सुपरिचित कराया गया। तदुपरान्त छात्राओं ने ग्राम बादलपुर में जाकर स्वच्छता अभियान चलाया। बौद्धिक सत्र में पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना सिंह द्वारा महिलाओं के अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए महिला हेल्पलाइन आदि की जानकारी दी गयी एवं डॉ. प्रतिभा तोमर द्वारा छात्राओं को कोविड-19 महामारी के प्रति जागरूक करते हुए एवं सतर्कता रखते हुए उत्तम स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित किया गया। इसी सत्र में डॉ. संजीव कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय ने अन्त्योदय योजना से समस्त स्वयंसेवी छात्राओं को अवगत कराया। बौद्धिक सत्र के उपरांत स्वयंसेवी छात्राओं के मध्य सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वाभिमान हेतु चलाई जा रही “मिशन शक्ति योजना” की सार्थकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

दिनांक 19 जनवरी 2021 को द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने ग्राम बादलपुर में नुककड़ नाटक के माध्यम से कोविड-19 महामारी के प्रति जागरूक करते हुए ग्राम वासियों को हाथों को बार-बार सैनेटाइज करने, मास्क पहनने एवं स्वच्छता का ध्यान रखने के लिए जागरूक किया। उसके पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बादलपुर द्वारा महाविद्यालय में आयोजित कोविड-19 के परीक्षण हेतु निशुल्क शिविर में समस्त स्वयंसेवी छात्राओं ने अपना परीक्षण कराया एवं ग्राम बादलपुर निवासियों को भी परीक्षण कराने हेतु प्रेरित किया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने समस्त स्वयंसेवी छात्राओं को कोविड-19 महामारी के प्रति सजग रहने एवं दिशा निर्देशों का पालन करते हुए ग्रामवासियों को जागरूक करने के लिए बधाई दी एवं देश एवं समाज के प्रति उनके कर्तव्यों का स्मरण कराते हुए लग्न एवं निष्ठा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। शिविर के द्वितीय चरण बौद्धिक सत्र में डॉ. रश्मि कुमारी, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग एवं डॉ. आशा रानी, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग ने छात्राओं को व्यक्तित्व के विकास एवं निर्माण हेतु अभिप्रेरित करते हुए अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने एवं रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी दी। तृतीय सत्र में छात्राओं के मध्य डस्टविन निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन कर स्वच्छता की भावना को प्रायोगिक एवं व्यापक रूप प्रदान करने का प्रयास किया गया।

तृतीय एक दिवसीय शिविर दिनांक 21 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया। जिसमें दिनांक 22 जनवरी 2021 से प्रारंभ होने वाले सात दिवसीय विशेष शिविर की तैयारियों के विषय में व्यापक चर्चा की। सात दिवसीय शिविर हेतु 50 छात्राओं का चयन किया गया एवं शिविरार्थीयों को 10-10 की टीम बनाकर आपस में कार्य वितरित किए गए एवं विशेष शिविर के दृष्टिगत समस्त कार्यों को छात्राओं ने

मनोयोग से पूरा किया। द्वितीय सत्र बौद्धिक सत्र में डॉ. विजेता गौतम द्वारा महिला शिक्षा एवं सशक्तिकरण पर उपयोगी व्याख्यान देते हुए छात्राओं को सशक्त नारी की प्रतिमूर्ति बनने हेतु प्रेरित किया। डॉ. कनकलता ने श्रीमद्भागवत में सेवा भावना विषय पर व्याख्यान देते हुए छात्राओं को सामुदायिक सेवा के प्रति अभिप्रेरित किया। तत्पश्चात पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं सदस्य डॉ. सोनम शर्मा के नेतृत्व में भारतीय ग्रामों की समस्याएँ: कारण और निवारण“ विषय पर समूह चर्चा आयोजित की गई। जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।

चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन दिनांक 24 फरवरी 2021 को किया गया। शिविरार्थियों द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ सफाई की गई एवं पोलिथीन और कूड़े का उचित निस्तारण किया गया। तत्पश्चात स्वयंसेवी छात्राओं में ग्राम बादलपुर में पहुंचकर वहां सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान किए गए कार्यों का पुनरावलोकन किया। छात्राओं ने ग्राम बादलपुर के प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया। तत्पश्चात बौद्धिक सत्र में डॉ. किशोर कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग ने चौरी-चौरा कांड के बारे में छात्राओं को विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए में उनका ज्ञानवर्धन किया। इसके बाद पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना सिंह ने मिशन शक्ति कार्यक्रम के बारे में एवं उसके अंतर्गत चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं, कार्यशाला एवं प्रतियोगिताओं के बारे में छात्राओं को जानकारी दी। तृतीय सत्र में चौरी-चौरा शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में “चौरी-चौरा कांड एवं असहयोग आंदोलन” विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर 22 जनवरी 2021 से 28 जनवरी 2021 तक प्राथमिक विद्यालय, बादलपुर में आयोजित किया गया। शिविर में समस्त 50 स्वयंसेवी छात्राएँ उपस्थित रहीं। उन्होंने संपूर्ण गतिविधियों को कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्साहपूर्वक पूर्ण किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 22 जनवरी 2021 को ग्राम बादलपुर में प्रारंभ हुआ। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ द्वारा रिबन काटकर एवं मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ञालित कर किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना सिंह द्वारा सेपलिंग के माध्यम से किया गया। स्वागत के उपरांत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा द्वारा शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। जिसमें सात दिवसों में आयोजित होने वाले विभिन्न सामुदायिक कार्य, जागरूकता अभियान, बौद्धिक सत्र एवं प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ जी ने अपने उद्बोधन में शिविरार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष महत्व को समझाते हुए समाज सेवा एवं राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना एक पुनीत योजना है। इसका नारा “मैं नहीं तुम“ अर्थात् इसमें स्वयं से ज्यादा समाज कल्याण की भावना निहित है। समाज सेवा की पवित्र भावना से लगाए जाने वाले इस शिविर के माध्यम से स्वयंसेवी छात्राएँ अवश्य ही गांव बादलपुर की समस्याओं को जानने एवं उनका निराकरण करने में सफल होंगी। साथ ही उन्होंने कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत सुरक्षात्मक उपाय अपनाते हुए शिविर के संचालन का निर्देश दिया। उन्होंने शिविर के सफल संचालन हेतु छात्राओं को शुभकामनाएँ दी। शिविर के द्वितीय सत्र में सलाहकार एवं पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना सिंह द्वारा “स्वयंसेवी छात्राओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका“ विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त सलाहकार एवं पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नेहा त्रिपाठी द्वारा समस्त छात्राओं को शिविर के लक्ष्य एवं उद्देश्य से परिचित कराते हुए विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया। तृतीय सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा अधिग्रहीत ग्राम बादलपुर का सर्वेक्षण कर गांव की समस्याओं की जानकारियों एकत्रित की गई एवं सात दिवसीय शिविर संबंधी संपूर्ण तैयारियां सुनिश्चित की गई।

शिविर के द्वितीय दिवस दिनांक 23 जनवरी 2021 को प्रथम सत्र में अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन दादरी के कौशल एवं उद्यमिता विकास प्रशिक्षण केंद्र से आए प्रेम किशोर उपाध्याय, श्रीमती प्रिया गुप्ता एवं नेहा बोरा ने स्वयंसेवी छात्राओं को उनके द्वारा आत्मनिर्भरता हेतु चलाए जाने वाले विभिन्न रोजगारपरक कोर्सों की विस्तृत जानकारी दी। इसमें कंप्यूटर एवं हार्डवेयर ट्रेनिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, रिटेल मैनेजमेंट, नर्सिंग असिस्टेंट, टैली, ऑफिस असिस्टेंट, ब्यूटीशियन, फैशन डिजाइनिंग, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, बीपीओ आदि कोर्स की जानकारी दी गई। इनके द्वारा चलाए जाने वाले कोर्स के उपरांत छात्राओं को प्लेसमेंट भी प्रदान किया जाता है। विभिन्न कोर्सों के संदर्भ में छात्राओं के जिज्ञासा पूर्ण प्रश्नों का समुचित समाधान भी किया गया। इसके बाद श्रीमती प्रिया गुप्ता नर्सिंग टेनर के नेतृत्व में स्वयंसेवी छात्राओं के लिए स्वास्थ्य कैप भी लगाया गया। जिसमें उनके रक्तचाप, वजन एवं लंबाई आदि से संबंधित चैकअप किए गए। द्वितीय सत्र में डॉ. जीत सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग द्वारा “मानवाधिकार“ विषय पर एवं डॉ. ऋचा, असिस्टेंट प्रोफेसर, भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा “पर्यावरण एवं सतत विकास“ पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया गया। तृतीय सत्र में लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए विभिन्न राज्यों के लोक गीतों के माध्यम से शिविर को संगीतमय एवं अनंदपूर्ण बना दिया।

शिविर के तृतीय दिवस दिनांक 24 जनवरी 2021 पर स्वयंसेवी छात्राओं ने ‘उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस‘ के उपलक्ष्य में गांव बादलपुर में जाकर रेली एवं नुककड़ नाटक के माध्यम से ग्राम वासियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं आदि की

जानकारी दी। साथ ही शिविरार्थियों द्वारा ग्राम बादलपुर में स्वच्छता रैली एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्राओं ने प्राथमिक विद्यालय एवं निकट के सार्वजनिक स्थलों की साफ सफाई की एवं पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से जीवन में वृक्षों की उपयोगिता को समझाया एवं स्वयं और प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं ने पौधों के नियमित रखरखाव की जिम्मेदारी ली। शिविर के दूसरे सत्र में बादलपुर थाने से एस आई संजय यादव, शीला देवी और दीपा मलिक के द्वारा बालिका सुरक्षा की तकनीक, आत्म सुरक्षा की उपाय आदि को समझाते हुए छात्राओं को निर्भीक होकर आत्मरक्षा के लिए प्रेरित किया। छात्राओं को सुरक्षा हेतु महिला हेल्पलाइन नंबर की जानकारी भी दी गई। तत्पश्चात महाविद्यालय के डॉ. अरविंद कुमार यादव, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग द्वारा बचत एवं निवेश पर समूह चर्चा आयोजित की गई। इस समूह चर्चा में कल्पना चावला टोली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तदुपरांत हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मिन्तु ने “ग्रामीण समाज में गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका” विषय पर उपयोगी व्याख्यान दिया। तृतीय सत्र में तस्ती स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

शिविर के चतुर्थ दिवस दिनांक 25 जनवरी 2021 को मतदाता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा ग्राम बादलपुर में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई एवं ग्राम वासियों को वोटर आईडी बनवाने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही मतदाता से संबंधित सर्वेक्षण कार्य भी किया गया। तत्पश्चात मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें महाविद्यालय प्राचार्या, समस्त शिक्षकों एवं ग्राम वासियों ने हस्ताक्षर किए। तदुपरांत महिला प्रकोष्ठ के सौजन्य से डॉ. अर्चना सिंह एवं डॉ. दीपि वाजपेयी द्वारा विशेष अभियान के अंतर्गत नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वाभिमान विषय पर गहन चर्चा की गई। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ग्रामीण महिलाओं को महिला उद्यमिता के विषय में जागरूक किया गया एवं लोक गीत एवं नृत्य के माध्यम से स्वयंसेवी छात्राओं ने ग्राम वासियों को उत्तर प्रदेश की लोक संस्कृति से परिचित कराया। तत्पश्चात प्राथमिक विद्यालय बादलपुर में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के कर कमलों से पौधारोपण किया गया। प्राचार्या महोदया के द्वारा कोरोना महामारी से स्वयं एवं अन्य के बचाव हेतु प्रेरित करते हुए शिविरार्थियों, ग्राम वासियों एवं बच्चों को मास्क वितरित किए गए। द्वितीय सत्र में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. माधुर द्वारा परामर्श एवं उपचार शिविर लगाया गया। इनके साथ ही स्नेह छाँव, फाउंडेशन की संस्थापक श्रीमती नेहा सिंह द्वारा महिला स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान दिया गया एवं समस्त छात्राओं को सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए स्वयं के स्वास्थ्य के लिए सेनेटरी पैड के अनिवार्य उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। तृतीय सत्र में लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विशेष शिविर के पांचवे दिन दिनांक 26 जनवरी 2021 को सर्वप्रथम समस्त स्वयंसेवी छात्राओं ने देश भक्ति से ओतप्रोत भव्य गणतंत्र दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं श्रमदान किया तथा महाविद्यालय प्राचार्या और अन्य वरिष्ठ प्राध्यापकों के साथ पौधारोपण किया गया। तत्पश्चात छात्राओं ने ग्राम बादलपुर में जागरूकता रैली निकाली। इसी सत्र में डॉ. मीनाक्षी लोहानी ए.एन.ओ. एवं जे. सी.ओ. के. सिंह, 13 यूपी गर्ल्स बटालियन गाजियाबाद द्वारा स्वयंसेवी छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देते हुए आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। द्वितीय सत्र में पूर्व कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शिल्पी द्वारा आठार एवं पोषण विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान देते हुए छात्राओं को संतुलित भोजन के लाभ एवं तत्वों के बारे में ज्ञानवर्धन किया गया एवं डॉ. सत्यन्त कुमार द्वारा साइबर सुरक्षा जैसे अति प्रासारित विषय पर वक्तव्य में छात्राओं को इंटरनेट का उपयोग करते समय, विभिन्न सावधानियों एवं सुरक्षात्मक उपायों की जानकारियां प्रदान की गई। प्राथमिक विद्यालय बादलपुर की प्रधानाध्यापिका श्रीमती लक्ष्मी सिंह एवं अध्यापिका सायरा ने स्वयंसेवी छात्राओं से “प्राथमिक शिक्षा के महत्व एवं व्यक्तित्व निर्माण में उसकी आधारभूत भूमिका” विषय पर चर्चा की। तृतीय सत्र में लघुनाटिका प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

शिविर के षष्ठ दिवस 27 जनवरी 2021 को डॉ. धीरज कुमार, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा स्वयंसेवी छात्राओं को योग एवं प्राणायाम के विषय में महत्वपूर्ण व्याख्यान देते हुए योगभ्यास कराया गया। तदुपरांत छात्राओं ने ग्राम बादलपुर में जाकर सड़क सुरक्षा रैली निकाली एवं समस्त ग्राम वासियों को परिवहन संबंधी नियमों, कानूनों की जानकारी दी। तत्पश्चात नागर हॉलिस्टिक थेरेपी सेटर दुजाना से आए अंजलि नागर एवं सोन नागर ने महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वयंसेवी छात्राओं को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग किया। द्वितीय सत्र बौद्धिक सत्र में डॉ. मेधा, असिस्टेंट प्रोफेसर, विधि संकाय एन.सी.पी.ई. द्वारा “महिलाओं के संरक्षण हेतु सवैधानिक अधिकारों एवं शासकीय व्यवस्था” पर एवं डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, विभागाध्यक्ष, जंतु विज्ञान विभाग द्वारा कोविड -19 महामारी के प्रति जागरूकता संबंधी व्याख्यान देते हुए छात्राओं को कोविड-19 के विषय में विविध जानकारी दी गई एवं वैक्सीन के संबंध में मिथक एवं सत्यता के विषय में भी छात्राओं को जागरूक किया। इसके अतिरिक्त शिक्षा संकाय के समस्त प्राध्यापकों डॉ. रमाकांति, डॉ. सतीश चन्द्र, डॉ. मो. वकार रजा, डॉ. ज्ञानेन्द्र सिंह, डॉ. रत्न सिंह एवं डॉ. सोनम शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा शास्त्र विभाग ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर महत्वपूर्ण समूह चर्चा आयोजित की। तृतीय सत्र में अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तु निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

विशेष शिविर के सप्तम एवं अंतिम दिवस 28 जनवरी 2021 को प्रथम सत्र में डॉ. किशोर कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग ने “भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा एवं राष्ट्र गौरव” से छात्राओं को सुपरिचित कराया एवं डॉ. संजीव कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य विषय पर उपयोगी व्याख्यान देते हुए छात्राओं को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने हेतु प्रेरित किया। द्वितीय सत्र में सप्त दिवसीय

विशेष शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती नरगिस, लायन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, लायंस क्लब एवं महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ अध्यक्षा के रूप में उपस्थित रहीं। स्वागत के उपरांत सात दिवसीय विशेष शिविर की विस्तृत आख्या कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के द्वारा प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात् छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। तत्पश्चात् शिविर की स्वयंसेवी छात्राओं ने शिविर के अपने अनुभवों को साझा किया। इसके बाद एक दिवसीय शिविर, सात दिवसीय विशेष शिविर एवं अन्य नियमित कार्यक्रमों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं अध्यक्षा द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। तदुपरांत मुख्य अतिथि एवं प्राचार्या महोदया ने अपने उद्बोधन में समाज सेवा की भावना से आयोजित इस शिविर और उसमें आयोजित विभिन्न प्रकार के सामुदायिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की अत्यंत प्रशंसा करते हुए महाविद्यालय के प्रयासों की अत्यधिक सराहना की। सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह में समिति के समस्त सदस्यों के साथ महाविद्यालय के अन्य प्राध्याकों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त कार्यक्रमों का सफल संचालन एवं आयोजन महाविद्यालय परिवार की संरक्षिका प्राचार्या डा. दिव्या नाथ जी के सरक्षण, कशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन का प्रतिफल है। इनके साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना की परामर्शदात्री समिति डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दीपित बाजपेयी, डॉ. शिल्पी एवं डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं डॉ. मिन्तु का अमूल्य परामर्श, मार्गदर्शन एवं सहयोग कार्यविधि को अत्यंत सहज बनाते हुए उसमें सतत ऊर्जा एवं उत्साह का संचार करते रहते हैं। समस्त सदस्य डॉ. अरविंद कुमार यादव, डॉ. मिंतु एवं डॉ. सोनम शर्मा के पूर्ण निष्ठा एवं अमूल्य योगदान से संपूर्ण कार्यक्रम अत्यंत सहज एवं सर्वोत्तम रूप से पूर्णता को प्राप्त होता है। इसके साथ ही प्रथम इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह एवं सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. मणि अराड़ा एवं डॉ. विजेता गौतम का उल्लेखनीय सहयोग भी प्राप्त होता रहता है।

सात दिवसीय विशेष शिविर के संचालन में विश्वविद्यालय प्रशासन, ग्राम बादलपुर के प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती लक्ष्मी सिंह एवं समस्त शिक्षक, ग्राम बादलपुर प्रधान एवं समस्त बादलपुर ग्रामवासी, महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी गण, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, महाविद्यालय प्रेस समिति आदि के अमूल्य सहयोग से शिविर अपने उद्देश्य पूर्ति में सफल रहा।

एन.सी.सी. इकाई

लेफिटनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी
केयर टेकर

महाविद्यालय की महिला एन. सी. सी. इकाई लेफिटनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी के निर्देशन में महिला सशक्तिकरण, सम्मान व स्वावलंबन के लिए कार्य कर रही हैं ताकि छात्राओं में एकता एवं अनुशासन की भावना के साथ राष्ट्र की निस्वार्थ सेवा की संकल्पना विकसित की जा सके। महाविद्यालय की एन. सी. सी. यूनिट द्वारा लेफिटनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी के निर्देशन में कैडेट्स को सैन्य सशक्तिकरण की शिक्षा प्रदान की जाती है ताकि उनमें अनुशासन, आत्मसम्मान एवं आत्मनिर्भरता के गुण विकसित हो सकें।

भारत में वैशिक महामारी से उत्पन्न प्रारंभिक लॉकडाउन की जटिल परिस्थितियों में 24 मार्च, 2020 से 14 अप्रैल, 2020 तक ऑनलाइन जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत दिनांक 31 मार्च को फेसबुक पेज लॉन्च किया गया, दिनांक 01 अप्रैल 2020 से गूगल मीट प्लेटफार्म पर ऑनलाइन कक्षाएं प्रारम्भ की गई, दिनांक 05 अप्रैल को रात 09:00 बजे माननीय प्रधानमंत्री के आहवान पर दीप प्रज्ञलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनांक 08 तथा 10 अप्रैल को क्रमशः कैडेट्स द्वारा आरोग्य सेतु तथा दीक्षा एप डाउनलोड अभियान चलाया गया। दिनांक 13 अप्रैल से 15 अप्रैल 2020 कैडेट्स हेतु तीन दिवसीय ऑनलाइन काउंसलिंग वर्कशॉप आयोजित की गई जहाँ डॉ. संजीव कुमार द्वारा मानव मनोविज्ञान के विभिन्न आयामों पर कैडेट्स को परामर्श प्रदान किया गया। दिनांक 16 अप्रैल 2020 को एन. सी. सी. इकाई द्वारा शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया जहाँ कैडेट्स के अभिभावकों से विभिन्न प्रासंगिक विषय पर विमर्श किया गया। दिनांक 17 अप्रैल 2020 को कैडेट्स ने के. जी. एम. यू. लखनऊ द्वारा आयोजित कोविड प्रशिक्षण में भाग लिया।

मई माह की 03 तारीख को डॉ. अभय जेरे (नवाचार प्रकोष्ठ प्रभारी, भारत सरकार) तथा लेफिटनेन्ट जनरल माधुरी कानितकर के ऑनलाइन व्याख्यान, “कैडेट्स में नेतृत्व कौशल” शीर्षक पर आयोजित किए गए। कैडेट्स ने दिनांक 05 मई 2020 को भारत के शिक्षा मंत्री डॉ. श्री रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा ट्रॉफी पर आयोजित संवाद में अपनी सहभागिता दी। दिनांक 08 मई का दिन महाविद्यालय की एन. सी. सी. इकाई के लिए खास रहा क्योंकि इस दिन लेफिटनेन्ट डा. मीनाक्षी लोहनी के नेतृत्व में इकाई की तीन कैडेट्स को कैडेट्स वेलफेयर स्कीम के अंतर्गत छात्रवृत्ति के लिए चयनित किया गया। दिनांक 09 मई को उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार कैडेट्स द्वारा ऑनलाइन माध्यम से आयुष कवच एप डाउनलोड अभियान चलाया गया। दिनांक 12 तथा 19 मई 2020 को कैडेट्स द्वारा क्रमशः पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया गया।

जून माह की 10 तारीख को कैडेट्स द्वारा योग अवेयरनेस अभियान के तहत विडियो तैयार कर एन. सी. सी. ग्रुप हेडकर्वाटर भेजे गए तथा 20 जून को जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कोविड जागरूकता प्रशिक्षण में अपनी सहभागिता प्रस्तुत की गई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजन के क्रम में दिनाँक 21 जून 2020 को ऑनलाइन योग कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों के 900 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए जिसका ध्येय वाक्य था “योग फॉर इनर वेल बीइंग एंड मेन्टल हेल्थ”। दिनाँक 23 जून का दिन पुनः नई आशाओं के साथ आया जब लेफ्टिनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी के निर्देशन में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुई कैडेट दिव्या और कैडेट साक्षी को पुरुषकार राशि प्राप्त हुई। मानसून के आगमन के साथ ही कैडेट्स सामान्य जनमानस को प्रकृति के प्रति जागरूक करने के लिए दिनाँक 05 जुलाई 2020 को आयोजित वृक्षारोपण अभियान में सम्मिलित हुए। उक्त क्रम में महाविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के तत्वाधान में संस्था से युग्मित मेघालय राज्य के लेडी कीन कॉलेज, शिलांग द्वारा अपने 85वें स्थापना दिवस 25 जुलाई 2020 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार, जिसका शीर्षक था “कल्वर्स एंड ट्रेडिशन्स ऑफ मेघालय” में सम्मिलित होकर अपनी सहभागिता प्रस्तुत की।

राष्ट्र के गौरव के प्रतीक कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में दिनाँक 26 जुलाई 2020 को कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों से लगभग 2000 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इस विशेष अवसर आयोजित ऑनलाइन विवज़ प्रतियोगिता में कुल 612 छात्राओं ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

अगस्त माह में दिनाँक 01 से 15 अगस्त तक एन. सी. सी. की कैडेट्स द्वारा आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को प्रसारित करने के लिए प्रतिदिन पोस्टर, बैनर्स, स्लोगन राइटिंग एवं अन्य ऑनलाइन माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाया गया। उक्त अभियान के साथ दिनाँक 11 अगस्त 2020 को समस्त कैडेट्स को भारत सरकार के द्वारा प्रायोजित वोकल फॉर लोकल प्लेज का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। दिनाँक 15 अगस्त को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों को याद करते हुए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया।

उक्त के अतिरिक्त स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर 02 अक्टूबर 2020 अर्थात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती तक होने वाले फिट इंडिया फ़ीडम रन कार्यक्रमों का भी शुभारभ किया गया। इसी के साथ दिनाँक 16 अगस्त से 28 अगस्त तक राजपथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस परेड हेतु ऑनलाइन चयन प्रक्रिया भी आयोजित की गई।

सितम्बर की 16 तारीख को एन. सी. सी. की कैडेट्स द्वारा रक्षा एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से नई शिक्षा नीति 2020 पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया गया।

15 अक्टूबर 2020 को कैडेट्स द्वारा अंतर्राष्ट्रीय हैंडवाश डे के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार “हमारा हाथ-हमारा भविष्य” में प्रतिभाग किया गया। महाविद्यालय की एन. सी. सी. कैडेट्स द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति योजना (17-25 अक्टूबर 2020) के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वाभिमान हेतु आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया गया। दिनाँक 31 अक्टूबर 2020 को लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह, जो कि राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है, के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों तथा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता प्रस्तुत की गई।

नवम्बर की 22 तारीख को महाविद्यालय एन. सी. सी. की इकाई द्वारा लेफ्टिनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी के नेतृत्व में एन. सी. सी. दिवस मनाया गया क्योंकि परंपरानुसार हर वर्ष नवंबर माह के आखिरी रविवार को ही एन. सी. सी. दिवस मनाया जाता है, जिसका लक्ष्य युवाओं में एकता एंव अनुशासन की भावना को जागृत करना है। उक्त क्रम में नवम्बर की 27 तारीख को एन. सी. सी. में नवीन सत्र हेतु नामांकन की प्रक्रिया को प्रारम्भ किया गया।

विश्व एड्स दिवस जो कि हर वर्ष 01 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य एच.आई.वी. संक्रमण के प्रसार की वजह से एड्स महामारी के प्रति युवाओं में जागरूकता उत्पन्न करना है के क्रम में महाविद्यालय की एन. सी. सी. इकाई द्वारा साईकल रैली निकाली गई। दिनाँक 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2020 तक स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

जनवरी 2021 की 24 तारीख को एन. सी. सी. कैडेट्स द्वारा उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन विवज़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया तथा इसी दिन गणतंत्र दिवस परेड में सम्मिलित हुई कैडेट्स साक्षी एंव दिव्या को संगठन द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। दिनाँक 26 जनवरी 2021 को गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम के आयोजन के साथ-साथ कैडेट्स द्वारा स्वच्छता जागरण रैली का आयोजन किया गया।

एन. सी. सी. इकाई प्रभारी लेफिटनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा ग्रुप मुख्यालय के सौजन्य से कैडेट्स हेतु आयोजित पांच दिवसीय (01-05 फरवरी 2021) प्रशिक्षण कैडर में रिसोर्स पर्सन के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन किया गया तथा कैडेट्स द्वारा 09 फरवरी 2021 को सड़क सुरक्षा माह के कार्यक्रमों की शृंखला में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली गई। 16 फरवरी 2021 को उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुपालन में महाराजा मिहिर भोज की भव्य प्रतिमा को उसके सौंदर्योंकरण हेतु अंगीकार किया गया। दिनांक 21 फरवरी को ‘सी’ सर्टिफिकेट हेतु आयोजित परीक्षा में महाविद्यालय की 20 कैडेट्स सम्मिलित हुईं।

मार्च 2021 की 01 तारीख को समस्त कैडेट्स द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा आयोजित परीक्षा में अपनी सहभागिता प्रस्तुत की गयी तथा 14 मार्च 2021 को ‘बी’ सर्टिफिकेट की परीक्षा में 25 कैडेट्स सम्मिलित हुए जहाँ लेफिटनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा भी पर्यवेक्षक के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन किया गया। इसी माह महाविद्यालय की दों कैडेट्स को मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति के लिए चुना जाना सत्र को सुखद आनन्द दे गया।

पुरातन छात्रा सम्मेलन

डॉ. मिन्तु
संयोजिका

शिक्षण संस्थानों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्ञान के प्रसार के साथ-साथ जीवन का सर्वांगीण विकास करना है। पुरातन छात्रा समागम का उद्देश्य भूतपूर्व छात्राओं के अनुभवों एवं संस्था के उत्तरोत्तर विकास हेतु आवश्यक सुझावों को साझा करना होता है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ पुरातन छात्राएं महाविद्यालय में आकर अपने विचार एवं प्रतिक्रियाएं प्रकट करते हैं। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस वर्ष भी दिनांक 13-03-2021 को ऑनलाइन माध्यम से पुरातन छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। ऑनलाइन माध्यम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करके अपने संस्मरण साझा किए, साथ ही अनेक सुझाव देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने अपने उद्बोधन में पुरातन छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें अधिकाधिक संख्या में इस मंच के माध्यम से महाविद्यालय के क्रियाकलापों से जुड़ें रहने और महाविद्यालय की कीर्ति के प्रसार में लगे रहने का संदेश दिया। सत्र 2020-21 हेतु कार्यकारिणी समिति का गठन भी किया गया। इसके अतिरिक्त उक्त कार्यक्रम में छात्राओं एवं प्राध्यापकों द्वारा रोजगार के अवसरों पर भी विस्तृत चर्चा परिचर्चा की गई।

प्राथमिक चिकित्सा समिति

डॉ. शिवानी वर्मा
प्रभारी

महाविद्यालय में छात्राओं एवं प्राध्यापकों हेतु प्राथमिक चिकित्सा कक्ष की व्यवस्था की गई है जिसके लिए समिति का भी गठन किया गया है। छात्राओं की अचानक तबियत खराब होने, चोट लगने, चक्कर आने एवं अन्य आकस्मिक परिस्थिति में छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा कक्ष में प्राथमिक चिकित्सा और विश्राम कराने की व्यवस्था है। इस समिति हेतु प्रत्येक संकायों से भी छात्रा-प्रतिनिधि चुने गए हैं जो छात्राओं के बीच रहकर परिस्थिति की सूचना तुरन्त समिति सदस्यों तक पहुँचाने एवं देख रेख करने में योगदान देते हैं। इस सत्र में कोविड-19 महामारी को दृष्टिगत रखते हुए समिति सदस्यों एवं छात्राओं द्वारा ऑनलाइन माध्यम से सोशल डिस्टेन्सिंग, मास्क लगाना एवं अपने आपको महामारी से बचाव हेतु महत्वपूर्ण जानकारी महाविद्यालय छात्राओं एवं समाज तक पहुँचाने का कार्य किया।

दिनांक 19-01-21 को प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के संरक्षण में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बादलपुर के सौजन्य से कोविड-19 टेस्ट हेतु निःशुल्क परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कोविड-19 टेस्टिंग नोडल आफिसर डॉ. रणवीर सिंह एवं उनकी टीम के द्वारा छात्राओं, प्राध्यापकों एवं आस-पास से आए ग्रामवासियों का कोविड-19 RTPCR एवं Rapid Antigen Test किया जिसकी रिपोर्ट अगले दिन प्राप्त की गई।

दिनांक 12-02-2020 को सड़क सुरक्षा अभियान के अन्तर्गत प्राथमिक चिकित्सा समिति द्वारा जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें सड़क सुरक्षा सम्बन्धी नियमों के साथ-साथ, दुर्घटना हो जाने पर तुरन्त प्राथमिक उपचारों की जानकारी भी छात्राओं को दी गई। इस सम्बन्ध में प्रयुक्त विशिष्ट फोन नम्बरों की जानकारी भी छात्राओं को प्रदान की गई।

इनोवेशन एवं इनक्यूवेशन समिति

डॉ० कनकलता
सदस्य

कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर में नवाचार समिति के तत्वावधान में विभिन्न बहुउपयोगी कार्यक्रमों, कार्यशाला एवं समागम का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

नवाचार समिति का वार्षिक समागम डॉ० दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन एवं संरक्षण में दिनांक 09-10-20 को आयोजित किया गया जिसमें नवाचार समिति के भावी कार्य योजनाओं की रूपरेखा तय की गई।

इनोवेशन एवं इनक्यूवेशन समिति कि प्रथम कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20-10-20 को किया गया जिसके मुख्य वक्ता डॉ. एस.के. वर्मा ने “स्टार्टअप इकोसिस्टम एट इंस्टीट्यूशन लेवल” विषय पर अपना सारांभित व्याख्यान दिया।

अभिविन्यास कार्यक्रम के रूप में दिनांक 12-12-20 को “औद्योगिक उपक्रम एवं नवाचार के परिप्रेक्ष्य में नई शिक्षा नीति” विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता डॉ सैयद खुर्रम निसार रहे।

“इंट्रप्रनरशिप एंड इनोवेशन एज करियर अपॉर्चुनिटी” विषय पर दिनांक 17-12-20 को डॉ० सत्येंद्र कुमार मुख्य वक्ता के विशिष्ट व्याख्यान युक्त उपयोगी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में नवाचार समिति के सौजन्य से दिनांक 19-12-2020 को पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ राजबाला आर्य, डॉ. भारती दीक्षित, डॉ. निशांत वर्मा ने “वोकल फॉर लोकल” मेक इन ‘इंडिया फॉर द वर्ल्ड’ विषय पर उपयोगी एवं सार्थक व्याख्यान दिया।

“इंटेलेक्युअल प्रॉपर्टी राइट्स कंपोनेंट एट द अर्ली स्टेज ऑफ इनोवेशन” विषय पर दिनांक 22-12-20 को वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता डॉ० रीना सिंह रही।

अन्य कार्यक्रम के रूप में दिनांक 26-12-20 को “इनोवेशन एवं स्टार्टअप पॉलिसी” विषय पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ० जितेंद्र कुमार मिश्रा रहे।

इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन समिति एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था के रूप में कार्य कर रही है, जो सदैव छात्राओं के लिए हितकारी एवं उनके करियर के लिए मार्गदर्शक साबित होगा। आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रम के लिए यह समिति कृत संकल्प है।

महाविद्यालय कॉलेबोरेशन (MoU) समिति

डॉ० शिवानी वर्मा
प्रभारी

सत्र 2020-21 में महाविद्यालय द्वारा दो MOU (समझौता ज्ञापन) हस्ताक्षर किये गये। दिनांक 28-02-2020 को गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटरनोएडा की कुलपति प्रो. प्रीति बजाज ने महाविद्यालय में आकर प्राचार्या प्रो. दिव्यानाथ से भेंटवार्ता एवं महाविद्यालय भ्रमण कर शोध एवं शिक्षण सम्बन्धी विभिन्न बिन्दुओं पर तीन वर्षों के लिए MoU हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं हेतु नए कोर्स करने के लिए फीस में कुछ प्रतिशत माफी करने की भी घोषणा की गई।

दिनांक 21-01-2021 को TNS India Foundation (TNSTF) के साथ छात्राओं हेतु रोजगार, ट्रेनिंग एवं करियर काउन्सिलिंग के विभिन्न बिन्दुओं पर MoU हस्ताक्षर किया गया। TNSIF छात्राओं को 80 घण्टों की ट्रेनिंग के साथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध करायेगी, जो कि छात्राओं हेतु रोजगार की दृष्टि अत्यन्त लाभदायक सिद्ध होगा।

आजादी अमृत महोत्सव

डॉ. ममता उपाध्याय
एसो. प्रो. राजनीति विज्ञान

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में “आजादी अमृत महोत्सव” के अंतर्गत जारी शासनादेश भा.स.-27/सत्तर-3-2021 दिनांक 8-3-21 एवं उच्च शिक्षा निदेशालय के पत्रांक सहा. नि. डिग्री विकास/1205-59/2020-21, दिनांक 9-3-21 के अनुपालन के क्रम में दिनांक 12 मार्च 2021 के “राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद विषय पर महाविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ममता उपाध्याय ने राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद की धारणा को स्पष्ट किया। अन्य वक्ताओं के रूप में डॉ. निधि रायजादा एवं डॉ. मो. वकार रजा के द्वारा भी विचार व्यक्त किए गए। संगोष्ठी का आयोजन राजनीति विज्ञान विभाग एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. ममता उपाध्याय द्वारा किया गया। संगोष्ठी में महाविद्यालय की एम.ए, बी.ए. एवं अन्य संकायों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। बी.एड. संकाय की कु. प्रिया, वैशाली, अंजलि एवं एम.ए की छात्रा कु. नीशु भाटी ने उक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। दीप प्रज्ज्वलन के माध्यम से संगोष्ठी का शुभारंभ कर एवं अपनी उपस्थिति के माध्यम से प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ जी ने आजादी की 75 वीं वर्षगाँठ की शुभकामनाएँ सभी प्राध्यापकों एवं छात्राओं को दी। महाविद्यालय के प्राध्यापकों डॉ. दीपि वाजपेयी, डॉ. सतीश चंद, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. रमाकांति, डॉ. रतन सिंह ने अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति से कार्यक्रम को ऊर्जस्वित किया।

इसी क्रम में दिनांक 12-3-21 को ही छात्राओं की एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन प्रारंभ किया गया जिसका विषय ‘भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की संघर्ष गाथा’ था। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च की ऐतिहासिक तिथि को ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के द्वारा ‘दाण्डी यात्रा’ प्रारंभ कर ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध दूसरा जनांदोलन ‘सविनय अवज्ञा आंदोलन’ शुरू किया गया था। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. कोमल भाटी, एम. ए. I राजनीति विज्ञान, द्वितीय स्थान कु. अंजलि भाटी, एम. ए. II ने प्राप्त किया।

दिनांक 5 अप्रैल 2021 को दाण्डी यात्रा की समाप्ति की वर्षगाँठ पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साह वर्द्धन किया गया।

विभागीय परिषद्

डॉ. शिवानी वर्मा
प्रभारी

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग में छात्राओं हेतु विभागीय परिषद् गठन किया जाता है। इन परिषदों में छात्राओं का निर्वाचन कर परिषद के विभिन्न पदों पर नियुक्त कर विभिन्न कार्य दायित्वों का निर्वहन किया जाता है। विभागीय परिषद् के अन्तर्गत प्रत्येक विभाग विभिन्न शिक्षणेत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। शिक्षा मानव विकास में महत्वपूर्ण भूमिका रखती है परन्तु छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अन्य गतिविधियाँ भी छात्राओं में छुपी हुई प्रतिभाओं कलाओं कौशल, ज्ञान, मूल्य, नेतृत्व क्षमता एवं चरित्र निर्माण को बहुमुखी आयाम देती है। प्रत्येक विभाग द्वारा विभागीय परिषद के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे कलश सज्जा, हैंडीक्राफ्ट बनाना, निबन्ध लेखन, वाद-विवाद, गायन, कविता लेखन, पोस्टर बनाना, फैशन शो इत्यादि का आयोजन किया गया। कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए इस वर्ष सामूहिक रूप से पुरस्कार वितरण समारोह के आयोजन के स्थान पर विजयी छात्राओं को विभागीय स्तर पर पुरस्कार प्रदान किये गए।

भारत स्काउट एवं गाइड एक सेवा अभियान है, जो व्यक्ति से ज्यादा सेवा को महत्व देता है। राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करने एवं युवा विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने में और युवाओं के विकास हेतु एक समस्त दृष्टिकोण अपनाना बहुत जरूरी है ताकि उन्हें समाज एवं मानव सेवा हेतु तैयार किया जा सके। भारत के 54% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाला 25 वर्ष से कम आयु वर्ग का युवा है। राष्ट्रीय एकता की बात को प्रोत्साहित करने व युवा विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले सहयोगपूर्ण वातावरण का निर्माण करने व परिश्रम, अनुशासन, समर्पण का दृढ़ संकल्प और उनके व्यक्तित्व के मानसिक, शारीरिक व अध्यात्मिक पहलुओं में निखार लाना तथा एक आदर्श लोकतंत्र आर्थिक शक्ति और एक प्रगतिशील समाज बनाने में भारत स्काउट एवं गाइड महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

राष्ट्रीय एकता और युवा वर्ग की शारीरिक, मानसिक व अध्यात्मिक उन्नति हेतु स्काउटिंग एवं गाइडिंग केवल भारत में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में एक सशक्त माध्यम के रूप में स्थापित है। महाविद्यालय में वर्ष 2001 से अहिल्याबाई टीम के नाम से रेंजर इकाई संचालित है। रेजर इकाई के माध्यम से रेंजर्स के बहुमुखी व्यक्तित्व विकास, उनका प्रकृति के साथ सांमजस्य स्थापित करने एवं उनमें सेवा, सौहार्द, सहयोग, स्थावलम्बन, स्वदेश प्रेम और विश्व बंधुत्व की भावना का विकास करना है।

सत्र 2020-21 में रेंजर्स इकाई का महाविद्यालय विकास में योगदान एवं आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत् है-

1. रेंजर्स के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश सरकार के अनुपालन में 10-02-20 को चौरीचौरा शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया।
2. शासन से प्राप्त पत्रांक संख्या 18/सत्तर-ड-20-21-08 (14) के अनुपालन में 13-02-2021 को सड़क सुरक्षा से सम्बंधित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
3. रेंजर्स द्वारा दिनांक 15-02-2021 को “आत्मनिर्भर भारत में शिक्षा की भूमिका” विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
4. दिनांक 19-03-2021 को पोस्टर प्रतियोगिता पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित की गई।
5. दिनांक 19-03-2021 को वाद विवाद प्रतियोगिता “इकोरेस्टोरेशन” का आयोजन किया गया।
6. रेंजर्स में हस्तशिल्प के कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक हस्त शिल्पकला कौशल प्रतियोगिता का आयोजन 19-03-2021 को किया गया।
7. त्रिदिवसीय रेंजर्स प्रशिक्षण के दौरान 20-03-2021 को गांठ-बन्धन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
8. त्रिदिवसीय रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 18 मार्च 2021 से 20 मार्च 2021 तक सम्पन्न हुआ। शिविर में प्रशिक्षण के दौरान रेंजर्स को गांठ बन्धन व प्राथमिक चिकित्सा सम्बंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सम्पूर्ण सत्र (2020-21) व प्रशिक्षण के दौरान रेंजर यूनिट द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन रेजर प्रभारी डॉ. सुशीला के निर्देशन में किया गया तथा त्रिदिवसीय प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन शिविर सत्र 2020-21 का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के संरक्षण व रेंजर प्रभारी के निर्देशन में 18-03-21 से 20-03-21 तक किया गया। उक्त शिविर में प्रशिक्षण डॉ. सुशीला द्वारा एवं शिविर का मूल्यांकन श्री शिवकुमार जी, डी.ओ.सी स्काउट गाइड गौतमबुद्ध नगर द्वारा किया गया।

सम्पूर्ण सत्र (2020-21) व प्रशिक्षण शिविर के दौरान रेंजर यूनिट द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं का परिणाम निम्नवत् रहा -

प्रतियोगिता	छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा	स्थान
हस्त शिल्पकला कौशल प्रतियोगिता	कु. प्रवेश कु. निक्की भाटी कु. भूमिका कु. रश्मि यादव कु. शक्ति कु. शीतल	श्री चन्द्रपाल सिंह श्री संजय भाटी श्री महेश कुमार श्री चित्रपाल सिंह श्री रामरत्न सिंह श्री खेमचन्द	B.A III B.A I B.A II B.A III B.A III B.A III	प्रथम द्वितीय तृतीय सांत्वना सांत्वना सांत्वना
निबन्ध प्रतियोगिता	कु. भूमिका कु. खुशी नागर कु. अंजली रानी	श्री महेश कुमार श्री तेजवीर नागर श्री आनन्द स्वरूप	B.A II B.A I B.Com I	प्रथम द्वितीय तृतीय
पोस्टर प्रतियोगिता	कु. भूमिका कु. किरण कु. कोमल	श्री महेश कुमार श्री सुरेश गुप्ता श्री श्याम सुन्दर	B.A II B.sc II B.A II	प्रथम द्वितीय तृतीय
वाद-विवाद प्रतियोगिता (इको रेस्टोरेशन)	कु. सपना प्रतिहस्त कु. आँचल कु. शिवानी चौधरी कु. भूमिका कु. रितिका रावत	श्री कमलेश प्रतिहस्त श्री राज सिंह श्री सुरेन्द्र सिंह श्री महेश कुमार श्री रामचन्द्र रावत	M.A I B.ED I B.com II B.A II B.A II	प्रथम द्वितीय तृतीय सांत्वना सांत्वना
गाँठे बन्धन (समस्त छात्राओं को पुरस्कृत किया गया)	कु. हर्षिता यादव कु. शीतल शर्मा कु. भूमिका	श्री देवीराम यादव श्री श्यामवीर शर्मा श्री महेश कुमार	B.sc II B.A III B.A II	प्रथम द्वितीय तृतीय
तम्बू निर्माण प्रतियोगिता	सर्वश्रेष्ठ टोली पुरस्कार जम्मू कश्मीर राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए सावित्रीबाई फूले ने सत्र 2020-21 का सर्वश्रेष्ठ टोली पुरस्कार प्राप्त किया			
सर्वश्रेष्ठ रेंजर	सत्र 2020-21 की सम्पूर्ण सत्र की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सर्वश्रेष्ठ रेंजर का पुरस्कार कु. भूमिका पुत्री श्री महेश कुमार B.A II year को प्रदान किया गया ।			

उसके अतिरिक्त वर्तमान सत्र में अक्टूबर माह से आयोजित/संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत रेंजर यूनिट निरन्तर अपना योगदान दे रही है ।

सङ्क सुरक्षा समिति

डॉ. आशा रानी
प्रभारी

शासन के निर्देशानुसार बढ़ती हुई सङ्क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जनपदीय स्तर पर गठित सङ्क सुरक्षा समिति के तत्वावधान में कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 20-01-21 से 20-02-21 सङ्क सुरक्षा माह आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम द्वारा सङ्क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने हेतु निबन्ध, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, पोस्टर, चौपाई, दोहा एवं लघु कहानी लेखन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। राज्य स्तरीय मस्कट लेखन में महाविद्यालय की बी. एड. प्रथम वर्ष छात्रा कु. रोज़ी आज़मी को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 21000 रु की राशि प्रथम पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई।

इसी क्रम में जनपद स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय से कु. वैशाली सैनी (बी.एड.द्वितीय वर्ष), मोहनी (बी.एड. द्वितीय वर्ष), नीलम यादव (बी.एड.प्रथम वर्ष), ज्योति (बी.ए. प्रथम वर्ष), विकांक्षा शर्मा (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष), निकिता शर्मा (बी.ए. द्वितीय वर्ष), ममता वर्मा, प्रिया दुबे तथा दीपाली निर्मल (बी.एड. प्रथम वर्ष), पुरस्कार प्राप्त करने में सफल रहीं। कार्यक्रमों का संचालन संस्था की प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन तथा सङ्क सुरक्षा समिति प्रभारी डॉ. आशा सिंह के कुशल नेतृत्व में किया गया। इन कार्यक्रमों के आयोजन में सङ्क सुरक्षा समिति के सदस्य डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. मणि अरोडा, डॉ. सतीश चन्द्र तथा डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार का योगदान सराहनीय रहा।

छात्रवृत्ति आख्या

बलराम सिंह
नोडल अधिकारी

कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर इस क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ी छात्राओं को कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु कृत संकल्प है। छात्राओं की शिक्षा-दीक्षा में धन की कमी आड़े न आए इसी को ध्यान में रखते हुए उ.प्र. सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा कमजोर आर्थिक स्थिति वाली छात्राओं को शुल्क प्रति पूर्ति एवं छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। विगत् वर्ष 2019-20 में सामान्य की 168, पिछड़ी जाति की 321, अनुसूचित जाति की 160, तथा अल्संख्यक वर्ग की 39 छात्राओं को शुल्क प्रति पूर्ति तथा छात्रवृत्ति प्राप्त हुई। कुल 688 छात्राओं को छात्रवृत्ति के रूप में 16,42,510 रुपये तथा शुल्क प्रति पूर्ति में 18,73,363 रुपये उनके खातों में समाज कल्याण विभाग द्वारा भेजे गए।

सत्र 2020-21 में महाविद्यालय द्वारा सामान्य जाति के 120, अनुसूचित जाति के 153 अन्य पिछड़ा जाति की 286 तथा अल्प संख्यक वर्ग की 31 छात्राओं के छात्रवृत्ति कार्य अग्रसारित किए गए हैं। मार्च मे अधिकांश छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति प्राप्त हो चुकी है।

कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ

श्रीमती शिल्पी
प्रभारी

महाविद्यालय कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा छात्रों में कैरियर संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रेरित करने हेतु कार्यरत है। करियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के अंतर्गत मेधा के सौजन्य से सत्रारंभ में लगभग 20 वेबीनार आयोजित किए गए। आयोजन के विभिन्न विषय निम्नलिखित थे:-

Movie premier & live Q&A, Entrepreneurship after COVID-19, रोजगार, स्व रोज़गार या व्यापार क्या होगा, कैरियर कोरोना के उस पार, Mental Health, Financial Market and its scope, Network Marketing as a career Understanding Digital Marketing better, important Skills required for youth job, Career Awareness in Banking and Financial Sector, Power of Networking, Managing Time and skills during a Crisis and staying motivated. किसान का खेत से बाजार तक का बदलता सफर, Goal Setting & Manning Goal, Social Media for building career, Breaking Sales Myth, Professional communication.

लॉकडाउन के समय छात्राओं में E learning और व्यवसाय कौशल के विकास हेतु विभिन्न सेशन आयोजित किए गए। जिसमें

प्रमुख रूप से Personality Development, Communication skill, Resume writing, Using social platform for accessing job opportunity, Work from home, training on Microsoft team, Awareness on Covid-19, Creating profile on Internshala & other Applications, Providing basic computer education, E-skill Learning app, Mock interviews, Discussion on online courses, Sharing online Internship platform, Creation of Linkedin and Gmail account.

66 छात्राएं ऑनलाइन इंटर्नशिप हेतु विभिन्न संस्थानों से जुड़ी, जिसमें 39 छात्राओं ने सफलता पूर्वक एक माह का इंटर्नशिप पूर्ण किया। महाविद्यालय की छात्राएं, विभिन्न संस्थान जैसे SDDNNA, Varitra Foundation, APPWARS Technologies, Hamari pahchan NGO, Teach from home (World Youth Council), Parimal Foundation, Digi Fuse Marketing से internship हेतु जुड़ी।

मेधा संस्थान द्वारा संचालित CAB (Career Advantage Bootcamp) प्रशिक्षण 2019-20 में 65 छात्राओं ने 30 घंटों की कक्षाएं सफलता पूर्वक पूर्ण की। मेधा के सौजन्य से 2020-21 सत्र में 30 घंटे की CAB की ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन किया गया था। कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यरत कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वधान में विभिन्न प्रकार की रोजगार संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। इस प्रकोष्ठ में स्वयंसेवी संस्था मेधा के सौजन्य से व्यक्तित्व विकास एवं स्प्रेषण विषय पर नियमित रूप से ई कैब की दो बैच की कक्षाएं माइक्रोसॉफ्ट टीम पर संचालित की गईं। लगभग 50 छात्राओं को नियमित प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप के विभिन्न अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर दिव्या नाथ के निर्देशन में मुंबई आधारित स्वयंसेवी संगठन टेक्नो सर्व इंडिया फाउंडेशन के साथ कोलैबोरेशन के लिए एम ओ यू साइन किया गया। Technoserve Youth Employability Program के अंतर्गत छात्राओं के लिए 60 घंटे की कक्षाएं आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार क्षमताओं के विकास हेतु निर्देशित एवं परामर्श प्रदान किया गया। टेक्नो सर्व कैंपस टू कॉर्पोरेट कैरियर कार्यक्रम के द्वारा छात्राओं को रोजगार संबंधित कौशल जानकारी चार महत्वपूर्ण चरणों में दी गई। Career Readiness, Career Counselling, Career Access एवं Career Success. दिनांक 18 दिसंबर 2020 एवं 5 जनवरी 2021 को अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं को पूरे प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी गई। टेक्निक्स ऑफ इंडिया द्वारा तीन बैचेज बी कॉम तृतीय वर्ष, बी एस सी तृतीय वर्ष, बीए तृतीय वर्ष एवं एम ए द्वितीय वर्ष की छात्राओं को सम्मिलित किया गया है। छात्राओं को विभिन्न रोजगार पूरक प्रशिक्षण प्रदान किए गए। छात्रों के स्तरि के अनुसार मई से नवंबर के बीच में विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे। 24 फरवरी 2021 को एडलिंग कंपनी द्वारा बी कॉम ॥ एवं बी कॉम ॥। की छात्राओं को रिज्यम एवं साक्षात्कार की तैयारी हेतु ट्रेनिंग प्रदान की गई। जनवरी से फरवरी माह से ऐपवारस (APPWARS) कंपनी के सौजन्य से डाटा एंट्री प्रोफाइल की एक माह की इंटर्नशिप तनु शर्मा, काजल नागर एवं कीर्ति को दी गई। कुमारी मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय कैरियर काउंसलिंग एवं मेधा लर्निंग फाउंडेशन बैनर के तले छात्राओं के पंखों को दी गई एक नई उड़ान, दिनांक 19 मार्च 2021 प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव की शुरूआत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ के प्रेरक वक्तव्य के साथ हुई छात्राओं को रोजगार देने हेतु प्रसिद्ध कंपनी केरायर हेल्थ इंश्योरेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी महाविद्यालय में आई। कंपनी कि एच आर मैनेजर साक्षी निगम एवं टीम लीडर परविंदर कौर ने 30 छात्राओं के चयन हेतु महाविद्यालय की लगभग 100 छात्राओं का साक्षात्कार लिया। उपरोक्त साक्षात्कार में 9 छात्राएं चयनित हुईं। करियर काउंसलिंग टीम के सभी सदस्य डॉ शिल्पी, डॉ मीनाक्षी, डॉ सत्यंत, एवं डॉ सीमा द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है कि भविष्य में भी छात्राओं को ऐसे अवसर उपलब्ध कराए जा सके कि वह रोजगार प्राप्त कर सकें और अपने भविष्य को एक नई ऊँचाई प्रदान कर सकें।

एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति

लेफिटनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी
नोडल प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर में संचालित एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान समिति, दिनांक 31 अक्टूबर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर देखे गए ख्वाब को साकार करने के प्रयास में निरंतर संलग्न हैं, जिसके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के संप्रदायों के बीच एक निरंतर और संरचित सांस्कृतिक संबंध बनाये जा सके। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम प्रधानमंत्री द्वारा 31 अक्टूबर, 2016 को विभिन्न राज्यों/संघशासित प्रदेशों के लोगों के बीच सदभाव बढ़ाने के लिए आरम्भ किया गया था जिससे कि विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के बीच परस्पर समझ और रिश्तों को बढ़ावा दिया जा सके और इस प्रकार भारत मजबूत एकता और अखण्डता सुनिश्चित की जा सके।

माननीय प्रधानमंत्री ने यह प्रतिपादित किया कि सांस्कृतिक विविधता एक खुशी है जिसे विभिन्न राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच पारस्परिक संपर्क और पारस्पारिकता के माध्यम से मनाया जाना चाहिए ताकि देश भर में समझ की एक सामान्य भावना प्रतिष्ठित हो। देश के प्रत्येक राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश एक वर्ष के लिए किसी अन्य राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के साथ जोड़ा बनाया जाएगा, इस दौरान वे भाषा, साहित्य, भोजन, त्योहारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पर्यटन आदि क्षेत्रों में एक दूसरे के साथ जुड़ेंगे। भागीदार राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश आपस में एक दूसरे को सांस्कृतिक रूप से अंगीकृत करेंगे। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सभी राज्यों को उनकी संस्कृति एवं इतिहास से जोड़ना है जिससे देश में एकता के नये रूप का संचार हो सके। सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के बीच गहरे रचनात्मक संपर्कों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना है।

महाविद्यालय में संचालित “एक भारत श्रेष्ठ भारत” अभियान के अन्तर्गत “देखो भारत देश” शीर्षक पर दिनांक 16 जून 2020 को एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्व के 15 प्रमुख देशों के अलावा भारत के 31 राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के 3157 प्रतिभागियों द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज की गई। वेबिनार की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा की गई। विशिष्ट आमंत्रित अतिथि के रूप में “एक भारत श्रेष्ठ भारत” अभियान के तहत महाविद्यालय से युग्मित मेघालय राज्य के लेडी कीन कॉलेज, शिलांग एवं नोगांस्टाइन कॉलेज, खासी हिल्स की प्राचार्या डा. क्रिसेंथिमुम एवं डा. लॉसन मौथोव क्रमशः उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. श्री प्रकाश सिंह द्वारा “भारत में ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक विविधता” शीर्षक पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। जहां उन्होंने पुरातन भारतीय सनातन संस्कृति एवं ग्रंथों में छिपे विज्ञान को वैज्ञानिक साक्षरों एवं तथ्यों के साथ प्रस्तुत किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग से प्रोफेसर डॉ. राजीव वर्मा द्वारा “भारतीय संगीत की विभिन्न धाराओं” को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत किया तथा मीराबाई के भजन की धुन पर सितार बजाकर सितार के भिन्न सुरों से सभी को अवगत कराया। तीसरे विशिष्ट वक्ता के रूप में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग से आमंत्रित डॉ. विध्यवासिनी पांडेय द्वारा हिमालय के संर्दभ में भारतीय भूगोल को चित्रों सहित प्रस्तुत किया तथा क्रमानुसार प्रत्येक पक्ष की व्याख्या की गई। सेंटर फॉर स्टडी ऑफ रिजनल डेवलपमेंट, जवाहर नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के डॉ. संजीव शर्मा द्वारा हिमालय क्षेत्र में घुमंतू समुदाय के जीवन एवं संस्कृति पर आधारित शोध अध्ययन प्रस्तुत किया गया। उनके उपरान्त केंद्रीय विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के मानवशास्त्र विभाग से डॉ. राहुल पटेल ने भारत के आदिवासियों की सभ्यता एवं संस्कृति के साथ-साथ उनकी प्राकृतिक उपचार विधियों की वैज्ञानिक व्याख्या प्रस्तुत की। चिल्ड्रन हेल्थ कॉउन्सिल, कैलिफोर्निया, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका की डॉ.विभा पाठक द्वारा “भारत में मेडिकल टूरिज्म की संभावनाओं” पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया गया। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेन्सिंग, देहरादून से आमंत्रित डॉ. वंदिता श्रीवास्तव द्वारा “प्रमोशन ऑफ टूरिज्म इन इंडिया थ्रू रिमोट सेन्सिंग एंड जिओ स्पैटियल टेक्नोलॉजी” शीर्षक पर अपना शोध अध्ययन प्रस्तुत किया गया।

इसी क्रम में दिनांक 25 जुलाई 2020 को एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत मेघालय राज्य की युग्मित संस्था लेडी कीन कॉलेज, शिलांग द्वारा अपने पिच्च्यासीवें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर के साथ संयुक्त सौजन्य से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार भी आयोजित किया गया। लेडी कीन कॉलेज, शिलांग की एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा इस वेबिनार में संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। “मेघालय की संस्कृति एवं परम्पराएं” शीर्षक पर आयोजित इस वेबिनार में संस्था की एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति की नामांकित छात्राओं द्वारा भी अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गयी, जहां गीत संगीत के माध्यम से उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर लेडी कीन कॉलेज, शिलांग की छात्राओं द्वारा भी विभिन्न प्रस्तुतियों से मेघालय की सांस्कृतिक संपन्नता को सांझा किया गया। दिनांक 21 फरवरी 2021 को “एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति” द्वारा ऑनलाइन माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस का आयोजन किया गया। सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चला ये कार्यक्रम दो गतिविधियों का साक्षी बना। सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्या की अध्यक्षता में ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें विभिन्न विभाग की छात्राओं द्वारा “मातृ भाषा की उपयोगिता और उपादेयता” शीर्षक पर अपने विचार प्रस्तुत किये गए। अंत में माननीय प्राचार्या द्वारा अपने अध्यक्षीय संबोधन में मातृभाषा की तुलना जन्म देने वाली माँ से करते हुए मातृ भाषा की प्रासंगिकता को विस्तृत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में समिति द्वारा भारत सरकार के शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में सभी शिक्षकों सहित छात्राओं को शामिल किया गया। जिसके अंतर्गत भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री वैक्या नायडू मुख्य अतिथि तथा माननीय शिक्षा मंत्री, माननीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (प्रभारी) और शिक्षा राज्य मंत्री सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मातृ भाषा सप्ताह आयोजन के क्रम में महाविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा नोडल प्रभारी लेफिटनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी के निर्देशन में दिनांक 27 फरवरी, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें उत्तर प्रदेश सहित भारत के कई राज्यों की छात्राओं की सहभागिता रही।

समिति के सतत प्रयासों की श्रृंखला में दिनांक 01 मार्च 2021 को जैविक कृषि उत्पाद मेला आयोजित किया गया। इस भव्य मेले में जैविक कृषि उत्पादक संगठन, ग्राम खंडरा, तहसील दादरी द्वारा जैविक कृषि की विधि तथा तैयार उत्पाद प्रदर्शित किए गए। मेले का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ द्वारा रिबन काटकर किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ ने बढ़ती हुई जनसंख्या, पर्यावरण प्रदूषण, भूमि की उर्वरक शक्ति के संरक्षण एंव मानव स्वास्थ्य के लिए जैविक खेती की राह को ही समाधान की राह बताया। उन्होंने जैविक कृषि को मानव जीवन के सर्वांगीण एंव सकारात्मक विकास के लिए नितान्त आवश्यक बताते हुए कहा की वर्तमान समाज का ये दायित्व है कि वह इस विषय को गंभीरता से लें ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रदूषित न हो, उन्हें शुद्ध वातावरण एंव पौष्टिक आहार सुलभ हो सके। इसके लिये आज नहीं तो कल हमें जैविक खेती की पद्धतियाँ को अपनाना ही होगा जोकि हमारे नैसर्गिक संसाधनों एंव मानवीय पर्यावरण को प्रदूषित किये बगैर समस्त जनमानस को खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकेंगी तथा वर्तमान और भविष्य को खुशहाल जीने की राह दिखा सकेंगी।

गुनगुनी और सुनहरी धूप में दोपहर 12:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक आयोजित भव्य मेले में छात्राओं एंव शिक्षकों द्वारा विभिन्न जैविक उत्पादों जैसे शुद्ध देशी धी, पीली सरसों का तेल, अचार, मसाले, पनीर, सब्जियों आदि की जमकर खरीदारी की गयी। कृषि उत्पाद संगठन की और से श्री मनेंद्र सिंह, श्री संजीव कुमार प्रेमी, श्री ओमवीर सिंह तथा श्री मुकेश शर्मा द्वारा प्रत्येक ग्राहक को जैविक उत्पादों एंव स्वास्थ्य एंव संवर्धन के मध्य सकारात्मक सहसम्बन्ध को समझाया गया। जैविक कृषक उत्पादक संगठन प्रभारी श्री संजीव कुमार प्रेमी ने बताया कि रासायनिक खाद फसल के लिए उपयुक्त जीवाणुओं को समाप्त कर देती है। इन सूक्ष्म जीवाणुओं के तंत्र को विकसित करने के लिए जैविक खाद का प्रयोग किया जाना चाहिए ताकि फसल के लिए मित्र जीवाणुओं की संख्या तथा हवा के संचार में वृद्धि होने के साथ-साथ भूमि में पानी को पर्याप्त मात्रा में सोखने की क्षमता विकसित हो सके।

इस अवसर पर ओम वर्मी कंपोस्ट समूह द्वारा भी अपना स्टाल लगाया गया जहां समूह प्रभारी श्री मुकेश द्वारा वर्माकॉम्पोस्ट खाद बनाने की विधि के साथ-साथ उसके महत्व को भी बताया गया। उन्होंने कहा कि केंचुआ खाद या वर्माकॉम्पोस्ट पोषण पदार्थों से भरपूर एक उत्तम जैव उर्वरक है। यह केंचुआ आदि कीड़ों के द्वारा वनस्पतियों एंव भोजन के कचरे आदि को विधायित करके बनाई जाती है जो कि डेढ़ से दो माह के अन्दर तैयार हो जाती है। एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति की प्रमुख सलाहकार डॉ. शिल्पी ने जैविक कृषि को दैविक कृषि कहते हुए कहा कि इसके द्वारा पर्यावरण संरक्षित कृषि को बढ़ावा देकर पैदावार में वृद्धि हेतु रसायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम की जा सकती है।

कार्यक्रम के समाप्ति के अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति की नोडल प्रभारी लेफिटनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भारत की एकता और श्रेष्ठता का प्रमुख निर्धारक राष्ट्र का उत्तम स्वास्थ्य ही है। अतः जैविक कृषि राष्ट्र के उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनिवार्य घटक है। इस अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति सदस्य डॉ. बबली अरुण, डॉ. विजेता गौतम तथा डॉ. संजीव कुमार सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का सहयोग एंव छात्राओं की सहभागिता सराहनीय रही।

उक्त विशिष्ट गतिविधियों के साथ-साथ सम्पूर्ण सत्र में शासन द्वारा निर्धारित गतिविधियों का निर्देशानुसार क्रियान्वयन किया गया जिसके तहत समिति सदस्य डॉ. विजेता गौतम द्वारा ऑनलाइन एंव ऑफलाइन कक्षाओं के माध्यम से खासी भाषा के अक्षर, शब्द, सौ वाक्यों, कहावतों एंव मुहावरों का ज्ञान कराया गया। संगीत विभाग प्रभारी डॉ. बबली अरुण द्वारा वर्ष भर मेधालय राज्य के गीत-संगीत, नृत्य एंव सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराया गया जिसका परिणाम छात्राओं से संवाद में प्रत्यक्ष परिलक्षित भी हो रहा है। नोडल प्रभारी लेफिटनेन्ट डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा वार्षिक योजना का प्रारूप तैयार कर वर्ष भर “मेधालय को जाने” थीम पर आधारित प्रश्नोत्तरी, व्याख्यान, वाद-विवाद, कविता पाठ आदि प्रतियोगिताएं, साहित्यिक मेला, स्वच्छता एंव ज्ञानस्तिक का प्रयोग न करने पर कोन्द्रित शपथ ग्रहण कार्यक्रम ऑनलाइन एंव ऑफलाइन माध्यम से आयोजित कराए गए। एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति की मुख्य सलाहकार डॉ. शिल्पी के निर्देशन में आयोजित समस्त गतिविधियों की रिपोर्ट डॉ. संजीव कुमार द्वारा तैयार की गई ताकि भविष्य हेतु सूचनाओं को संकलित एंव सुरक्षित किया जा सके।

साहित्यिक - सांस्कृतिक परिषद्

डा. दीपि वाजपेयी
प्रभारी

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा के लिए विश्व-विश्रुत है। वस्तुतः किसी भी देश की संस्कृति वहाँ के नागरिकों के प्राच्य ज्ञान, बौद्धिक सम्पन्नता, उन्नत आचरणशीलता एवं नैतिक - सामाजिक मूल्यों की उत्कृष्टता की बोधक होती है। संस्कृति एक व्यापक सम्प्रत्यय है, जिसमें जीवन के प्रत्येक पक्षों का समिश्रण है। साहित्य, कला, संगीत एवं मूल्याचार उसके अभिन्न अंग हैं। कहा भी गया है—“साहित्य संगीत कला विहीनः, साक्षात् पशु पुच्छविषाण हीनः” अर्थात् साहित्य, संगीत एवं कला से रहित व्यक्ति पशु के समान है।

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ ही वस्तुतः मनुष्य को मानव बनाती हैं। संस्कृति ही वह मूल तत्व है जो सृष्टि के अन्य मानवेतर जीवों से मानव जीवन का विभेद करती है। तथा मनुष्य जन्म की श्रेष्ठता को सिद्ध करती है।

संस्कृति एवं साहित्य के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए, महाविद्यालय की छात्राओं के विकास हेतु विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी साहित्यिक-सांस्कृतिक परिषद् के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कोविड-19 की विषम परिस्थितियों में भी छात्राओं के अन्तर्गत आत्मविश्वास, तनाव प्रबन्धन, नेतृत्व शीलता, नागरिकता, समाजसेवा, चरित्र निर्माण, व्यवसायिक क्षमताओं में अभिवृद्धि इत्यादि गुणों का विकास करने के उद्देश्य से कोविड-19 की आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए दिनांक 16 से 22 जनवरी 2021 तक साहित्यिक - सांस्कृतिक सत्राह का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता, डॉ. अर्चना सिंह के निर्देशन में स्वरचित कहानी एवं कविता प्रतियोगिता डॉ. सुशीला, श्रीमती नेहा त्रिपाठी एवं डॉ. सोनम शर्मा, डॉ. शिल्पी के निर्देशन में भाषण प्रतियोगिता, डॉ. शालिनी तिवारी के निर्देशन में पोस्टर प्रतियोगिता तथा डॉ. दीपि वाजपेयी के निर्देशन में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्नवत् रहे-

कविता प्रतियोगिता-

कु० नीलम	-	बी० एड०	I	-	प्रथम
कु० मानसी तेवतिया	-	बी० ए०	II	-	द्वितीय
कु० श्रुति गर्ग	-	बी० एस० सी०	II	-	तृतीय
कु० ज्योति शर्मा	-	एम० एस० सी०	I	-	तृतीय

कहानी प्रतियोगिता-

कु० शिवानी	-	बी० कॉम०	II	-	प्रथम
कु० प्रिया	-	बी० कॉम०	II	-	द्वितीय
कु० वर्षा	-	बी० एस० सी०	II	-	तृतीय
कु० प्रिया	-	बी० एड० I	-	-	तृतीय

भाषण प्रतियोगिता-

कु० सिमरन सिंह	-	बी० एस० सी०	III	-	प्रथम
कु० साक्षी शर्मा	-	बी० एस० सी०	I	-	द्वितीय
कु० भूमिका मोरल	-	बी० एस० सी०	II	-	तृतीय

निबन्ध प्रतियोगिता-

कु० सुमन वर्मा	-	बी० एड०	I	-	प्रथम
कु० भूमिका	-	बी० ए०	II	-	द्वितीय
कु० आंचल	-	बी० ए०	III	-	तृतीय

पोस्टर प्रतियोगिता-

कु० शिखा शर्मा	-	एम० ए०	I	-	प्रथम
कु० खुशी नागर	-	बी० ए०	I	-	द्वितीय

कु० मनीषा	-	एम० ए०	I	-	द्वितीय
कु० फरीन सैफी	-	बी० ए०	II	-	तृतीय
कु० आयशा	-	बी० ए०	II	-	तृतीय
कु० संयोगिता	-	बी० एड०	I	-	सांत्वना
कु० हिमांशी शर्मा	-	बी० ए०	II	-	सांत्वना

एकल गायन प्रतियोगिता-

कु० साधना	-	बी० एड०	I	-	प्रथम
कु० नेहा नागर	-	बी० ए० सी०	II	-	द्वितीय
कु० खुशी नागर	-	बी० ए०	I	-	तृतीय

समूह गायन प्रतियोगिता-

कु० सनी नागर	-	बी० ए०	II	-	प्रथम
कु० रितिका रावत	-	बी० ए०	II	-	प्रथम
कु० साक्षी	-	बी० ए०	III	-	द्वितीय
कु० शीतल	-	बी० ए०	III	-	द्वितीय
कु० शिवानी	-	बी० ए०	III	-	तृतीय
कु० शीतल शर्मा	-	बी० ए०	III	-	तृतीय
कु० हिमांशी शर्मा	-	बी० ए०	II	-	सांत्वना

एकल नृत्य प्रतियोगिता-

कु० सनी नागर	-	बी० ए०	II	-	प्रथम
कु० खुशी नागर	-	बी० ए०	I	-	द्वितीय
कु० अजलि	-	बी० ए०	I	-	तृतीय

समूह नृत्य प्रतियोगिता-

कु० वर्षा	-	बी० ए०	I	-	प्रथम
कु० पंखलिका	-	बी० ए०	I	-	प्रथम
कु० शीतल	-	बी० ए०	III	-	द्वितीय
कु० रश्मि यादव	-	बी० ए०	III	-	द्वितीय
कु० शीतल	-	बी० ए०	III	-	तृतीय
कु० शिवानी	-	बी० ए०	III	-	तृतीय

मेहदी प्रतियोगिता-

कु० काजल	-	एम० ए०	I	-	प्रथम
कु० काजल शर्मा	-	एम० ए०	I	-	द्वितीय
कु० फरीन सैफी	-	बी० ए०	II	-	तृतीय

रंगोली प्रतियोगिता-

कु० मोहनी	-	बी० एड०	II	-	प्रथम
कु० फरहीन	-	बी० ए०	II	-	द्वितीय
कु० काजल शर्मा	-	बी० ए०	I	-	तृतीय

उपरोक्त सभी प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के आयोजन में सम्पूर्ण साहित्यिक - सांस्कृतिक समिति के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी विजयी छात्राओं को वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के कर-कर्मलों से पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय की साहित्यिक - सांस्कृतिक परिषद् आगामी सत्रों में भी छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

महिला प्रकोष्ठ

डॉ. अर्चना सिंह
प्रभारी

स्त्री पुरुष समाज में एक दूसरे के पूरक हैं। आज समाज में उन्नति और प्रगति के साथ महिलाओं को परिवार में आर्थिक भागीदारी के कई अवसर मिलने लगे हैं जिससे पूरे परिवार के रहन-सहन का स्तर बढ़ा है साथ ही महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है। महिला परिवार की धूरी होती है जिसके चारों ओर पारिवारिक जीवन घूमता है। माना जाता है कि एक शिक्षित और समझदार गृहणी परिवार को सुख समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर करती है। आज महिलाएं न केवल परिवार में बल्कि परिवार के बाहर कार्यक्षेत्र में भी लोगों के कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। ऐसे कार्यों में जहां अभी तक केवल पुरुषों का वर्चस्व था, वहां पर भी महिलाओं ने अपना परचम लहराया है, परन्तु महिलाओं के उत्थान के साथ-साथ एक दुखद पक्ष और भी जुड़ता जा रहा है, वह है महिला के शोषण का। परिवार व कार्य क्षेत्र में महिलाओं का मानसिक और शारीरिक शोषण व महिला सशक्तिकरण के मार्ग में बहुत बड़ी बाधा है और समाज की छवि पर धब्बा है। महिलाओं के प्रति होने वाले इस शोषण व अन्याय के विरुद्ध समाज और शासन द्वारा अभूतपूर्व पहल की जा रही है, विशेष रूप से ऐसे कानून लाए जा रहे हैं जो महिलाओं की सुरक्षा और हितों की रक्षा करने लिए बहुत उपयोगी है। कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने के लिए शासन में सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं में महिला प्रकोष्ठ बनाने के नियम को आवश्यक कर दिया है। कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर में भी दिनांक 6 सितंबर 2007 से महिला प्रकोष्ठ की स्थापना की गई जिसका मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय में छात्राओं वह कार्यरत महिलाओं के उत्पीड़न को रोकना है।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 में गठित प्रकोष्ठ के सदस्य निम्नवत हैं-

संयोजिका	डॉ. अर्चना सिंह
सह संयोजिका	डॉ. दीप्ति वाजपेयी
सदस्य	डॉ. सुशीला डॉ. प्रतिभा तोमर डॉ. मणि अरोरा डॉ. रमाकान्ति डॉ. विनीता सिंह

दिनांक 17-01-2021 को महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधन में अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की संरक्षिका एवं प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के द्वारा किया गया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह द्वारा छात्राओं को प्रकोष्ठ के सदस्यों के बारे में जानकारी दी गई। प्रकोष्ठ सदस्य डॉ. सुशीला द्वारा छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया तथा यह भी बताया गया कि आपातकाल में किस प्रकार हम अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े सुभारती विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनोज त्रिपाठी ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों और उनके लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आज के आधुनिक समाज में भी लड़के और लड़की में हो रहे भेदभावों का पुरजोर विरोध करते हुए उन्होंने छात्राओं को प्रोत्साहित किया कि यदि उनके ऊपर कोई अत्याचार होता है तो उनसे डरना नहीं है बल्कि उसका खुलकर विरोध करना है। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह ने “चुप्पी तोड़ो-खुलकर बोलो” तथा “डरे नहीं-सहे नहीं” आदि प्रेरक शब्दों से छात्राओं को प्रोत्साहित किया।

प्रकोष्ठ के तत्वावधान में दिनांक 30 जनवरी 2021 को मिशन शक्ति योजना की सार्थकता विषय पर निबंध लेखन का आयोजन किया गया जिसमें नीलम यादव पुत्री श्री परमेश्वर यादव में प्रथम स्थान, प्रिया पुत्री श्री उपकार सिंह तथा कंचन पुत्री श्री घनश्याम सिंह ने द्वितीय स्थान व निकिता पुत्री श्री गजेन्द्र सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में 1 फरवरी 2021 को महिला सशक्तिकरण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुमारी वर्षा पुत्री श्री सीताराम, प्रतीक्षा वर्मा पुत्री श्री अनूप कुमार ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

महिला प्रकोष्ठ के समस्त सदस्य समय-समय पर छात्राओं के मध्य जा उनसे उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर यथासंभव उनका समाधान करने में तत्पर रहते हैं साथ ही महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ की एक शिकायत पेटिका भी लगाई गई है जिसमें छात्राएं अपनी पहचान गोपनीय रखते हुए अपनी समस्याओं को लिखकर दे सकती हैं। प्रत्येक 15 दिन बाद महिला प्रकोष्ठ के समस्त सदस्यों की उपस्थिति में शिकायत पेटिका को खोलकर देखा जाता है और यदि कोई समस्या होती है तो उसका निराकरण किया जाता है। प्रकोष्ठ के सदस्य छात्राओं को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करने व उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से सफल बनाने के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं।

मिशन शक्ति

डॉ. अर्चना सिंह
प्रभारी

महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन हेतु दिनांक 17 अक्टूबर 2020 से 25 अक्टूबर 2020 तक संचालित मिशन शक्ति योजना के अन्तर्गत मिशन शक्ति टीम का गठन किया गया तथा समिति द्वारा नारी सशक्तिकरण से संबंधित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

17 अक्टूबर 2020 को उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा जी द्वारा मिशन शक्ति के मेगा लॉन्च के अवसर पर ऑनलाइन प्रसारण में महाविद्यालय की छात्राओं व प्राध्यापकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। दिनांक 18 अक्टूबर 2020 को इस संगोष्ठी के माध्यम से डॉ. अर्चना सिंह प्रभारी मिशन शक्ति ने 25 अक्टूबर 2020 तक चलने वाले मिशन शक्ति कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गौतम बुद्ध जनपद मिशन शक्ति नोडल अधिकारी एवं महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर दिव्या नाथ जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शारदीय नवरात्रि से बांसतिक नवरात्रि तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वालंबन दिलाना है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अर्चना वर्मा असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र व द्वितीय मुख्य वक्ता श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, अधिवक्ता सर्वोच्च न्यायालय ने बालिकाओं को उनके सम्मान व अधिकार के प्रति जागरूक किया तथा प्राचार्य द्वारा महिला सुरक्षा व सम्मान से संबंधित शपथ छात्राओं, प्राध्यापकों व अभिभावकों को दिलाई गई। कार्यक्रम का प्रारम्भ डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा महाविद्यालय प्राचार्य, मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्ता के स्वागत व परिचय द्वारा हुआ। प्रोफेसर अनुपम शर्मा ने बताया कि जिस समाज में हम रहते हैं उसमें महिला सुरक्षा के साथ-साथ महिलाओं की सहभागिता की भी व्यवस्था हो। डॉ. प्रमोद कुमारी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कन्या भ्रूण हत्या जैसे अपराध को रोककर और महिलाओं को समानता का अवसर प्रदान करके ही समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ जी ने ओजस्वी वाणी में छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सदियों से चर्चा होती रहती है। इस समस्या का समाधान हमें अपने परिवार में संस्कारों को सिंचित करके ही करना होगा। हम बालिका को शिक्षा का अधिकार मिले क्योंकि शिक्षा ही वह ज्योति है जो महिलाओं में सशक्तिकरण की भावना का विकास करती है। कार्यक्रम के अन्त में मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा प्राचार्य महोदय द्वारा कार्यक्रम से जुड़े 42 प्राध्यापकों 322 छात्राओं एवं 280 अभिभावकों को ऑनलाइन माध्यम से महिला व बालिका सुरक्षा तथा सम्मान की शपथ दिलाई गई। इसी दिवस द्वितीय सत्र में ऑनलाइन माध्यम से छात्राओं को आत्म सुरक्षा की विभिन्न तकनीकों से परिचित कराया गया।

19 अक्टूबर 2020 को प्रथम सत्र में कोविड-19 काल में महिलाओं एवं बालिकाओं के पोषण हेतु जागरूकता विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ी डॉ. प्रीति सिंह ने कोविड काल में किस तरह के खान-पान से हम स्वस्थ रह सकते हैं, इस बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि केवल बचाव ही हमें वायरस से सुरक्षित कर सकता है। द्वितीय सत्र में सांयं काल 5:00 बजे तक 300 से अधिक छात्राओं को आत्मसंरक्षण शिविर में मार्शल आर्ट की तकनीकी जानकारी दी गई।

20 अक्टूबर को प्रथम सत्र में ई-व्याख्यानमाला के अंतर्गत समाज में व्याप्त लैंगिक विषमता कारण व निवारण विषय पर हूमन टच फाउंडेशन एवं ऑल इंडिया वुमन कॉम्फेस ग्रेटर नोएडा ब्रांच की प्रेसीडेंट डॉ उपासना सिंह ने वर्तमान समय में व्याप्त लैंगिक विषमता के बारे में छात्राओं व उनके परिजनों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सांयंकाल 5:00 से 6:00 के माध्यम महाविद्यालय की 320 से अधिक छात्रों व अभिभावकों प्राध्यापकों ने भाग लिया डॉ. मीनाक्षी लोहनी व शारीरिक शिक्षा प्रभारी डॉ. धीरज कुमार ने मार्शल आर्ट से संबंधित जानकारी छात्राओं को दी।

21 अक्टूबर 2020 को मिशन शक्ति कार्यक्रम की ई व्याख्यानमाला के अंतर्गत मुख्य वक्ता डॉ. सत्यन्त कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर शारीरिक शिक्षा विभाग के द्वारा महिलाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराध व साइबर सुरक्षा विषय पर विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किस प्रकार हम थोड़ी सी सावधानी के द्वारा सोशल मीडिया पर हुए अपराधों से बच सकते हैं। द्वितीय सत्र में ऑनलाइन मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया।

22 अक्टूबर 2020 को महाविद्यालय की गृह विज्ञान विभाग के प्रभारी एसेसिएट प्रोफेसर डॉ. शिवानी वर्मा द्वारा बालिका स्वास्थ्य संवर्धन एवं पोषण विषय पर सारगर्भित जानकारी दी गई। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ. शिल्पी वर्मा द्वारा बताया गया कि किस प्रकार हम अपने आहार में परिवर्तन करके अपने स्वास्थ्य का संवर्धन कर सकते हैं। कार्यक्रम का द्वितीय सत्र सायं 5:00 से 6:00 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें ऑनलाइन माध्यम से बालिकाओं को मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दी गई व महिला सशक्तिकरण विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

24 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रीय कैडेट कोर राष्ट्रीय सेवा योजना व रेंजर्स की पंजीकृत छात्राओं ने अपने-अपने गांव में जन जागरूकता के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को मिशन शक्ति योजना के बारे में बताया एवं उन्हे सुरक्षा व सम्मान के प्रति जागरूक किया तथा महिलाओं में आत्मनिर्भरता की भावना का विकास किया।

महाविद्यालय द्वारा महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम विषय पर संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ एवं मुख्य अतिथि मिशन शक्ति नोडल अधिकारी जनपद मुजफ्फरनगर व प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांधला शामली तथा कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. अनुपम शर्मा राजनीति विज्ञान एवं मानवधिकार विभाग, इंदिरा गांधी जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक मध्य प्रदेश ने कार्यक्रम को गरिमामय रूप में प्रदान किया।

मिशन शक्ति के 10 दिवसीय विशेष अभियान के प्रथम दिवस दिनाँक 26 फरवरी 2021 को रीच इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से भारत में लिंगानुपात विषमता विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें सुश्री दीक्षा तथा श्री अजीत जी ने भारत में लिंगानुपात की असमानता विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। अपने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत में बेटा और बेटी में बहुत अंतर किया जाता है जबकि बेटियाँ भी परिवार समाज व देश का उतना ही नाम रोशन करती हैं जितना की बेटे। कन्या भ्रूण हत्या एक जघन्य अपराध है इस अपराध को रोकने के लिये हमें अपनी सोच को बदलना पड़ेगा और शुरूआत अपने आप से करना पड़ेगी मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह ने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और उन्हें अन्याय का प्रतिरोध करने के लिये प्रेरित किया।

अभियान के द्वितीय दिवस पर दिनाँक 27 फरवरी 2021 को साइबर सुरक्षा विषय पर इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से महाविद्यालय की छात्राओं को साइबर अपराधों के बारे में बताया गया कि किस प्रकार हम ऑनलाइन होने वाले अपराधों से अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। मुख्य वक्ता सुश्री दीक्षा ने महिलाओं के साथ इंटरनेट वाट्रसेप फेसबुक के माध्यम से होने वाले शोषण से बचाव के अनेक उपाय छात्राओं को विस्तार से समझाए। सम्पूर्ण सत्र अत्यन्त ज्ञानवर्धक रहा।

28 फरवरी 2021 को सायं 6:00 बजे महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ता के रूप में सुश्री शालिनी जी.सी.आई. 13 यू. पी. गर्ल्स बटालियन गाजियाबाद उपस्थित रही। अपने वक्तव्य में आपने महिला सशक्तिकरण के विविध पहलुओं पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए तथा बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आत्मबल को आत्मविश्वास को दृढ़ करके स्वयं को सशक्त बनाने का संकल्प लेना होगा तभी महिलाएं समाज में अपना स्थान सुनिश्चित कर सकती हैं। अपनी व परिवार की सोच बदल कर ही हम महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलवा सकते हैं। मिशन शक्ति सह प्रभारी डॉ. दीपिता वाजपेयी ने मिशन शक्ति के बारे में विचार रखते हुए कहा कि यह एक अत्यन्त पुनीत कार्यक्रम है, जिसके द्वारा हम बालिकाओं को सुरक्षित संस्कारित कर उनके आत्मविश्वास में वृद्धि कर पाएंगे। कार्यक्रम का संचालन मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति के सभी सदस्यों ने अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान किया तथा महाविद्यालय के समस्त संकाय की छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया।

1 मार्च 2021 को महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा प्रभारी डॉ. सत्यन्त कुमार ने छात्राओं को आत्मरक्षा शिविर में मार्शल आर्ट से संबंधित विभिन्न तकनीकी जानकारी दी और विपरीत परिस्थिति में अपनी अपनी सुरक्षा किस प्रकार करें इसके बारे में भी विस्तार से चर्चा

की। मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित ई-व्याख्यानमाला के अंतर्गत सांय 6:00 बजे इलाहाबाद हाईकोर्ट की अधिवक्ता सुश्री रुचि सिंह द्वारा महिलाओं से संबंधित अधिकार व कानून विषय पर व्याख्यान दिया गया। सुश्री रुचि सिंह द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं को सरकार एवं पुलिस प्रशासन द्वारा प्रदत्त विभिन्न अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया, साथ ही उन्हें अपनी आंतरिक शक्ति को मजबूत बनाने हेतु प्रेरित किया गया। मुख्य वक्ता ने अपने वक्तव्य में द्वारा छात्राओं को कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत के साथ खड़े रहना व उसका सामना करने हेतु संबल प्रदान किया गया। छात्राओं के मन में उठ रहे विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्हे विभिन्न कानूनों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह द्वारा भी छात्राओं को मिशन शक्ति कार्यक्रम के विभिन्न आयामों से परिचित कराया गया तथा उनकी किसी भी समस्या में स्वयं तथा महाविद्यालय के विभिन्न प्राध्यापकों द्वारा उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया गया। कार्यक्रम के अंत में मिशन शक्ति समिति की सदस्या डॉ. नेहा त्रिपाठी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। 2 मार्च 2021 को रेंजर प्रभारी डॉ. सुशीला द्वारा समूह चर्चा का आयोजन किया गया। उन्होंने छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के बारे में विशेष रूप से अवगत कराते हुए छात्राओं को महिला अधिकारों कानून एवं महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन एवं समितियों के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने छात्राओं को महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ समिति से अवगत कराते हुए चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो के माध्यम से उन्हे जागरूक करते हुए अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए महिला प्रकोष्ठ प्रभारी व सदस्यों से संपर्क करने कहा। मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह ने छात्राओं को बताया कि मिशन शक्ति कार्यक्रम का क्या उद्देश्य है और इस उद्देश्य को छात्राएं स्वयं ही सफल बना सकती हैं। किसी भी परिस्थिति से डरना नहीं अपितु डटकर उसका सामना करना है। नारी की सुरक्षा व सम्मान के लिए सरकार द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रम के संदर्भ में आयोजित इस समूह चर्चा में छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वाभिमान के लिए मिशन शक्ति योजना कितनी सार्थक है और अपने उद्देश्य में कितनी सफल रही और अब हम सबको मिलकर किस प्रकार से पूर्ण सफल बनाना है, इस पर मिशन शक्ति टीम एवं छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किये। समूह चर्चा के उपरान्त छात्राओं के लिए परामर्श सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय प्राध्यापकों ने छात्राओं की समस्याओं को जाना जिससे उनके समाधान का समुचित प्रयास किया जा सके। 3 मार्च 2021 को महिला सशक्तिकरण विषय पर आधारित समूह गीत, नृत्य तथा नाटक प्रतियोगिता का निर्माण संगीत विभाग प्रभारी डॉ. बबली अखण्ड तथा डॉ. माधुरी पाल असिस्टेंट प्रोफेसर गृहविज्ञान द्वारा किया गया। इसी दिवस डॉ. शिल्पी वर्मा द्वारा छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु कंप्यूटर प्रशिक्षण भी प्रारम्भ किया गया।

4 मार्च 2021 को मिशन शक्ति योजना की सार्थकता विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा महाविद्यालय प्राध्यापकों व छात्राओं को महाविद्यालय प्राचार्या द्वारा बालिका सम्मान व सुरक्षा हेतु शपथ दिलाई गई।

दिनांक 5 मार्च 2021 को प्रातः 11:00 बजे महाविद्यालय की मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति समिति व छात्राओं ने ग्राम बादलपुर में महिलाओं को अधर्विश्वास, रुढ़ियों और प्राचीन प्रप्त्यराओं के प्रति जागरूकता रैली निकाली। रैली का प्रारम्भ महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ जी के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली को संबोधित करते हुए प्राचार्या महोदया ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कभी भी अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं करें, बुराई का डटकर सामना करें। अपने साहस को बनाए रखते हुए लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु प्रयासरत रहे।

ग्राम बादलपुर में छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं को कुटीर उद्योग की जानकारी दी तथा समिति के सदस्यों ने महिलाओं से संबंधित कानून व अधिकारों की जानकारी दी।

जागरूकता रैली में मिशन शक्ति समिति की सह प्रभारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी तथा सदस्य डॉ. शिल्पी, डॉ. सुशीला, डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. नेहा, डॉ. ऋचा, डॉ. मीनाक्षी लोहनी, डॉ. मिंतु, डॉ. रमाकान्ति, डॉ. विनीता सिंह तथा डॉ. बबली अखण्ड, डॉ. माधुरी पाल तथा महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

6 मार्च 2021 को प्रातः 11:00 बजे महाविद्यालय की मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह के नेतृत्व में योग शिविर का आयोजन किया गया। दिव्य दर्शन योग संस्थान बादलपुर से योगीराज श्री परम देव जी ने योग शिविर में उपस्थित होकर छात्राओं को अनुलोम विलोम, कपालभाति, सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, मकरासन, वज्रासन, आदि योगासनों का अभ्यास छात्राओं को कराया तथा योगासन करते समय किन-किन सावधानियों का प्रयोग करना चाहिए इसके बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। छात्राओं को संबोधित करते हुए योगीराज में योग के महत्व व योग आसनों से होने वाले लाभ के विषय में भी छात्राओं को बताया। अपने वक्तव्य में योगीराज

ने कहा कि योग का परचम आज भारत में ही नहीं वरन् विदेशों में भी छा रहा है। योग से न केवल असाध्य शारीरिक व्याधियों दूर होती हैं वरन् आत्मा की भी शुद्धि होती है।

शिविर के उपरांत महाविद्यालय की छात्राओं के मध्य महिला सशक्तिकरण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के समस्त संकाय की छात्राओं भाग लिया तथा महिला सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों की कलापूर्ण अभिव्यक्ति दी।

6 मार्च 2021 को महाविद्यालय की छात्राओं बादलपुर ग्राम में जाकर ग्रामीण महिलाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जाने वाली महिलाओं से संबंधित योजनाओं के बारे में जागरूक किया, साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने तथा अपने आत्मसम्मान को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। दिनांक 8 मार्च 2021 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस अवसर पर अमर उजाला दैनिक समाचार के सहयोग से सेमिनार का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी की अध्यक्षता में अमर उजाला दैनिक समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकार श्री ऋषि पाल जी मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्री सुंदरलाल शर्मा जी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम शुभारंभ सरस्वती मां की आराधना के साथ हुआ तदुपरांत महाविद्यालय प्राचार्या व अतिथियों का स्वागत डॉ. दीपि वाजपेयी, डॉ. नेहा त्रिपाठी और डॉ. नीलम शर्मा द्वारा लघु पादप देकर किया गया। मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि नारी शक्ति स्वरूप है, वह नर की शक्ति है। वह माँ, बहन, पत्नी और प्रेयसी के रूप में पुरुष को संस्कारित करती है और उसे कर्तव्य पथ पर अग्रसरित करती है। उसके भीतर ममता का स्रोत बहता है, वह पुष्प के समान कोमल है लेकिन यदि वह समाज के अत्याचार के विरुद्ध खड़ी होती है तो वज्र के समान कठोर हो जाती है। समस्त शक्ति का पूँज नारी कभी इतनी बेबस हो जाती है कि माता-पिता की आकांक्षाओं और आशाओं का केन्द्र वह सामाजिक विषमता और दानवता के समक्ष घुटने टेक कर चुपचाप इस संसार से चली जाती है। छोड़ जाती है कुछ अनकहे प्रश्न। नारी की इसी चुप्पी को मुखरित करने के लिये माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन ने मिशन शक्ति योजना का शुभारंभ किया है। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मिशन शक्ति समिति की सदस्य डॉ. सुशीला ने अपने वक्तव्य में कहा कि सामाजिक आर्थिक व राजनीतिक निर्भरता प्राप्त करके ही महिला सशक्त हो सकती है और इसके लिए आवश्यकता है महिलाओं को अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को बनाए रखने की। महाविद्यालय की संगीत विभाग प्रभारी डॉ. बबली अरूण द्वारा “बेटी हिन्दुस्तान की” गीत की मधुर प्रस्तुति दी गई जिसमें डॉ. मितु द्वारा संगत दी गयी।

26 फरवरी 2021 से 8 मार्च 2021 तक मिशन शक्ति के 10 दिवसीय विशेष अभियान में पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, नृत्य, गीत व नुकड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को प्राचार्या द्वारा महिला दिवस पर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्या महोदया ने महाविद्यालय की मिशन शक्ति समिति के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस योजना की सफलता इसी में निहित है यदि हर महिला स्वाबलंबी आत्मनिर्भर और निर्णय लेने में स्वतंत्र हो जाए।

अंत में मिशन शक्ति समिति की सदस्या डॉ. नेहा त्रिपाठी द्वारा सभी आमंत्रित अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मिशन शक्ति योजना के तत्वाधान में महाविद्यालय मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह व महिला प्रकोष्ठ सह प्रभारी डॉ. दीपि वाजपेयी सदस्य डॉ. सुशीला, डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. मनी अरोरा, डॉ. रमाकांती, तथा डॉ. विनीता सिंह, रेंजर्स प्रभारी डॉ. सुशीला, डॉ. भावना यादव, डॉ. रिचा, डॉ. बलराम सिंह, डॉ. राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई प्रभारी डॉ. शिल्पी वर्मा, द्वितीय इकाई प्रभारी डॉ. नेहा त्रिपाठी तथा सदस्य डॉ. अरविन्द यादव, डॉ. मिन्तू, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. सोनम शर्मा, राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रभारी डॉ. मीनाक्षी लोहानी, शारीरिक शिक्षा प्रभारी डॉ. धीरज कुमार, डॉ. सत्यन्त कार्यालय अधीक्षक श्री महेश भाटी, कार्यालय लिपिक श्री माधव केसरवानी, श्री अभिषेक कुमार ने शारदीय नववात्रि तक आयोजित मिशन शक्ति के प्रति दिवस आयोजित कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण व सराहनीय भूमिका का निर्वहन करते हुए इस योजना को सफल बनाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के स्नेह पूर्ण मार्गदर्शन वह कुशल निर्देशन में मिशन शक्ति समिति इस योजना का क्रियान्वयन करने में सफल हुई। वास्तव में मिशन शक्ति की सार्थकता तभी पूर्ण होगी जब हम ग्राम नगर राज्य व अपने देश की हर महिला को उसका स्वाभिमान आत्मनिर्भर करने में सफल होंगे।

जलशक्ति समिति

लेफिटनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी
प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर की जल शक्ति अभियान समिति द्वारा लेफिटनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी के नेतृत्व एवं माननीय प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ के निर्देशन में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए।

दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही है लेकिन आज भी भारत समेत दुनिया के कई देश ऐसे हैं, जो पानी की कमी से जूझ रहे हैं। विश्व भर में साफ और पीने योग्य जल की अनुपलब्धता के कारण ही जल जनित रोग महामारी का रूप ले रहे हैं। वहीं कई बार ऐसा भी कहा जाता है कि तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए छिड़ सकता है। बहरहाल, विश्व को इस स्थिति का सामना न करना पड़े, इसलिए संयुक्त राष्ट्र वैश्विक स्तर पर पूरे विश्व को जागरूक करने के लिए प्रयासरत है। इसी लक्ष्य को साधने के उद्देश्य से कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर में दिनांक 22 मार्च, 2020 को जल शक्ति अभियान समिति के सौजन्य से विश्व जल दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा अपने विचार साझा किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या (डॉ.) दिव्या नाथ ने कहा कि जल है, तो कल है मात्र एक नारा नहीं वरन् सम्पूर्ण विश्व को चेतावनी है कि जल का संरक्षण मानवता का संरक्षण है। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि भूजल इस्तेमाल करने के मामले में भारत पूरी दुनिया में पहले नम्बर पर है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अकेले इतना भूजल इस्तेमाल करता है जितना कि अमेरिका और हमसे ज्यादा आबादी वाला मुल्क चीन मिलकर करते हैं। अंत में लेफिटनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त छात्राओं एवं शिक्षकों की उपस्थिति एवं सहयोग सराहनीय रहा।

इसी क्रम में दिनांक 01 सितम्बर, 2020 को महाविद्यालय के भूगोल विभाग के तत्वावधान में एम.एम.एच. कॉलेज गाजियाबाद के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एन. सी. सिंह द्वारा अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। अपने उद्घोषन में उन्होंने कहा कि भविष्य में जल की कमी समस्या को सुलझाने के लिये जल संरक्षण आवश्यक एवं अनिवार्य है। भारत और दुनिया के दूसरे देशों में जल की भारी कमी है जिसकी वजह से आम लोगों को पीने और खाना बनाने के साथ ही रोजमर्हा के कार्यों को पूरा करने के लिये जरूरी पानी के लिये लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। जबकि दूसरी ओर, पर्याप्त जल के क्षेत्रों में लोग अपनी दैनिक जरूरतों से ज्यादा पानी बर्बाद कर रहे हैं। हम सभी को जल के महत्व और भविष्य में जल की कमी से संबंधित समस्याओं को समझाया चाहिये। हमें अपने जीवन में उपयोगी जल को बर्बाद और प्रदूषित नहीं करना चाहिये तथा लोगों के बीच जल संरक्षण और बचाने को बढ़ावा देना चाहिये।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने जल की महत्ता को बताते हुए कहा कि पानी को लेकर पूरी दुनियाँ में बढ़ने वाली मुश्किलों के चलते बेहतर है कि बारिश की एक-एक बूँद को बचाया जाए और हर नागरिक को अपनी इस जिम्मेदारी का अहसास कराया जाए। सदियों से हमारे पूर्वज इस दिशा में काम करते भी रहे हैं। उक्त क्रम में समिति प्रभारी लेफिटनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी द्वारा जल शक्ति अभियान मिशन की हर घर जल योजना को समझाया गया जिसका लक्ष्य वर्ष 2024 तक भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में पीने योग्य जल की आपूर्ति को बढ़ाना है। इस अवसर पर डॉ. निशा यादव ने कहा कि जल शक्ति अभियान के तहत चलाई जाने वाली गतिविधियों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्नोतों का स्थायित्व सुनिश्चित होगा और जल शक्ति मंत्रालय द्वारा लागू किये जा रहे जल जीवन मिशन को मज़बूती मिलेगी। भूगोल विभाग के वरिष्ठ सदस्य डॉ. कनक कुमार द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्रसार व्याख्यान

डॉ. निधि रायजादा
प्रभारी

शिक्षा सतत् एवं निरन्तर विकास की कुंजी है। शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास संभव है। शिक्षित व्यक्ति जीवन की विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुये समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकता है। शिक्षा के अभाव में व्यक्ति अंहकारी, अव्यवहारिक हो जाता है। शिक्षा मनुष्य को सरल, सहजयी एवं व्यवहारिक बनाती है। देश के युवा शिक्षा प्राप्त कर जनसाधारण व दूरदराज़ के स्थानों पर शिक्षा का प्रचार व प्रसार कर सकते हैं व देश के नव-निर्माण में सहायता दे सकते हैं। वर्तमान परिवेश में छात्र-छात्राओं को नैतिक, आदर्श और व्यवहारिक शिक्षा दिये जाने की अत्यन्त आवश्यकता है। शिक्षा के माध्यम से ही विद्यार्थियों का मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक, चारित्रिक विकास संभव है।

छात्राओं को जीवन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने व जीवन की विभिन्न चुनौतियों का सामना धैर्य व साहस से करने हेतु हमारा महाविद्यालय कठिबद्ध है। छात्र के शिक्षण कार्य के अतिरिक्त उनके सर्वांगीण विकास हेतु यहाँ निरन्तर प्रयास किये जाते हैं। इसी क्रम में इस सत्र में छात्राओं के ज्ञान में वृद्धि करने के उद्देश्य से प्रसार व्याख्यान शृंखला के अन्तर्गत व्याख्यान आयोजित किये गये।

दिनांक 30/09/2020 को प्रसार शृंखला के अन्तर्गत जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार सिंह के व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिन्होंने ‘भारत की अवधारणा’ विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। अन्होंने भारतीय संस्कृति के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुये कहा कि प्राचीन समय से ही भारत अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक विविधताओं एवं विशिष्टताओं के कारण सम्पूर्ण विश्व के आकर्णण का केन्द्र रहा है। प्लूटो, अरस्तु, सुकरात जैसे महान दार्शनिकों ने भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान से प्रभावित होकर यहाँ के ज्ञान, संस्कृति का प्रचार विदेशों में किया। भारत की पहचान यहाँ बसने वाले नागरिकों के व्यवहार, आचार और संस्कारों से है। अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना तथा अपने प्राचीन ज्ञान संस्कृति को समसामयिक परिप्रेक्ष्य में आगे ले जाना हम भारतीयों का दायित्व है। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. दिव्या नाथ जी ने भी अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारत के गौरवशाली इतिहास की प्रशंसा की। साथ ही वर्तमान परिस्थितियों में देश के समक्ष चुनौतियों का सामना एकजुटता से करने का संदेश दिया।

इसी क्रम में प्रसार व्याख्यान समिति के तत्वाधान में 12 जनवरी 2021 को एक अन्य व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर व्याख्यान हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रयागराज में कार्यरत प्रोफेसर जनार्दन प्रसाद पांडेय को आमन्त्रित किया गया। प्रोफेसर पाण्डेय ने भारतीय धर्म एवं दर्शन पर प्रकाश डालते हुये ‘संस्कृत रंगमंच परम्परा एवं संभावनायें’ विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान में भारतीय संस्कृति में व्याप्त संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों के हास पर चिंता व्यक्त की तथा पुरातन मान्यताओं को पुनः स्थापित करने पर जोर दिया।

प्रसार व्याख्यान शृंखला के अन्तर्गत आयोजित व्याख्यान अत्यन्त सारगर्भित एवं उपयोगी रहे। व्याख्यानों का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या डा. दिव्या नाथ जी के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया। इन अवसरों पर प्रसार व्याख्यान शृंखला से जुड़े सभी प्राध्यापक डॉ. किशोर कुमार, डॉ. निधि रायजादा, डॉ. ममता उपाध्याय, डॉ. सीमा देवी, डॉ. रमा कान्ति तथा डॉ. विनीता सिंह सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे। छात्राओं ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता की।

स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केंद्र

डॉ. किशोर कुमार
निदेशक

स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केंद्र, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, स्वामी जी के विचारों के वस्तुनिष्ठ प्रसार हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है साथ ही स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर शोध हेतु भी केन्द्र प्रयासरत है। डॉ. किशोर कुमार के निर्देशन में श्रीमती रश्मि “धर्म, अध्यात्म एवं मानवतावाद के परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानन्द के कार्यों का मूल्यांकन” विषय पर पी.एच.डी. उपाधि तथा एक शोधार्थी श्री अमित केंद्र स्तर पर लघु शोध परियोजना के अंतर्गत “भारत के पुनर्निर्माण में शिक्षा की भूमिका-स्वामी विवेकानन्द के शिक्षा सम्बन्धी विचारों के सन्दर्भ में” हेतु शोधरत है। लघु शोध परियोजना का कार्य आगामी माह में पूर्ण हो रहा है।

उपर्युक्त कार्यों के अतिरिक्त दिनांक 12 जनवरी 2021 को स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केंद्र के तत्वाधान में स्वामी विवेकानन्द जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हुए राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसका विषय था” स्वामी विवेकानन्द : जीवन एवं विचार। वेबिनार का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा समस्त सम्मानित वक्तागणों के स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह सौभाग्य का विषय है कि हमें स्वामी जी के सर्वकाल प्रासंगिक विचारों को आज के विशिष्ट वक्ताओं के माध्यम से पुनः जानने समझने का अवसर प्राप्त होगा। वस्तुतः स्वामी जी पढ़ने या सुनने का ही विषय नहीं है, वरन् जीने का विषय है और हम सबको उन्हें अपने व्यक्तित्व में धारण करना चाहिए। वेबिनार के संयोजक डॉ. किशोर कुमार, निदेशक स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केंद्र ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि विवेकानन्द कालजयी व्यक्तित्व के स्वामी है। उनके आचार एवं विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितना पुनर्जागरणकाल में थे। स्वामी जी जैसे महान व्यक्तित्व को पूर्णतः आत्मसात करने से तो सृष्टिकल्याण अवश्यंभावी है किन्तु यदि हम उनका एक विचार ही वास्तविक रूप में अपने आचरण में ढाल सके तो भी अपना जीवन सफल कर सकते हैं। विवेकानन्द जी वास्तव में विवेक और आनंद की प्रतिमूर्ति थे। विवेक युक्त प्रज्ञा तद्रूप आनन्द उनके व्यक्तित्व का सार है। हमें भी विवेक रूपी अन्तः चक्षु उन्मीलित करने की आवश्यकता है। अगर हम ऐसा कर पाते हैं तो हमें निसंदेह आत्मिक आनंद की अनुभूति होगी।

वेबिनार के मुख्य वक्ता स्वामी शान्तात्मानन्द जी, रामाकृष्ण मिशन, दिल्ली ने अपने उद्घोषन में कहा कि स्वामी जी समाज सेवा को ही सच्ची प्रभु सेवा मानते थे। उनके अनुसार समाज और राष्ट्र सर्वोपरि है। हमें स्वार्थ की परिधि से निकल कर ‘सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय’ जीवन व्यतीत करना चाहिए, यही स्व कल्याण का भी मार्ग है। वेबिनार के विशिष्ट वक्ता डॉ. राजेश द्विवेदी, एसो. प्रो. अंग्रेजी विभाग, आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम कथनी और करनी के भेद काल में जी रहे हैं, इसीलिए हमारे आज के धर्म गुरुओं का आचरण अनुकरणीय नहीं है। स्वामी जी ने अमेरिका में आयोजित महा धर्मसभा में अपना उद्घोषन “बहनों एवं भाइयों” इन शब्दों के साथ शुरू किया था और पूरा अमेरिका उनके आगे नतमस्तक हो गया था। आज के हमारे धर्मगुरु तथा राजनेता भी इन्हीं शब्दों से अपना उद्बोधन प्रारम्भ करते हैं, किन्तु वह किसी के हृदय में स्थान नहीं बना पाते क्योंकि उनकी वाणी और आचरण में साम्य नहीं है। हमें मन-वचन-कर्म में समानता रखनी होगी, तभी हमारा वचन दूसरों के हृदय को स्पर्श कर सकेगा। यही तथ्य विवेकानन्द जी की लोकप्रियता का सार है, जो उन्हे वैश्विक व्यक्तित्व बनाता है। वेबिनार के प्रसिद्ध वक्ता डॉ. राजेश कुमार, एसो. प्रो. इतिहास, आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली ने सारांश रूप में कहा कि स्वामी जी को एक दिन स्मरण करने से नहीं, बल्कि उनके संदेशों को नित्य नैमैत्यिक कर्म में ढालने से तथा अपने आचरण में समाहित करने से हम स्वयं का, राष्ट्र का तथा अंतः सृष्टि का कल्याण कर सकते हैं। आज आवश्यकता उनके आहवान से प्रेरणा लेने की है, उनके दिखाए पथ का अनुसरण करने की है। कार्यक्रम के अंत में वेबिनार संयोजक डॉ. किशोर कुमार द्वारा वेबिनार की अध्यक्षता कर रही प्राचार्या महोदया, आमन्त्रित वक्ताओं, प्राध्यापकों एवं छात्राओं का आभार व्यक्त किया गया। वेबिनार संयोजक डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, डॉ. दीप्ति वाजपेयी डॉ. अनीता सिंह ने वेबिनार आयोजन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में सभी प्राध्यापकों की सहभागिता से वेबिनार अपने उद्देश्यों में सफल रहा।

राष्ट्रीय सेमिनार

डॉ. रमाकन्ति
आयोजन सचिव

13 मार्च 2021 को कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर में “शिक्षा का वैशिक परिदृश्य तथा समग्र विकास: नई शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा अनुदानित इस राष्ट्रीय सेमिनार में न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा केरल से लंगभग 700 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रोफेसर जगमोहन सिंह राजपूत ने उपस्थित होकर सेमिनार को गौरव प्रदान किया। प्रो० राजपूत भूतपूर्व निदेशक-एन.सी.ई.आर.टी. तथा यूनेस्को एजीक्यूटिव बोर्ड के भारतीय प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत रहे हैं। मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर पी. के. मिश्रा, पूर्व संकायाध्यक्ष शिक्षा विभाग-चौ० चरण सिंह वि.वि. मेरठ उपस्थित रहे तथा अतिथि के रूप में भी अशोक कुमार गाडिया, चेयरमैन मेवाड़ ग्रुप उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ ने सर्वप्रथम सभी अतिथियों का स्वागत किया, तत्पश्चात अपने उद्बोदन भाषण में कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 भारतीयता के गौरव बोध के साथ वैशिक नागरिक के रूप में कशल युवा शक्ति का ओगाज़ है। भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने में नई शिक्षा नीति की उपयोगिता को ध्यान में रखकर ही इस सेमिनार के विषय का चयन किया गया है।

सेमिनार के संयोजक डॉ० संजीव कुमार ने सेमिनार के विषय पर प्रकाश डालते हुये इस विषय के चयन एवं उपयोगिता पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होने बताया कि सम्पूर्ण विश्व में प्राचीन भारत की छवि अत्यंत सुदृढ़ रही है किन्तु वर्तमान में स्थिति भिन्न है। उस गौरवशाली रूप को पुनः प्राप्त करने के लिए भारतीय शिक्षा व्यवस्था में निरंतर परिवर्तन की संपूर्ण व्यवस्था निहित है।

माननीय अतिथि प्रो० जे.एस. राजपूत ने नई शिक्षा नीति की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुये कहा कि भारत का वास्तविक विकास तभी संभव है जब हम एक बार पुनः स्वयं को संस्कार रूपी जड़ों से जोड़कर आगे बढ़ेंगे। उन्होने बताया कि नई शिक्षा नीति में जिज्ञासा एवं सृजनात्मक क्षमता वृद्धि एवं कौशल विकास पर बल दिया गया है, साथ ही ज्ञानाभ्यास की प्रक्रिया को पुनः परम्परागत विधियों से जोड़ने का प्रयास किया गया है। उन्होने युवाओं के आध्यात्मिक विकास पर विशेष बल दिया और शिक्षक के स्वरूप पर चर्चा की और कहा कि “गुरु वह है जो मनुष्यत्व से देवत्व की ओर ले जाये”。 अपने बीज वक्तव्य में प्रो. पी. के मिश्रा ने बताया कि वास्तविक विकास वही है जिसकी दिशा सतत विकास पर बल देती है और शिक्षकों का कर्तव्य है कि अपने छात्रों के शारीरिक, नागरिक, मनोवैज्ञानिक, आध्यात्मिक व चारित्रिक विकास की रूपरेखा तैयार करें। साथ ही शिक्षा को व्यवसाय परक बनाने के लिये ज्ञानार्जन पद्धति में “सुनना, गुनना और बुनना” को आत्मसात् करना चाहिये। इसके पश्चात कन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल तथा राज्य शिक्षा मंत्री डा. दिनेश चन्द्र शर्मा जी का आर्शीवचन पूर्ण संदेश विडियो-विलापिंग के माध्यम से प्राप्त हुये। तत्पश्चात अपर मुख्य सचिव मोनिका एस.गर्ग एवं उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. अमित भारद्वाज जी ने सेमिनार के विषय को अत्यंत उपयोगी बताया व सेमिनार की सफलता की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. रशेम कुमारी द्वारा किया गया व सत्र के अंत में डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण समिति की भाषा ग्रुप की एंकर डॉ. अनीता रानी राठौर तथा विज्ञान ग्रुप के एंकर डॉ. वी. के. सिंह के साथ एन.सी.ई.आर.टी. की शिक्षा विभाग की प्रोफेसर (डॉ.) शारदा सिन्हा भी उपस्थित रहीं। सभी विषय विशेषज्ञों पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण प्रक्रिया को अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि पाठ्यक्रमों को उपयोगी बनाने हेतु व्यवसायिक दक्षता का विकास करने पर बल दिया गया है। उन्होने बताया कि किसी भी विषय को यदि कौशल विकास के साथ जोड़ दिया जाय तो उसमें छात्रों की रुचि भी बनी रहेगी और वह अर्जित ज्ञान जीविकोपार्जन में भी उपयोगी साबित होगा। भाषा विषय को व्यवसायिक दक्षता प्रदान करने के लिये उसमें पत्रकारिता, कहानी लेखन, फिल्म पठकथा लेखन तथा रिपोर्टर बनने इत्यादि के लिये आवश्यक कौशल विकास को पाठ्यक्रम में जोड़ा जा रहा है। इसी प्रकार विज्ञान में भी पारम्परिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक पक्ष पर भी जोर दिया जा रहा है। जिससे विज्ञान के सभी विषयों को रोजगार परक बनाया जा सके। प्रो. शारदा सिन्हा ने कहा कि व्यवसायिक विषयों की शिक्षा प्रदान करने में पूर्णतः ईमानदारी बरतनी होगी क्योंकि प्रायः देखा जाता है कि दक्षता प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद भी कौशल ज्ञान नहीं होता। अतः व्यवसायिक विषयों को गम्भीरता से लेना होगा जिससे छात्रों को वास्तविक रूप में रोजगार प्राप्त हो सके। विशिष्ट सत्र का संचालन सेमिनार की आयोजन सचिव डॉ. रमाकन्ति द्वारा तथा इस सत्र की रिपोर्टिंग डॉ. सतीश चन्द्र द्वारा की गयी। विशेष सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र का आयोजन महाविद्यालय में छः स्थानों किया गया, जिनमें से एक स्थान पर ऑनलाइन माध्यम से शोध पत्र प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की गयी। तकनीकी सत्र में डॉ. उमा जोशी, डॉ. सुरेन्द्र पाल, डॉ. राकेश राणा, डॉ. रिंकल शर्मा, डॉ. गगन कुमार तथा डॉ. पी.सी. जाट ने छः स्थानों पर सत्र की अध्यक्षता की तकनीकी सत्र में विभिन्न स्थानों से आये प्राध्यापकों शोधार्थियों एवं छात्र-छात्राओं ने मुख्य विषय पर आधारित उपविषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। जिनमें शिक्षक की भूमिका, भारतीय ज्ञान परम्परा, विरासत, कला एवं संस्कृति मातृभाषा, भारतीय भाषाएं एवं साहित्य का विकास, आर्थिक विकास प्रबन्धन एवं नीति निर्धारण में नयी शिक्षा नीति की भूमिका वैशिक परिदृश्य में भारतीय सामाजिक लोकाचार एवं नैतिक मूल्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आत्मनिर्भर भारत की रूपरेखा, महिला सशक्तिकरण और

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 थे। प्रस्तुत शोध पत्रों के माध्यम से नई शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न पहलुओं एवं आयामों पर विस्तृत चर्चा की गयी, जिससे नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को प्रभावशाली बनाया जा सके।

तकनीकी सत्र के पश्चात सायंकाल समापन सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. कुमार रत्नम-सदस्य सचिव भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली तथा अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. राजीव कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी उच्च शिक्षा, मेरठ उपस्थित रहे। डॉ. आर. कै. गुप्ता ने सेमिनार के विषय चयन की सराहना करते हुए कहा कि शोध पत्रों द्वारा प्रस्तुत ज्ञान का उपयोग नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में करना चाहिये और यही सेमिनार की सफलता का मूलमंत्र है। इसके पश्चात डॉ. रमाकान्ति द्वारा सेमिनार की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। मुख्य अतिथि प्रो. रत्नम ने कहा कि भारत भूमि के वास्तविक विकास के लिये हमें अपने चारित्रिक विकास एवं आध्यात्मिक विकास पर ध्यान देना होगा और यह प्रसन्नता का विषय है कि नई शिक्षा नीति में सर्वांगीण विकास का प्रावधान किया गया है और इसके सफलतापूर्वक क्रियान्वयन को उत्तरदायित्व शिक्षकों पर है। सभी अतिथियों सेमिनार के सफल आयोजन के लिये महाविद्यालय की प्राचार्या को बैधाई दी। समापन सत्र का संचालन डॉ. अर्चना सिंह द्वारा तथा डॉ. बलराम सिंह द्वारा प्राचार्या को अतिथियों व प्रतिभागियों को व पूरे महाविद्यालय टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। प्राचार्य प्रो० (डॉ०) दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन में सेमिनार संयोजक डॉ. संजीव कुमार, सह संयोजक डॉ. मीनाक्षी लोहानी, आयोजन सचिव डॉ. बलराम सिंह व डॉ. रमाकान्ति तथा सम्पूर्ण आयोजन समिति एवं समस्त प्राध्यापकों के सहयोग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 क्रियान्वयन समिति

डॉ. दीप्ति वाजपेयी
प्रभारी

शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सर्वाधिक सशक्त माध्यम है। शिक्षा वह ज्ञान ज्योति है, जो मानव के अंतस के तमस को नष्ट कर उसे विवेक शक्ति से आलोकित करती है। देश में लगभग 34 वर्षों के उपरांत नई शिक्षा नीति 2020 का आना समस्त भारतीयों, विशेषकर शिक्षा जगत के लिए सुखद अनुभव है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत के उज्ज्वल भविष्य की अनंत संभावनाएं निहित हैं। महान उद्देश्यों को समाहित करने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, जिसके अनुपालन में महाविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति पूर्ण निष्ठा एवं लगन से NEP के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति की मानक संरचना निम्नवत है-

डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा-सलाहकार
डॉ. किशोर कुमार-समन्वयक
डॉ. दीप्ति वाजपेयी-प्रभारी
श्रीमती शिल्पी-सदस्य
डॉ. हरेन्द्र कुमार-सदस्य
डॉ. विजेता गौतम-सदस्य

उपर्युक्त के अतिरिक्त शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति के अंतर्गत अधोलिखित सह-समितियों का गठन कार्यों के समुचित और सफल संचालन के लिए किया गया-

1. उद्योग अकादमिक एकीकरण एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ ऑनलाइन शिक्षा LMS प्रकोष्ठ
2. शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ
3. अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ
4. संस्थागत विकास योजना प्रकोष्ठ
5. एकिविटी क्लब
6. भारतीय भाषा संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ
7. अंतरराष्ट्रीय छात्र सहायता प्रकोष्ठ
8. दिव्यांग सहायता एवं वंचित समूह सहायता योजना प्रचार प्रसार प्रकोष्ठ
9. मेंटरिंग एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ

समिति द्वारा सत्र आरंभ से ही उत्तर प्रदेश शासन एवं उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों के क्रम में महाविद्यालय की अन्य समितियों के सहयोग से निम्नलिखित कार्यों का संपादन किया गया-

1. दिनांक 30 सितंबर 2020 को ‘भारतीय शिक्षा प्रणाली का अंतर्राष्ट्रीयकरण-नवीन शिक्षा पद्धति 2020 के संबंध में संभावनाएं विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया ।
2. शोध कार्यों को बढ़ावा देने की दृष्टि से रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत महाविद्यालयों के 7 विभागों द्वारा शासन को नियम अनुरूप बहुद एवं लघु शोध परियोजना प्रेषण किया गया, जिसमें से 3 विभागों को बृहद शोध परियोजना दो विभागों को लघु शोध परियोजना हेतु अनुदान प्राप्त हुआ ।
3. महाविद्यालय के शिक्षकों एवं शोध छात्रों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अभिविन्यास कार्यक्रम, पुनश्चर्या कार्यक्रमों, कार्यशाला, वेबीनार, सेमिनार कॉन्फ्रेंस इत्यदि में प्रतिभाग करने हेतु निरंतर प्रोत्साहित किया गया ।
4. महाविद्यालय की विभिन्न समितियों के सहयोग से नवाचार को बढ़ावा देने की दृष्टि से छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।
5. महाविद्यालय में कार्यरत इन्नोवेशन और इनक्यूबेशन समिति के सहयोग से स्टार्टअप-इनक्यूबेशन सेंटर को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रकार के व्याख्यान वेबीनार और वर्कशॉप आयोजित किए गए ।
6. एम.ओ.यू समिति के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक संस्थानों, औद्योगिक निकायों से महाविद्यालय के साथ MOU किए गए । आगामी सत्र में कौशल विकास पाठ्यक्रम की दृष्टि से विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के साथ और अधिक एम.ओ.यू कराने का प्रयास किया जाएगा ।
7. दिनांक 29 सितंबर 2020 में ‘राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक विमर्श’ विषय पर विभागीय ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया ।
8. दिनांक 30 अक्टूबर 2020 को ‘लर्निंग आउटकम एवं शिक्षा नीति 2020’ विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सैयद खुर्रम निसार ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे ।
9. दिनांक 12 दिसंबर 2020 को ‘औद्योगिक उपक्रम एवं नवाचार के परिप्रेक्ष्य में नई शिक्षा नीति 2020’ राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।
10. दिनांक 13 मार्च 2021 को ‘वैश्विक परिदृश्य तथा समग्र विकास: नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में’ इस विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पद्मश्री प्रोफेसर जगमोहन सिंह राजपूत ने अपनी सम्मानित उपस्थिति दी ।
99. “राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020” इस विषय पर दिनांक 21 फरवरी 2021 को महाविद्यालय में वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश से लेफ्टिनेंट (डॉ.) धर्मेंद्र कुमार जी ने विषय पर व्यापक प्रकाश डाला ।
92. दिनांक 7 जून 2021 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति के तत्वाधान में नीति के क्रियान्वयन हेतु ‘शैक्षक अभिविन्यास कार्यक्रम’ का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन संबंधी विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श कर संभावित समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए गए ।

महाविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति पूर्ण कर्तव्य एवं निष्ठा से समस्त संबंधित कार्यों को संपन्न करने एवं NEP मूल उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए काटिबद्ध है । समिति आगामी सत्र में भी दृढ़ संकल्प के साथ अपना सर्वोत्तम योगदान देती रहेगी ।

शैक्षिक भ्रमण-बी.एड. विभाग

रोजी आजमी
बी.ए. प्रथम वर्ष

“अनुभव और ज्ञान” ही आगे बढ़ने में सहायक हैं ।

मैं रोजी आजमी, कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर की बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा हूँ । हमारे महाविद्यालय की तरफ से हमें शैक्षिक भ्रमण के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला को देखने का अवसर प्राप्त हुआ ।

हमारा शैक्षिक भ्रमण 21 मार्च 2021 से 24 मार्च 2021 तक था और ये चार दिन इतने यादगार हो गये कि आज भी मन वर्हीं अटक सा जाता है। हमारा दूर रेलमार्ग द्वारा दिल्ली से शिमला तक जाना निश्चित हुआ और इसके लिये रेल में आरक्षण की आवश्यकता थी। टिकट की व्यवस्था में टीचर्स ने हम छात्राओं का भी सहयोग लिया। सच मानिये टिकट बनवाते वक्त हमारा उत्साह चरम पर था और लगता रहा कि 21 मार्च का दिन जल्दी से जल्दी आ जाये और हम सभी साथियों के साथ रेल का सफर करें। खैर इन्तजार के बाद 21 मार्च भी आया और हम सबको पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रात 8:00 एकत्र होने को कहा गया था, हम सब समय से पूर्व ही रंग बिरंगे कपड़ों में सामान के साथ और चेहरे पर अत्यधिक प्रसन्नता लिये स्टेशन पहुंच गये। रात 9.10 मिनट पर कालका मेल दिल्ली से कालका के लिये रवाना हो गयी। इस दौरान हमारे टीचर्स बराबर हमारी हाजरी लेते रहे व सुरक्षित रहने के निर्देश भी देते रहे। थोड़ा समय बीतने के बाद हम सबने अपना-अपना खाना निकाला और एक दूसरे से साझा करते हुये खाया। खाने के बाद हमको बोला गया कि ट्रेन सुबह 3:00 बजे कालका स्टेशन पहुंचेगी और तब तक हम लोगों को सो जाना चाहिये। पर यकीन मानिये, हम सभी का आँखों में नींद का नामो-निशान नहीं था। इतना उत्साह था कि अपने मित्रों के साथ सफर करने का और इंतजार था, पहाड़ों की सुन्दरता देखने का कि रास्ते भर हम गाना गाते और अंताक्षरी खेलते रहे। रात गहरी हो चली तो सबने थोड़ी बहुत झपकी भी ले ली और बस आँख खुली तो हम भोर के 3.00 बजे कालका पहुंच चुके थे। गाड़ी से नीचे उतरते ही ठंडक का अहसास हुआ और सबने अपने स्वेटर निकाल कर पहने।

कालका से शिमला जाने के लिये पहले से ही टॉय ट्रेन का टिकट लिया जा चुका था और वह सुबह 5.30 पर चलने वाली थी अतः हम सबको काफी समय मिल गया स्टेशन में फेश होकर चाय वगैरह पीने का। टॉय ट्रेन तो बस किताबों में पढ़ी थी, जब सच में उसमें सवार हुये तो खुशी का ठिकाना न रहा। छोटे-छोटे डिब्बों वाली छोटी सी रेलगाड़ी जो पतली-पतली पटरियों पर ढौँकती हुयी हमको हमारे गंतव्य तक ले जा रही थी। कालका से शिमला तक की रेल यात्रा को अब हेरिटेज में अपना लिया गया है और इसके रख रखाव का पूरा ध्यान रखा जाता है। ट्रेन में खूबसूरती के साथ पैटिंग की हुयी सीनरी और चित्र बने थे। टॉय ट्रेन कभी पहाड़ों पर चढ़ती और कभी सुरंगों से होकर गुजरती। इस पूरे सफर में छोटी-बड़ी कुल मिलाकर 105 सुरंगें मिली और उनसे होकर गुजरना बहुत रोमांचित कर जाता था। पहाड़ों की वादियाँ और बादलों का काफिला इतना खूबसूरत लग रहा था कि सच में मैने ऐसा नजारा पहले कभी नहीं देखा था। दोपहर 12.30 पर हम लोग शिमला स्टेशन पहुंचे जहां से हमारा होटल ‘सूर्या’ नजदीक ही था, जिसकी बुकिंग पहले से ही कर ली गयी थी। हम सभी लोग अपना-अपना सामान खुशी-खुशी खींचते हुये होटल तक पैदल ही जा पहुंचे। हमने थोड़ी देर आराम करने के बाद वर्हीं पर दोपहर का खाना खाया और फटाफट तैयार होकर ग्रुप के साथ मॉल रोड की तरफ निकल पड़े। चारों ओर पहाड़ों का सौन्दर्य बिखरा हुआ था, वहां के वृक्ष एकदम सीधे तने हुये खड़े थे मानों संघर्ष और धैर्य का संदेश दे रहे थे। हरी भरी घाटियां और पहाड़ों की चोटियां मानो हमारा स्वागत कर रही हों। हम किधर देखें किधर न देखें निर्णय करना मुश्किल था और हाँ यही सबसे उचित समय था जब हमारे मोबाइल से लगातार फोटो खींची जा रही थी। मॉल रोड से ऊपर पहुंचने पर हमें सभी इमारतों में “विकटोरियन आर्केटिक्चर” देखने को मिला और शिमला का सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक चर्च भी देखा जो करीब 164 साल पुराना है पर आज भी नया सा लग रहा था। हम सभी ने उस जगह की यादों को संजोने के लिये ढेर सारी तस्वीरें लीं। वहाँ की पारम्परिक वेषभूषा के वस्त्र भी थे, फिर क्या था हम सब लग गये फोटो खींचवाने में। इतनी खुशी देने वाले थे वो पल कि बयाँ करना मुश्किल। इस सबके बाद हमको लकड़ बाजार की तरफ ले जाया गया जहाँ पर लकड़ी से बनी तरह-तरह की वस्तुयें बिक रही थीं। हमने खूब खरीददारी की, जिससे वहाँ की यादों को अपने घर ले जा सकें। धीरे-धीरे शाम का अंधेरा छाने लगा और हवा में ठंडक काफी बढ़ गयी, अब हम शीघ्र ही अपने होटल वापस लौट आये। रात का खाना खाकर सभी खूब अच्छी नींद सोये। अगली सुबह यानि 23 मार्च को हमें नारकण्डा के लिये निकलना था जो शिमला से 70 किमी दूर उँचाई पर स्थित है। सभी लोग नाश्ता वगैरह करके मिनी बस से सुबह 10.00 बजे निकल पड़े। पूरे रास्ते बारिश होती रही, बादलों से ढके पहाड़ और उड़ते फिरते बादल देखकर हम लोग तो मानो सुध-बुध ही खो बैठे थे। पूरे रास्ते सेब और अखरोट के बगान देखने को मिले। पेड़ों को बर्फबारी से बचाने के लिये चादरों से ढका गया था। नियत स्थान पर पहुंचने से पहले ही एकाएक बारिश के साथ बर्फ गिरनी शुरू हो गयी, हम सब खुशी से चिल्लाने लगे। शायद इश्वर ने हमारी इच्छा पूरी करने की कोशिश की होगी क्योंकि मार्च के अंत में बर्फबारी की कोई संभावना नहीं होती। वहाँ पहुंचने पर एक छोटे से ढाबे में हम सभी ने फटाफट खाना खाया और फिर पैदल ही निकल पड़े बर्फ देखने। शिमला जाकर बर्फ न देख पाते तो अधूरा लगता, बस फिर क्या था हम दौड़े चले जा रहे थे क्योंकि समय कम था हमारे पास। एक जगह पहुंच कर देखा कि दूर कुछ सफेद सा मैदान दिख रहा है जैसे ही पता चला कि वह ताजा बर्फ है जो अभी गिरी है, हम सब दौड़ कर उस पर खेलने लगे

सभी जोर से चिल्ला रहे थे जैसे कोई खजाना मिल गया हो । बर्फ में खेलते हुये हम लोगों के साथ-साथ हमारे टीचर्स भी बच्चे बन गये थे । वापसी के रास्ते में वहाँ की निवासी महिलाएं एवं बच्चों से भी मिले । उनके बर्फ जैसे उजले चेहरे और फूलों जैसी हँसी दिल को भा गयी । पलक झपकते पहाड़ चढ़ने और उतरने की कला तो कोई उनसे सीखें । शाम धिरने से पहले ही हम वहाँ से होटल की तरफ चल दिये । बेहद थकान के बावजूद बस में हमारा नाचना-गाना हमेशा चलता रहता था । रात 7 बजते-बजते हम होटल पहुंच गये और आज हमारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होना था । सभी छात्राओं और टीचर्स ने साथ बैठकर कविता, अंताक्षरी और गीत-संगीत का लुत्फ उठाया और फिर रात होते ही सब खाना खाकर सोने चले गये । अगली सुबह हम हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी देखने निकल गये । वहाँ जाकर शिक्षा विभाग का भ्रमण किया, वहाँ अध्यापकों ने सम्बोधित किया तथा जलपान भी करवाया । वहाँ के लोगों का भोलापन और निश्छल भाव देखते ही बनता था, उन्होंने हमें आगे का कोर्स वहाँ से करने का आमंत्रण भी दिया । विश्वविद्यालय के बाद हम लोग वहाँ की प्रसिद्ध इमारत “Indian Institute of Advance Studies” देखने के लिये निकल पड़े उससे खूबसूरत इमारत हमने आज तक नहीं देखी । पुराने समय का राजभवन था यह स्थान, और अब वहाँ उच्च अध्ययन की एक खूबसूरत जगह । चारों तरफ पहाड़ों और चीड़ के सुन्दर वृक्षों से घिरा हुआ, शान्त और स्वच्छ मानो किसी देवता का निवास स्थान हो, अप्रतिम सौन्दर्य था चारों तरफ । वहाँ जाने के बाद एक इच्छा सी जगी कि हम भी वहाँ पढ़ने जाने की राह निकालेंगे । वहाँ से लौटने के बाद हमने खाना खाया और अब समय आ गया था हमारे प्रस्थान का । भारी मन से हम सबने अपना सामान पैक किया और शाम होते-होते बस द्वारा कालका के लिये निकल पड़े । थके होने के बावजूद रास्ते भर गीत-संगीत चलता रहा और मन ही मन सब निश्चय करते रहे कि जल्दी ही दोबारा आयेंगे शिमला धूमने । रात 11.00 बजे हम कालका स्टेशन पहुंच गये, हमारी आगे की गाड़ी तैयार खड़ी थी, फटाफट उसमें सबने सामान चढ़ाया और अपनी सीट पर बैठ गये । बातें करते-करते कब रात हो गयी पता ही नहीं चला, थोड़ा बहुत सबने सो लिया और 25 मार्च की सुबह 6.30 बजे हम पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंच चुके थे । अपना-अपना सामान लेकर हम अपने घरों को निकल गये, और सुरक्षित घर पहुंचकर अपने टीचर्स को सूचित कर दिया । कुल मिलाकर कहें तो ऐसा रोमांचक, अनोखा, खूबसूरत अनुभव प्राप्त हुआ इस शैक्षिक भ्रमण से कि उसको शब्दों में बता पाना मुश्किल है । हम दिल से आभारी हैं अपने महाविद्यालय के प्रिसिपल मैडम के, विभाग के सभी प्राध्यापकों के और साथ ही अपने सहपाठियों के, जिनकी वजह से वो चार दिन सबसे खूबसूरत पल बन गये हमारी जिंदगी के ।

Internal Quality Assurance Cell

Dr. Kishor Kumar
Coordinator

Km. Mayawati Government Girls Post Graduate, Badalpur, Gautam Buddha Nagar, has emerged as one of the premier government colleges of Uttar Pradesh. The College offers Undergraduate, Postgraduate, Ph.D., Post-Doctoral, and Vocational programs. It has five faculties of Arts, Science, Commerce, B. Ed and B. Voc. Besides, two study centers (Swami Vivekananda Study Centre and Dr. Ambedkar Study Centre under Epoch Making Social Thinkers of India Scheme of UGC) and IGNOU study center have been working very effectively. Today, the college has grown to a large family of over 2000 students, 49 full-time dedicated teachers, and 5 non-teaching staff. The College has visionary leadership, well-qualified faculty members, students with great potential, including an organic teaching-learning environment and research. As an internal mechanism for sustenance, assurance, and enhancement of the quality culture of education, Km. Mayawati Government Girls Post Graduate, Badalpur, Gautam Buddha Nagar has a strong IQAC, established on August 3, 2012.

The Internal Quality Assurance Cell is meant for planning, guiding, monitoring quality

assurance and quality enhancement activities of the college. The IQAC channelizes and systematizes the efforts and measures of the college towards academic excellence and is a facilitative and participative organ of the college. The Internal Quality Assurance Cell is a driving force for ushering in quality by working out intervention strategies to remove shortcomings and enhance qualities. To create a culture of excellence and impactful action, three IQAC meetings have been held during this session (2020-21). All the stakeholders, including the Chairperson, academicians, students, alumni, parents, NGO-Industry representatives, etc., participated and contributed enthusiastically to promote the quality culture of the college. Some new targets and goals were proposed to be achieved in the coming future, specifically to deal with the pandemic scenario. Our IQAC regularly introspects & analyses its goals and achievements, especially the gap between the proposed target and outcome. Our institution achieved some remarkable milestones to combat this unprecedented crisis in human history. Regular dialogue among all the stakeholders gives us a new dimension to act objectively. A brief summary of all three meetings held in this session are as below: -

First IQAC Meet (29th August 2020)@ Zoom

The first meeting of IQAC for the academic year 2020-21 was held online on August 29, 2020, in adherence to the government guidelines due to the pandemic. As per the standard structure of IQAC, Dr. Arun Mohan Sherry, Director, IIIT Lucknow, Dr. A. K. Saxena, Ex-Associate Professor, Zoology, Government Raza P.G. College, Rampur and government representative Dr. Rajeev Gupta, Regional Higher Education Officer, Meerut-Saharanpur Division, Meerut were in the meeting. Other participants of the meeting were NGO representative, Smt. Nargis Gupta from Lions Club, Sh. Sanjeev Garg from Rotary Club, Sh. Chandra Prakash Singh as industry representative from AmbujaCement, Priya Bakshi as a social worker, Shri Vijay Pal Singh, Gram Pradhan, Badalpur, and Sh. Arvind Singh, a representative of the guardian. The meeting was also attended by Ex-Student representative Km Kajol, Km Pravanshi Pandey, present student representative Km. Bhawna Kushwaha, Km. Swati Singh, Km. Tanu Sharma and Km. Khushbu Saifi.

Prof. (Dr.) Divya Nath welcomed all stakeholders of IQAC. She also stated the objectives of IQAC. Thereafter, Dr. Kishor Kumar, Coordinator IQAC, presented the report of IQAC, mentioning the completed work in the current past and proposed the agenda for the future. Members of the committee discussed the proposal in detail and gave suggestions to improve the quality. Students praised the initiative of online classes and e-content developed by the college faculty members. Dr. Sherry appreciated the efforts done by the college for online classes under adverse circumstances. He suggested that e-content can further be enhanced through Swayam-2, Coursera. Dr. Saxena also appreciated the collective efforts of the college, especially in e-content development and online classes. He also praised the leadership initiatives for the same. Dr. Saxena also emphasized working on the implementation of NEP 2020. Shri Sanjeev Garg assured the cooperation and support of the college. Smt. Nargis Gupta offered to provide masks

and sanitizer to the college. Public Representative (Gram Pradhan) Badalpur, Shri Vijay Pal Singh, expressed satisfaction with the college's efforts for student welfare.

Dr. Rajeev Gupta stated that this college is the best among all government colleges in Uttar Pradesh and suggested that students should be encouraged to solve problems themselves by forming groups and feedback should be taken from them.

Dr. Kishor Kumar stated future goals of the institution e.g., webinar on NEP2020, the extension of job-oriented activities, an online orientation program for newly admitted students, more effective stress management programs to the students, etc. Dr. Deepti Bajpai stated that the college has completed the online internal examination with 100 percent participation of students as per the schedule, and the results of the same have been sent to the university through the online portal. Smt. Shilpi briefed the house about the career development activities of the college. Dr. D.C. Sharma said that even in adverse circumstances, the quality of education has not been compromised. At the end of the meeting, Dr. Kishor Kumar gave the vote of thanks to all stakeholders of the IQAC and assured them to work on the suggestions given in the meeting.

Second IQAC Meet (9th January 2021) @Zoom

The second meeting of IQAC for the academic year 2020-21 was held on January 9, 2021. The meeting was held online due to pandemic scenario and U.P. government guidelines. The meeting was started by the welcome speech of our IQAC Chairperson Professor (Dr.) Divya Nath. Dr. Arun Mohan Sherry, Director, IIIT Lucknow, Dr. A. K. Saxena, Ex-Associate Professor, Zoology, Government Raza P.G. College, Rampur, government representative Dr. Rajeev Gupta, Regional Higher Education Officer, Meerut-Saharanpur Division, Meerut, NGO representative Shri Sanjeev Garg & Shri Manoj Mittal from Rotary Club, Shri Vijay Pal Singh, Gram Pradhan, Badalpur, Sh. Arvind Singh & Sh. Ram Parikh a representative of the guardian. Ex-Student representative, Km. Kajol, Km. Hema, Km. Pravanshi Pandey, present student representative Km. Bhawna Kushwaha, Km. Swati Singh, & Km. Khushbu Saifi participated in the meeting very enthusiastically. Thereafter, Dr. Kishor Kumar, Coordinator IQAC presented the report of IQAC mentioning the completed work in the past and proposed an agenda for the future. He also stated that the action points proposed in the last meeting have been completed fully. With help of the Greater Noida Authority reconstruction of the boundary wall of the college has been completed through CSR of Haier Co. Ltd. As per the directions of the department of higher education U.P. the faculty members of the college uploaded 950 e-content of different subjects, which is the highest in Uttar Pradesh. Dr. Saxena appreciated the efforts of the college and said that the college has unlimited capabilities and is raising the standards daily. Dr. Sherry praised the efforts of the teachers in uploading the e-content and conducting online classes in adverse circumstances of pandemic and further suggested that high-quality content can be made available to students by collaborating with online courses of IIT Madras. Dr. Shanwal appreciated the efforts of the college and assured full support of Gautam Buddha University to College.

Sh. Sanjeev Garg and Sh. Manoj Mittal of Rotary Club assured of their support by visiting the college in the coming days. Dr. R K. Gupta congratulated the Principal and Teachers of the college for their great works.

Thereafter, Dr. Kishor Kumar, IQAC coordinator explained the agenda of the meeting in detail, followed by an extensive discussion. Organizing a National Seminar, Departmental Workshops, Establishment of Community Radio at college, Extension of job-oriented activities, Extension of Solar Panels, Departmental MoUs, Language Workshops, promotion of vocal for local, research planning was stated as future goals. Dr. D. C. Sharma stated that he is a member of the NEP implementation committee of Uttar Pradesh and hopefully this college will be able to achieve the true objectives/ goals of NEP 2020. Dr. Deepti Bajpai stated that the college is confident of conducting different activities as per NEP in the new session. Smt. Shilpi elaborated on different activities carried out by the college for the welfare of students. Dr. Arvind Kumar Yadav said that College will try to do every effort to introduce the new syllabus as per NEP. At the end of the meeting, Dr. Kishor Kumar expressed gratitude to all the members of the IQAC and assured to work hard on the suggestions given in the meeting.

Third IQAC Meet (29th May 2021) @Zoom

The meeting was initiated by Dr. Kishor Kumar and later Principal Prof. Divya Nath welcomed all the members. She said that IQAC has been regularly meeting even in very adverse circumstances of Pandemic. She appreciated that all the stakeholders of IQAC sparing their valuable time for the meeting which inspired the college to achieve quality education. IQAC has regularly set the milestones and achieved them. Dr. Kishor Kumar informed that all faculties of the college have developed and uploaded more than 900 e-contents on the online digital library of Uttar Pradesh and has been awarded the first rank in developing e-content. Five faculty members including Dr. Dinesh Sharma, Dr. Deepti Bajpai, Dr. Mamta Upadhyay, Dr. Satyant Kumar, and Dr. Neelam Sharma also secured either first or second rank in the respective subject at the state level. He informed that all the faculty members are involved in developing content that can be accessed locally nationally and globally. He also stated that college is regularly leading towards excellence. He started his presentation by stating the agenda of the last meeting. He further communicated that because of the adverse circumstances a couple of targets were missed on this occasion but keeping transparency in mind, he is open to discussions about the missed targets so that the college can work upon them to achieve in the future. The college has organized approximately 25 webinars/seminars at the national and international level and it has lived up to its culture of organizing a physical seminar too. College is also working upon becoming a job provider rather than the job seeker. He informed that all departments/ faculty have completed all the syllabus online/ offline in time. College targeted more MoU at the institutional and departmental levels. At present college has approximately 10 MoU in different areas. The college has signed an MOU with TNS for employability and workplace in this quarter. A national seminar sponsored by the Directorate of Higher Education was also organized by the college on 13th March 2021 in open

ground to avoid or minimize the spread of the virus by following covid protocol. Six online conferences were held on innovation and entrepreneurship to promote the culture of the startups among students so that they become job providers instead of job seekers in the future. 49 students have been placed through placement cell. The college has been sanctioned 5 projects through the UP government. The College is managing all the procurement for these projects through e-tendering, GEMS portal, and OEM. National Youth Day was celebrated on the birth anniversary of Swami Vivekananda.

Then he introduced the agenda of the present meeting

1. Submission of AQAR 2019-20 in 1 month.
2. Increasing research and innovation culture in the pandemic scenario.
3. Orientation program on implementation of New Education Policy 2020.
4. Implementation of New Education Policy 2020.
5. Increasing involvement of teachers and students with MOOC and ARPIT.

Dr. A.K. Saxena congratulated on the development of content and online digital library and asked the college to take a pioneering step in the implementation of NEP 2020. He stressed the challenging points such as the implementation of skill-oriented courses in rural areas. He also suggested some of the valuable suggestions in the implementation of NEP2020.

Professor Sherry congratulated the college for its achievements during the pandemic. He emphasized that UGC is laying a lot of importance on hybrid education. He told about the ABC (Academic Bank of Credit) scheme. He requested to post suggestions on the UGC portal about hybrid education and ABC. Dr. Vinod Shanwal from GBU, G. B. Nagar commented on the objectivity of NEP 2020. He said that the students should be guided in making a better choice and making a better career for themselves. Therefore, teachers should play the role of mentor to their students. Ms. Bakshi indicated that our organization is working on providing help to students. She said that our organization will identify meritorious students and provide every help to them to achieve their educational goals. It was collectively felt by the members of this meeting that implementation of NEP 2020 is going to be a huge challenge as lot many things are still not clear. Ex-students and representative of students also expressed their views and give valuable solutions about improving education quality in college and felt proud to be part of progressive college. Dr. Deepti Bajpai, Convenor of Internal Examination informed all the stakeholders about the proposal of conducting internal examination via online method. Mrs. Shilpi, convenor of career counseling, informed about the placement activities carried out by Technoserve and Medha in the college. She stated that placements have started in college and it will end by November 2021. Presently one student is already placed and more are likely to be placed by August. Dr. Arvind Kumar Yadav informed the members about the startup proposal and planning and also apprised the difficulty in implementation of NEP 2020 in commerce subject. In the end, Dr. Kishor Kumar expressed gratitude to all members for being present in the meeting and contributing their views on improving the quality of education in the college.

Webinar – Internationalization of Indian Education System

An International Webinar was held by IQAC of College on “Internationalization of Indian Education System– Possibilities in Background of NEP 2020” on 3rd September 2020. The webinar was started by Dr. Kishor Kumar, Convener, and master of ceremony, he explained the need, importance and the various facets of implementation of NEP-2020. Thereafter, Dr. Deepti Bajpai recited mantra to inaugurate the webinar. Then the member of the U.P. NEP implementation committee and organizer Dr. D. C. Sharma explained in detail the objective of the webinar. Dr. Divya Nath welcomed all the participants of the webinar and said that NEP is much needed in the present time.

The chief guest of the webinar, former Director of IIT, Kanpur said that India can become Vishva Guru through NEP 2020. Second Speaker Dr. Vijay Kumar Tiwari, Indian Institute of Advanced Studies, Shimla said that NEP will promote smart learning. Third Speaker Professor Kumar Ratnam, Member Secretary ICHR said that NEP will improve the chances of employment, transparency and will increase the quality of research. Fourth Speaker Dr. Aziz Jasim Mohamad, Assistant Professor, English Literature, Al Jahra College for Women, Muscat Oman said that NEP will promote culture, mutual mobility and research and will improve the level of education. Dr. Sonia Jasrotia, Visiting Professor, PSR Buddhist University, Cambodia explained that how NEP will enhance the quality of education in India. Ms. Archita Bajpai, Berlin University, Germany compared NEP with German Education System and briefed about features of NEP. Thereafter, a Questions & Answers session was held. After the Q &A session, the organizing secretary of the webinar Sh. Arvind Kumar Yadav informed that the webinar is attended by 1765 participants through Zoom & YouTube including 9 participants from overseas and from 22 states across India. The other organizing secretaries of the webinar Smt. Shilpi, Dr. Harindra Kumar, and Dr. Vijeta Gautam contributed significantly in organizing the webinar. In the end, Dr. Deepti Bajpai gave the vote of thanks.

Workshop on Inflation and Investor Awareness in Present Scenario

IQAC Cell of College organized a workshop on Inflation and Investor Awareness on 28th October 2020 under the patronage of Prof. Divya Nath, Principal. The Chief Speaker Sh. Raghunandan Patnaik, National Trainer, BFSI introduced the various facets of investment to participants. The organizing Secretary of the workshop, Dr. Arvind Kumar Yadav started the workshop with a welcome note and stated the relevance of the workshop. There after, Chief Speaker emphasized the importance of economic security and planning and said that it is the most important issue in the present time. He highlighted various salient features & important aspects of economic planning. In the second phase of the workshop Sh. Patnaik addressed the queries of participants. In the end, the principal appreciated the effort of IQAC in organizing the workshop and emphasized carrying on the effort in the future as well. In the last phase of the workshop Dr. Kishor Kumar, Convener, IQAC expressed gratitude to Patron Prof. Divya Nath, Chief Speaker Sh.

Raghunandan Patnaik, organizing team of the webinar including Dr. D. C. Sharma, Dr. Deepti Bajpai, Smt. Shilpi and Dr. Arvind Kumar. Dr. Kumar also gave vote of thanks to all the faculty members and participants.

National Workshop on Cyber Crime

IQAC organized a one-day online workshop on Cyber Crime on 21st December 2020. Dr. D. C. Sharma, Dr. Kishor Kumar, and Dr. Deepti Bajpai were the organizing secretaries of the workshop. Dr. Arvind Kumar Yadav was the coordinator of the workshop. Shri Sumit Bisht, Senior Consultant E&Y and Sh. Rahul Mishra, Cyber Security Consultant, UP Police, Lucknow were the invited specialist in the workshop.

In the first phase of the workshop, Shri Sumit Bisht explained about security and challenges in the e-commerce space. He explained various policies, technical solutions and various processes in the background of changing canvas of e-commerce. In the second phase of the workshop, Shri Rahul Mishra explained about various frauds happening during online shopping due to ignorance and carelessness. Then he informed about the website of UP Police where anybody can register his or her complaint/s related to cybercrime.

At the end of the workshop Dr. Kishor Kumar, Coordinator IQAC gave the formal vote of thanks to the invited specialists and participants of the workshop. Dr. Kishor Kumar expressed gratitude to the IQAC Chairperson and Patron of the workshop Prof. Divya Nath by virtue of her leadership and guidance we are regularly moving towards our objectives. Smt. Shilpi, Workshop Coordinator and Member of IQAC contributed significantly to the success of the workshop.

Apart from these activities, IQAC also conducted Academic Audit for the session of 2020-21 and compiled the AQAR report to be submitted. IQAC also forwarded all the eligible CAS forms for promotion to the Directorate of Higher Education, Uttar Pradesh on time. This committee is continuously putting efforts into the development of the Institution by providing academic training, organizing webinars, evaluating feedbacks and incorporating in the current education system and monitoring the overall academic process.

With all these achievements we would like to mention that it is our collective effort and the vision of our leadership by virtue of which the college is regularly moving towards excellence, for which we are thankful to all the stakeholders. The college has achieved so much but excellence is a process, so we have to keep moving towards the fulfillment of our vision and mission.

Department of Vocational Studies

(Airlines, Tourism & Hospitality Management and Medical Laboratory & Molecular Diagnostic Technology)

The UGC has started a scheme on skills development based higher education as part of college-university education leading to bachelor of vocation (B. Voc.) degree with lateral entry and multiple exit options at certificate/diploma/advanced diploma level under the NSQF. Two courses (**Airlines, Tourism & Hospitality Management- ATHM and Medical Laboratory & Molecular Diagnostic Technology- MMDT**) under this scheme were started in our college in 2019 students admitted in these courses are being trained in various hotels airport ground staff. Travel Agencies, Tour Operators, Hospitals/ Health organizations and other institutes along with their routine classes in the college.

Department of Vocational Studies, Km. Mayawati Govt. Girls PG College organized an educational trip to Shimla from 12th Feb 2021 to 15th Feb 2021. Students of B. Voc (**Medical Laboratory & Molecular Diagnostic Technology and Airlines, Tourism & Hospitality Management**) together participated in the tour along with faculty members.

Department of Vocational Studies, also organized **Extempore Competition, Quiz Competition** and celebrated **Science Day** on 5th Feb, 6th Feb 2021 and 28th Feb. 2021 respectively in the college premises.

Additionally, the B. Voc department of **Airlines, Tourism and Hospitality Management** conducted one day excursion to visit **National Rail Museum** and **Humayu Tomb** New Delhi. All the incumbents came to know the history of rail transport in India and also experienced the rich cultural heritage while visiting UNESCO world heritage site of Humayu Tomb.

Students of B. Voc (**Airlines, Tourism & Hospitality Management**) have been placed in various hotels and travel agencies for internship. All the students performed very well during their internship & have also been offered stipend during their training. In their internship they learnt various skills required in Front Office, Food & Beverages Services, Housekeeping, Tour Package formulation & itinerary preparation, hotel Booking etc.

Training Details

ATHM Third Semester				ATHM Semester			
S.N.	Name of the student	Semester	Company	S.N.	Name of the Student	Semester	Company
1	Shivani Raghav	ATHM III	J D Travel Online Noida	1	Pragati Singh	ATHM I	J D Travel Online Noida
2	Sakshi Singh	ATHM III	J D Travel Online	2	Renu Rautela	ATHM I	J D Travel Online
3	Sheetal Rajdeep	ATHM III	J D Travel Online Noida	3	Deepa	ATHM I	J D Travel Online Noida
4	Chitra Soni	ATHM III	J D Travel Online Noida	4	Srashti Rautela	ATHM I	J D Travel Online Noida
5	Sejal Bhardwaj	ATHM III	Parth Tours New Delhi	5	Kanchan Nagar	ATHM I	J D Travel Online Noida
6	Khushboo Saifi	ATHM III	Hotel Vaishali inn Ghaziabad	6	Himanshi Chauhan	ATHM I	Hotel Acc Iconic and Prime-Noida
7	Sweta Gaur	ATHM III	Hotel Vaishali inn Ghaziabad	7	Kajal Mavi	ATHM I	Hotel Acc Iconic and Prime-Noida
8	Nisha Sharma	ATHM III	Hotel Acc Iconic and Prime-Noida	8	Dolly Singh	ATHM I	Hotel Acc Iconic and Prime-Noida
9	Komal Nagar	ATHM III	Hotel Acc Iconic and Prime-Noida	9	Shaili Shishodia	ATHM I	Hotel Acc Iconic and Prime-Noida
10	Hani Sharma	ATHM III	Hotel Acc Iconic and Prime-Noida	10	Nisha Saraswat	ATHM I	Hotel Swiss Grand Ghaziabad
11	Dolly Sharma	ATHM III	Hotel Acc Iconic and Prime-Noida	11	Priyanaka Parjapati	ATHM I	Hotel Swiss Grand Ghaziabad
12	Vandana Sharma	ATHM III	Hotel Acc Iconic and Prime-Noida	12	Km Priyanka	ATHM I	Hotel Swiss Grand Ghaziabad

Eco Restoration & Green Audit Committee

Dr. Pratibha Tomar
In charge

There is an increasing concern over environmental issues all over the globe. Environmental issues are increasingly impacting the bottom line and future prospects of industries/companies/government and non-government organisations. They can prevent both risk and opportunities and can have important for strategy, competitiveness, risk management stakeholder relations and business resilience.

During past few adverse environmental effect of economic development has been a great cause of concern. Industrial & economic development activities are contributing to the escalating environmental degradation of earth through intensive use of natural resources and generation of environmental pollutants and wastes that overwhelm the natural environment capacity to recover one of the measures taken in this regard is green audit or environmental audit. According to USEDA “Environmental audit is a systematic documented, periodic and objectives reviews by a regulated entity of facility operation and practices related to meeting environmental requirements. In this regard our college is also conducting green audit every year since 2017-18. The year 2020-21 was severely affected by the covid-19 pandemic. Due to lockdown for several months the normal routine and activities could not be followed. The college also remained closed for students during 18 March 2020-22 Nov-2020. Most of the activities related to college committees were conducted online Amidst all these, some attempts were also made by the green audit committee of the college, to name a few are-

1. As part of extensive plantation drive organised by U.P Govt. plantation was done in and around college by NCC, Green Audit Committee & NSS Committee of college on 5th July 2020.
2. The vermin compost pit which was created in the year 2019 was refilled with fresh compost in the year 2020 and manure was used in college.
3. As a part of saving energy, the old light and water taps and tanks were reprieved and maintained regularly.
4. In the herbal garden some new species of plants like Ashwagandha, Clove, turmeric etc were planted.
5. Regular cleaning and maintenance of rain water harvesting unit was done.
6. There was refilling of printers in all the department of college.
7. The paper used for making projects reports by students was reused and recycled by the office of the college.
8. On the occasion of ozone day an online lecture, by Dr. Ashwini Kumar Goyal, was given to spread awareness about O₃ depletion and other environmental concerns.
9. Green ambassadors were appointed to spread awareness towards environmental concerns. Deepika d/o Rakesh Kumar (B.sc II), Tanu Singh d/o Bhanu Pratap Singh (B.sc II), and Juby d/o Ikramuddin from geography department of the college.
10. As part of spreading awareness towards Covid-19 an essay competition was also organised by Eco-Restoration and Green Audit committee.

महाविद्यालय प्राध्यापकों एवं छात्राओं की विशिष्ट उपलब्धियां

{सत्र 2000-2021}

1. उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विनिर्मित डिजिटल लाइब्रेरी में विद्यादान माह अक्टूबर 2020 के अंतर्गत महाविद्यालय से विभिन्न विषयों में 987 ई-कंटेंट अपलोड किए गए। सर्वाधिक ई-कंटेंट उपलब्ध कराने हेतु शासन द्वारा महाविद्यालय को समस्त राजकीय, स्ववित्तपोषित एवं अनुदानित महाविद्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्रदान किया गया तथा इस हेतु महाविद्यालय को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जो कि महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव की बात है।

2. उत्तर प्रदेश डिजिटल लाइब्रेरी में छात्र हित में सर्वाधिक e-content अपलोड कर अपने-अपने विषय की श्रेणी में महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. ममता उपाध्याय को प्रथम तथा संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नीलम शर्मा को प्रथम तथा डॉ. दीपि वाजपेयी को द्वितीय स्थान पर आने के लिए सम्मान स्वरूप प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसी कार्य हेतु जंतु विज्ञान विभाग से डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, एवं शारीरिक शिक्षा विभाग से डॉ. सत्यन्त कुमार को सर्वाधिक e-content अपलोड करने के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

3. शासन की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. किशोर कुमार एवं भूगोल विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी लोहानी को वृहद शोध परियोजना हेतु अनुदान स्वीकृत हुआ तथा लघु शोध परियोजना हेतु संस्कृत विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपि वाजपेयी एवं समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीता सिंह को अनुदान प्राप्त हुआ, जो कि महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में वृद्धि करने वाला है।

4. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु गठित राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न समितियों में महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिनेश शर्मा स्टेरिंग कमेटी के सदस्य के रूप में चयनित हुए तथा नई शिक्षा नीति के अनुसार संपूर्ण प्रदेश में न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू किए जाने के लिए विनिर्मित पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण समिति की सुपरवाइजर की कमेटी में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. दीपि वाजपेयी एवं डॉ. अरविन्द यादव का चयन किया गया। इसके साथ ही विषय विशेषज्ञ समिति में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों (डॉ. शिवानी वर्मा, डॉ. शिल्पी, डॉ. नेहा त्रिपाठी, डॉ. मीनाक्षी लोहानी, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. विनीता गौतम, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. भावना यादव) की सहायता से समान पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण का गुरुतर कार्य संपन्न किया गया है। शासन स्तर के शीर्ष वरीयता प्राप्त इस कार्य में महाविद्यालय के कुल 14 प्राध्यापकों कि संलग्नता निसंदेह गर्व का विषय है।

5. महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में डॉ. ममता उपाध्याय के निर्देशन में शोध कार्यरत छात्रा कुमारी दीपिका ने यू.पी. पी.सी.एस में ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर के पद तथा भूगोल विभाग में डॉ. मीनाक्षी लोहानी के निर्देशन में शोध कार्यरत श्री राम विष्णु ने प्रवक्ता इंटर कॉलेज पद पर चयनित होकर महाविद्यालय के गौरव में वृद्धि की है।

6. महाविद्यालय की B.Ed विभाग की छात्रा कुमारी रोजी आज़मी को उत्तर प्रदेश राज्य सङ्क परिवहन की ओर से आयोजित सङ्क सुरक्षा मस्कट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जिसके लिए उन्हें पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र के साथ साथ ₹ 21000 की धनराशि प्रदान की गई, जो कि महाविद्यालय के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है।

7. विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी एन.सी.सी.कैडेट कुमारी दिव्या एवं कुमारी साक्षी को राजपथ पर प्रतिभाग करने हेतु यूथ आर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया गया है। महाविद्यालय छात्राओं की उपर्युक्त उपलब्धि पर गौरवान्वित है।

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य-डॉ. दिव्या नाथ

कला संकाय

हिन्दी विभाग

1.	डॉ. रश्मि कुमारी	एसो. प्रो.
2.	डॉ. अर्चना सिंह	एसो. प्रो.
3.	डॉ. जीत सिंह	एसो. प्रो.
4.	डॉ. मिन्तु	असि. प्रो.

अंग्रेजी विभाग

1.	श्रीमती जूही बिरला	असि. प्रो.
2.	डॉ. विजेता गौतम	असि. प्रो.
3.	डॉ. श्वेता सिंह	असि. प्रो.
4.	डॉ. अपेक्षा तिवारी	असि. प्रो.

संस्कृत विभाग

1.	डॉ. दीपिति वाजपेयी	एसो. प्रो.
2.	डॉ. नीलम शर्मा	असि. प्रो.
3.	डॉ. कनकलता यादव	असि. प्रो.

समाजशास्त्र विभाग

1.	डॉ. सुशीला	असि. प्रो.
2.	डॉ. हरेन्द्र कुमार	असि. प्रो.
3.	डॉ. विनीता सिंह	असि. प्रो.

इतिहास विभाग

1.	डॉ. आशा रानी	एसो. प्रो.
2.	डॉ. किशोर कुमार	एसो. प्रो.
3.	डॉ. निधि रायजादा	एसो. प्रो.
4.	डॉ. अनीता सिंह	एसो. प्रो.
5.	डॉ. अरविन्द सिंह	असि. प्रो.

गृहविज्ञान विभाग

1.	डॉ. शिवानी शर्मा	एसो. प्रो.
2.	श्रीमती शिल्पी	असि. प्रो.
3.	श्रीमती माधुरी पाल	असि. प्रो.

राजनीति शास्त्र विभाग

1.	डॉ. आभा सिंह	एसो. प्रो.
2.	डॉ. ममता उपाध्याय	एसो. प्रो.
3.	डॉ. सीमा देवी	असि. प्रो.

भूगोल विभाग

1.	डॉ. मीनाक्षी लोहनी	असि. प्रो.
2.	डॉ. कनक कुमार	असि. प्रो.
3.	श्रीमती निशा यादव	असि. प्रो.

अर्थशास्त्र विभाग

1.	श्रीमती भावना यादव	असि. प्रो.
2.	श्रीमती पवन कुमारी	असि. प्रो.

संगीत विभाग

1.	डॉ. बबली अरुण	असि. प्रो.
----	---------------	------------

शिक्षा विभाग

1.	डॉ. सोनम शर्मा	असि. प्रो.
----	----------------	------------

शारीरिक शिक्षा विभाग

1.	डॉ. सत्यन्त कुमार	असि. प्रो.
2.	श्री धीरज कुमार	असि. प्रो.

चित्रकला विभाग

1.	डॉ. शालिनी तिवारी	असि. प्रो.
----	-------------------	------------

विज्ञान संकाय

जन्तु विज्ञान विभाग

1.	डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा	एसो. प्रो.
----	------------------------	------------

रसायन विज्ञान विभाग

1.	श्रीमती नेहा त्रिपाठी	असि. प्रो.
----	-----------------------	------------

वनस्पति विज्ञान विभाग

1.	डॉ. प्रतिभा तोमर	असि. प्रो.
----	------------------	------------

भौतिक विज्ञान विभाग

1.	डॉ. ऋष्या	असि. प्रो.
----	-----------	------------

गणित विभाग

1.	पदरिक्त
----	---------

वाणिज्य संकाय

1.	डॉ. अरविन्द कुमार यादव	असि. प्रो.
2.	डॉ. मणि अरोड़ा	असि. प्रो.

शिक्षा संकाय

1.	डॉ. बलराम सिंह	असि. प्रो.
2.	डॉ. संजीव कुमार	असि. प्रो.
3.	डॉ. रत्न सिंह	असि. प्रो.
4.	मो. वकार रजा	असि. प्रो.
5.	डॉ. रमाकान्ति	असि. प्रो.
6.	डॉ. सतीश चन्द्र	असि. प्रो.
7.	डॉ. ज्ञानेन्द्र सिंह	असि. प्रो.

बी० वॉक० संकाय (यू.जी.सी. अनुदानित)

1.	डॉ. आजाद आलम	अस्थाई
2.	डॉ. हेमन्त चंचल	अस्थाई

शिक्षणेत्र कर्मचारी

1.	पुस्तकालयाध्यक्ष	पदरिक्त
2.	कार्यालयाध्यक्ष	श्री महेश भाटी
3.	वारिष्ठ लिपिक	दो पद रिक्त
4.	कनिष्ठ लिपिक	श्री माधव श्याम केसरवानी
5.	अर्दली	श्री अभिषेक कुमार
6.	स्वीपर	एक पद रिक्त
7.	कार्यालय परिचर	श्री चन्द्र प्रकाश
8.	प्रयोगशाला सहायक	दो पद रिक्त
9.	प्रयोगशाला परिचर	चार पद रिक्त

श्री मुकेश शर्मा (भूगोल विभाग)
6 पद रिक्त



संपादक मण्डल



दायें से बायें - डॉ. विजेता गौतम, डॉ. मिन्तु, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. नेहा त्रिपाठी, डॉ. दीपि वाजपेयी, (प्रधान सम्पादक) डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्य),
डॉ. किशोर कुमार, डॉ. अरविन्द कुमार यादव, डॉ. मीनाक्षी लोहनी, डॉ. रमाकान्ति

शास्ता मण्डल



प्रथम पंक्ति - दायें से बायें - डॉ. दीपि वाजपेयी, डॉ. आशा रानी, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्य),
डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. रश्मि कुमारी,
द्वितीय पंक्ति - दायें से बायें - डॉ. धीरज कुमार, डॉ. बलराम सिंह

एन.सी.सी., एन.एस.एस., रेजर्स समिति



दायें से बायें - डॉ. सुशीला, डॉ. नेहा त्रिपाठी, डॉ. मिन्तु, डॉ. सोनम शर्मा, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. दीपि वाजपेयी, डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्य), डॉ. अर्चना सिंह,
डॉ. मीनाक्षी लोहनी, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. शिल्पी, डॉ. अरविन्द कुमार यादव, डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. रमाकान्ति

